THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 89 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आषाढ अमावस्या 2082 बुधवार, 25 जून-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✲ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

कोरोना केस 3000 घटे, 4089 एक्टिव मामले

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)। देशभर में कोरोना वायरस के केस बीते 2 हफ्ते से घट रहे हैं। 12 दिन में 3000 से ज्यादा एक्टिव केस कम हुए हैं। 12 जून को देशभर में 7131 एक्टिव केस थे, जिनकी संख्या घटकर 4089 पहुंच गई है। बीते 24 घंटे में केवल 7 नए मामले सामने आए हैं। 336 मरीज रिकवर हुए हैं। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, कोरोना के नए वैरिएंट से जनवरी 2025 से अब तक 127 की मौत हुई है। बीते 24 घंटे में 3 मरीजों ने जान गंवाई है। सबसे ज्यादा 40 मौतें केरल में हुई हैं। वहीं महाराष्ट्र में 33 लोगों की जान गई है। मैक्स साकेत हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. रोमेल टिक्कू ने कहा, अब कोविड एक एंडेमिक (स्थायी रूप से मौजूद) बीमारी है।

'खून बहाने वालों को बख्शेंगे नहीं'

'ऑपरेशन सिंदूर' पर बोले पीएम मोदी

✲ श्री नारायण गुरु के शताब्दी समारोह में पीएम ने आतंकियों को दी चेतावनी

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत के दो महानतम आध्यात्मिक और नैतिक नेताओं श्री नारायण गुरु और महात्मा गांधी के बीच ऐतिहासिक बातचीत के शताब्दी समारोह के उद्घाटन कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान पीएम मोदी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' का भी जिक्र किया। उन्होंने इस बात का भी जिक्र किया कि कैसे भारत ने 22 मिनट में दुश्मनों को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने कहा कि दुनिया ने हाल ही में ये भी देखा है कि भारत का सामर्थ्य क्या है। ऑपरेशन सिंदूर ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की कठोर नीति को दुनिया के सामने स्पष्ट कर दिया है। हमने दिखा दिया है कि भारतीयों का खून बहाने वालों के लिए कोई भी ठिकाना सुरक्षित नहीं है। आज का भारत देशहित में जो भी सही है उसके हिसाब से कदम उठाता है।

> इतिहास की एक अभूतपूर्व घटना को याद करने का साक्षी :

इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आज ये परिसर देश के इतिहास की एक अभूतपूर्व घटना को याद करने का साक्षी बन रहा है। एक ऐसी ऐतिहासिक घटना, जिसने न सिर्फ हमारे स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा दी, बल्कि स्वतंत्रता के उद्देश्य को नए मायने दिए। 100 साल पहले श्री नारायण गुरु और महात्मा गांधी की वो मुलाकात आज भी उतनी की प्रेरक है, उतनी ही प्रासंगिक है।

> विकसित भारत के सामूहिक लक्ष्यों के लिए ऊर्जा के स्रोत की तरह :

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 100 साल पहले वो मुलाकात, सामाजिक समरसता के लिए, विकसित भारत के सामूहिक लक्ष्यों के लिए आज भी ऊर्जा के स्रोत की तरह है। इस ऐतिहासिक अवसर पर मैं श्री नारायण गुरु को नमन करता हूं और महात्मा गांधी जी को भी अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

> सभी जानते हैं कि समाज के शोषित, पीड़ित, वंचित वर्ग से मेरा क्या नाता :

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, श्री नारायण गुरु के आदर्श पूरी मानवता के लिए बहुत बड़ी पूंजी है। जो लोग देश और समाज की सेवा के संकल्प पर काम करते हैं श्री नारायण गुरु उनके लिए प्रकाश स्तंभ की तरह हैं। आप सभी जानते हैं कि समाज के शोषित, पीड़ित, वंचित वर्ग से मेरा क्या नाता है और इसलिए आज भी जब मैं समाज के शोषित, पीड़ित,वंचित वर्ग के लिए निर्णय लेता हूं तो मैं गुरु देव को जरूर याद करता हूं।

पीएम मोदी ने कहा, भारत की विशेषता है कि हमारा देश जब भी मुश्किलों के भंवर में फंसता है, तो कोई न कोई महान विभूति देश के किसी कोने में जन्म लेकर समाज को नई दिशा दिखाता है। कोई समाज के आध्यात्मिक उत्थान के लिए काम करता है, तो कोई सामाजिक क्षेत्र में समाज सुधारों को गति देता है। श्री नारायण गुरु ऐसे ही महान संत थे।

संसदीय स्थायी समिति की बैठक में उठा जस्टिस यशवंत वर्मा का मामला

> एफआईआर न होने पर उठे सवाल

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)। संसद की एक स्थायी समिति की बैठक में दिल्ली हाईकोर्ट के जज जस्टिस यशवंत वर्मा से जुड़ा मामला उठाया गया। सूत्रों के मुताबिक, समिति के सदस्यों ने यह सवाल किया कि जब इस मामले में गंभीर आरोप लगे हैं, तो अब तक कोई एफआईआर क्यों दर्ज नहीं हुई है।

इसके साथ ही सदस्यों ने यह भी सुझाव दिया कि सुप्रीम कोर्ट के पुराने फैसले वीरास्वामी केस की समीक्षा की जानी चाहिए। इस फैसले के तहत किसी भी सिटिंग जज के खिलाफ जांच या एफआईआर दर्ज करने के लिए हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस की अनुमति जरूरी होती है।

न्यायाधीशों के लिए आचार संहिता बनाने का सुझाव :

इसके अलावा समिति की ओर से बैठक में यह भी सुझाव आया कि न्यायाधीशों के लिए आचार संहिता बनाई जाए, ताकि उनके व्यवहार और फैसलों में पारदर्शिता बनी रहे। साथ ही, रिटायर होने के बाद जजों के लिए कुछ समय का कूलिंग ऑफ पीरियड तय करने की बात भी कही गई, ताकि वे सीधे किसी सरकारी पद या राजनीतिक भूमिका में न जाएं। मामले में समिति ने इन सभी मुद्दों पर सरकार और न्यायपालिका से स्पष्टता और कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

कोई मुद्दा है तो हम मिलने को तैयार : चुनाव आयोग

राहुल ने फिर उठाया चुनाव में धांधली का मसला

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को 2024 के महाराष्ट्र चुनावों में धांधली के उनके आरोपों पर औपचारिक रूप से पत्र लिखा है। इसमें कहा गया है कि सभी चुनाव संसद की ओर से पारित कानूनों और नियमों के अनुसार सख्ती से कराए जाते हैं। चुनाव आयोग ने इस बात पर भी जोर दिया कि पूरे चुनाव अभ्यास में हजारों लोगों को शामिल किया जाता है, जिसमें राजनीतिक दलों की ओर से नियुक्त बूथ-स्तरीय एजेंट भी शामिल हैं।

एक प्रमुख लेख के जवाब में 12 जून को राहुल गांधी को ईमेल किए गए एक पत्र में चुनाव आयोग ने कहा कि पूरी चुनाव प्रक्रिया विधानसभा क्षेत्र स्तर पर विकेंद्रीकृत तरीके से आयोजित की जाती है। इसमें आयोग की ओर से नियुक्त 1,00,186 से अधिक बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ), 288 निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ), 139 सामान्य पर्यवेक्षक, 41 पुलिस पर्यवेक्षक, 71 व्यय पर्यवेक्षक और 288 रिटर्निंग अधिकारी (आरओएस) शामिल होते हैं। इसके अलावा महाराष्ट्र में कांग्रेस के 28,421 सहित राष्ट्रीय और राज्य राजनीतिक दलों की ओर से 1,08,026 बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) नियुक्त किए गए हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता से कहा गया, हमारा मानना है कि चुनाव संचालन से संबंधित कोई भी मुद्दा कांग्रेस उम्मीदवारों की ओर से सक्षम न्यायालय (उच्च न्यायालय) में दायर चुनाव याचिकाओं के माध्यम से पहले ही उठाया जा चुका होगा। चुनाव प्राधिकरण ने कहा, यदि आपके पास अभी भी कोई मुद्दा है, तो आप हमें लिख सकते हैं और आयोग सभी मुद्दों पर चर्चा करने के लिए पारस्परिक रूप से सुविधाजनक तिथि और समय पर आपसे व्यक्तिगत रूप से मिलने के लिए भी तैयार है।

घोषणा के बाद भी ईरान और इस्राइल ने तोड़ा युद्धविराम

> इस्राइली सेना को ट्रंप ने दी चेतावनी, 'बम मत गिराओ'

वॉशिंगटन, 24 जून (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि ईरान और इस्राइल दोनों ने युद्धविराम के नियमों का उल्लंघन किया है। यह युद्धविराम मंगलवार तड़के से लागू होना था, लेकिन इसके कुछ ही समय बाद दोनों देशों की ओर से हमले हुए। ट्रंप ने इस्राइल को चेतावनी दी है कि वह अपने पायलटों को तुरंत घर बुलाए और बमबारी बंद करे। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा- इस्राइल, बम मत गिराओ। अगर तुम ऐसा करते हो तो यह बड़ा उल्लंघन होगा। ट्रंप ने नाटो सम्मेलन के लिए हेग रवाना होने से पहले पत्रकारों से बातचीत में कहा, उन्होंने (ईरान ने) युद्धविराम तोड़ा, लेकिन इस्राइल ने भी ऐसा किया। मैं इस्राइल से खुश नहीं हूं।

युद्धविराम के बाद क्या हुआ :

मंगलवार सुबह इस्राइल ने आरोप लगाया कि ईरान ने युद्धविराम लागू होने के बाद उसके हवाई क्षेत्र में मिसाइलें दागीं। ईरान की सेना ने इस बात से इनकार किया, लेकिन उत्तरी इस्राइल में विस्फोट और सायरन की आवाजें सुनाई दीं। इस्राइली सेना ने कहा कि उसने दो ईरानी मिसाइलों को रास्ते में ही नष्ट कर दिया। यह संघर्ष 12 दिन पहले इस्राइल का दावा है कि ईरान परमाणु हथियार बनाने की कोशिश कर रहा है, जबकि ईरान कहता है कि उसका कार्यक्रम शांतिपूर्ण है। इस बीच अमेरिका ने भी हमलों में हिस्सा लिया और ईरान के परमाणु ठिकानों पर बंकर-बस्टर बम गिराए। सोमवार को ईरान ने कतर स्थित एक अमेरिकी सैन्य अड्डे पर जवाबी हमला किया। इसके बाद ट्रंप ने युद्धविराम की घोषणा की, जिसे दोनों देशों ने स्वीकार किया था। लेकिन ताजा हमलों के बाद इस युद्धविराम पर सवाल खड़े हो गए हैं। शुरू हुआ था, जब इस्राइल ने ईरान के परमाणु और सैन्य ठिकानों पर हमला किया।

आरजेडी का 13वीं बार अध्यक्ष बनकर लालू यादव ने पार्टी की 'तेरहवीं' कर दी : नित्यानंद राय

पटना, 24 जून (एजेंसियां)। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव को फिर से राष्ट्रीय जनता दल (राजद) का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनना तय माना जा रहा है। ऐसे में भाजपा के नेता और केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने मंगलवार को लालू यादव पर जोरदार निशाना साधते हुए कहा कि राजद को 13वीं बार अध्यक्ष बनकर लालू यादव ने पार्टी की तेरहवीं कर दी है। पटना में पत्रकारों से बातचीत के दौरान केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने राजद को परिवारवादी पार्टी बताते हुए कहा कि राजद ने लालू यादव को एक बार फिर से अध्यक्ष बनाकर साबित कर दिया है कि ये पार्टी परिवार के बाहर जा ही नहीं सकती है। यह परिवारवादी पार्टी है जो भ्रष्टाचार के लिए ही बनाई गई है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में परिवारवाद राजतंत्र की निशानी है। यह लोकतंत्र का मजाक है। अब राजद के लोग भी कहते हैं कि पार्टी में यह वंशवाद ठीक नहीं है। राजद को जनता सबक सिखाएगी। केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने कहा, बिहार की जनता को लोकतंत्र पर विश्वास है। भारत की व्यवस्था लोकतांत्रिक है। संविधान ने भी लोकतंत्र की भावना दी है। भारत को दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र कहा भी जाता है। दूसरी ओर राहुल गांधी और तेजस्वी यादव का परिवार परिवारतंत्र में ही जीना सीखा है। आगे भी जिस किसी का नाम अध्यक्ष पद के लिए तय होगा वह उस परिवार से बाहर नहीं जाएगा।

उन्होंने आगे कहा कि लोकतंत्र के जो भी सच्चे पुजारी हैं वह राजद में रह ही नहीं सकते हैं।

इधर, ईरान से भारत के नागरिकों की वापसी पर उन्होंने कहा कि जब से नरेंद्र मोदी देश के प्रधानमंत्री बने हैं तब से मुसीबत में फंसे लोगों को प्रधानमंत्री वापस लाने का काम करते रहे हैं। चाहे वह कोरोना का काल हो या दो देशों के बीच युद्ध का काल हो। यहां तक कि जो देश सक्षम नहीं हैं, उनके नागरिक भी भारत का तिरंगा लेकर वापस आए हैं और फिर अपने देश गए।

ईरान-इजराइल युद्ध के चलते 60 से अधिक फ्लाइट कैंसिल

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)। ईरान-इजराइल युद्ध का असर भारत से मिडिल ईस्ट आने-जाने वाली फ्लाइट्स पर पड़ रहा है। बढ़ते तनाव और एयरस्पेस बंद होने से अब तक 60 से ज्यादा उड़ानें रद्द हो गई हैं। दिल्ली एयरपोर्ट की 48 फ्लाइट्स कैंसिल हुई हैं। इनमें 28 फ्लाइट दिल्ली आने और 20 दिल्ली से रवाना होने वाली थीं। जयपुर एयरपोर्ट से 6 फ्लाइट्स रद्द हुई हैं। इनमें मिडिल ईस्ट आने-जाने वाली 3-3 उड़ानें शामिल हैं।

लखनऊ एयरपोर्ट से अबु धाबी और शारजाह जाने वाली 2 फ्लाइट को यूएई-कतर एयरस्पेस बंद होने से कैंसिल किया गया है। अहमदाबाद एयरपोर्ट आने वाली 5 फ्लाइट कैंसिल कर दी गई हैं। इनमें लंदन, अबु धाबी, दुबई, कुवैत और दोहा से आने वाली उड़ानें शामिल हैं। वहीं, अमृतसर एयरपोर्ट से दुबई जाने वाली फ्लाइट एसजी-55 भी रद्द हुई है।

> नेशनल सिक्योरिटी को लेकर अमेरिका का बड़ा कदम

वीजा चाहिए तो सोशल मीडिया अकाउंट करने होंगे सार्वजनिक

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)। नई दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास ने भारतीय स्टूडेंट्स और दूसरे वीजा आवेदकों को इसे लेकर साफ-साफ निर्देश दे दिए हैं। ये नया नियम एफ, एम और जे नॉन-इमिग्रेंट वीजा के लिए है ताकि बैकग्राउंड चेक में कोई कमी न रहे। ये कदम डोनाल्ड ट्रम्प प्रशासन के उस फैसले के बाद आया है जब पिछले महीने स्टूडेंट वीजा प्रोसेसिंग को कुछ समय के लिए रोका गया था। अमेरिकी दूतावास ने सोमवार को कहा कि तुरंत प्रभाव से एफ, एम या जे नॉन-इमिग्रेंट वीजा के लिए आवेदन करने वाले सभी व्यक्तियों से अनुरोध है कि वे अपने सभी सोशल मीडिया अकाउंट की गोपनीयता सेटिंग्स को 'सार्वजनिक' कर दें, ताकि अमेरिकी कानून के तहत संयुक्त राज्य अमेरिका में उनकी पहचान और स्वीकार्यता स्थापित करने के लिए आवश्यक जांच की जा सके। एफ श्रेणी का वीजा (एफ-1) उन छात्रों को जारी किया जाता है जो शैक्षणिक अध्ययन करना चाहते हैं। एम श्रेणी का वीजा (एम-1) उन लोगों को जारी किया जाता है जो व्यावसायिक या अन्य गैर-शैक्षणिक अध्ययन करना चाहते हैं। जबकि जे श्रेणी का वीजा (जे-1) उन लोगों को जारी किया जाता है जो कुछ सप्ताह से लेकर कई वर्षों तक की अवधि के लिए पढ़ाना, अध्ययन करना, अनुसंधान करना या नौकरी पर प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहते हैं।

पिछले महीने अमेरिकी प्रशासन ने अपने दूतावासों से छात्र वीजा के लिए नियुक्तियां बंद करने को कहा था, क्योंकि इससे आवेदकों के सोशल मीडिया पोस्ट की जांच बढ़ गई है।

18 जून को छात्र वीजा साक्षात्कारों को फिर से शुरू करने की घोषणा करते हुए अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि आवेदकों के अपने सोशल मीडिया प्रोफाइल को सार्वजनिक करना होगा ताकि वाणिज्य दूतावास अधिकारी उनकी जांच कर सकें और उसके अनुसार प्रवेश या अस्वीकृति की अनुमति दे सकें। इसका प्रभावी रूप से मतलब है कि सोशल मीडिया पर उनके पोस्ट और कोई भी राजनीतिक विचार जो प्रतिकूल माना जाता है।

इससे कहा कि यह अपनी वीजा प्रक्रिया के माध्यम से राष्ट्रीय सुरक्षा और सार्वजनिक सुरक्षा के उच्चतम मानकों को बनाए रखेगा। इसमें आगे कहा गया है कि हम अपनी वीजा स्क्रीनिंग और जांच में सभी उपलब्ध जानकारी का उपयोग उन वीजा आवेदकों की पहचान करने के लिए करते हैं जो अमेरिका में प्रवेश के लिए अयोग्य हैं, जिनमें वे लोग भी शामिल हैं जो अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करते हैं। नए मार्गदर्शन के तहत, हम एफ, एम और जे गैर-आप्रवासी वर्गीकरण में सभी छात्र और एक्सचेंज विजिटर आवेदकों की ऑनलाइन उपस्थिति सहित व्यापक और गहन जांच करेंगे।

राहुल गांधी के आरोपों पर फडणवीस का करारा पलटवार

मुंबई, 24 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के मतदाता सूची में गड़बड़ी के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए जोरदार पलटवार किया है। इसके साथ ही सीएम फडणवीस ने राहुल को सलाह दी कि पहले वो अपने ही पार्टी के विधायकों से बात करें, फिर सार्वजनिक आरोप लगाएं। सीएम फडणवीस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक हिंदी कहावत का इस्तेमाल करते हुए राहुल गांधी के आरोपों पर कटाक्ष किया है।

उन्होंने लिखा, झूठ बोले कौवा काटे, काले कौवे से डरियो।उन्होंने आगे लिखा, राहुल गांधी, महाराष्ट्र में मिली शर्मनाक हार की चुभन अब शायद और बढ़ रही है। लेकिन कब तक बिना सोचे-समझे तीर चलाते रहेंगे?

सीएम फडणवीस ने कहा कि 25 से अधिक विधानसभा सीटों पर आठ प्रतिशत से ज्यादा मतदाता बढ़ोतरी हुई है, लेकिन इनमें से कई जगह कांग्रेस या उसकी सहयोगी पार्टियों को जीत मिली।

आज लॉन्च हो सकता है एक्सियम-4 मिशन

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)। भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला का अंतरिक्ष मिशन एक्सियम-4 25 जून को लॉन्च हो सकता है। भारतीय समयानुसार दोपहर 12.01 बजे इसकी लॉन्चिंग संभव है। अगर ये तय वक्त पर लॉन्च होता है, तो इसकी डॉकिंग 26 जून को शाम 4:30 बजे होगी। इसकी जानकारी मंगलवार को नासा ने दी।

फॉल्कन 9 रॉकेट पर लॉन्च करने के बाद क्रू को एक नए स्पेसएक्स ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट से इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर भेजा जाएगा। एक्सियम मिशन 4 (एएक्स-4) में चार देशों के चार एस्ट्रोनॉट 14 दिन के लिए स्पेस स्टेशन जाने वाले हैं। शुभांशु आईएसएस पर जाने वाले पहले और स्पेस में जाने वाले दूसरे भारतीय होंगे। इससे पहले राकेश शर्मा ने 1984 में सोवियत यूनियन के स्पेसक्राफ्ट से अंतरिक्ष यात्रा की थी। एक्सियम-4 मिशन का नेतृत्व कमांडर पैगी व्हिटसन कर रही हैं, जिसमें शुक्ला मिशन पायलट हैं।

दहेज हत्या का आरोपी बोला, ऑपरेशन सिंदूर का हिस्सा था

इससे घर पर अत्याचार करने की आजादी नहीं मिल जाती : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को दहेज हत्या के आरोपी को पुलिस के सामने सरेंडर से छूट देने से इनकार कर दिया। आरोपी ने कोर्ट के सामने दलील दी थी कि वो ऑपरेशन सिंदूर का हिस्सा था। आरोपी ने कहा- मैं 20 साल से ब्लैककैट कमांडो हूं। राष्ट्रीय राइफल्स में पोस्टिंग है।

जस्टिस उज्ज्वल भुइयां और जस्टिस विनोद चंद्रन की बेंच ने कहा, आप ऑपरेशन सिंदूर का हिस्सा थे, इससे आपको घर पर अत्याचार करने की आजादी नहीं मिल जाती है। आप देखिए कि फिजिकली कितने फिट हैं, ये दिखा रहा है कि आपने अपनी पत्नी का गला घोंट दिया हो, उसे मार डाला हो।

क्या है मामला :

मामला 2002 का है, आरोपी बलजिंदर सिंह पर अपनी पत्नी की हत्या का आरोप लगा। इस बात की गवाही मृतक के भाई और उसकी पत्नी ने दी। भाई ने पुलिस को बताया कि, 18 जुलाई 2002 को सुबह 9:00 बजे वे बहन के ससुराल पहुंचे, तो उन्होंने देखा कि उसके पति (आरोपी) और ससुर ने कपड़े से बहू का गला घोंट दिया। इस दौरान सास और ननद ने उसके हाथ-पैर पकड़े हुए थे। यह हादसा देखकर भाई ने शोर मचाया तो सभी आरोपी भाग गए। लेकिन तब तक उसकी बहन की मौत हो गई थी। निचली अदालत ने आरोपी परिवार के चारों सदस्यों को बरी कर दिया था, लेकिन पति को दोषी ठहराया। जुलाई 2004 में, अमृतसर की एक ट्रायल कोर्ट ने याचिकाकर्ता बलजिंदर सिंह को शादी के दो साल के भीतर अपनी पत्नी की मौत के लिए धारा 304-बी आईपीसी के तहत दोषी ठहराया।

आरोपी को 10 साल की सजा, तीन साल जेल में रहा :

निचली अदालत ने आरोपी बलजिंदर सिंह को 10 साल की सजा सुनाई। इस दौरान उसने हाईकोर्ट में अपील की। करीब 20 साल तक हाईकोर्ट में केस चला। बीच में तीन साल बाद आरोपी को जेल से बाहर आने की परमीशन मिल गई थी। इसी साल मई में हाईकोर्ट का फैसला आया, कोर्ट ने सजा को बरकरार रखा। जिसके बाद आरोपी ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था।

ऑपरेशन सिंधु-इजराइल से 160 भारतीयों का रेस्क्यू

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)। ईरान और इजराइल के बीच चल रहे संघर्ष के बीच ऑपरेशन सिंधु के तहत 604 भारतीय नागरिकों को जॉर्डन और मिस्र के रास्ते इजराइल से सुरक्षित निकाला गया है। 160 भारतीय नागरिकों का पहला जत्था 24 जून को नई दिल्ली पहुंचेगा। इजराइल में भारतीय दूतावास ने सोमवार को यह जानकारी दी।

हालांकि इजराइल से जॉर्डन, फिर अम्मान से रवाना हुई फ्लाइट को कुवैत डायवर्ट कर दिया गया, क्योंकि सोमवार रात अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर किए गए ईरानी हमलों के कारण एयर स्पेस बंद हो गया था। इससे पहले ऑपरेशन सिंधु के तहत भारत सरकार ने सोमवार को ईरान के मशहद से 290 भारतीय और एक श्रीलंकाई नागरिक को सुरक्षित दिल्ली पहुंचाया। इस तरह अब तक बचाए गए भारतीयों की कुल संख्या 2003 हो गई है।

केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा ने बताया भारत सरकार ने ऑपरेशन सिंधु के हिस्से के रूप में अगले दो से तीन दिनों में ईरान से तीन एक्स्ट्रा इवैक्यूएशन फ्लाइट्स निर्धारित की हैं। 6 खाड़ी देशों में 90 लाख से ज्यादा भारतीय हैं। सबसे ज्यादा 35.5 लाख यूएई, 26 लाख सऊदी अरब, 11 लाख कुवैत, 7.45 लाख कतर, 7.79 लाख ओमान और 3.23 लाख बहरीन में हैं।

भांजी के स्नातक समारोह के लिए लंदन गए राहुल

भाजपा के हमलों पर कांग्रेस का पलटवार

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)। राहुल गांधी एक बार फिर विदेश दौरे पर हैं। कांग्रेस ने मंगलवार को बताया कि साफ किया कि राहुल अपनी भांजी के स्नातक समारोह में शामिल होने के लिए लंदन गए हैं। वे जल्द ही वापस आ जाएंगे।

दरअसल, भाजपा की ओर से राहुल गांधी की विदेश यात्रा पर सवाल उठाए गए थे। भाजपा के आईटी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने राहुल गांधी पर बार-बार गायब होने के लिए हमला किया था। मालवीय ने एक्स पर कहा था, 'राहुल गांधी पिछले सप्ताह ही विदेश छुट्टी पर थे। अब वह फिर से किसी अन्य अज्ञात स्थान पर विदेश चले गए हैं।'

उन्होंने कहा था, 'ये बार-बार गायब क्यों हो रहे हैं? ऐसी क्या मजबूरी है, जो उन्हें इतनी बार देश से दूर रखती है? विपक्ष के नेता के रूप में उन्हें भारत के लोगों को जवाब देना चाहिए।' सोशल मीडिया पर यह भी अटकलें लगाई जा रही थीं कि राहुल गांधी बहरीन गए हैं। हालांकि, कांग्रेस सूत्रों ने कहा कि उनकी उड़ान का कार्यक्रम नई दिल्ली-बहरीन-लंदन था।

कांग्रेस का पलटवार

कांग्रेस के मीडिया और प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'पीएमओ हमेशा की तरह अपनी गंदी चालें चल रहा है। उसे और कुछ नहीं आता। राहुल गांधी अपनी भांजी के स्नातक समारोह में भाग लेने के लिए लंदन गए हैं और जल्द ही वापस आ जाएंगे।' दरअसल, राहुल गांधी की भांजी और प्रियंका गांधी-रॉबर्ट वाड्रा की बेटी मिराया वाड्रा ब्रिटेन से स्नातक कर रही हैं।

आसियान को 'चीन की बी टीम' कहने पर बवाल

कांग्रेस बोली- विदेश नीति पर एक और चोट

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)। केंद्र सरकार के एक बयान ने भारत-आसियान रिश्तों में तनाव ला दिया है। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के 'बी टीम ऑफ चाइना' बयान को लेकर आसियान देशों की नाराजगी सामने आई है। इसी मुद्दे पर कांग्रेस ने सरकार को आड़े हाथों लेते हुए इसे भारतीय कूटनीति के लिए एक और झटका बताया है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व ट्विटर) पर एक मीडिया रिपोर्ट साझा करते हुए केंद्र सरकार पर निशाना साधा।

रिपोर्ट के अनुसार, भारत-आसियान मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की समीक्षा में शामिल आसियान सह-अध्यक्ष ने गोयल की हालिया टिप्पणी पर असंतोष जाहिर किया है। गोयल ने दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों को 'चीन की बी टीम' कह दिया था।

क्या बोले कांग्रेस नेता जयराम रमेश?

जयराम रमेश ने अपने पोस्ट में लिखा भारत के ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, म्यांमार, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड और वियतनाम जैसे 10 आसियान देशों से ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और राजनीतिक गहरे रिश्ते हैं। करीब 60 साल पुराने इस संगठन की संयुक्त अर्थव्यवस्था भारत से थोड़ी ही कम है। ऐसे में वाणिज्य मंत्री का इन देशों को 'चीन की बी टीम' कहना दुर्भाग्यपूर्ण है। अब आसियान ने भी कड़ी प्रतिक्रिया दी है। यह भारतीय कूटनीति को एक और झटका है, जो पूरी तरह टाला जा सकता था।

किस बयान से मची हलचल?

दरअसल, पिछले हफ्ते लंदन के साइंस म्यूजियम में आयोजित इंडिया ग्लोबल फोरम के सत्र में पीयूष गोयल ने कहा था कि 15 साल पहले हमने उन देशों के साथ एफटीए पर ज्यादा फोकस किया, जो हमारे प्रतियोगी थे। जैसे अगर मैं आसियान देशों के साथ समझौता करता हूं, तो यह मेरे बाजार को अपने प्रतिस्पर्धियों के लिए खोलने जैसा है। इनमें से कई अब चीन की बी टीम बन चुके हैं।

पहले भी कांग्रेस ने जताई थी चिंता

कांग्रेस ने गोयल के बयान पर तुरंत प्रतिक्रिया दी थी। पार्टी प्रवक्ता आनंद शर्मा ने इसे 'गैर जिम्मेदाराना और अपमानजनक' करार देते हुए कहा था कि इस तरह के बयान भारत-आसियान व्यापार समझौतों को कमजोर करने वाले हैं।

आनंद शर्मा ने कहा था कि यह बयान भारत और आसियान देशों के वर्षों पुराने विश्वास और साझेदारी को नुकसान पहुंचा सकता है। सरकार को जिम्मेदारी के साथ बात करनी चाहिए, न कि ऐसी भाषा का इस्तेमाल करना चाहिए जो हमारे पड़ोसियों को आहत करे।

उच्च न्यायालय को बम को उड़ाने की धमकी पुलिस ने चलाया सर्च ऑपरेशन

शिमला, 24 जून (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में एक बार फिर प्रदेश उच्च न्यायालय को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इसके बाद पुलिस विभाग अलर्ट हो गया है। धमकी कोर्ट परिसरों को लेकर आई है। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम प्रदेश उच्च न्यायालय परिसर में पहुंच गई है और वहां पर सर्च ऑपरेशन चलाया। बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वायड की भी मदद ली गई। मोबाइल बम निरोधक वैन भी मौके पर पहुंची है। इससे पहले भी प्रदेश उच्च न्यायालय को उड़ाने की धमकी मिल चुकी है। हालांकि, उस समय भी सर्च ऑपरेशन के दौरान किसी भी प्रकार की संदिग्ध वस्तु परिसर और भवन से बरामद नहीं की गई थी। प्रदेश में लगातार ईमेल के माध्यम से आ रही धमकियों को देखते हुए जांच एजेंसी और खुफिया एजेंसियां अलर्ट पर हैं।

टीएमसी की विजय रैली में बच्ची की मौत के बाद एक्शन में पुलिस, तीन और आरोपी गिरफ्तार

कोलकाता, 24 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की कालीगंज विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में जीत के बाद तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की विजय रैली के दौरान बम विस्फोट में बच्ची की मौत के बाद पुलिस एक्शन में है। मामले में पुलिस ने तीन और लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि घटना में गिरफ्तार लोगों की कुल संख्या अब चार हो गई है। कालीगंज में उपचुनाव में तृणमूल कांग्रेस की जीत के बाद आयोजित विजय रैली में हुए विस्फोट में एक नौ साल की बच्ची तमन्ना खातून की जान चली गई थी। अधिकारी ने बताया कि घटना के मामले में पहले एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया था। अब तीन और लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि तमन्ना खातून को छर्रे लगने से चोटें आईं और जब उसे निकटतम चिकित्सा सुविधा में ले जाया गया तो उसे मृत घोषित कर दिया गया। बच्ची के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। हम विस्फोट के कारणों की जांच कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि चारों पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है, जिसमें दंगा, जानबूझकर चोट पहुंचाना और गैर इरादतन हत्या का अपराध शामिल है। पुलिस ने कहा कि लड़की की हत्या मामले में ये चारों लोग मुख्य आरोपी हैं। हमारे पास उनके खिलाफ पर्याप्त सबूत हैं। हम घटना में शामिल अन्य लोगों की तलाश कर रहे हैं। सोमवार को घटना की पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कड़ी निंदा की थी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की बात कही थी। सीएम ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा था कि मैं कृष्णानगर पुलिस जिले के बारोचंदगर में हुए विस्फोट में एक लड़की की मौत से स्तब्ध और बहुत दुखी हूं।

काला राणा गैंग का शूटर ढेर

हरियाणा बॉर्डर पर पुलिस ने किया एनकाउंटर शांतनु हत्याकांड के बाद रडार पर था रोमिल

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल और हरियाणा एसटीएफ से मुठभेड़ में एक बदमाश मारा गया है। गुरुग्राम में दिल्ली-हरियाणा बॉर्डर पर भिड़ंत हुई है। स्पेशल सेल और बदमाश रोमिल वोहरा के बीच गोलियां चलीं। यमुनानगर के तिहरे हत्याकांड और कुरुक्षेत्र के शांतनु मर्डर का रोमिल पर आरोप था। स्पेशल सेल और हरियाणा एसटीएफ की जवाबी कार्रवाई में रोमिल वोहरा ढेर हुआ है। हरियाणा पुलिस ने रोमिल पर एक लाख रुपये का इनाम रखा था। अधिकारियों ने बताया कि मध्य रात्रि में काउंटर इंटेलिजेंस, स्पेशल सेल, दिल्ली पुलिस के कर्मचारियों को हरियाणा पुलिस से एक वांछित अपराधी रोमिल वोहरा के बारे में सूचना मिली थी। जो यमुना नगर का रहने वाला था।

कमलनाथ के भांजे रतुल पुरी को दिल्ली कोर्ट से बड़ी राहत, धोखाधड़ी मामले में सीबीआई की अर्जी खारिज

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने कांग्रेस नेता कमलनाथ के भांजे रतुल पुरी को 354 करोड़ रुपये के बैंक धोखाधड़ी मामले में बरी कर दिया है। यह मामला जांच एजेंसी सीबीआई द्वारा दर्ज किया गया था, जिसमें रतुल पुरी, उनकी मां नीता पुरी और मोजर बेयर इंडिया लिमिटेड को बैंक से लोन देकर पैसे की हेरा फेरी करने का आरोपी बनाया गया था। राउज एवेन्यू कोर्ट ने मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि रिकॉर्ड में मौजूद दस्तावेजों के आधार से यह साफ होता है कि यह मामला दीवानी विवाद का है, जिसे आपराधिक रंग देने की कोशिश की गई है। इस केस में सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि बैंकों ने अपने ही 40 वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ जांच और अभियोजन की सीबीआई को इजाजत नहीं दी। राउज एवेन्यू कोर्ट ने कहा कि यह दर्शाता है कि मामला अपराधिक स्वरूप का नहीं है। मामले की सुनवाई करते हुए जज ने कहा कि जब संबंधित प्राधिकरणों ने बैंक अधिकारियों के खिलाफ पीसी एक्ट की धारा 17ए के तहत जांच की अनुमति नहीं दी, तो यह साफ संकेत है कि यह मामला किसी आपराधिक साजिश या धोखाधड़ी का नहीं है। हालांकि, सीबीआई ने आरोप लगाया था कि रतुल पुरी ने अन्य बैंकों से मिले लोन का दुरुपयोग कर पैसों की हेराफेरी की और यह काम बैंक अधिकारियों की मिली भगत के बिना संभव नहीं था। हालांकि, राउज एवेन्यू कोर्ट ने सीबीआई की इस दलील को खारिज करते हुए कहा कि लोन का उपयोग आरबीआई दिशा निर्देशों और बैंकिंग मानकों के अनुसार किया गया। किसी भी स्तर पर पैसे के दुरुपयोग का गबन नहीं हुआ। मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस अग्रवाल ने कहा कि जब बैंकिंग क्षेत्र के विशेषज्ञ वरिष्ठ अधिकारियों ने खुद इस मामले में जांच की अनुमति नहीं दी तो यह माना जा सकता है कि उन्हें पहले से यह जानकारी थी कि यह मामला दीवानी से जुड़ा हुआ है और बैंकों के पास कानून के मुताबिक अन्य उपाय मौजूद है। फिलहाल, राउज एवन्यू कोर्ट ने यह आधार देते हुए रतुल पुरी को आरोप मुक्त कर दिया।

महाराष्ट्र में ड्रग्स तस्करों का भंडाफोड़, शाजापुर में एनडीपीएस की बड़ी कार्रवाई, करोड़ों का माल जब्त

मुंबई एनडीपीएस टीम ने महाराष्ट्र के शाजापुर गांव में बड़ी कार्रवाई करते हुए टैबलेट बनाने में इस्तेमाल होने वाले संदिग्ध रासायनिक पाउडर को जब्त किया है। इस कार्रवाई में दो गोदामों को सील किया गया है और पुलिस रसायनों के सही इस्तेमाल की जांच कर रही है। पुलिस को सूचना मिली थी कि छत्रपति संभाजीनगर सीमा के साजापुर गांव और साजापुर चौफुली के बीच 2 आयशर वाहन स्क्रैप बैरल ले जा रहे हैं और बैरल के अंदर रासायनिक पाउडर को ड्रग्स बनाने के लिए तस्करी किया जा रहा है। जब पुलिस टीम ने जाल बिछाया और साजापुर चौफुली में छापा मारा, तो पता चला कि 2 आयशर वाहनों से स्क्रैप मटेरियल के जरिए स्क्रैप बैग में ड्रग्स की तस्करी की जा रही थी। उक्त स्थान पर पुलिस ने पंचनामा बनाकर 2 आयशर से क्रमशः 1 किलो 111 ग्राम और 401 ग्राम पाउडर जैसा सफेद रसायन जब्त किया। उक्त माल बबन खान नाम के व्यक्ति का बताया गया है। शाजापुर, एमआईडीसी वालुज के गोदाम में जा रहे थे, तभी पुलिस टीम ने उक्त गोदाम पर छापा मारा तो वहां से 961 ग्राम सफेद पाउडर जब्त किया गया। जब उक्त रसायनों की सरकारी ड्रग्स पहचान किट से जांच की गई तो उक्त रसायन के नारकोटिक्स होने की पुष्टि हुई। उक्त कार्रवाई में कुल 2 किलो 463 ग्राम एमडी लगभग 1,2365,000/- कीमत की जब्त की गई है। जब्त माल का नमूना जांच के लिए एफएसएल को भेजा गया है।

बंगाल-सिक्किम हाईवे पर बारिश का कहर

भूस्खलन से रास्ता जाम; एनएच-10 पर फंसे लोग

गंगटोक, 24 जून (एजेंसियां)। सिक्किम और पश्चिम बंगाल के बीच सफर कर रहे लोगों के लिए परेशानी बढ़ गई है। बीते कुछ दिनों से लगातार हो रही भारी बारिश के चलते नेशनल हाईवे-10 पर कई जगहों पर भूस्खलन हुआ है। इस वजह से सड़क पर यातायात पूरी तरह प्रभावित हो गया है। यह हाईवे सिक्किम के रंगपो को बंगाल के सेवोक से जोड़ता है, जो दोनों राज्यों के बीच मुख्य संपर्क मार्ग है। अधिकारियों के मुताबिक, कुल 52 किलोमीटर लंबे इस हाईवे पर कई जगह भूस्खलन की घटनाएं सामने आई हैं। इनमें 29 माइल, काली झोरा, सेती झोरा, सेल्फी दारा, बीरिक दारा, लिकुवीर, मेली और भालू खोला जैसे स्थान प्रमुख हैं। ये सभी इलाके पश्चिम बंगाल के कालिम्पोंग जिले में आते हैं। इन स्थानों पर रास्ता बंद हो जाने से वाहन चालकों और यात्रियों को भारी असुविधा हो रही है। नेशनल हाईवे एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचआईडीसीएल) के अधिकारियों ने बताया कि मलबा हटाने और सड़क को बहाल करने का काम तेजी से किया जा रहा है। भारी मशीनरी मौके पर तैनात कर दी गई है। कुछ जगहों पर एक तरफ से धीरे-धीरे यातायात शुरू कर दिया गया है, लेकिन लगातार हो रही बारिश और नए भूस्खलन से काम में बाधा आ रही है। स्थानीय पुलिस प्रशासन भी स्थिति को काबू में करने में जुटा है। कालिम्पोंग जिला पुलिस ने यातायात नियंत्रित करने के लिए मौके पर जवान तैनात किए हैं। पुलिस की ओर से यात्रियों से अपील की गई है कि वे यात्रा करने से पहले हालात की जानकारी जरूर ले लें। खराब मौसम के कारण अचानक हालात बिगड़ सकते हैं। अधिकारियों ने कहा है कि चूंकि कुछ इलाकों में भूस्खलन लगातार जारी है, इसलिए लोगों को बहुत जरूरी होने पर ही सफर करने की सलाह दी जा रही है।

खासकर सिक्किम जाने वाले यात्रियों से आग्रह किया गया है कि वे वैकल्पिक मार्गों या प्रशासन द्वारा सुझाए गए रास्तों का ही इस्तेमाल करें। भारी बारिश ने प्रशासन के लिए भी चुनौती खड़ी कर दी है। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों तक और बारिश का पूर्वानुमान दिया है। ऐसे में भूस्खलन की घटनाएं और बढ़ सकती हैं। प्रशासन ने राहत कार्य को युद्धस्तर पर जारी रखने की बात कही है, ताकि जल्द से जल्द हाईवे को पूरी तरह से चालू किया जा सके।

युवती के साथ बीच सड़क पर छेड़छाड़,विरोध करने पर मारपीट

बेंगलुरु, 24 जून (एजेंसियां)। बेंगलुरु के बाहरी इलाके आनेकल से एक डराने वाली खबर सामने आई है। बाजार में सामान खरीदने जा रही एक 25 वर्षीय युवती के साथ बीच सड़क पर छेड़छाड़ की गई। घटना की तस्वीरें सीसीटीवी में कैद हो गई। बेंगलुरु ग्रामीण इलाके में आनेकल तालुका के मैलसंद्रा के सारी ले आउट में रविवार शाम को ये घटना घटी जहां युवती के साथ दिनदहाड़े सड़क पर छेड़छाड़ और मारपीट की गई। इस घटना के बाद बन्नेरघट्टा पुलिस स्टेशन में दो अलग-अलग मामले दर्ज किए गए हैं। जानकारी के अनुसार, रविवार शाम करीब 4 बजे युवती जब किराने का सामान लेने जा रही थी। तभी 4 से 5 लोगों के एक समूह ने, जो कथित तौर पर गांजा और पेंट सॉल्वेंट के नशे में थे,

महबूबा मुफ्ती बोलीं, 'इस्लामिक देशों में ईरान का रुतबा बहुत ऊपर चला गया है'

जम्मू, 24 जून (एजेंसियां)। ईरान और इजरायल में जारी भारी तनाव के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सीजफायर का ऐलान किया है। ट्रंप ने कहा कि छह घंटे के भीतर दोनों देश में सीजफायर हो जाएगा। इस बीच ईरान ने इजरायल पर मिसाइलें दागी और कहा कि आगे हमले नहीं होंगे तो हम सीजफायर को लागू करते हैं। इसको लेकर जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने कहा कि मैं ईरान के लोगों, फौजी और लीडरशीप को सलाम करती हूं। मुफ्ती ने एएनआई से कहा, "जिस जज्बे से उन्होंने लड़ाई लड़ी, काबिले तारीफ है। न तो कोई हथियार था, न कोई परमाणु हथियार है। उनका सबसे बड़ा हथियार ईमान है। शहादत का जज्बा है। मुझे पूरा यकीन है कि अमेरिका जैसे सुपरपावर के दोस्त इजरायल को घुटने पर लाया है। अमेरिका के नहीं चाहते हुए भी, इस्लामिक देशों में ईरान का रुतबा बहुत ऊपर चला गया है। लीडरशीप का रोल मिल गया।" महबूबा मुफ्ती ने कहा कि अमेरिका ने इजरायल के कहने पर ईराक, अफगानिस्तान, लीबिया, सीरिया को तबाह किया और लोकतंत्र का नाम लेते हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति की काफी इज्जत होती थी, लेकिन डोनाल्ड ट्रंप के आने के बाद इसकी इज्जत कम हुई है। ट्रंप क्या कहते हैं, क्या करते हैं, ये बड़ा सवाल है। ये दुनिया के लिए खतरे की घंटी है। उन्होंने कहा कि ईरान ने जो सीजफायर की शर्त रखी, कि इजरायल अब हमले नहीं करेगा। इससे लगता है कि अमेरिका और इजरायल चाहते थे कि सीजफायर हो। ट्रंप को कतर की मदद लेना पड़ा। ये मुबारक दिन है। महबूबा मुफ्ती ने कहा, "भारत-पाकिस्तान भी जंग के मुहाने पर थे। उसके बाद ये हो गया। इसमें अमेरिका का अहम रोल है। अमेरिका ही ये शुरू करता है। वही जंग शुरू करता है। डायरेक्ट या इनडायरेक्ट वही आता है। चीन और रूस का पॉजिटिव रोल है। ईरान का समर्थन किया। अमेरिका को बता दिया है कि आप जिसे तबाह करना चाहते हैं, हम उसके साथ हैं।"

पूर्व सांसद अनंत कुमार हेगड़े के खिलाफ मामला दर्ज, परिवार को पीटने और धमकाने का आरोप

बंगलूरू, 24 जून (एजेंसियां)। भाजपा के पूर्व सांसद अनंत कुमार हेगड़े, उनके गनमैन, ड्राइवर और एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मारपीट और धमकाने की धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। आरोप है कि पूर्व सांसद और उनके सहयोगियों ने एक परिवार की कार का पीछा कर उन्हें धमकाया और उनके साथ कथित तौर पर मारपीट की।

घटना सोमवार शाम की है। इस मामले में सैफ खान नामक व्यक्ति ने शिकायत दर्ज कराई है। सैफ खान बंगलूरू के हलेनाहल्ली इलाके का निवासी है। सैफ ने बताया कि वह और उसके परिवार के सदस्य तुमकुरु में एक शादी समारोह में शामिल होकर घर लौट रहे थे। तुमकुरु-बंगलूरू राष्ट्रीय राजमार्ग पर सुतारिया कॉलेज के पास कार सवार चार लोगों ने उनकी गाड़ी का पीछा कर उसे जबरन रुकवाया। सैफ का आरोप है कि उसके और उसके भाई सलमान खान, मां गुलमीर और चाचा इलियास खान के साथ मारपीट की और धमकाया। एफआईआर में दावा किया गया है कि उनके खिलाफ सांप्रदायिक टिप्पणी भी की गई और हथियार लहराकर जान से मारने की धमकी भी दी गई। सलमान का दांत टूटा है और इलियास की गर्दन में चोट है। पुलिस घटना की जांच कर रही है और घटना के कारण का पता लगाने की कोशिश कर रही है। पुलिस ने इस मामले में भारतीय न्याय संहिता की धाराओं में मामला दर्ज किया है। कर्नाट के मंत्री जी परमेश्वर ने कहा कि अनंत कुमार हेगड़े और उनके ड्राइवर और गनमैन पर एक वाहन को रोकने और किसी के साथ मारपीट करने का आरोप है। उन्होंने कहा कि अनंत कुमार हेगड़े ने मारपीट नहीं की। फिलहाल पुलिस मामला दर्ज कर रही है।

धीरे-धीरे स्वस्थ हो रहे महाप्रभु, जगन्नाथ रथ यात्रा तक प्रदेश में जारी रहेगी बारिश

भुवनेश्वर, 24 जून (एजेंसियां)। प्रादेशिक मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार रथयात्रा तक राज्य में भारी से बहुत भारी बारिश होगी। एक ट्रफ रेखा उत्तर-पूर्वी मध्य प्रदेश, झारखंड और उत्तरी ओडिशा से होकर उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी की ओर बढ़ रही है। इसके अलावा एक ऊपरी वायुमंडलीय चक्रवात पश्चिम-मध्य और उत्तर तटीय आंध्र प्रदेश और दक्षिण ओडिशा तटों से सटे उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर स्थित है। इसके प्रभाव से राज्य में जारी बारिश 27 जून तक जारी रहेगी। इस दौरान कुछ स्थानों पर भारी बारिश को लेकर मौसम विभाग ने चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग ने कहा है कि मयूरभंज, केंदुझर, सुंदरगढ़, नवरंगपुर, कालाहांडी, रायगढ़ा, गजपति, कंधमाल, झारसुगुड़ा, संबलपुर और देवगढ़ जिलों में एक-दो स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने कहा है कि ओडिशा के बाकी हिस्सों में भी अच्छी मात्रा में बारिश होगी। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, 25 जून से बारिश की मात्रा थोड़ी बढ़ सकती है। 25 जून को केंदुझर, मयूरभंज और बालासोर जिलों में कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। शेष ओडिशा के लिए भी चेतावनी जारी की गई है। 26 जून को केंदुझर, मयूरभंज,

ढेंकनाल और जाजपुर जिलों के लिए भी ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इस तरह 28 तारीख तक राज्य में बारिश जारी रहेगी। 25 और 26 तारीख को ओडिशा तट और आसपास के इलाकों में 35-45 किमी प्रति घंटे से लेकर 55 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की संभावना है। साथ ही समुद्र के अशांत रहने की संभावना है। वहीं, पुरी जगन्नाथ धाम में 27 जून को महाप्रभु की विश्व प्रसिद्ध रथयात्रा निकाली जाएगी। रथयात्रा को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए सरकार से लेकर मंदिर प्रशासन तक बैठकों का दौर जारी है। हालांकि इस बीच सुगंधित शीतल जल के 108 घड़ों में स्नान करने के बाद बीमार पड़े महाप्रभु अब स्वस्थ हो रहे हैं। ऐसे में अनवसर घर में महाप्रभु का गुप्त उपचार शुरू हो गया है, जो बुधवार रात तक जारी रहेगा और गुरुवार को भगवान अपने भक्तों को नव यौवन दर्शन देंगे। अनवसर घर में पूरी तरह गोपनीय तरीके से भगवान जगन्नाथ को घी लगाने की नीति शुरू की गई है। शुद्ध सुअर द्वारा तैयार इस दिव्य लेप को चांदी के बर्तन में रखकर दैतापति सेवकों ने महाप्रभु के शरीर पर लगाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। बुखार से ठीक हुए भगवान को हर दिन अलग-अलग तरह के फल, मूल और दूध दही का भोग लगाया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि इस खली (दिव्य लेप) को शुद्ध सुअर सेवकों ने अपने निवास पर अत्यंत शुद्धता के साथ तैयार किया है। खली विजय के लिए मंदिर से घंटी और छटा के साथ आह्वान किया जाता है। बिजे खली, बजयंत्री, घंटाछटा के साथ जुलूस में तीन शुद्ध सुअर महाप्रभु के शरीर पर लगाने के लिए खली प्रसाद मंदिर लाए। इससे पहले शुद्ध सुअर के निवास पर खली हांडी की महिलाओं द्वारा इस खली की पूजा की गई। बिजे खली खेले जाने के बाद महाप्रभु के शरीर पर लगाने के लिए कड़ी सुरक्षा के बीच खली हांडी को मंदिर लाया गया। शुद्ध सुअर सेवकों ने खली प्रसाद को दैतापति को सौंप दिया।

जबरदस्ती पीटा, लड़कियों के कपड़े पहनाए फिर गोबर खिलाया

गांव वालों ने शक के आधार पर युवकों के साथ की ज्यादती

सीहोर, 24 जून (एजेंसियां)। जिले के बुगली वाली गांव में एक शर्मनाक घटना हुई। कुछ लोगों ने दो युवकों को बुरी तरह पीटा। उन्हें गोबर खिलाया और लड़कियों के कपड़े पहनाए। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। आरोपी बेलदार समाज के बताए जा रहे हैं। उन्होंने संदेह के आधार पर युवकों को पकड़ा और खुद ही सजा देने का फैसला किया। यह घटना सीहोर जिले के बुगली वाली गांव की है। वायरल वीडियो में दिख रहा है कि भीड़ ने दो युवकों के साथ बहुत बुरा बर्ताव किया। ग्रामीणों ने इस घटना का वीडियो बनाया और उसे वायरल भी कर दिया। ऐसा लग रहा था कि उन्हें कानून का कोई डर नहीं है। जानकारी के अनुसार, पीड़ित युवक रायसेन जिले के रहने वाले हैं। गांव के ज्यादातर लोग जो इस घटना में शामिल थे, वे बेलदार समाज से हैं। गांव वालों को युवकों पर शक था। इसलिए उन्होंने उन्हें पकड़ लिया। उन्होंने कानून को ताक पर रखकर खुद ही सजा देने का फैसला किया। उन्होंने युवकों को बेरहमी से पीटा। उन्हें जबरदस्ती लड़कियों के कपड़े पहनाए।

यहां तक कि उन्हें गोबर भी खिलाया गया। उनके बाल काट दिए गए और उन्हें बेइज्जत किया गया। ग्रामीणों ने खुद इस पूरी घटना का वीडियो बनाया। फिर उन्होंने इसे फेसबुक और व्हाट्सएप जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल कर दिया। अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि युवकों के साथ ऐसा क्यों किया गया। पुलिस में भी कोई मामला दर्ज नहीं हुआ है।

सु वि चा र: जो जितना शांत होता है वो उतनी ही गहराई से अपनी बुद्धि का प्रयोग कर सकता है

3.5 करोड़ रुपये मूल्य के 1130 मोबाइल फोन बरामद

> राचकोंडा के पुलिस आयुक्त ने मोबाइल फोन मालिकों को सौंपे

हैदराबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आजकल मोबाइल उपकरणों के बढ़ते उपयोग के कारण मोबाइल फोन की चोरी/खोने की घटनाएं बढ़ रही हैं। बाद में इन फोन को विभिन्न माध्यमों से प्राप्त करके विभिन्न व्यक्तियों द्वारा उपयोग में लाया जाता है।

सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्ट्री ऐसे मोबाइल फोन का पता लगाने की एक सुविधा है। पुलिस आयुक्त, राचकोंडा जी सुधीर बाबू के निर्देशों के अनुसार सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्ट्री (सीईआईआर) पोर्टल का उपयोग करके खोए/चोरी हुए मोबाइल फोन को बरामद करने के लिए आईटी सेल की मदद से सीसीएस एलबी नगर, मलकाजगिरी और भुवनगिरी में विशेष टीमों का गठन किया गया। विशेष टीमों ने दो महीने के अंतराल में लगभग 3.5 करोड़ रुपये मूल्य के 1130 मोबाइल फोन बरामद किए। इस वर्ष अब तक राचकोंडा पुलिस ने लगभग 3694 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। मंगलवार को राचकोंडा के पुलिस आयुक्त ने मोबाइल फोन उनके असली मालिकों को सौंपे और उनसे बातचीत की, इस संबंध में राचकोंडा पुलिस की कार्यप्रणाली पर उनकी प्रतिक्रिया ली। पुलिस आयुक्त ने लोगों को मोबाइल फोन में संग्रहीत मूल्यवान जानकारी की सुरक्षा करने की भी सलाह दी। असली मालिकों ने पुलिस आयुक्त राचकोंडा के हाथों से अपने मोबाइल डिवाइस प्राप्त करने के लिए हार्दिक आभार महसूस किया और इस संबंध में राचकोंडा पुलिस के काम की प्रशंसा की। पुलिस आयुक्त राचकोंडा ने इस संबंध में वी. अरविंद बाबू डीसीपी क्राइम, करुणा सागर एसीपी क्राइम, विशेष टीम सीसीएस और आईटी सेल अधिकारियों के प्रयासों की भी सराहना की और टीमों को आगे भी प्रयास जारी रखने के निर्देश दिए। प्रत्येक सीसीएस में इंस्पेक्टर, एसआई, एएसआई, एचसी, पीसी के साथ-साथ सीईआईआर पोर्टल प्रभारी की विशेष टीमें बनाई गई हैं, जिसमें करुणा सागर, एसीपी क्राइम नोडल अधिकारी के रूप में विशेष टीमों के काम की निगरानी कर रहे है। पुलिस ने नागरिकोंऋ को सलाह देते हुए कहा है कि चोरी के मोबाइल फोन खरीदना और बेचना अपराध है। बिना अधिकृत बिल के मोबाइल फोन न खरीदें। मोबाइल डिवाइस में उपयोगकर्ता का व्यक्तिगत डेटा होता है।

यात्रा करते समय और भीड़भाड़ वाले इलाकों में चलते समय मोबाइल फोन की उचित सुरक्षा करें। अपराधी चोरी के मोबाइल का इस्तेमाल आपराधिक गतिविधियों और साइबर अपराधों के लिए कर सकते हैं। मजबूत सुरक्षा पासवर्ड का उपयोग करें और फाइंड माई डिवाइस सेटिंग को सक्रिय करें। बहुमूल्य जानकारी के नुकसान से बचने के लिए समय-समय पर डिवाइस डेटा का बैकअप लें मोबाइल खो जाने या चोरी हो जाने पर तुरंत पुलिस को रिपोर्ट करें।

कांग्रेस के अलावा किसी और पार्टी ने किसानों के बारे में सही मायने में नहीं सोचा : भट्टी

हैदराबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने पिछली बीआरएस सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि उसने रैतु बंधु योजना के तहत केवल आंशिक वित्तीय सहायता प्रदान की जबकि अधिकांश अन्य सहायता उपायों को वापस ले लिया। सचिवालय के पास रैतु भरोसा विजयोत्सव सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत में कांग्रेस के अलावा किसी भी राजनीतिक दल ने वास्तव में किसानों के बारे में नहीं सोचा या उनसे प्यार नहीं किया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि यह कांग्रेस पार्टी ही थी जिसने खेती के लिए बहुउद्देश्यीय सिंचाई परियोजनाएं बनाईं और किसानों को मुफ्त बिजली प्रदान की। इसने फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए हैं, बैंकों को अनिवार्य रूप से किसानों को ऋण देने के लिए बाध्य किया है और फसल की पैदावार को दोगुना करने के लिए हरित क्रांति जैसे ऐतिहासिक कार्यक्रम भी शुरू किए हैं, भट्टी विक्रमार्क ने याद दिलाया। उपमुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि केवल कांग्रेस सरकारों ने ही कृषि के लिए इस तरह की परिवर्तनकारी पहल की है, जो किसी अन्य सरकार से अलग है। उन्होंने कहा, कांग्रेस ने जिस तरह से किसानों को प्यार और प्रतिबद्धता के साथ अपनाया है, वैसा किसी भी पार्टी ने नहीं किया है। उन्होंने दोहराया, कृषि का मतलब कांग्रेस है। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के सपनों को याद करते हुए, जिन्होंने भारत को 21वीं सदी में ले जाने और चमत्कार करने का सपना देखा था, भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि किसानों को आज जश्न मनाते देखना उत्साहजनक है- यह राजीव गांधी के सपने को सच्ची श्रद्धांजलि है। उन्होंने आगे कहा कि सत्ता में आने के बाद से केवल तीन महीनों में, कांग्रेस सरकार ने पहले ही 21,000 करोड़ रुपये के कृषि ऋण माफ कर दिए हैं- जो देश में किसी भी अन्य सरकार द्वारा किया गया बेजोड़ कार्य है। उन्होंने कहा कि सरकार भूमिहीन और गरीब कृषि मजदूरों को सीधे उनके बैंक खातों में सालाना 12,000 रुपये प्रदान कर रही है। उपमुख्यमंत्री ने पिछली बीआरएस सरकार पर आरोप लगाया कि उसने रैतु बंधु के तहत केवल सांकेतिक राशि की पेशकश की, जबकि शून्य-ब्याज और कम-ब्याज वाले ऋण, ड्रिप और स्प्रिंकलर सिस्टम के लिए सब्सिडी, कटी हुई फसलों के लिए बोनस, एमएसपी भुगतान और फसल नुकसान के लिए मुआवजा देना बंद कर दिया। उन्होंने जोर देकर कहा कि कांग्रेस सरकार ने सत्ता में आने पर न केवल कृषि ऋण माफ किए और रैतु भरोसा निधि प्रदान की, बल्कि ड्रिप और स्प्रिंकलर सिस्टम भी वितरित किए, फसल नुकसान के लिए मुआवजे की पेशकश की और अब आधुनिक कृषि मशीनरी वितरित कर रही है।

तेलंगाना वैश्विक खेल केंद्र बनने की आकांक्षा रखता है : मंत्री

हैदराबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी और उद्योग मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू ने कहा कि तेलंगाना एक "वैश्विक खेल केंद्र" के रूप में उभरने के मिशन पर है। मंगलवार को निज़ामपेट के समतानगर में एसएलवी प्रो बैडमिंटन स्टेडियम का उद्घाटन करने के बाद एक कार्यक्रम में बोलते हुए, मंत्री ने पुष्टि की कि यह दृष्टिकोण मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में चल रहे जन-केंद्रित शासन का केंद्र है। "तेलंगाना को वैश्विक मंच पर चमकाने की हमारी प्रतिबद्धता के हिस्से के रूप में, विशेष रूप से 2036 ओलंपिक में्। हमने एक व्यापक नई खेल नीति पेश की है। एक समय था जब क्रिकेट लोगों की कल्पना पर हावी था। आज, वह परिदृश्य विकसित हो रहा है।

माता-पिता और बच्चे समान रूप से विविध खेलों को अपना रहे हैं, और मानसिकता उसी के अनुसार बदल रही है।," मंत्री श्रीधर बाबू ने कहा, "हैदराबाद कभी बिरयानी का पर्याय था। अब, यह बैडमिंटन के लिए भी उतना ही जाना जाता है।" उन्होंने पुलेला गोपीचंद, साइना नेहवाल, पीवी सिंधु, चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज जैसे विश्व स्तरीय एथलीटों की विरासत की प्रशंसा की, जिन्होंने तेलंगाना से अपनी यात्रा शुरू की। "इन चैंपियनों से प्रेरित होकर, कई युवा बच्चे अब बैडमिंटन को एक गंभीर करियर के रूप में चुन रहे हैं, जो राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं्।

हैदराबाद को भारत की बैडमिंटन राजधानी बनाने में गोपीचंद के योगदान की अहम भूमिका रही है।" खेलों पर सरकार के मजबूत फोकस को रेखांकित करते हुए, मंत्री ने 2026 में लॉन्च करने के लिए लक्षित यंग इंडिया स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी की स्थापना की घोषणा की। "हम हर ग्राम पंचायत और मंडल मुख्यालय में खेल मैदान बनाने के लिए भी काम कर रहे हैं्। जल्द ही, तेलंगाना गच्चीबोवली में एक फीफा-प्रमाणित लड़कियों की फुटबॉल अकादमी की मेजबानी करेगा।" उन्होंने आगे कहा, राज्य के दस पूर्ववर्ती जिलों में से प्रत्येक में समर्पित खेल विद्यालय स्थापित करने की योजनाएँ चल रही हैं्। हमारा प्रयास जमीनी स्तर से प्रतिभाओं की पहचान करना और उनका पोषण करना है। हम युवा एथलीटों के लिए अवसर, बुनियादी ढाँचा और मार्गदर्शन बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं्।

तेलंगाना बैडमिंटन संघ के अध्यक्ष के रूप में, श्रीधर बाबू ने हैदराबाद से परे ग्रामीण क्षेत्रों में बैडमिंटन ले जाने के लिए संघ के चल रहे प्रयासों पर भी जोर दिया। उन्होंने माता-पिता से आग्रह किया कि वे अपने बच्चों को किसी भी ऐसे खेल को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करें, जिसके प्रति वे जुनूनी हों, और उनकी क्षमता विकसित करने में उनका समर्थन करें्। कार्यक्रम में विधायक अरिकेपुडी गांधी, एमएलसी देशपति श्रीनिवास और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी शामिल हुए्।

मऊ में तीन करोड़ का गांजा बरामद

मऊ, 24 जून (एजेंसियां)। एसटीएफ और शहर कोतवाली की पुलिस को बड़ी सफलता मिली। संयुक्त टीम ने ट्रक से 3.12 करोड़ रुपये कीमत का 12.50 क्विंटल गांजा तालिमुदीन इंटर कॉलेज के पास से पकड़ा है। जानकारी के अनुसार एसटीएफ को सूचना मिली कि एक ट्रक को आर्मी के ट्रक का रूप देकर गाजा की तस्करी करने की योजना तस्करों ने बनाई है। जिसके बाद मऊ पुलिस के साथ मिलकर एसटीएफ ने तालीमुद्दीन इंटर कॉलेज के पास ट्रक को पकड़ लिया। पुलिस ने वाहन से सुल्तानपुर जनपद के बेथरा कादरी थाना के गंगापुर भुलिया निवासी जर्नादन पांडेय को गिरफ्तार किया। तस्कर ने गांजे की खेप को छिपाने के लिए सेना के पदाधिकारी के नाम पर घरेलू सामान पर्ची चस्पा किया था।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड पहुंचे मुजफ्फरपुर

कहा- प्रबंधन शिक्षा के क्षेत्र में नवाचारों पर जोर देना चाहिए

मुजफ्फरपुर, 24 जून (एजेंसियां)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ आज बिहार दौरे पर पहुंचे हैं। पटना एयरपोर्ट पर सीएम नीतीश कुमार ने उपराष्ट्रपति पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत किया। इस दौरान भाजपा के भी कई वरीय नेताओं ने भी उपराष्ट्रपति का स्वागत किया। इसके बाद वह मुजफ्फरपुर रवाना हो गए। मुजफ्फरपुर में एल एन मिश्रा मैनेजमेंट कॉलेज के 24वें स्थापना दिवस समारोह में उपराष्ट्रपति ने मुख्य अतिथि के तौर पर भाग लिया। इस अवसर पर बिहार सरकार के मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता और मंत्री नीतीश मिश्र ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। उपराष्ट्रपति ने पूर्व सीएम स्वर्गीय डॉ। जगन्नाथ मिश्रा को श्रद्धांजलि देते हुए उनके योगदानों को याद किया और बिहार के गौरवशाली इतिहास की चर्चा की। अपने संबोधन में उप राष्ट्रपति ने कहा कि बिहार की धरती धर्म और ज्ञान की भूमि रही है, जिसने देश को अनेक मनीषी, क्रांतिकारी और चिंतक दिए हैं।

शिक्षा को सबसे ज्यादा महत्व दिया जाना चाहिए

इस समारोह में बिहार विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ दिनेश चंद्र राय भी उपस्थित रहे। उन्होंने कॉलेज की उपलब्धियों और उसके विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के बारे में चर्चा की। उपराष्ट्रपति ने अपने संबोधन में कहा कि वही उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि इस भूमि पर आकर मुझे नई ताकत और ऊर्जा की अनुभूति हो रही है। बिहार की जनता का उत्साह, ज्ञान और चेतना पूरे देश के लिए प्रेरणादायी है। आज शिक्षा को सबसे ज्यादा महत्व दिया जाना चाहिए। साथ ही हमें प्रबंधन शिक्षा के क्षेत्र में नवाचारों पर जोर देना चाहिए।

लोकतंत्र को दबाने का प्रयास किया गया था

उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की सराहना करते हुए कहा कि यह नीति छात्रों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है। धनखड़ ने अपने संसदीय जीवन के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ बिताए समय को भी याद किया और उनके संसदीय अनुभवों की सराहना की।

इसके साथ ही उन्होंने पहली बार पहलगाम और 'ऑपरेशन सिंदूर' जैसे मुद्दों पर भी अपनी बात रखी। इस दौरान उन्होंने आपातकाल के दौर को याद करते हुए कहा कि उस समय लोकतंत्र को दबाने का प्रयास किया गया था लेकिन अब यह जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में चली संपूर्ण क्रांति ने भारत में लोकतंत्र को नई ऊर्जा और दिशा दी। उपराष्ट्रपति ने छात्रों को अपने लक्ष्यों के प्रति समर्पित रहने और समाज में सकारात्मक योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया।

ट्रेन में मारपीट मामला

बीजेपी ने विधायक को दिया नोटिस, लिखा- आपके आचरण से पार्टी को नुकसान; सात दिन में दें जवाब

लखनऊ, 24 जून (एजेंसियां)। ट्रेन में यात्रा के दौरान कुछ लोगों से मारपीट करने के मामले में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने बबीना (झांसी) के विधायक राजीव पारीक्षा को नोटिस भेजकर जवाब तलब किया है। पार्टी की ओर से विधायक को सात दिन के भीतर जवाब देने को कहा गया है। पार्टी के प्रदेश महामंत्री और मुख्यालय प्रभारी गोविंद नारायण शुक्ला की ओर से जारी पत्र में विधायक के इस आचरण को पार्टी की छवि के लिए नुकसानदेह और अनुशासनहीनता माना गया है। पत्र में कहा गया है कि समय से स्थिति स्पष्ट न करने पर विधायक के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा स्थानीय जनप्रतिनिधियों के खिलाफ बयानबाजी करने के मामले में मथुरा की पूर्व जिलाध्यक्ष मधु शर्मा को भी कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। उन्हें भी सात दिन के भीतर जवाब देने को कहा गया है।

लालू प्रसाद यादव को अपने होनहार पर नहीं है भरोसा

आरजेडी प्रमुख की ताजपोशी पर बीजेपी नेता का तंज

पटना, 24 जून (एजेंसियां)। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रभाकर कुमार मिश्र ने राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव की 13वीं बार राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में ताजपोशी पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने कहा कि यह स्थिति शर्मनाक है कि एक पिता को अपने होनहार बेटे पर भी भरोसा नहीं है। तेजस्वी यादव पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति नौंवी कक्षा तक भी पास नहीं कर पाया, उसके हाथों में बिहार जैसे राज्य की जिम्मेदारी कैसे सौंपी जा सकती है। मिश्र के अनुसार, लालू यादव का बार-बार खुद को अध्यक्ष बनवाना इस बात का प्रमाण है कि वे तेजस्वी को योग्य नहीं मानते।

राजद में पारिवारिक कलह का आरोप

प्रभाकर मिश्र ने यह भी दावा किया कि राजद में शीर्ष नेतृत्व को लेकर पारिवारिक घमासान तेज हो गया है। उन्होंने कहा कि लालू परिवार में बगावती स्वर उभरने लगे हैं और पार्टी की कमान को लेकर अंदरूनी लड़ाई चल रही है। ऐसे माहौल में लालू प्रसाद की पुनः अध्यक्षता को मजबूरी का निर्णय बताया जा रहा है। भाजपा प्रवक्ता ने कटाक्ष करते हुए कहा कि लालू न तो एक सफल मुख्यमंत्री बन पाए और न ही एक आदर्श पारिवारिक मुखिया। उनका दोबारा पार्टी प्रमुख बनना राजद में मचे बवाल को थामने में सक्षम नहीं होगा।

राजद के भविष्य पर उठे सवाल

प्रभाकर मिश्र ने कहा कि राजद आज अपने सबसे बड़े राजनीतिक संकट से गुजर रहा है। जनता का भरोसा पार्टी से उठता जा रहा है और पार्टी में नेतृत्व को लेकर स्पष्टता नहीं है। विधानसभा चुनावों से पहले तेजस्वी द्वारा किए जा रहे वादों को भी उन्होंने झूठा करार दिया और कहा कि जिस व्यक्ति पर उसके अपने पिता को विश्वास नहीं, उस पर जनता कैसे विश्वास करेगी।

इन शहरों में चलाए 15 लाख के नकली नोट, कार में छापता था डॉक्टर नफीस

शाहजहांपुर, 24 जून (एजेंसियां)। शाहजहांपुर के चौक कोतवाली क्षेत्र में पुलिस ने सोमवार को नकली नोट बनाने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया। इस गिरोह का मास्टरमाइंड पैथोलॉजिस्ट डॉ। नफीस अहमद है। वह नकली नोट छपाने का पूरा सेटअप लेकर कार से शाहजहांपुर में किराये पर रहने के लिए आ रहा था। पुलिस ने घेराबंदी कर नफीस समेत तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया। उनके कब्जे से 4 ।61 लाख रुपये के नकली नोट मिले। एसपी राजेश द्विवेदी ने कहा कि आरोपियों में मुरादाबाद जिले के थाना कुंदरकी के कमालपुर फतेहाबाद निवासी डॉ। नफीस अहमद, उत्तराखंड के ऊधमसिंह जिले के थाना ट्रांजिट कैंप क्षेत्र के मोहल्ला तीन पानी डाम फुलसूंगा रुद्रपुर निवासी पंकज गंगवार व शाहजहांपुर की चौक कोतवाली क्षेत्र की आनंदपुरम कॉलोनी निवासी निखिल मिश्रा हैं। पुलिस ने नकली नोट छापने के उपकरणों को कब्जे में ले लिया है। पूछताछ में आरोपियों ने चौंकाने वाली बातें बताई हैं। आरोपी नफीस व पंकज गंगवार ने पुलिस पूछताछ में बताया कि कोरोना काल में लॉकडाउन लगने के बाद दोनों बेरोजगार हो गए थे। आरोपियों ने बताया कि वे एक-एक रुपये के लिए मोहताज हो गए थे। तब उन लोगों ने अपराध की दुनिया में कदम रखा और नकली नोट बनाना शुरू किया।

पांच आरोपियों पर बार-बार गैंग्सटर लगाने पर डीएम-एसएसपी हाई कोर्ट में तलब

मुजफ्फरनगर, 24 जून (एजेंसियां)। गोहत्या एवं तस्करी के आरोपित पर बार बार गैंग्सटर एक्ट का मुकदमा दर्ज किए जाने पर हाई कोर्ट ने तल्ख टिप्पणी की है। मामले में डीएम, एसएसपी और खालापार थाना प्रभारी को व्यक्तिगत रूप से तलब किया है। इन्हें सात जुलाई को हाई कोर्ट में अपना पक्ष रखना होगा। खालापार थाना प्रभारी निरीक्षक महावीर सिंह चौहान द्वारा 28 मई को इकरार उर्फ कालिया कुरैशी पुत्र मोहम्मद उमर निवासी गहराबाग थाना खालापार, शादाब उर्फ चीड़ा पुत्र कय्यूम, मन्शाद उर्फ सोना पुत्र साबिर, रिजवान उर्फ रिज्जू पुत्र यामीन, निसार पुत्र शरीफ निवासीगण लीकड़ा पट्टी थाना खालापार के विरुद्ध गैंग्सटर एक्ट में अभियोग पंजीकृत किया था। विसार और रिजवान को कोर्ट से जमानत मिल चुकी है, जबकि तीन आरोपित जेल में बंद हैं। सोमवार को मन्शाद द्वारा जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट ने पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाया है। जिन्होंने पुराने मामलों के आधार पर बार-बार गैंग्सटर एक्ट लगाकर उसे जेल में बनाए रखा। हाईकोर्ट ने माना कि यह केवल एसएचओ की मनमानी नहीं बल्कि एसएसपी और जिलाधिकारी की भी घोर लापरवाही को दर्शाता है, जिन्हें संयुक्त बैठक करते समय नियम पर विवेकपूर्ण विचार करना चाहिए था। हाई कोर्ट ने कहा कि आरोपित के खिलाफ पहले ही 2015 में गैंग्सटर एक्ट के तहत मामला दर्ज था, इसके बावजूद 2023, 2024 और 2025 में पुराने मामलों के आधार पर फिर से यही कानून लागू कर दिया गया। यह दोहरावपूर्ण कार्रवाई दुर्भावनापूर्ण प्रतीत होती है। हाई कोर्ट ने खालापार थाना प्रभारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक और जिलाधिकारी को सात जुलाई को अगली सुनवाई पर व्यक्तिगत रूप से पेश होने के निर्देश दिए हैं। इन सभी को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर यह स्पष्ट करना होगा कि उनके द्वारा कानून का ऐसा निर्लज्ज दुरुपयोग क्यों किया गया। उधर, एसएसपी संजय कुमार वर्मा का कहना है कि बार बार अपराध किए जाने के कारण पुलिस कार्रवाई करती है। मन्शाद ने पूर्व में गैंग्सटर एक्ट का मुकदमा दर्ज होने के बाद फिर से वारदातों को अंजाम दिया, इसी कारण यह कार्रवाई हुई।

युवक का शव मिलने से हड़कंप, परिजन बोले- सालकिल हटाने पर हुआ था विवाद

पूर्णिया, 24 जून (एजेंसियां)। पूर्णिया में घर से दो किलोमीटर की दूरी पर नहर किनारे खेत में एक युवक का शव मिला है। युवक के गले में रस्सी लपटी हुई थी। वहीं शव मिलने से गांव में सनसनी फैल गई। घटना के बाद परिजनों में मातम पसरा हुआ है। परिजनों ने बाजार जाने के दौरान रास्ते में साइकिल हटाने के विवाद में हत्या कर शव को फेंकने का आरोप लगाया है। सूचना पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए पूर्णिया जीएमसीएच भेज दिया और एफएसएल की टीम घटनास्थल पर पहुंचकर सैंपल कलेक्ट किया की है। घटना धमदाहा थानाक्षेत्र के तरौनी नहर के किनारे हुई है। मृतक की पहचान धमदाहा थानाक्षेत्र के किशनपुर बलुआ पंचायत के वार्ड नंबर 08 रिझा टोल निवासी बंदे उरांव के पुत्र शरत उरांव (34 वर्षीय) के रूप में हुई है।

भाजपा विधायक और एसडीएम में मारपीट पुलिस से झड़प और धक्का-मुक्की; ओवरलोड ट्रक सीज करने की पूरी कहानी

बांदा, 24 जून (एजेंसियां)। बांदा में मौरंग लदे ओवरलोड दो ट्रक छुड़ाने पहुंचे भाजपा विधायक प्रकाश द्विवेदी एसडीएम अमित शुक्ला से भिड़ गए। आरोप है कि विधायक ने कथित तौर पर एसडीएम को थप्पड़ जड़ दिए। उनके साथ मौजूद पुलिस कर्मियों से भी धक्का-मुक्की और हाथापाई भी हुई। विधायक और उनके साथियों ने खुरहंड पुलिस चौकी पहुंचकर वहां खड़े कराए ट्रकों को छोड़ने के लिए हंगामा किया। इस मामले में एसडीएम के वाहन चालक ने चार नामजद और 25-30 अज्ञात के खिलाफ 10 धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराई है। हालांकि रिपोर्ट में विधायक का नाम शामिल नहीं है। उधर, विधायक ने पूरे प्रकरण से जिलाधिकारी को अवगत कराया है। गिरवां के खुरहंड स्टेशन के पास निर्माणाधीन शंकरजी के मंदिर के बाहर मौरंग उतार रहे दो ट्रकों को एसडीएम नरैनी अमित शुक्ला और सीओ नरैनी कृष्णकांत त्रिपाठी ने कागज न मिलने पर रविवार की रात करीब साढ़े 10 बजे सीज कर दिया। दोनों ट्रकों को पुलिस चौकी खुरहंड में खड़ा करा दिया गया।

विधायक और एसडीएम की तीखी झड़प

इसकी जानकारी सदर विधायक प्रकाश द्विवेदी को हुई तो उन्होंने एसडीएम को फोन किया। फोन न उठाने पर रात करीब साढ़े 11 बजे तीन-चार गाड़ियों के काफिले के साथ एसडीएम की लोकेशन लेकर वह पैगंबरपुर-जरर मार्ग पर पहुंच गए। वहां विधायक और उनके साथियों की एसडीएम अमित शुक्ला की तीखी झड़प हो गई।

एसडीएम को जड़े थप्पड़

चर्चा है कि विधायक के साथियों ने एसडीएम को थप्पड़ मार दिए। इसके बाद विधायक काफिले के साथ खुरहंड पुलिस चौकी पहुंचे। वहां तैनात चौकी इंचार्ज यज्ञ नारायण भार्गव से पकड़े गए ट्रकों की चाबियां मांगी। चौकी इंचार्ज ने एसडीएम द्वारा सीज करने का हवाला देकर चाबी देने से इंकार कर दिया। आरोप है कि विधायक ने चौकी इंचार्ज और सिपाहियों को फटकार लगाई। धक्का-मुक्की भी की।

आवास से बाहर नहीं निकले एसडीएम

घटनाक्रम के बाद एसडीएम अमित शुक्ला सोमवार को अपने आवास से बाहर नहीं निकले। उनके दोनों मोबाइल भी बंद थे। मीडिया कर्मियों ने उनसे बात करने की कोशिश की तो उन्होंने मिलने से मना कर दिया।

एसडीएम की गाड़ी के आगे गाड़ियां लगाकर की अभद्रता

इस मामले में एसडीएम के ड्राइवर कामता प्रसाद मिश्रा ने गिरवां थाने में तहरीर दी। बताया कि एसडीएम नरैनी अमित शुक्ला के साथ अवैध खनन, ओवरलोडिंग की जांच कर रहे थे। खुरहंड रोड से ओवरलोड मौरंग भरे दो ट्रकों को सीज कर खुरहंड चौकी में खड़ा कराया था। रात करीब 11:45 बजे एसडीएम के साथ पैगबंरपुर-जरर रोड पर मौजूद थे। तभी छह गाड़ियों से इटरा खुरहंड निवासी ललित गुप्ता, आलोक सिंह, छोटकू द्विवेदी, बड़कू द्विवेदी 25-30 साथियों के साथ आए और एसडीएम की गाड़ी के सामने गाड़ियां लगाकर अभद्रता करते हुए गाड़ी को लाठी-डंडों से ठोकते पलटाने का प्रयास किया। उसने मना किया तो कालर पकड़कर जमीन पर पटक दिया, ड्राइवर के सिर पर जैक की रॉड मारी। तहरीर में ड्राइवर ने विधायक का नाम शामिल नहीं किया है।

विधायक बोले, एसडीएम को 10 बार फोन किया

मैंने रात में एसडीएम नरैनी को 10 बार फोन किया था। फोन नहीं उठने पर एसडीएम की लोकेशन ट्रेस कर साथियों के साथ पैगंबरपुर-जरर मार्ग पहुंचा। रात में जब खुरहंड चौकी पहुंचा तो पुलिसकर्मी नशे में थे। ट्रकों को छोड़ने के लिए कहा तो हेड कांस्टेबल विजय सिंह ने अभद्रता की। मैंने कोई अभद्रता नहीं की। मामले की जानकारी डीएम जे। रीभा को भी दी गई है। **-प्रकाश द्विवेदी, विधायक सदर बांदा**

शामली में मेहंदी लगाए इंतजार करती रही दुल्हन, नहीं आई बारात

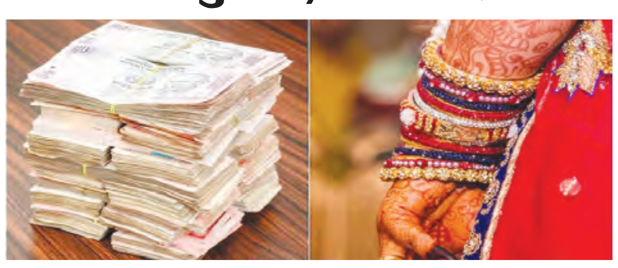

शामली, 24 जून (एजेंसियां)। यूपी के शामली में इंसानियत को शर्मसार करने वाला सामने आया है। दहेज में कार न मिलने के कारण दुल्हा और उसका परिवार बारात लेकर नहीं पहुंचा। दुल्हन हाथों में मेंहदी लगाए इंतजार करती रही। दुल्हन के साथ-साथ पूरा परिवार सदमे में है, फिलहाल परिवार ने अब इंसाफ के लिए पुलिस से गुहार लगाई है। जानकारी के मुताबिक शहर कोतवाली क्षेत्र के खेड़ी गांव में मजदूर राशिद की दो बेटियों, सानिया और साहिबा, का निकाह तय हुआ था। साहिबा की बारात बागपत के असारा गांव से सुहैब लेकर आया, लेकिन सानिया की बारात कैराना निवासी शादाब को लानी थी, जो कि नहीं आई। दुल्हन पक्ष का आरोप है कि शादी से पहले उन्होंने दूल्हे को तीन लाख रुपये नकद, बाइक और अन्य दहेज का सामान दिया था। इसके बावजूद शादी से एक दिन पहले दूल्हे पक्ष ने कार की मांग रखी। मजदूर परिवार इस मांग को पूरा करने में असमर्थ था। परिवार ने दूल्हे के घर जाकर मिन्नतें की, लेकिन दहेज लोभियों ने बारात लाने से इनकार कर दिया। दुल्हन सानिया का कहना है कि शादी की तैयारियों के बीच उनके घर में खुशियों का माहौल था, लेकिन दूल्हे पक्ष की इस हरकत ने सब कुछ मातम में बदल दिया बारात न आने से परिवार को लाखों रुपये का नुकसान हुआ। दुल्हन की मां ने परिवार के साथ कोतवाली थाने में तहरीर देकर इंसाफ की गुहार लगाई है।

'टच किया तो 35 टुकड़े में मिलोगे'

सुहागरात पर दुल्हन की दूल्हे को वार्निंग, बोली- मैं तुम्हारी नहीं, अमन की अमानत

प्रयागराज, 24 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के इंदौर के राजा रघुवंशी केस ने दिल दहला दिया है। शादी के महज कुछ दिन बाद ही सोनम ने राजा की हत्या करवा दी। अब यूपी के प्रयागराज में एक दुल्हन ने सुहागरात पर दूल्हे के साथ कुछ ऐसा किया कि उसे भी राजा रघुवंशी मर्डर केस याद आ गया। सुहागरात में दुल्हन ने अपने दूल्हे को चाकू दिखाकर धमकी दी कि अगर उसने उसे छुआ तो उसके शरीर के 35 टुकड़े मिलेंगे। यही नहीं, वह अपने प्रेमी के साथ जाने की जिद करने लगी। दुल्हन अगली रात दूल्हे के घर की दीवार लांघकर रफूचक्कर हो गई। प्रयागराज के नैनी इलाके में रहने वाले कप्तान निषाद की शादी 29 अप्रैल को करछना डीहा के रहने वाले लक्ष्मी नारायण निषाद की बेटी सितारा से हुई थी, लेकिन शादी तक सब कुछ ठीक ठाक रहा। लेकिन सुहागरात पर जो हुआ, उसने तो दूल्हे कप्तान को हैरान कर दिया। दूल्हे कप्तान निषाद का कहना है कि उस रात सितारा ने चाकू दिखाते हुए धमकी दी कि उसे छूना नहीं, छुआ तो 35 टुकड़े में हो जाओगे। मैं किसी और की अमानत हूं। इसके बाद सितारा पलंग पर सो गई और कप्तान सोफे में। सितारा चाकू दिखाकर 3 रात धमकियां देती रही। आखिर कप्तान का धैर्य जवाब दे गया, जिसके बाद उसने अपनी मां को बात बताई। तब यह मामला खुला। कप्तान के पिता राम आसरे बताते हैं कि हमने प्यार से बहू को उसके कमरे से बुलाया। पूछा कि क्या हो गया। तब उसने साफ-साफ कह दिया कि मैं तो अमन से प्यार करती हूं। उसी के साथ रहना चाहती हूं। वही मेरे साथ सुहागरात मना सकता है, कोई और नहीं। सितारा के पिता भी आए, लेकिन बात नहीं बनी। फ़िर मोहल्ले के लोगों को बुलाकर एक राजीनामा तैयार हुआ, जिसमें तय गया कि सितारा कहीं नहीं जाएगी, वो हमारे साथ बहू बनकर यही रहेगी। अपने बॉयफ्रेंड को भूल जाएगी। लेकिन फिर भी बंद कमरे के अंदर सितारा मेरे बेटे को परेशान ही करती रही। आखिरकार राम आसरे को ये मामला थाने तक ले जाना पड़ा। लेकिन इस बीच सितारा आधी रात को घर की दीवार से कूदकर अपने बॉयफ्रेंड के साथ भाग गई।

ट्रेन में रखे लावारिस बैग में हो रही थी हलचल, यात्रियों ने खोला तो रह गए हैरान

मुरादाबाद, 24 जून (एजेंसियां)। समर स्पेशल ट्रेन में उस वक्त हलचल मच गई, जब यात्रियों ने एक बैग में हलचल देखी, जिसके बाद पूरी ट्रेन में हड़कंप मच गया। ये बैग खोला गया, तो इसमें एक मासूम नवजात बच्चा मिला। इसके बाद यात्रियों ने तत्काल इसकी सूचना रेलवे पुलिस को दी। बच्चे को सांस लेने में दिक्कतें हो रही थीं, जिसके बाद उससे तत्काल सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बच्चे को एनआईसीयू में रखा गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। पटना से चंडीगढ़ जा रही स्पेशल ट्रेन के सेकंड एसी कोच में एक लावारिस बैग दिखाई दिया, जिसमें किसी ने एक दिन के नवजात को बैग में रखकर छोड़ दिया। ट्रेन के सेकेंड एसी कोच में रखा बैग बार-बार हिला तो यात्रियों को शक हुआ, जिसके बाद उन्होंने बैग को खोलकर देखा, तो उनके होश उड़ गए।

मर्जी के खिलाफ शारीरिक संबंध बनाए

डॉ रोहिणी घावरी ने आजाद के खिलाफ महिला आयोग में दर्ज कराई शिकायत

नगीना, 24 जून (एजेंसियां)। बीते दिनों इंदौर की पीएचडी स्कॉलर डॉ। रोहिणी घावरी के सनसनीखेज आरोपों के बाद नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद मुसीबत में फंस गए हैं। अब इस मामले में एक लेटेस्ट अपडेट सामने आया है। बता दें कि डॉ। रोहिणी घावरी ने चंद्रशेखर आजाद के खिलाफ राष्ट्रीय महिला आयोग में शिकायत दर्ज कराई है। रोहिणी ने दावा किया है कि चंद्रशेखर ने उनसे शादी का झांसा देकर भावनात्मक और शारीरिक शोषण किया। रोहिणी घावरी ने चंद्रशेखर पर धोखाधड़ी, मानसिक प्रताड़ना और आत्महत्या की धमकी देने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं, जिससे यह मामला अब सियासी गलियारों में भी गरमा गया है। वहीं, चंद्रशेखर का यह कहना है कि वह अब इस मामले में अदालत में ही जवाब देंगे। डॉ। रोहिणी घावरी ने अपनी शिकायत में बताया है कि साल 2020 में जब उन्होंने मध्य प्रदेश सरकार की छात्रवृत्ति पर स्विट्जरलैंड के जिनेवा शहर में पीएचडी के लिए प्रवेश लिया था, उसी दौरान उनकी जान-पहचान श्री चंद्रशेखर आजाद रावण से हुई। शिकायत के अनुसार, जून 2021 से उनके बीच लगातार बातचीत शुरू हुई। डॉ। घावरी का आरोप है कि चंद्रशेखर ने उन्हें यह विश्वास दिलाया कि वे अविवाहित हैं और उनकी जैसी जीवनसाथी की तलाश में हैं। इसी आश्वासन पर उन्होंने डॉ। घावरी के साथ विवाह का झांसा देकर भावनात्मक संबंध बनाए। उनके भरोसे पर डॉ। घावरी ने न केवल व्यक्तिगत रूप से उन्हें अपनाया, बल्कि उनके राजनैतिक अभियानों में भी सक्रिय रूप से सहयोग दिया। डॉ। घावरी ने अपनी शिकायत में आगे बताया कि जब वह भारत आईं, विशेषकर दिल्ली में तो चंद्रशेखर ने उन्हें कई बार होटल और अपने द्वारका स्थित निवास पर बुलाकर यह कहकर शारीरिक संबंध बनाए कि वे उनसे जल्द ही विवाह करेंगे। डॉ। रोहिणी घावरी ने अपनी शिकायत में लिखा है कि चंद्रशेखर आजाद ने उनके प्रेम, विश्वास, निष्ठा और समर्पण का दुरुपयोग किया। विदेश में रहते हुए भी उन्होंने चंद्रशेखर के सामाजिक अभियानों में उनका साथ दिया। लेकिन उनके अनुसार, चंद्रशेखर ने न सिर्फ उनके भावनात्मक विश्वास को तोड़ा, बल्कि उन्हें सामाजिक रूप से बदनाम भी किया। डॉ। घावरी ने बताया कि आज स्थिति यह है कि लोग उन्हें रखैल जैसे अपमानजनक शब्दों से संबोधित कर रहे हैं, जिससे वह गहरे अवसाद में चली गईं और दो बार आत्महत्या करने का प्रयास भी किया। डॉ। रोहिणी घावरी ने राष्ट्रीय महिला आयोग से गुहार लगाई है कि वह मानसिक, सामाजिक और भावनात्मक रूप से पूरी तरह से टूट चुकी हैं। उन्होंने आयोग से निवेदन किया है कि तथ्यों को ध्यान में रखते हुए चंद्रशेखर के विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई की जाए, ताकि उन्हें न्याय मिल सके और कोई भी अन्य महिला इस प्रकार की धोखाधड़ी व उत्पीड़न का शिकार न हो।

'आप कुछ भी बनना चाहते हों, चाहे वह चित्रकार हो विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने छात्रों से कह दी बड़ी बात

फगवाड़ा, 24 जून (एजेंसियां)। पंजाब के फगवाड़ा में आयोजित एक कार्यक्रम में भारतीय वायु सेना की विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने छात्रों को प्रेरित किया और उन्हें निडरता से अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। व्योमिका सिंह ने 'लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी' (एलपीयू) में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि उनका जीवन आसान नहीं रहा है, फिर भी लक्ष्य और साहस ने उन्हें हमेशा आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। एलपीयू की ओर से जारी बयान के अनुसार सिंह ने कहा, ''चाहे आप कुछ भी बनना चाहते हों, चाहे वह चित्रकार हो, अभिनेता हो या पायलट, अपनी जिंदगी के फैसले खुद लो किसी और को अपनी राह तय मत करने दो।'' पिछले महीने विदेश सचिव विक्रम मिसरी और कर्नल सोफिया कुरैशी की मौजूदगी में विंग कमांडर सिंह ने भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' के बारे में देश को जानकारी दी थी। उन्होंने शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि यह ''वह धन है जो आपको मजबूत बने रहने और नेतृत्व करने की शक्ति देता है।'' बता दें कि भारतीय वायुसेना में हेलीकॉप्टर की बेहतरीन पायलट विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में भारत के लक्षित हमलों के बाद ऑपरेशन सिंदूर पर मीडिया ब्रीफिंग का नेतृत्व किया था।

विंग कमांडर व्योमिका सिंह सबसे पहले राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) में शामिल हुईं। अपने परिवार से सशस्त्र बलों में शामिल होने वाली वह पहली व्यक्ति हैं। विंग कमांडर व्योमिका सिंह को भारतीय वायुसेना में हेलीकॉप्टर पायलट के रूप में कमीशन मिला है।

पंढरपुर यात्रा पर ऐसा क्या बोले अबू आजमी, मांगनी पड़ी माफी

बीजेपी नेता ने कहा- दफना दिए जाओगे

मुंबई, 24 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में समाजवादी पार्टी से विधायक अबू आजमी ने वारी यात्रा पर दिए गए विवादास्पद बयान के लिए माफी मांगी है। उन्होंने कहा कि उनके बयान से गलतफहमी हुई और वारकरी समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंची है। आजमी ने स्पष्ट किया कि उनका इरादा किसी की धार्मिक भावनाओं को आहत करने का नहीं था, बल्कि अल्पसंख्यक समुदाय के साथ हो रहे भेदभाव पर ध्यान आकर्षित करना था। उन्होंने अपने बयान को तोड़-मरोड़कर पेश किए जाने का भी आरोप लगाया है।

अबू आजमी अपने बयानों के कारण चर्चाओं में बने रहते हैं। इसके कारण उन्हें विरोध का सामना भी करना पड़ता है। पिछली बार उन्होंने औरंगजेब को लेकर टिप्पणी की थी, जिसके बाद देशभर में उनके खिलाफ विरोध प्रदर्शन देखने को मिले थे। इसके साथ ही मामला भी दर्ज किया गया था। महाराष्ट्र के नासिक में विधायक के गुस्से के बाद आखिरकार अबू आजमी ने माफी मांग ली है, लेकिन भाजपा आध्यात्मिक मोर्चा के अध्यक्ष ने चेतावनी दी कि महाराष्ट्र की अस्मिता से खेलना जारी रखा तो वहीं दफना दिए जाओगे।

माफी मांगते हुए क्या बोले आजमी?

विवाद बढ़ता देख अबू आजमी ने इस मामले में जल्दबाजी करते हुए माफी मांग ली है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि हाल ही में सोलापुर में मेरे द्वारा की गई एक टिप्पणी को लेकर जो गलतफहमियां फैली हैं, मैं उन्हें स्पष्ट करना चाहता हूं। मेरे वक्तव्य को तोड़मरोड़ कर और दुर्भावनापूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया गया। यदि इससे वारकरी सम्प्रदाय की धार्मिक भावना आहत हुई हो, तो मैं अपने शब्द पूरी तरह से वापस लेता हूं और क्षमा चाहता हूं। मेरी मंशा कभी भी किसी की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने की नहीं थी। उन्होंने आगे लिखा कि मैं एक समर्पित समाजवादी हूं और हमेशा से हर धर्म, संस्कृति, सूफी संतों तथा उनकी परंपराओं का आदर करता आया हूं। मैं वारी परंपरा का पालन कर रहे सभी वारकरी भाइयों को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं और उनके प्रति अपनी सम्मान भावना प्रकट करता हूं। यह परंपरा महाराष्ट्र की सर्वधर्मीय, समृद्ध सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का गौरवपूर्ण हिस्सा है, जिसका मैं व्यक्तिगत रूप से सम्मान करता हूं। आजमी ने सफाई पेश करते हुए कहा कि मेरी तरफ से वारी पालखी का उल्लेख केवल मुस्लिम समाज के साथ हो रहे भेदभाव और उनके अधिकारों के संदर्भ में किया गया था। यह किसी प्रकार की तुलना नहीं थी एवं मेरी नीयत और मेरी मांग किसी भी रूप में अनुचित नहीं थी। उन्होंने कहा कि मेरी केवल इतनी मंशा थी कि सरकार का ध्यान इस बात की ओर आकृष्ट कर सकूं कि उसके दोहरे मापदंड अल्पसंख्यक समुदाय के मन में यह भावना न उत्पन्न करें, कि उनके लिए इस देश में अलग कानून हैं। जब की हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी खुद कहते है सब का साथ, सब का विकास और सब का विश्वास। हम उपेक्षित समाज के हक़, सम्मान और बराबरी की लड़ाई मजबूती से जारी रखेंगे, लेकिन कभी भी देश की एकता पर आंच नहीं आने देंगे।

बुर्का पहन पहुंचा तौफीक लड़की को 5वें फ्लोर से फेंका

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)। दिल्ली के ज्योति नगर इलाके से हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां नेहा नाम की लड़की को तौफीक नाम के युवक ने बिल्डिंग की पांचवीं मंजिल से नीचे फेंक दिया। नेहा जैसे ही नीचे गिरी। इलाके में हड़कंप मच गया। लोगों ने घटना के तुरंत बाद घायल नेहा को जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां नेहा की इलाज के दौरान मौत हो गई। लड़की के पिता का आरोप है कि तौफीक बुर्का पहन कर उनकी बिल्डिंग में घुसा था। उसने पहले नेहा के पिता को भी धक्का दिया और नेहा के पास चला गया। नेहा की तौफीक से पहले किसी बात को लेकर बहस हो गई थी। उसने नेहा को फोन कर बहाने से बिल्डिंग की छत पर बुलाया और फिर नीचे फेंक दिया। हालांकि नेहा के परिजनों ने दावा किया है कि नेहा छत पर पानी की टंकी चेक करने के लिए गई थी। नेहा के पिता ने मामले पर जानकारी देते हुए बताया कि नेहा आरोपी तौफीक को हर साल राखी बांधती थी।

करीब तीन साल से परिवार तौफीक को जनता है। लेकिन नेहा अब तौफीक से बात नहीं करना चाहती थी। परिवार का आरोप है कि फिर तौफीक नेहा को परेशान करता था। उसे धमकी भी देता था। पुलिस ने परिजनों के बयान के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी तौफीक फरार हो गया, जिसकी तलाश में पुलिस जुटी हुई है। तौफीक मुरादाबाद का रहने वाला है। लेकिन मंडोली रोड पर जॉब करता है, जिस वजह से वह दिल्ली में रहता है। बताया जा रहा है कि जब से नेहा ने तौफीक से बात करनी बंद की थी। तब से ही वह नेहा से नाराज चल रहा था। तौफीक नेहा की बिल्डिंग के सामने वाले मकान में ही रहता है।

कथावाचक के सिर मुड़वाने और नाक रकड़वाने पर राजनीति तेज, समर्थन में उतरी सपा और यादव महासभा

इटावा, 24 जून (एजेंसियां)। बकेवर इलाके के दांदरपुर गांव में कथावाचक, उनके सहायक और एक अन्य साथी को गांव के लोगों ने दूसरी जाति के होने पर बंधक बनाकर पीटने, बाल मुड़वा देने और पैरों से नाक रगड़वाने जैसे अमानवीय कृत्य करने किए जाने के विरोध में सोमवार को समाजवादी पार्टी के साथ यादव महासभा ने घटना का विरोध दर्ज कराते हुए शर्मनाक और संविधान विरोधी बताया। यहीं नहीं घटना को अंजाम देने वाले आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर पीड़ितों संग एसएसपी कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपकर आरोपितों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी की मांग की।

एसएसपी से मिलने पहुंचे सपाई

घटना को लेकर एसएसपी से मिलने पहुंचे सपा प्रतिनिधि मंडल में समाजवादी पार्टी के सांसद जितेन्द्र दोहरे, भरथना विधायक राघवेन्द्र गौतम, जिलाध्यक्ष प्रदीप शाक्य बबलू, प्रदेश सचिव गोपाल यादव समेत बड़ी संख्या में सपा कार्यकर्ताओं ने कचहरी स्थित वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर दांदरपुरा में भागवताचार्य मुकुट मणि सिंह यादव, उनके सहायक संत सिंह यादव के ब्राह्मण परिवार के यहां भागवत कथा करने आने को लेकर गांव के लोगों द्वारा रविवार रात उनके साथ किए गए बरते गए बर्ताव को बताया।

सपा सांसद जितेन्द्र दोहरे ने कही ये बात

सपा सांसद जितेन्द्र दोहरे ने कहा कि कि कथावाचक के पिछड़ा वर्ग के होने पर जिस तरह से उन्हें बंधक बनाकर मारपीट करते हुए उनके बाल काटे गए, महिलाओं और पुरुषों के पैरों के आगे नाक रंगड़वाई गई, यहां तक कि पेशाब उनके ऊपर छिड़ककर शुद्ध होने की बात कही गई। यह कृत्य देश के संविधान के भी खिलाफ है, ऐसे लोगों पर सख्त से सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि पुलिस ने आरोपितों पर कड़ी कार्रवाई नहीं की तो समाजवादी पार्टी सड़क से लेकर विधानसभा और संसद तक विरोध प्रदर्शन करेंगी।

भरथना विधायक राघवेन्द्र गौतम ने की निंदा

भरथना विधायक राघवेन्द्र गौतम ने कहा कि देश को आजाद हुए 75 वर्ष हो गए लेकिन इस घटना को देखकर लगता है कि आज भी देश में दलित और पिछड़ों का शोषण हो रहा है जिसका जीता जागता उदाहरण दांदरपुरा की घटना है। उन्होंने कहा कि दांदरपुरा में जाति पूछकर पिछड़ा वर्ग समाज के कथावाचक से बर्बरता की गई। इस दौरान प्रदीप शाक्य, डुल्ले राजपूत समेत अन्य सपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

यादव महासभा ने जताया विरोध

वहीं अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा के जिलाध्यक्ष शिवराज सिंह यादव एवं संगठन के पदाधिकारियों ने दांदरपुर घटना पर आक्रोश व्यक्त करते हुए अपना विरोध दर्ज कराया और एसएसपी को ज्ञापन सौंपकर दोषियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कठोर कार्रवाई की मांग की, जिससे की ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। ज्ञापन देने वालों में संरक्षक रामनाथ सिंह, प्रमुख महासचिव डॉक्टर रामनरेश यादव, शिक्षक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष डॉक्टर बृजेश यादव, योगेश यादव, संरक्षक जगदीश सिंह यादव आदि मौजूद रहे।

किसके साथ रहेंगी तेजस्वी घोसालकर? मुंबई बैंक में डायरेक्टर बनने के बाद शिवसेना यूबीटी ने भी लिया बड़ा फैसला

मुंबई, 24 जून (एजेंसियां)। मुंबई में बीजेपी नेता प्रवीण दरेकर के नियंत्रण वाले सहकारी बैंक में तेजस्वी घोसालकर को निदेशक बनाए जाने के बाद शिवसेना यूबीटी भी एक्शन में आ गई है। पूर्व पार्षद तेजस्वी घोसालकर को पार्टी के रोकने के लिए उद्धव ठाकरे ने बड़ा फैसला लेते हुए उन्हें दहिसर विधानसभा क्षेत्र की महिला विभाग की प्रमुख नियुक्त किया है। तेजस्वी घोसालकर पूर्व में एक बार पार्षद रह चुकी हैं। पिछले साल फरवरी में तेजस्वी के पति अभिषेक घोसालकर की एक फेसबुक लाइव में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। तब इस मामले ने काफी तूल पकड़ा था। एक महीने पहले तेजस्वी की नाराजगी सामने आई थी। उनके शिवसेना छोड़ने की बातें सामने आई थीं, बाद में वह मातोश्री में उद्धव ठाकरे से मिलकर संतुष्ट हो गई थीं। मुंबई जिला बैंक के निदेशक नियुक्त होने के बाद तेजस्वी घोसालकर के भाजपा में शामिल होने की चर्चाएं फिर से शुरू हो गई थीं। घोसालकर द्वारा यूबीटी के साथ होने की बात दोहराए जाने के बाद भी राजनीतिक गलियारों में कानाफूसी है। कुछ दिन पहले ही ठाकरे गुट की पूर्व नगरसेविका तेजस्वी घोसालकर को मुंबई जिला बैंक का निदेशक नियुक्त किया गया था। मुंबई बैंक में भाजपा का दबदबा है। बैंक के फैसले के बाद एक धड़ा यह मान रहा है कि तेजस्वी अपना मन बदल सकती हैं। बैंक पर भाजपा नेता प्रवीण दरेकर का नियंत्रण है। तेजस्विनी घोषालकर मुंबई के पश्चिमी उपनगर दहिसर इलाके की पूर्व नगरसेविका हैं। तेजस्वी के बैंक में डायरेक्टर बनने पर भले ही राजनीति गरमाई है लेकिन उनके शिवसेना यूबीटी में ही रहने की ज्यादा संभावना है। यह जानकारी सामने आईहै कि उनके पति अभिषेक घोषालकर मुंबई बैंक में डायरेक्टर थे। पिछले साल उनकी हत्या कर दी गई थी। उसके बाद अभिषेक की सीट खाली हो गई थी। यह भी जानकारी सामने आई है कि यूबीटी के उपनेता और तेजस्वी के ससुर विनोद घोसालकर ने पिछले मंगलवार को उद्धव ठाकरे से मुलाकात की थी। उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया था कि वह और उनकी बहू उद्धव ठाकरे के साथ ही रहेंगे, लेकिन सियासी चर्चाओं के बीच उद्धव ठाकरे की पार्टी ने तेजस्वी को बड़ी जिम्मेदारी सौंप दी है।

लड़के ने प्यार में ठुकराया, लड़की ने लिया ऐसा बदला कि 12 राज्यों के पुलिस विभाग में मच गया हड़कंप

अहमदाबाद, 24 जून (एजेंसियां)। दिल्ली के साथ-साथ अन्य राज्यों और गुजरात के अहमदाबाद शहर के विभिन्न इलाकों में हाल ही में बम ब्लास्ट की धमकी देने वाले ई-मेल की शिकायतें मिली थीं। अब इस मामले में अहमदाबाद की क्राइम ब्रांच ने एक युवती को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार की गई युवती का नाम रैनी जोशीलडा है। आरोपी युवती चेन्नई की रहने वाली है। वहीं से आरोपी की गिरफ्तारी हुई है। युवती चेन्नई की मल्टीनेशनल टेक कंपनी में काम करती थी।

युवती ने धमकी भरे ई-मेल भेजकर 12 राज्यों की पुलिस विभागों में हड़कंप मचा दी थी। युवती ने 12 राज्यों में बम ब्लास्ट के धमकी भरे ई-मेल भेज दिए थे। गिरफ्तार युवती रैनी जोशीलडा के प्रेमी ने उसको नहीं अपनाया और दूसरी युवती से विवाह कर लिया। इसके बाद रैनी ने गुस्से की भावना से ऐसा काम किया। आरोपी ने गुजरात के अलावा भारत के 11 अन्य राज्यों जैसे महाराष्ट्र, राजस्थान, तमिलनाडु, दिल्ली, कर्नाटक, केरल, बिहार, तेलंगाना, पंजाब, मध्य प्रदेश और हरियाणा में भी इसी तरह की धमकियां भेजीं। क्राइम ब्रांच ने बताया कि आरोपी रैनी साल 2022 से चेन्नई में आईटी कंपनी डेलोइट में सीनीयर कंसल्टेंट के रूप में काम कर रही थी। युवक ने इसी साल फरवरी में अन्य युवती से शादी रचा ली। इसके बाद उसने युवक के नाम से फर्जी मेल आईडी बनाई। फिर बम ब्लास्ट के धमकी भरे इ-मेल भेजे। उसने ई-मेल भेजने के लिए वीपीएन, वर्चुअल नंबर और डार्क वेब का इस्तेमाल किया, ताकि पुलिस उस तक न पहुंच सके।

दो युवकों की निर्मम पिटाई, आधा सिर मुड़वा कर घुटनों के बल चलाया; घास खाने को किया मजबूर

भुवनेश्वर, 24 जून (एजेंसियां)। ओडिशा के एक गांव में कंगारू दरबार लगाए जाने के बारे में खबर सामने आई है। पशु तस्करी के शक में दो दलित युवक को पहले बेरहमी से पीटा गया और फिर उनका आधा सिर मुड़वा कर उन्हें घुटनों पर चलाया गया।घास खाने को मजबूर किया गया और सीवेज का पानी पिलाया गया। यह घटना रविवार को गंजाम जिले के धराकोट पुलिस थाने के अंतर्गत खारीगुम्मा गांव में हुई। ग्रामीणों के आक्रोश का शिकार होने वाले दो दलित युवक धराकोट ब्लॉक के सिंगीपुर गांव के बुलु नायक और बाबुला नायक हैं। जानकारी के मुताबिक बाबुला अपने चचेरे भाई बुलु के साथ हरिपुर गांव में अपनी बेटी के दहेज के लिए गाय खरीदने गया था। वे वहां से तीन गाय खरीदकर सिंगीपुर गांव जा रहे थे, जब उन्हें खारीगुम्मा गांव के रास्ते में कुछ लोगों ने रोक लिया। उन्हें पशु तस्कर होने का शक था और उन्होंने पैसे की मांग की।

घास भी खिलाया

लेकिन जब उन्होंने पैसे देने में असमर्थता जताई तो कुछ युवकों ने उन्हें बेरहमी से पीटा और सैलून ले गए, आधा सिर मुड़वा दिए। इसके बाद उन्होंने दोनों को घुटनों के बल बैठाकर खारीगुम्मा से जहरा गांव तक दो किलोमीटर तक ले गए। उन्हें घास खिलाने के साथ सीवेज का पानी पीने के लिए मजबूर किया। दोनों दलित युवकों ने इस संबंध में धराकोट थाने में शिकायत दर्ज कराई है। उनके सिर और पीठ पर चोट लगने से उन्हें धराकोट पुलिस ने अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाने की प्रभारी चंद्रिका स्वांई ने बताया कि इसमें सात-आठ लोग शामिल हैं। ऐसी शर्मनाक घटनाओं के लिए सख्त कार्रवाई की जाएगी। सूचना मिलते ही पुलिस आरोपियों को पकड़ने के लिए जगह-जगह छापेमारी कर रही है। फिलहाल थाने में एक व्यक्ति को हिरासत में लिए जाने की सूचना है।

जगन्नाथ मंदिर में प्रसाद की थाली से गायब हो गए मोदक, मचा हड़कंप

पुरी, 24 जून (एजेंसियां)। ओडिशा के पुरी स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर में भगवान को चढ़ाए जाने वाले विशेष प्रसाद मोदक के गायब हो जाने का मामला गरमाता जा रहा है। इस घटना ने न केवल सेवायतों और श्रद्धालुओं के बीच चिंता और नाराजगी पैदा की है, बल्कि मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यह मामला 313 अमुनिया मोदकों का है, जिन्हें भगवान जगन्नाथ के दशमूल अनुष्ठान के लिए मंदिर के राजवैद्यों ने तैयार किया था। इन्हें मंदिर के सुरक्षित गरदा घर में रखा गया था, जहां सुरक्षा की जिम्मेदारी मंदिर के कमांडर की देखरेख में थी। 21 और 22 जून की रात अनुष्ठान के दौरान जब भगवान को मोदक चढ़ाए जाने की प्रक्रिया शुरू हुई तो यह पाया गया कि 70 मोदक गायब हैं। इसके बाद भगवान बलभद्र के बाड़ग्रही सेवायत हलधर दासमहापात्र ने मंदिर प्रशासन को दी लिखित शिकायत में सवाल उठाए कि इतने सख्त सुरक्षा प्रबंधों के बीच यह पवित्र प्रसाद कैसे गायब हो गया। इस पूरे मामले में मंदिर प्रशासन की ओर से मुख्य प्रशासक अरविंद पाढ़ी ने सफाई दी है। उन्होंने कहा कि भगवान बलभद्र के बाड़ग्रही ने हमें लिखित शिकायत दी है कि प्रशासन के किसी व्यक्ति ने मोदक चुराए हैं, लेकिन अभी तक जितना हमें समझ आया है, ये आरोप सत्य नहीं हैं। अरविंद पाढ़ी ने कहा कि हमारा कोई भी प्रशासनिक व्यक्ति मोदकों को नहीं छूता। मोदकों को छूने का अधिकार सिर्फ कुछ निर्धारित सेवायतों को ही है। गरदा घर से आने-जाने वाले हर सेवायत का लिखित रिकॉर्ड रखा जाता है। 313 मोदक आए थे और बिना कोई त्रुटि के वो बाहर भी गए हैं। इसका लिखित प्रमाण हमारे रिकॉर्ड में है, लेकिन फिर भी हम जांच कर रहे हैं। हम सीसीटीवी फुटेज देखेंगे। यह मामला मंदिर की गुप्त नीति से जुड़ा है। लिहाजा ज्यादा चर्चा करना उचित नहीं है। हम जांच कर कार्रवाई करेंगे। श्रीजगन्नाथ मंदिर प्रशासन ने भरोसा दिलाया है कि इस मामले की निष्पक्ष और गहन जांच की जाएगी।

तीसरी भाषा फॉर्मूले पर संजय राउत ने सरकार को घेरा, कहा- मराठी भाषा का किया जा रहा अपमान

मुंबई, 24 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में तीसरी भाषा फॉर्मूले को लेकर जारी विवाद के बीच शिवसेना सांसद संजय राउत ने महायुति सरकार को घेरा है। राउत ने दावा कि इस मुद्दे को लेकर बैठकें करके महायुति सरकार मराठी भाषा का अपमान कर रही है। उन्होंने मराठी साहित्यकारों और मशहूर हस्तियों की चुप्पी पर भी सवाल उठाए हैं। राउत ने कहा कि कई साहित्यकार और हस्तियां सरकार से जुड़े हैं, इसलिए वे इस मामले में मौन साधे हैं। सांसद संजय राउत ने कहा कि मेरे अपने बच्चे मराठी माध्यम के स्कूलों में पढ़े हैं। कई कैबिनेट मंत्रियों और साहित्यकारों के बच्चे अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में पढ़ते हैं, इसलिए उन्हें मराठी भाषा के संरक्षण के बारे में बोलने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। शिवसेना (यूबीटी) नेता ने दावा किया कि महाराष्ट्र में हिंदी सीखने के लिए दबाव बनाने की कोई जरूरत नहीं है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस इस पर जोर क्यों दे रहे हैं? वह इसकी आड़ में कुछ और कर रहे हैं। राउत ने सवाल उठाया कि क्या मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री ने मराठी के प्रचार के लिए कभी बैठकें कीं? फडणवीस और शिंदे महाराष्ट्र के दुश्मन हैं। संजय राउत ने विवाद को लेकर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर भी निशाना साधा।

उन्होंने पूछा कि गुजरात में हिंदी अनिवार्य नहीं है। क्या उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे में भाजपा से यह पूछने का साहस है कि महाराष्ट्र की तरह वहां हिंदी क्यों नहीं थोपी जा रही है? तीसरी भाषा फॉर्मूले को लेकर हो रही बैठकों पर राउत ने कहा कि इन बैठकों का कोई मतलब नहीं है। सरकार को बस एक आदेश जारी कर निर्णय वापस लेना चाहिए। वह सिर्फ माहौल खराब कर रहे हैं। बार-बार ऐसी बैठकें आयोजित करना मराठी भाषा का अपमान है। साहित्यकारों से परामर्श लेने के राज्य सरकार के फैसले के बारे को लेकर संजय राउत ने कहा कि साहित्यिक हस्तियों से मिलने की कोई जरूरत नहीं है। क्या फडणवीस महाराष्ट्र की प्रमुख साहित्यिक हस्तियों के 10 नाम भी जानते हैं? क्या शिंदे पांच नाम भी बता सकते हैं? उन्होंने कहा कि दक्षिण के अभिनेता प्रकाश राज ने त्रिभाषा नीति के तहत हिंदी थोपे जाने के खिलाफ स्पष्ट रुख अपनाया है। मराठी की मशहूर हस्तियां इस मुद्दे पर चुप हैं। नाना पाटेकर कहां हैं? प्रशांत दामले कहां हैं? माधुरी दीक्षित कहां हैं? हमारे मराठी क्रिकेटर कहां हैं? मराठी लोगों ने उनकी उपलब्धियों का समर्थन किया है

रंग लाई 2 साल की मेहनत, पन्ना की खदान में महिला को मिला 2.69 कैरेट का हीरा

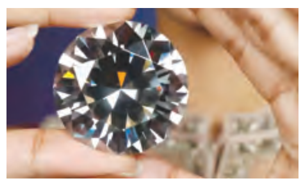

भोपाल, 24 जून (एजेंसियां)। किस्मत कभी भी किसी की भी अचानक चमक सकती है। कुछ ऐसी ही हैरान करने वाली घटना मध्य प्रदेश के पन्ना जिले से सामने आई है, जहां पर एक खदान में एक महिला को 2.69 कैरेट का कच्चा हीरा मिला है, जिसे अब नीलामी के लिए रखा जाएगा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इससे उसे कई लाख रुपये मिल सकते हैं, जिससे उसकी जिंदगी संवर सकती है। हीरा पाने वाली सावित्री सिसोदिया ने यह कहा कि वह चिलचिलाती धूप, धूल और जमी गंदगी की परवाह किये बिना चोपड़ा इलाके में एक निजी खदान में हीरा खोजने के लिए पिछले दो साल से कड़ी मेहनत कर रही थीं। उन्होंने कहा कि उन्हें दृढ़ विश्वास था कि भाग्य एक न एक दिन साथ देगा और पूरे परिवार की किस्मत बदल देगा। सावित्री सिसोदिया ने कहा कि यह प्रकृति का अमूल्य उपहार है। हीरे की पहचान से जुड़े अधिकारी अनुपम सिंह ने हीरे का निरीक्षण किया और उसे जमा कर लिया। उन्होंने कहा कि इसे निर्धारित नियमों के मुताबिक नीलामी के लिए रखा जाएगा। सिंह ने कहा, ''नीलामी से प्राप्त राशि को सरकारी रॉयल्टी और करों में कटौती के बाद महिला को सौंप दिया जाएगा।'' बता दें कि पन्ना जिला हीरों के लिए प्रसिद्ध है, जहां पर कई आम लोग भी सरकारी अनुमति लेकर छोटी खदानें लीज पर लेकर हीरा खोजने का काम करते हैं। लेकिन ये सब किस्मत की बात होती है कि किसकी किस्मत कब चमक जाए और उसे खदान में से हीरा मिल जाए। लेकिन सावित्री सिसोदिया की किस्मत चमक ही गई और उनके हाथ बेशकीमती हीरा लगा। सावित्री सिसोदिया का यह हीरा लाखों में बिकेगा, जिससे उनकी और उनके परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक हो जाएगी।

महाराष्ट्र के कई जिलों में भारी बारिश का अलर्ट मुंबई में 28 जून तक हाई टाइड की चेतावनी

मुंबई, 24 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के कई जिलों में अगले 48 घंटे के दौरान भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। रत्नागिरी, रायगढ़ और सिंधुदुर्ग और मुंबई, ठाणे और पालघर के लिए भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग ने 24 जून से अगले पांच दिनों में कोंकण और विदर्भ क्षेत्रों में भारी से बहुत भारी बारिश की भविष्यवाणी की है। मराठवाड़ा में भी भारी बारिश की उम्मीद है। हालांकि विदर्भ में शुरुआत में तुलनात्मक रूप से कम बारिश हुई, लेकिन इसकी तीव्रता बढ़ने की उम्मीद है।

निचले इलाकों में रहने वालों के लिए एडवाइजरी

पुणे में पिछले दो दिनों से लगातार भारी बारिश हो रही है, जबकि रायगढ़ में कल रात से तेज हवाओं के साथ बारिश हो रही है। अलीबाग, मुरुड, पेन, मानगांव और रोहा जैसे तालुकाओं में निचले इलाकों में जलभराव की सूचना है। रायगढ़ जिले के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है और निवासियों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। मानसून की शुरुआत के बाद से, राज्य के विभिन्न हिस्सों में लगातार बारिश हुई है। मुंबई में पिछले दो-तीन दिनों से रुक-रुक कर भारी बारिश हो रही है। आईएमडी ने 24 से 28 जून की अवधि के लिए हाई टाइड की चेतावनी जारी की है, जिसके दौरान समुद्र में रोजाना ऊंची लहरें उठने की उम्मीद है।

हाई टाइड की चेतावनी

वहीं, मौसम विभाग ने हाई टाइड की चेतावनी जारी की है। 24 से 28 जून तक रोज़ समंदर में उंची लहरें उठेगी। उंची लहरें यानी 4.5 मीटर से उंची लहरें उठेंगी। सबसे बड़ा हाई टाइड 26 जून को आने की उम्मीद है। हाई टाइड के मद्देनजर बीएमसी ने सभी संबंधित विभागों को अलर्ट रहने का आदेश दिया है। बीएमसी ने कहा है कि हाई टाइड के वक्त लोग समंदर किनारों से दूर रहें। इस साल मॉनसून के दौरान यानी जून से सितंबर के बीच कुल 19 बड़े हाई टाइड आएंगे।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 25 जून - 2025

नोबेल वाला दांव है सीजफायर?

माना जा रहा है कि ट्रंप मन ही मन नोबेल शांति पुरस्कार की चाहत रखते हैं। यही वजह है कि वह पहले तो दो देशों के बीच जंग को भड़काते हैं और फिर कुछ दिन बाद अचानक सीजफायर का ऐलान कर देते हैं। ट्रंप बार-बार खुद को शांति का मसीहा दिखाने की कोशिश कर रहे हैं। इससे पहले भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्षविराम का क्रेडिट ट्रंप ने खुद लिया था। वैसे भी पाकिस्तान ने उन्हें नोबेल के लिए नामित कर दिया है। ऐसे में माना जा रहा है कि सीजफायर के बहाने ट्रंप नोबेल शांति पुरस्कार जीतने की फिराक में हैं। 24 जून की सुबह भी उन्होंने इजरायल-ईरान के बीच 12 दिनों से चल रहे युद्धविराम की घोषणा कर दी। इससे पहले भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर का क्रेडिट लेने की ट्रंप ने कोशिश की थी। मगर, भारत ने साफ तौर पर नकार दिया था। ट्रंप अपने पूर्ववर्ती चार अमेरिकी राष्ट्रपतियों की तरह नोबेल शांति पुरस्कार चाहते है। थियोडोर रूजवेल्ट, वुडरो विल्सन, जिमी कार्टर और आखिरी बार अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा को यह सम्मान मिल चुका है।अमेरिकी उपराष्ट्रपति अल गोर को 2007 में जलवायु परिवर्तन पर काम करने वाली संस्था एन इनकन्वीनिएंट ट्रुथ के लिए नोबेल पुरस्कार मिला। इससे पहले साल 1973 में तत्कालीन अमेरिकी विदेश मंत्री हेनरी किसिंजर को वियतनाम युद्ध खत्म कराने में अहम भूमिका के लिए नोबेल शांति पुरस्कार मिल चुका है। थियोडोर रूजवेल्ट अमेरिका के 26वें राष्ट्रपति थे। 1901 में राष्ट्रपति मैकिनले की हत्या के बाद उन्हें अमेरिका का राष्ट्रपति बनाया गया था। रूस-जापान युद्ध को ख़त्म करवाने के लिए उन्हें 1906 में नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया था। वुडरो विल्सन अमेरिका के 28वें राष्ट्रपति थे। विल्सन को 1919 में राष्ट्र संघ की स्थापना में उनके प्रयासों के लिए नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। जिमी कार्टर अमेरिका के 39वें राष्ट्रपति थे। कार्टर को साल 2002 में विश्व शांति, जलवायु परिवर्तन और मानवाधिकार के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। बराक ओबामा अमेरिका के 44वें राष्ट्रपति थे। साल 2009 में ओबामा को नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। यह सम्मान उन्हें अंतरराष्ट्रीय कूटनीति और देशों के बीच सहयोग को मज़बूत करने के उनके प्रयासों के लिए दिया गया था। नोबेल पुरस्कार के लिए हर साल एक फरवरी तक नामांकन जमा किए जाते हैं। केवल कुछ चुनिंदा लोग और संस्थाएं ही किसी को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामांकित कर सकती हैं। जैसे-देशों के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री, विश्वविद्यालयों के प्रोफेसर, पूर्व नोबेल शांति पुरस्कार विजेता, संसद सदस्य, जज और कुछ अंतरराष्ट्रीय संगठनों के सदस्य वगैरह। ये लोग नामांकन पत्र भेजते हैं जिसमें यह बताया जाता है कि क्यों वह व्यक्ति या संगठन शांति पुरस्कार का हकदार है। विजेता के नाम की घोषणा हर साल अक्टूबर में होती है। पुरस्कार समारोह 10 दिसंबर को ओस्लो, नॉर्वे में आयोजित होता है, जहां विजेता को मेडल, सर्टिफ़िकेट और नकद पुरस्कार राशि (करीब 9 करोड़ रुपये) दी जाती है। बता दें कि नोबेल शांति पुरस्कार पर सबसे बड़ा विवाद महात्मा गांधी को यह सम्मान न दिए जाने को लेकर रहा है। कई बार नॉमिनेट किए जाने के बावजूद गांधी को ये सम्मान नहीं दिया गया। साल 2006 में नॉर्वे के इतिहासकार और तब के शांति पुरस्कार की कमेटी के अध्यक्ष गेर लुंडेस्टैड ने कहा था कि गांधी की उपलब्धियों को सम्मान नहीं देना नोबेल इतिहास की सबसे बड़ी चूक में से एक है।

लुटेरों की मिसाइल और डकैतों का परमाणु बम

विजय गर्ग

इस्राइल-ईरान युद्ध के खात्मे का इंतजार दुनिया को था कि विश्व का दरोगा अमेरिका इसमें कूद पड़ा। दुनिया पहले ही रूस-यूक्रेन युद्ध से परेशान थी, इस बीच भारत-पाकिस्तान के बीच भी कुछ दिनों का युद्ध हो चुका था। अमेरिका का कहना है कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम दुनिया के लिए खतरा है। ईरान पर बम बरसाने से पहले अमेरिका ने धमकी भी दी थी कि वह फौरन इसे रोके। यह बात बिल्कुल ठीक है कि परमाणु अस्त्र पूरी मानवता के लिए आफत की तरह हैं। जापान के हिरोशिमा-नागासाकी पर जो बम गिराए गए थे, उनकी विनाशक क्षमता आज के परमाणु हथियारों के मुकाबले बहुत कम थी। तब भी जापान ने इसे दशकों तक भुगता। आज तो ऐसे हथियार हैं, जो पल भर में दुनिया को खत्म कर सकते हैं। ऐसे में हे अमेरिकियों, जितने मारक हथियारों के जखीरे आपके पास हैं, दूसरे देशों को उपदेश देने से पहले, उन्हें नष्ट क्यों नहीं कर देते। क्या वे दुनिया के लिए खतरा नहीं हैं....या कि उसी तर्क पर चलते हो कि जबरा मारे और रोने भी न दे।

जब अमेरिका के खिलाफ ये बातें की जा रही हैं, तब इसका मतलब यह कदापि नहीं है कि ईरान का पक्ष लिया जा रहा है। मानव अधिकारों के मामले में ईरान की स्थिति कोई अच्छी नहीं है। दशकों पहले जब ईरान के इस्लामिक आंदोलन ने शाह रजा पहलवी को खदेड़ दिया था और पेरिस में निर्वासित जीवन बिताने वाले खोमेनी को हाथो हाथ लिया था, तब की याद आती है। खोमेनी के पक्ष में वहां जो युवा शाह के खिलाफ आंदोलन चला रहे थे, उनमें से बहुत से खुद को इस्लामिक मार्क्ससिस्ट कहते थे। जब खोमेनी पेरिस से लौटे, तो उनकी कार को कंधे पर उठा लिया गया था। बाद में सबसे पहले खोमेनी ने इन्हीं इस्लामिक मार्क्ससिस्ट कहने वाले लोगों को सरेआम मौत के घाट उतरवाया था। शाह ने स्त्रियों को घर की चारदीवारी से निकाला था, उन्हें आत्मनिर्भरता की राह दिखाई थी, खोमेनी ने उन्हें वापस सदियों पहले की स्थिति में धकेल दिया।

अब वहां स्त्रियां अपने आप कुछ नहीं कर सकतीं। न बैंक अकाउंट खोल सकती हैं, न बिना माता-पिता की लिखित अनुमति के पढ़ सकती हैं, न नौकरी कर सकती हैं। न शादी ही। सिर से हिजाब जरा-सा खिसका नहीं कि आफत आई नहीं। अफगानिस्तान की तरह ही वहां भी स्त्रियों को मामूली मानव अधिकार नहीं हैं। इसे धर्म और हमारी संस्कृति कहकर रफा-दफा कर दिया जाता है। लेकिन अमेरिका जिसका ट्रेक रिकॉर्ड दुनिया भर के तानाशाहों को पालना-पोसना रहा है, वह मनमाने तरीके से मानव अधिकारों की व्याख्या करता है। चाहे डेमोक्रेट्स हों या रिपब्लिकंस, उनकी नजर सिर्फ अपने यहां पूंजीपतियों के हितों को देखने की होती है। मानव अधिकार आदि की बातें तो दुनिया को दिखाने के लिए होती हैं। इस सिलसिले में जान पर्किन्स की मशहूर पुस्तक 'कन्फेशन्स ऑफ़ ऐन इकोनॉमिक हिटमैन' पढ़ी जा सकती है। जान खुद इकोनामिक हिटमैन रहे हैं यानी कि दूसरे देशों में अमेरिकी पूंजीपतियों के हितों को हर हाल में संरक्षित करने वाले। फिर दूसरा देश अपने यहां क्या करना चाहता है, इसमें दखल देने वाले आप कौन हैं। अमेरिका अपने यहां कौन से हथियार विकसित कर रहा है, यदि किसी दूसरे देश को यह बात पसंद न आए तो क्या वह अमेरिका पर उसी तरह हमला कर दे, जैसे अमेरिका करता है।

आपातकाल के बाद पछताई थी इंदिरा गांधी

डॉ घनश्याम बादल

25 जून 1975 की रात के 12:02 बजे, आकाशवाणी से एक संदेश प्रसारित हुआ "राष्ट्रपति ने देश में आपात स्थिति लागू कर दी है" और इसके साथ ही देश भर से विपक्षी नेताओं की गिरफ्तारी का लंबा दौर शुरू हो गया। सारा देश हस्तप्रभ था लेकिन किसी की हिम्मत नहीं कि विरोध करें और जिसने विरोध किया वह जेल मे गया जहां उसे थर्ड डिग्री की यातनाएं दी गईं। यह था देश में अंतरिक्ष सुरक्षा के नाम पर पहली बार लागू की गई इमरजेंसी का प्रभाव।

आपातकाल लागू करने के लिए संवैधानिक औपचारिकताओं का भी पालन नहीं किया गया था संविधान के अनुसार देश में आपातकालीन स्थिति लागू करने के लिए मंत्रिमंडल की लिखित संस्तुति जरूरी होती है लेकिन न तो मंत्रिमंडल की बैठक बुलाई गई थी और न ही स्पष्ट रूप से यह बताया गया था कि आखिर देश की आंतरिक सुरक्षा को खतरा क्या था । इससे भी बढ़कर तत्कालीन राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद ने केवल प्रधानमंत्री की सिफारिश के आधार पर देश में आपातकालीन स्थिति के पत्र पर हस्ताक्षर कर दिए थे । हालांकि इस पर भी विवाद होते रहे हैं और कहा तो यहां तक गया कि आपातकालीन स्थिति की घोषणा पहले की गई एवं राष्ट्रपति से इस पर हस्ताक्षर बाद में कराए गए एक तरह से उन्हें बाध्य करके । ख़ैर इसमें कितना सच है यह कभी पता नहीं चला और न ही इसके चलने की कोई संभावना है।

यदि आपातकालीन स्थिति की पृष्ठभूमि पर एक नज़र डालें तो पता चलता है कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के अनुसार देश में उस समय भारी अव्यवस्था, दंगे, धरने, प्रदर्शन और कानून तथा व्यवस्था की स्थिति इतनी खराब हो गई थी कि उसे नियंत्रण में करने के लिए आपातकालीन स्थिति लागू करना आवश्यक हो गया लेकिन विपक्ष के अनुसार यह इंदिरा गांधी ने केवल अपने स्वार्थ पूर्ति के लिए लगाई थी और उनका एकमात्र लक्ष्य अपनी अधिनायकवादी सत्ता को बनाए रखना था।

जब इतिहास को खंगालते हैं तो जो बातें उभर कर सामने आती हैं उनमें सबसे प्रमुख था इलाहाबाद हाईकोर्ट का वह निर्णय जिसमें तत्कालीन न्यायाधीश जगमोहन लाल सिन्हा ने रायबरेली से इंदिरा गांधी के लोकसभा चुनाव में प्रतिद्वंद्वी राजनारायण की याचिका पर हुई सुनवाई के बाद अपने निर्णय में इंदिरा गांधी के 1971 के लोकसभा चुनाव में हुई विजय को अवैधानिक करार दे दिया था। न्यायालय के अनुसार इंदिरा गांधी पर लगाए गए आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के आरोप सिद्ध हो गए थे और उन्हें परोक्ष रूप से सरकारी संसाधनों व केंद्र सरकार के अधिकारियों खास तौर पर प्रधानमंत्री के निजी सचिव यशपाल कपूर, तथा श्रीमती गांधी के संसदीय क्षेत्र के डी एम एवं पुलिसअधीक्षक द्वारा अपने अधिकारों का बेजां एवं पक्षपात पूर्ण इस्तेमाल करने का दोषी पाया गया था। इस निर्णय का सीधा सा मतलब था कि इंदिरा गांधी को प्रधानमंत्री का पद छोड़ना पड़ता जो वे किसी कीमत पर नहीं चाहती थी । ऐसी स्थिति में उन्होंने सभी नागरिक अधिकारों को निलंबित कर न्यायपालिका को पंगु बनाते हुए प्रधानमंत्री, लोकसभा अध्यक्ष, राष्ट्रपति एवं संसद की कार्रवाई को न्यायपालिका के विचार क्षेत्र से बाहर कर दिया था । एक तरह से यह भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था की मूल भावना का गला घोंटने जैसा था ।

यदि उस काले अध्याय पर निगाह डालें तो पता चलता है कि इंदिरा गांधी ने 1971 में पाक की विजय को अपने राजनीतिक लाभ के लिए जमकर इस्तेमाल किया और भारी बहुमत के साथ सत्ता में वापस लौटी थी। मगर इस बार वापसी के साथ उनका व्यवहार पूरी तरह बदला हुआ था तथा वह अपने बेटे संजय गांधी के साथ खुद को सभी नियम कायदों से ऊपर मानने लगी थीं । उनके चारों ओर एक 'काकस' इकट्ठा हो गया था और देश भर में 'इंदिरा इज़ इंडिया और इंडिया इज़ इंदिरा' का नारा गूंजने लगा था लेकिन उच्च न्यायालय के इस निर्णय ने इंदिरा गांधी के सपनों को धराशाई कर दिया था और इस बात का पूरा अंदेशा था कि न केवल उन्हें संसद की सदस्यता छोड़नी पड़ती अपित जेल भी जाना पड़ता।

दूसरी और विपक्ष उच्च न्यायालय के इस निर्णय से अत्यधिक उत्साहित होकर सड़कों पर उतर आया और जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में बिहार से छात्र आंदोलन राजनीति को नई दिशा देने लगा था। 24 जून 1975 को राजनीति के इतिहास में संभवतः पहली बार एक ऐसी विशाल सभा हुई थी जिसमें तत्कालीन विपक्ष की सभी पार्टियों के नेता मंच पर थे और सब ने एकमत से इंदिरा गांधी के खिलाफ आंदोलन की घोषणा कर दी थी। तब उन्होंने नारा दिया था 'इंदिरा हटाओ, देश बचाओ' ऐसे हालात में देश में महंगाई एवं भ्रष्टाचार के साथ-साथ कानून एवं व्यवस्था भी हाथ से निकलती जा रही थी। मगर इसका नैरेटिव सत्ता पक्ष एवं विपक्ष अलग-अलग तरीके से तैयार कर रहा था।

आपातकालीन स्थिति में लोकतांत्रिक मूल्यों को ताक पर रखते हुए तत्कालीन विपक्ष के ही नहीं अपितु कांग्रेस के भी इंदिरा विरोधी नेताओं को जेल में ठूंस दिया गया । लाखों की संख्या में छात्र नेता, सामाजिक कार्यकर्ता, व समाज सुधारक भी गिरफ्तार किए गए । न केवल जयप्रकाश नारायण अपितु मोरारजी देसाई, अटल बिहारी वाजपेई, लालकृष्ण आडवाणी, सुषमा स्वराज, अशोक मेहता, चंद्रशेखर, भैरोंसिंह शेखावत जैसे प्रभावशाली नेताओं को गिरफ्तार करके 21 महीने तक जेल में रखा गया । बाद में जॉर्ज फर्नांडिस ने तो यहां तक कहा कि जेल में उन्हें थर्ड डिग्री से भी आगे की यातनाएं दी गईं । जयप्रकाश नारायण को इतना प्रताड़ित किया गया कि उसके बाद वे डायलिसिस पर ही रहे सच कहा जाए तो डायलिसिस पर केवल जयप्रकाश नारायण नहीं अपितु देश का लोकतंत्र चला गया था। इंदिरा गांधी ने लोकतंत्र को 'अनुशासन पर्व' कहा । उन्होंने अपने 20 सूत्री कार्यक्रम के अलावा संजय गांधी के पांच सूत्री त कार्यक्रम तथा कई आकर्षक नारों वाले पोस्टर जगह-जगह लगवाए। कड़ी मेहनत, दूर - दृष्टि, पक्का इरादा, लग्न और अनुशासन जैसे लुभावने शब्दों का इस्तेमाल किया गया और आपातकाल के दिनों को 'सबसे अच्छे दिन' का नाम दिया गया आज जो नारा देश नरेंद्र मोदी के मुंह से सुन रहा है वह नारा तब इंदिरा गांधी ने ही दिया था । ऐसा ही एक दूसरा नारा था 'सबका साथ सबका विकास' लेकिन सच तो यह है कि इस काले युग में न विकास हुआ और न सबका साथ लिया गया । अपितु इंदिरा गांधी व उनके परिवार तथा समर्थकों का स्वर्णकाल रहा इस दौर में।

यद्यपि यह नहीं कहा जा सकता है कि आपातकाल में लिए गए सारे ही निर्णय ग़लत थे लेकिन जिस तरीके से उन्हें लागू किया गया वह निश्चित रूप से ग़लत था। उदाहरण के लिए जनसंख्या नियंत्रण के नाम पर जिस तरह जोर जबरदस्ती से नसबंदियां की गईं वह घोर अमानवीय था सौंदर्यीकरण के नाम पर झुग्गी झोपड़ी हटाने की मुहिम ने लाखों लोगों को बेघर कर दिया गया, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता एवं मौलिक नागरिक अधिकार छीन लिए गए । 21 महीने के कार्यकाल में कितने ही संवैधानिक संशोधन किए गए जिनमें 42 वें संविधान संशोधन विधेयक ने सारी शक्तियां प्रधानमंत्री को दे दी थीं और नागरिकों के अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्य भी जोड़ दिए गए । हालांकि इंदिरा गांधी ने बैंकों का राष्ट्रीयकरण, प्रिवीपर्स का खात्मा, जमींदारी प्रथा का उन्मूलन जैसे क्रांतिकारी कदम भी उठाए । लेकिन जोर जबरदस्ती का जनता पर भारी विपरीत प्रभाव पड़ा और इसका बदला जनता ने 1977 के चुनाव में कांग्रेस ही नहीं अपितु इंदिरा गांधी को भी हराकर लिया हालांकि विभिन्न दलों का गैर वैचारिक जनता पार्टी नाम का संगठन केवल ढाई वर्षों में ही बिखर गया और 1980 में इंदिरा गांधी एक बार फिर सत्ता में लौट आई। इंदिरा गांधी को आपातकाल लगाने का पश्चाताप भी रहा उन्होंने इसके लिए देश से माफी भी मांगी । एक अच्छा काम उन्होंने अपना इस्तीफा देने से पहले यह किया था कि उन्होंने आपातकालीन स्थिति को हटाकर किया ।

याद से भी जरूरी है आपातकाल से सबक सीखना

राज कुमार सिंह

भारतीय लोकतंत्र का काला अध्याय रहे आपातकाल की घोषणा को 50 साल होने पर संविधान हत्या दिवस मनाया जा रहा है। संविधान प्रदत्त नागरिक अधिकारों समेत कमोवेश लोकतंत्र को ही स्थगित कर देनेवाला आपातकाल दरअसल लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था में भी पनप सकनेवाली सत्ता-लोलुपता और राजनीतिक विकृतियों की ही देन था। इसलिए उसे याद रखना जरूरी है-- पर उससे सही सबक सीखना विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के सुरक्षित भविष्य के लिए और भी ज्यादा जरूरी है। इन 50 सालों में दो नयी पीढ़ियां आ गयी हैं, जिन्हें आपातकाल की बाबत उतना ही पता है, जितना राजनीतिक दलों ने अपने-अपने एजेंडा के तहत उन्हें बताया है। पहला जरूरी सबक तो उन परिस्थितियों से ही सीखना चाहिए, जिनके चलते 1971 में पृथक बांग्लादेश बनवाने पर राजनीतिक विरोधियों द्वारा भी 'दुर्गा' के रूप में देखी गयीं प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने ही 1975 में भारत पर आपातकाल थोप दिया। एकमात्र आधार भले न रहा हो, पर इंदिरा गांधी के प्रधानमंत्री बनने में देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू की बेटी होना बड़ा कारण रहा। 1969 में कांग्रेस विभाजन के बाद 1971 की चुनावी जीत से पार्टी और सत्ता में वर्चस्व स्थापित कर चुकीं इंदिरा छोटे बेटे संजय गांधी को उत्तराधिकारी बना कर लोकतंत्र में भी राजवंश की स्थापना के सपने देखने लगी थीं। संजय गांधी संविधानेतर सत्ता-केंद्र बन गये थे। सत्ता-राजनीति में तेज दौड़ने की लालसा से युवा कांग्रेसी तो बेटे के जरिये मां को खुश करने के लिए कुछ बुजुर्ग कांग्रेसी उनके दरबार में हाजिरी लगाने लगे थे, जिनको ले कर बाद में आपातकाल और फिर 1977 के आम चुनाव के दौरान नारे भी सुनायी पड़े।

सत्ताधीशों को अकसर सब कुछ अपने मनोनुकूल लगता है। राजनीतिक भ्रष्टाचार तथा महंगाई-बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर गुजरात और बिहार में जन आंदोलन शुरू हो चुके थे। गुजरात में कांग्रेस विधानसभा चुनाव भी हार गयी थी। स्वयं को चुनौती से परे समझने लगीं इंदिरा के लिए ये चिंताजनक संकेत थे, पर खतरे की आहट ले कर आया उनकी संसद सदस्यता रद्द कर छह साल तक चुनाव लड़ने के अयोग्य घोषित करनेवाला इलाहाबाद उच्च न्यायालय का फैसला। 1971 का लोकसभा चुनाव इंदिरा ने रायबरेली से जीता था, जिसे पराजित उम्मीदवार समाजवादी नेता राजनारायण ने अदालत में चुनौती दी। राजनारायण ने इंदिरा पर निजी सचिव यशपाल कपूर को चुनाव एजेंट बनाने, स्वामी अद्वैतानंद को 50 हजार रुपये घूस दे कर निर्दलीय उम्मीदवार बनाने, चुनाव प्रचार में वायु सेना के विमान इस्तेमाल करने, डीएम-एसपी की अनुचित मदद लेने तथा मतदाताओं के बीच शराब-कंबल बांटने जैसे आरोप लगाये थे। उसी मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति जगमोहन लाल सिन्हा का फैसला आया 12 जून को। यह सत्ता के अर्श से अचानक फर्श पर आ जाने जैसी स्थिति थी।

इंदिरा के पास एक ही संविधानसम्मत-लोकतांत्रिक रास्ता था: उच्च न्यायालय के फैसले को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती देते हुए अंतिम फैसले तक किसी विश्वसनीय को प्रधानमंत्री बनवा देतीं। कहा जाता है कि उन्होंने इस विकल्प पर विचार भी किया, पर संजय गांधी सहमत नहीं हुए। इंदिरा गांधी को सर्वोच्च न्यायालय से भी निराशा हाथ लगी। 24 जून को सर्वोच्च न्यायालय ने स्टे से इनकार करते हुए इंदिरा के लोकसभा की कार्यवाही में भाग लेने और वोट डालने पर भी प्रतिबंध लगा दिया। अदालती फैसलों के बावजूद सत्ता न छोड़ने की इंदिरा की जिद से विपक्ष को बड़ा मुद्दा मिल गया। 25 जून, 1975 को दिल्ली के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में विपक्षी दलों की जनसभा में जयप्रकाश नारायण ने इंदिरा गांधी की सरकार को 'असंवैधानिक' बताते हुए केंद्रीय कर्मचारियों और पुलिस से उसके 'आदेश न मानने' का 'आह्वान' किया। दरअसल उसे ही आधार बना कर 'आंतरिक अशांति की आशंका' जताते हुए 25/26 जून की रात राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद के हस्ताक्षर से देश में आपातकाल घोषित कर दिया गया। लंबे संघर्ष और असंख्य बलिदानों के बाद 1947 में स्वतंत्र हुआ भारत जैसे फिर जंजीरों में जकड़ दिया गया। आधी रात से ही विपक्षी नेताओं की गिरफ्तारियां शुरू हो गयीं तो देश की राजधानी दिल्ली में अखबारों के दफ्तरों की बिजली तक काट दी गयी। असहमति के तमाम स्वरों को दबाते हुए देश में 'इंदिरा इज इंडिया-इंडिया इज इंदिरा' जैसे नारे लगने लगे। 21 महीने चले आपातकालीन दमनचक्र के किस्से आज भी रोंगटे खड़े कर देते हैं। इसीलिए 'लोकनायक' जयप्रकाश की अगुवाई में 'संपूर्ण क्रांति' के रूप में 21 महीने चले संघर्ष के बाद मार्च, 1977 में हुए आम चुनाव में नवगठित विपक्षी दल जनता पार्टी की ऐतिहासिक जीत को दूसरी आजादी का नाम दिया गया।

आपातकाल का जन्म लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित प्रधानमंत्री की ही लोकतंत्र में घटती आस्था और बढ़ती सत्ता लोलुपता से पनपते वंशवाद से हुआ था। बेहद लोकप्रिय राजनेता और सख्ता प्रशासक रहीं इंदिरा को सत्ता और पुत्र के मोह ने ही तानाशाह बनने को प्रेरित किया था, पर विडंबना देखिए कि दूसरी आजादी के जरिये बनी सरकार आपातकाल जितने समय ही चल पायी। जिस तरह 1947 में देश आजाद होते ही कांग्रेसियों में सत्ता-संघर्ष छिड़ गया था और महात्मा गांधी तक की किसी ने नहीं सुनीं, उसी तरह सत्ता-संघर्ष में उलझे जनता पार्टी के क्षत्रपों ने भी बीमार जेपी की एक नहीं सुनीं। नतीजतन जनवरी, 1980 में हुए मध्यावधि चुनाव में ही इंदिरा गांधी ने सत्ता में जोरदार वापसी कर ली। दरअसल अहमन्यता, सत्ता लोलुपता और वंशवादी सोच मूलतः अलोकतांत्रिक और असंवैधानिक हैं, पर हमारे राजनेता इसे समझने को तैयार नहीं। इंदिरा गांधी के समय और उसके बाद भी वंशवाद और भ्रष्टाचार कांग्रेस के विरुद्ध सबसे बड़े राजनीतिक आरोप रहे हैं, लेकिन गैर कांग्रेसवाद की राजनीति के पुरोधा रहे दलों-नेताओं का दामन दोनों ही मुद्दों पर उससे भी ज्यादा दागदार नजर आता है। क्षेत्रीय दल परिवार विशेष की सत्ता का जुगाड़ ही बन कर रह गये हैं, तो सरकार बनाने और गिराने में भ्रष्टाचार का खेल खुल कर खेला जाने लगा है। राहुल गांधी ने भले आपातकाल को गलती मान लिया हो, पर तब आपातकाल के विरोध में कांग्रेस में कोई ज्यादा मुखर नहीं हुआ था।

संविधान पर लगे ताले: 1975 का आपातकाल

प्रो. आरके जैन "अरिजीत"

25 जून 1975 की रात कोई मामूली रात नहीं थी—यह वह घड़ी थी, जब स्वतंत्र भारत के मस्तक पर अमिट काला धब्बा लगा। यह वह पल था, जब लोकतंत्र की नींव डगमगा उठी, और करोड़ों भारतीयों के सपनों को सलाखों में जकड़ दिया गया। सत्ता के गलियारों में लिया गया एक फैसला न सिर्फ संविधान को ललकारता था, बल्कि भारत की आत्मा को लहूलुहान करता था। यह आपातकाल की घोषणा थी- एक ऐसा निर्णय, जिसने अभिव्यक्ति को कुचल डाला, स्वतंत्रता को बेड़ियों में जकड़ा, और जनता की आवाज को क्रूरता से दबा दिया। उस रात भारत ने देखा कि कैसे एक जीवंत लोकतंत्र, चंद घंटों में निरंकुशता की काली छाया में समा सकता है।

आपातकाल की कहानी महज एक तारीख या घटना नहीं, बल्कि एक गहन राजनीतिक, सामाजिक और नैतिक संकट का चरम थी। 1970 के दशक के मध्य में भारत आर्थिक अस्थिरता, बेरोजगारी, आसमान छूती महंगाई और व्याप्त भ्रष्टाचार की आग में झुलस रहा था। जनता का आक्रोश सड़कों पर उमड़ रहा था। इस बीच, जयप्रकाश नारायण (जेपी) 'संपूर्ण क्रांति' के नारे ने इस असंतोष को एक जनांदोलन का रूप दे दिया, जो सत्ता के खिलाफ देशव्यापी विद्रोह का प्रतीक बन गया। दूसरी ओर, 12 जून 1975 को इलाहाबाद हाई कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला, जिसने इंदिरा गांधी के 1971 के रायबरेली चुनाव को अवैध ठहराया, ने उनकी सत्ता को सीधे चुनौती दी। राजनीतिक अस्थिरता और व्यक्तिगत संकट का यह तूफान आपातकाल की भूमिका रच गया। यह वह दौर था, जब सत्ता का अहंकार लोकतंत्र पर भारी पड़ गया, और भारत ने अपनी आजादी की कीमत को सबसे काले अध्याय में महसूस किया।

25 जून 1975 की रात, तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद से संविधान के अनुच्छेद 352 के तहत आपातकाल की घोषणा करवाई-एक ऐसा कदम, जिसने भारत के लोकतांत्रिक इतिहास को अंधेरे में धकेल दिया। आधिकारिक तौर पर इसे 'आंतरिक अशांति' का हवाला देकर लागू किया गया, पर हकीकत में यह सत्ता के सिंहासन को बचाने की नंगी रणनीति थी। रातोंरात संविधान के मौलिक अधिकार-अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, व्यक्तिगत आजादी, और संगठन बनाने का हक-छीन लिए गए। प्रेस पर लोहे की सेंसरशिप की बेड़ियां डाल दी गईं; समाचार पत्रों को सरकारी मंजूरी के बिना एक शब्द छापने की इजाजत नहीं थी। कई अखबारों ने विरोध में अपने पन्ने खाली छोड़ दिए, जो उस दौर के मूक लेकिन सशक्त विद्रोह का प्रतीक बन गए। यह रात न केवल सत्ता के अहंकार की गवाही थी, बल्कि लोकतंत्र के गला घोंटने की क्रूर साजिश का भी जीवंत दस्तावेज थी। आपातकाल की पहली सुबह सूरज उगा, मगर लोकतंत्र पर अंधेरा गहरा चुका था। रातों-रात विपक्षी नेताओं पर सत्ता का हथौड़ा चला-जयप्रकाश नारायण, अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी, मोरारजी देसाई और जॉर्ज फर्नांडिस जैसे दिग्गजों को बिना अपराध जेल की सलाखों में ठूंसा गया। आधिकारिक आंकड़े चीख-चीखकर बताते हैं कि करीब 1.4 लाख लोगों को बिना मुकदमे के हिरासत में डाल दिया गया। मेंटेनेंस ऑफ इंटरनल सिक्योरिटी एक्ट (एमआईएसए) को हथियार बनाकर असहमति की हर आवाज को बेरहमी से कुचल दिया गया। नौकरशाही और पुलिस तंत्र सत्ता के गुलाम बन गए, सरकार के इशारों पर नाचने लगे। न्यायपालिका भी दबाव की बेड़ियों में जकड़ी थी-1976 का सुप्रीम कोर्ट का एडीएम जबलपुर फैसला, जिसमें हिरासत के खिलाफ अपील का अधिकार छीन लिया गया, इस काले दौर का सबसे शर्मनाक और विवादास्पद दाग बन गया। यह वह समय था जब सत्ता का अहंकार हर संस्था को रौंदता हुआ, भारत की आत्मा को लहूलुहान कर रहा था।

इस कालखंड में सत्ता का एक नया केंद्र उभरा — इंदिरा गांधी के पुत्र संजय गांधी। बिना किसी संवैधानिक पद के, उन्होंने देश की नीतियों को अपने इशारों पर नचाया, मानो लोकतंत्र उनका निजी साम्राज्य हो। उनकी तथाकथित 'पंचसूत्री' योजना और क्रूर नसबंदी अभियान ने देशभर में दहशत का आलम पैदा कर दिया। सरकारी आंकड़े चीखकर बताते हैं कि 1975-77 के बीच करीब 83 लाख नसबंदी ऑपरेशन किए गए, जिनमें से अधिकांश जबरन और अमानवीय तरीकों से थोपे गए। दिल्ली के तुर्कमान गेट जैसे इलाकों में झुग्गी-झोपड़ियों को बुलडोजरों से रौंद दिया गया, जिसने हजारों गरीबों को बेघर कर सड़कों पर ला पटका। यह सब 'राष्ट्रीय अनुशासन' और 'जनसंख्या नियंत्रण' के झूठे आवरण में किया गया, पर हकीकत में यह सत्ता के अहंकार और दुरुपयोग का घिनौना प्रदर्शन था।

बेबस, बेसुध, और बेमकसद

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

संतनगर का मुख्य चौक आज फिर सीना ताने खड़ा था, जैसे कह रहा हो- बोल बेटा, अब किस नेता का भाषण झेलवाओगे? चौक के चारों कोनों पर लगे लाउडस्पीकर ऐसे मुँह फाड़े पड़े थे जैसे उनके पेट में नाश्ते की जगह जनता की तालियों की भूख भरी हो। सामने मंच था, उस पर एक नेता जी धवल वस्त्र पहनकर ऐसे बैठे थे जैसे ताज पहनाकर किसी ने उन्हें गली के गेटमैन से राजमहल का राजा बना दिया हो। भीड़? अरे भीड़! नेता जी के चेहरे पर वही भाव था जो दूल्हा बारातियों के बगैर मंडप में बैठकर करता है-"पंडित जी, सिर्फ हवन करवा दो, फेरे घर जाकर ले लूँगा।"

नेता जी बोले-"हमने इस गाँव को चमका दिया! बिजली दी, पानी दिया, रोजगार दिया।" पास बैठे अफसर ने धीरे से टोका-"सर! ये गाँव तो दो किलोमीटर दूर है, यहाँ अभी न तो नाली है, न बिजली, न पानी।" नेता जी मुस्कराए-"भाई! राजनीति में दूर की सोच जरूरी है।" तालियाँ बजीं, क्योंकि स्कूल के बच्चों से बजवाई गई थीं। क्लास में 'क्लैप' के बाद 'चुप' सिखाया गया था, अब राजनीति ने सिखाया- 'पहले क्लैप, बाद में चुपचाप खिसको।'

जब कोई नहीं आया, तो अफसरों ने स्कूलों की छुट्टी कर दी। मास्टरों से कहा-"आज लोकतंत्र को पास करवाना है।" मास्टर, जिनका लोकतंत्र से वही रिश्ता है जो दाल में पाए से होता है, अनमने होकर बैठे। एक शिक्षक बोले-"हम तो पढ़ाने आए थे, पंच बनने नहीं!" अफसर ने डपट दिया-"आज तुम पंच भी हो, पीठासीन भी, प्रस्तावक भी और तालियाँ भी बजाओगे।" इससे पहले कि मास्टर कोई विरोध करता, उसकी अनुपस्थिति में भी उपस्थिति भर दी गई।तालियों की आवाजें गूँज रही थीं, पर दिलों की तन्हाई में सन्नाटा था। मंच पर प्रस्ताव रखे जा रहे थे-"गाँव में शौचालय निर्माण!" गाँव में कोई नहीं जानता था कि शौचालय क्या होता है, क्योंकि हरियाली ही उनका टॉयलेट था। लेकिन प्रस्ताव पास हुआ। "सर्वसम्मति से पास"-अर्थात सबने गर्दन झुकाई, क्योंकि उनकी रोज़ी मंच पर टँगी थी।

एक समय था जब भाषणों के लिए लोग दूर-दूर से आते थे, अब उन्हें देखकर लोग दूर-दूर भाग जाते हैं। नेता के भाषणों का हाल वैसा था जैसे बारिश के मौसम में छाते की दुकान-हर कोई देखता है, पर कोई खरीदता नहीं। नेता जी बोले-"हमें जन समर्थन मिला है।" भीड़ में खड़ा बच्चा बोला-"मुझे तो क्लास में गणित मिलना था, ये भाषण कैसे आ गया?" माँ-बाप हँसे, फिर रोए-"पढ़ाई गई राजनीति, राजनीति से पढ़ाई गई।"उस दिन गाँव में अफसरों ने इतनी चतुराई से सबक सिखाया कि पंच न होते हुए भी पंचायत हो गई। स्कूल न होते हुए भी शिक्षा हो गई। और भाषण न होने के बावजूद तालियाँ हो गईं। गाँव के बुज़ुर्ग बोले-"ये लोकतंत्र है या लोकतमाशा?" नेता बोले-"तमाशा भी तो लोक का हिस्सा है।" और तालियाँ फिर से बजीं, क्योंकि अब तालियों के लिए पैसे बाँटे गए थे।

शाम को जब नेता जी वापसी के लिए गाड़ी में बैठे, तो पीछे से एक बच्चा चिल्लाया-"अंकल, आप हर बार आते हो, स्कूल क्यों बंद करवा देते हो?" नेता मुस्कराए, बोले-"बेटा! तुम्हें भाषण नहीं अच्छा लगता?" बच्चा बोला-"अच्छा लगता है पर तब, जब मम्मी टिफिन में पराठा देती है, और आप स्कूल बंद न करवाते।"

पहाड़ों और हरे-भरे जंगलों के बीच बना है बिहार का ये अनोखा मंदिर

बिहार के जमुई जिले में घूमने-फिरने की कई ऐसी जगहें हैं। जहां आप प्रकृति के बीच समय व्यतीत कर सकते हैं। उन्हीं में से एक है खैरा प्रखंड क्षेत्र का फेमस गिद्धेश्वर नाथ महादेव मंदिर। इसकी सुंदरता इतनी लाजवाब है कि आप यहां रोमांचित हो जाएंगे। इसके नजारे आपको दीवाना बना देंगे।

गिद्धेश्वर नाथ महादेव मंदिर गिद्धेश्वर वन्य क्षेत्र के बीचो-बीच मौजूद है। इसके चारों तरफ घने जंगल और ऊंचे ऊंचे पहाड़ हैं। यहां उन पहाड़ों की तलहटी में बना यह मंदिर काफी प्राचीन भी है। इसकी प्रसिद्धि भी दूर दराज तक है। यहां भगवान भोलेनाथ की अत्यंत प्राचीन स्वयंभू प्रतिमा स्थापित है।

इस मंदिर के ठीक सामने गिद्धेश्वर पहाड़ स्थित है, जिसका नाम पक्षीराज जटायु के नाम पर पड़ा है। ऐसी मान्यता है कि जब रावण माता सीता का हरण करके उन्हें लंका ले जा रहा था। तब इस दौरान पक्षीराज जटायु ने यहां रावण से युद्ध किया था। यहां पहाड़ की चोटी पर भी एक मंदिर बनाया गया है, जिसमें लोग बड़े ही आस्था और विश्वास के साथ पूजा करने जाते हैं।

गिद्धेश्वर वन्य क्षेत्र अपनी खूबसूरती के लिए जाना जाता है। इसके पहाड़ी इलाके काफी खूबसूरत है। यहां से 12 किलोमीटर दूर गरही डैम भी आपको खूब पसंद आ सकता है। यहां आप अपने पूरे परिवार के साथ पिकनिक भी मना सकते हैं और साथ ही यहां भगवान भोलेनाथ की पूजा पाठ कर उनसे आशीर्वाद भी प्राप्त कर सकते हैं। ऐसे में अगर आप कहीं घूमने जाने की सोच रहे हैं, तो यह जगह किसी कॉम्बो पैक से काम नहीं है।

गिद्धेश्वर मंदिर की बात करें तो कहा जाता है कि इसकी स्थापना भगवान श्री रामचंद्र के द्वारा की गई थी। यहां एकमात्र ऐसा शिवलिंग है, जिस पर भगवान विष्णु के निशान देखने को मिलते हैं। गिद्धेश्वर नाथ महादेव मंदिर में श्रावण महीने में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जमा होती है और साल के प्रत्येक महीने में भी बड़ी संख्या में लोग यहां आते हैं।

आषाढ़ अमावस्या के दिन घर पर कौए का आना शुभ है अशुभ?

इस साल आषाढ़ अमावस्या का पर्व 25 जून दिन बुधवार को है। आषाढ़ अमावस्या के दिन स्नान और दान करने से पुण्य मिलता है और पाप मिटते हैं। आषाढ़ अमावस्या पर पितरों के लिए तर्पण, श्राद्ध, पिंडदान, दान आदि भी किए जाते हैं। पितरों को खुश करने और पितृ दोष से मुक्ति के लिए अमावस्या पर पंचबलि कर्म भी किया जाता है। इसमें पशु पक्षियों को भोजन देते हैं। आषाढ़ अमावस्या के दिन लोग कौए की प्रतीक्षा करते हैं। आषाढ़ अमावस्या के दिन घर कौए का आना शुभ होता है या अशुभ? कौए का पितरों से क्या कनेक्शन होता है?

अमावस्या पर कौए का आना शुभ या अशुभ

सामान्य दिनों में अगर घर पर कौआ आता है तो इसे अशुभ माना जाता है। लोक मान्यता है कि वह कोई अशुभ समाचार लेकर आया है, तो उसे घर से भगा देते हैं। वैसे भी कौए की आवाज कर्कश होती है, इस वजह से भी लोग से भगा देते हैं। पहले के समय में जब कौआ घर के बाहर बोलता था, तो समझा जाता था कि कोई अतिथि आने वाला है।

पितृपक्ष और अमावस्या के दिन कौए का आना शुभ माना जाता है या अशुभ नहीं होता है। कौए को पितरों का संदेश वाहक माना जाता है। मान्यताओं के अनुसार, कौआ मृत्यु लोक यानि धरती लोक और यमलोक को जोड़ने वाला माध्यम है। ये पितरों का संदेश धरती पर लाता है और धरती के संदेश को पितरों तक पहुंचाता है।

आषाढ़ अमावस्या पर कौए को खिलाएं खाना

आषाढ़ अमावस्या के दिन लोग कौए की प्रतीक्षा करते हैं क्योंकि इस दिन पितरों के लिए भोजन निकाला जाता है। उस भोजन का कुछ अंश कौए को दिया जाता है। मान्यताओं के अनुसार, कौए अगर उस भोजन को ग्रहण कर लेते हैं तो वह पितरों को प्राप्त होता है।

गरुड़ पुराण में बताया गया है कि गाय, कौआ, कुत्ता आदि को भोजन खिलाने पर वह पितरों को प्राप्त होता है। इससे पितर खुश होते हैं और अशीर्वाद देते हैं। अमावस्या के अलावा पितृ पक्ष में भी इनको भोजन दिया जाता है।

जब कौआ देता है शुभ संकेत

1. घर पर सुबह में कौए का आना शुभ माना जाता है। वह कांव कांव करता है तो इसका मतलब है कि आपको कोई शुभ समाचार मिलने वाला है या कोई अतिथि आने वाला है।

2. छत या बालकनी पर कौआ बैठा हो तो इसका मतलब है कि आपके पितर खुश हैं और उनकी कृपा आपके परिवार पर बनी हुई है। आपको कोई अटका हुआ काम पूर्ण हो सकता है।

3. यदि कौआ आपके घर की छत पर रखा भोजन खाता है तो इसका अर्थ है कि आपके पितर प्रसन्न हैं। उनकी कृपा से आपका घर सुख, शांति, धन और धान्य से भरा रहेगा।

प्रेरक कथा- प्रेम के बिना भक्ति नहीं होती

दुखी व्यक्ति घर छोड़कर संन्यासी बनने पहुंचा तो संत ने समझाया वह संन्यासी क्यों नहीं बन सकता

पुराने समय में एक व्यक्ति घर-परिवार में वाद-विवाद से तंग आ गया था। वह बहुत दुखी रहता था। जब घर के झगड़े उसकी सहनशक्ति से ज्यादा हो गए तो उसने एक दिन सोचा कि अब मुझे संन्यास ले लेना चाहिए।

वह व्यक्ति घर पर बिना किसी को कुछ बताए सबकुछ छोड़कर जंगल की ओर निकल गया। जंगल में उसे एक आश्रम दिखाई दिया। वह आश्रम में पहुंचा तो उसने देखा कि एक संत पेड़ के नीचे बैठकर ध्यान कर रहे थे। दुखी व्यक्ति संत के सामने बैठ गया और उनका ध्यान खत्म होने का इंतजार करने लगा।

जब संत का ध्यान पूरा हुआ और उन्होंने आंखें खोलीं तो व्यक्ति ने संत से कहा कि गुरुदेव मुझे अपना शिष्य बना लीजिए। मैं सब कुछ छोड़कर भगवान की भक्ति करने आया हूं। मुझे भी संन्यासी बनना है।

संत ने उससे पूछा कि तुम अपने घर में किसी से प्रेम करते हो?

व्यक्ति ने कहा - नहीं, मैं अपने परिवार में किसी से प्रेम नहीं करता।

संत ने कहा कि क्या तुम्हें अपने माता-पिता, भाई-बहन, पत्नी और ब च्चों में से किसी से भी लगाव नहीं है?

व्यक्ति ने संत को जवाब दिया कि ये पूरी दुनिया स्वार्थी है। मैं अपने घर-परिवार में किसी से भी स्नेह नहीं रखता। मुझे किसी से लगाव नहीं है, इसीलिए मैं सब कुछ छोड़कर संन्यास लेना चाहता हूं।

संत ने कहा कि भाई, तुम मुझे क्षमा करो। मैं तुम्हें शिष्य नहीं बना सकता। मैं तुम्हारे अशांत मन को शांत नहीं कर सकता हूं। अगर तुम्हें अपने परिवार से थोड़ा भी स्नेह होता तो मैं उसे और बढ़ा सकता था, अगर तुम अपने माता-पिता से प्रेम करते तो मैं इस प्रेम को बढ़ाकर तुम्हारे मन को भगवान की भक्ति में लगा सकता था। लेकिन तुम्हारा मन बहुत कठोर है। एक छोटा सा बीज ही विशाल वृक्ष बनता है, लेकिन तुम्हारे मन में प्रेम भाव है ही नहीं। मैं किसी पत्थर से पानी का झरना कैसे बहा सकता हूं। मैं तुम्हें अपना शिष्य नहीं बना सकता।

इस प्रसंग की सीख

समस्या से भागना नहीं चाहिए

दुखी व्यक्ति ने पारिवारिक कलह से तंग आकर भागना चाहा, लेकिन शांति भागने से नहीं मिलती। उसे पाने के लिए भीतर की भावना बदलनी होती है।

भक्ति के लिए प्रेम है जरूरी

संत ने स्पष्ट किया कि अगर मन में प्रेम का बीज है, तभी उसे बढ़ाकर भक्ति रूपी वृक्ष बनाया जा सकता है। प्रेम के बिना भक्ति नहीं की जा सकती है।

रिश्ते में प्रेम बनाए रखें

जो व्यक्ति अपने रिश्तों का सम्मान करता है, वही ईश्वर के प्रति समर्पित हो सकता है। जो लोग अपने रिश्तेदारों से प्रेम नहीं कर पाते हैं, वे भक्ति भी नहीं कर पाएंगे।

जीवन में संघर्ष आते हैं, लेकिन उन संघर्षों से भागना नहीं चाहिए। अपनों से प्रेम, संबंधों का सम्मान, ये वो मूल तत्व हैं, जो इंसान को जीवन में स्थायित्व, शांति और भक्ति की ओर ले जाते हैं।

सिर्फ एक दिशा बदलिए और अपने बिज़नेस को दीजिए सोच, फिर देखिए सफलता की सही चाल

हर बड़ा बिज़नेस एक छोटे से आइडिया से शुरू होता है। यह आइडिया ही वह बीज है जो वक्त के साथ एक मजबूत पेड़ बन जाता है। चाहे आप कोई प्रोडक्ट बेच रहे हों या कोई सर्विस दे रहे हों, शुरुआत हमेशा एक सोच से होती है। यही सोच अगर सही दिशा में विकसित हो तो सफलता भी उसी तेजी से कदम चूमती है। इस विषय में अधिक जानकारी दे रहे हैं इंदौर निवासी ज्योतिषी, वास्तु विशेषज्ञ एवं न्यूमेरोलॉजिस्ट हिमाचल सिंह।

अब बात करते हैं उस दिशा की, जिसे वास्तु शास्त्र में सबसे खास माना गया है – नॉर्थ-ईस्ट दिशा, यानी ईशान कोण। यह दिशा न सिर्फ धार्मिक रूप से पवित्र मानी जाती है, बल्कि मानसिक शांति, नए विचार और सकारात्मक ऊर्जा से भी जुड़ी होती है। पुराने समय से यह दिशा भगवान की जगह मानी गई है। मंदिर हो, ध्यान की जगह हो या फिर घर का कोई पवित्र कोना – ज़्यादातर लोग इसे ही चुनते हैं।

लेकिन सवाल उठता है कि इसका ताल्लुक बिज़नेस से कैसे है?

असल में, जब किसी व्यक्ति के मन में नया विचार आता है, तो वह उसकी मानसिक स्थिति और माहौल पर बहुत निर्भर करता है। अगर आसपास का माहौल साफ, शांत और ऊर्जा से भरा हो, तो सोचने की ताकत खुद-ब-खुद बढ़ जाती है। नॉर्थ-ईस्ट दिशा वही असर देती है। अगर ये कोना साफ़-सुथरा, हल्का और खुला हो, तो व्यक्ति के मन में आने वाले विचार रुकते नहीं हैं – वे आगे बढ़ते हैं, निखरते हैं और आकार लेते हैं।

लेकिन अगर इसी दिशा में भारी सामान रखा हो, कबाड़ पड़ा हो या गंदगी फैली हो, तो मानसिक स्तर पर असर दिखना शुरू हो जाता है।

कई बार देखा गया है कि लोगों को अच्छे आइडिया तो आते हैं, लेकिन वे उसे अमल में नहीं ला पाते। इसकी एक वजह ये भी हो सकती है कि उनका नॉर्थ-ईस्ट कोना बाधित है।

आषाढ़ अमावस्या: नाराज पितर को मनाने के लिए पूजा न कर पाएं तो ये काम जरूर करें

आषाढ़ अमावस्या का विशेष महत्व है। यह दिन पितरों को समर्पित रहता है। इस दिन पवित्र नदियों में स्नान कर दान-पुण्य करने का विशेष महत्व है। इससे पितृ तृप्त होते हैं। इस दिन तर्पण और पिंडदान करने से पूर्वजों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। वहीं, अगर आप नदी में स्नान या दान-पुण्य न कर पाएं तो अपनी राशि अनुसार उपाय कर लें। इससे भी पितरों को लाभ पहुंचाया जा सकता है।

जानें 12 राशियों के उपाय

मेष: आषाढ़ अमावस्या पर पितरों को प्रसन्न करने के लिए इस राशि के जातक को पानी, शरबत, ठंडी तासीर की चीजों का दान करना चाहिए।

वृषभ: इस दिन पितरों को प्रसन्न करने के लिए जरूरतमंद लोगों को धन और अन्न का दान किया जाए तो साल भर पूर्वजों का आशीर्वाद बना रहता है।

मिथुन: इस राशि के जातकों को पितरों का विशेष आशीर्वाद पाने के लिए गन्ने का रस और शीतल जल का दान करना बेहद शुभ होता है।

कर्क: आषाढ़ अमावस्या के दिन पितरों को प्रसन्न करने के लिए इस राशि के जातक को सफेद खाद्य पदार्थों और यथा संभव धन का दान करना चाहिए।

सिंह: इस राशि के जातकों को पितरों का विशेष आशीर्वाद पाने के लिए गरीबों मे गुड़, चना, शहद का दान करना शुभ होता है।

कन्या: पितरों का आशीर्वाद पाने के लिए इस दिन जरूरतमंद लोगों को घी में बने हरे भोज्य पदार्थ का दान तथा भोजन कराना चाहिए।

तुला: इस दिन पितरों का आशीर्वाद पाने के लिए ब्राह्मणों को भोजन कराएं। जरूरतमंदों को सफेद वस्तुओं का दान करने से पितरों का आशीर्वाद सदा बना रहता है।

वृश्चिक: आषाढ़ अमावस्या के दिन पितरों को प्रसन्न करने के लिए इस राशि के जातक को गुड़, लाल कपड़े आदि का दान करना चाहिए।

धनु: इस राशि के जातक को आषाढ़ माह की अमावस्या के दिन गरीबों में मिठाई, केला और पीले वस्त्रों का दान करना चाहिए।

मकर: इस दिन पूर्वज का आशीर्वाद पाने के लिए काली उड़द, तिल आदि का दान आपके लिए शुभ रहेगा।

कुंभ: इस राशि के जातकों को पितरों का विशेष आशीर्वाद पाने के लिए धन और जूते-चप्पलों का दान करना चाहिए।

मीन: आषाढ़ की अमावस्या के दिन इस राशि के जातक को शीतल जल और पीले खाद्य पदार्थों का दान करना चाहिए।

कुमाऊं के प्रसिद्ध मंदिर: यहां दर्शन से मिलता है शांति और आध्यात्म का अनुभव

उत्तराखंड का कुमाऊं क्षेत्र न केवल प्राकृतिक सौंदर्य के लिए प्रसिद्ध है। यहां स्थित प्राचीन मंदिर भी श्रद्धालुओं और पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। नैनीताल जिले समेत पूरे कुमाऊं में ऐसे कई मंदिर हैं। जिनका पौराणिक इतिहास काफी महत्व रखता है। इन मंदिरों के दर्शन मात्र से ही मानसिक शांति और आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव होता है।

नैनी झील के उत्तरी छोर पर स्थित नयना देवी मंदिर शक्ति की अधिष्ठात्री देवी को समर्पित है। यह मंदिर 51 शक्तिपीठों में से एक माना जाता है, जहां माता सती के नेत्र गिरे थे। इस मंदिर से नैनीताल की झील और पहाड़ियों का विहंगम दृश्य मन को मंत्रमुग्ध कर देता है। यहां हर साल हजारों श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं, नंदाष्टमी के पर्व पर यहां खास नंदा देवी का मेला आयोजित किया जाता है। मंदिर का शांत वातावरण और दिव्य ऊर्जा श्रद्धालुओं को गहरी आत्मिक शांति प्रदान करती है।

उत्तराखंड के नैनीताल जिले के भवाली के निकट घोड़ाखाल में स्थित यह मंदिर कुमाऊं के लोकदेवता 'गोलू देवता' को समर्पित है। इसे घंटी वाले मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। न्याय के देवता के रूप में प्रसिद्ध गोलू देवता को यहां पत्र लिखकर मनोकामनाएं भेजी जाती हैं। और मनोकामना पूरी होने पर यहां घंटियां चढ़ाने का रिवाज है। इस मंदिर में चढ़ी लाखों घंटियां इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है कि गोलू भगवान के दर पर मनोकामनाएं पूरी होती हैं। मंदिर में लाखों की संख्या में चिट्ठियां बंधी हुई हैं। यहां की मान्यता है कि गोलू देवता सच्चे दिल से मांगी गई मुरादों को जरूर पूरा करते हैं। पहाड़ियों के बीच बसे इस मंदिर का प्राकृतिक सौंदर्य भी भक्तों को आकर्षित करता है।

नैनीताल-अल्मोड़ा मार्ग पर बाबा नीम करौली का प्रसिद्ध कैंची धाम स्थित है। इस मंदिर का निर्माण बाबा ने सन 1964 में करवाया था। जो आज अपने चमत्कारों के कारण भक्तों में काफी लोकप्रिय है। यह मंदिर अब एक वैश्विक आध्यात्मिक केंद्र बन चुका है, जहां मार्क जुकरबर्ग, स्टीव जॉब्स, विराट कोहली, जुबिन नौटियाल समेत कई हस्तियां पहुंचकर बाबा नीम करौली का आशीर्वाद प्राप्त कर चुकी हैं। हर साल 15 जून को मंदिर के स्थापना दिवस के मौके पर कैंची धाम में विशाल भंडारे में हजारों श्रद्धालु भाग लेते हैं। यहां की शांति, सकारात्मक ऊर्जा लोगों को गहराई से प्रभावित करती है।

चितई मंदिर, अल्मोड़ा के पास स्थित है और यह भी गोलू देवता को समर्पित है, लेकिन इसकी ख्याति भी विशेष रूप से 'घंटी वाले मंदिर' के रूप में है। यहां हजारों भक्त अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के बाद बड़ी-बड़ी पीतल की घंटियां चढ़ाते हैं। मंदिर की दीवारें श्रद्धालुओं की चिट्ठियों और घंटियों से ढकी होती हैं। यहां की विशिष्ट परंपरा, न्याय व्यवस्था में आस्था और पहाड़ी आचार-विचार का संगम इसे खास बनाता है।

अल्मोड़ा के पास स्थित जागेश्वर धाम 124 छोटे-बड़े प्राचीन मंदिरों का समूह है, जो भगवान शिव को समर्पित हैं। यह धाम 'हिमालय का काशी' भी कहलाता है। यहां की देवदार की घनी वादियों में स्थित मंदिर समूह 8वीं से 12वीं सदी के मध्य का वास्तुशिल्प दर्शाते हैं। जागेश्वर की वादियों में स्थित शिवलिंगों की शांति और रहस्यात्मकता श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक अनुभूति कराती है। महाशिवरात्रि और श्रावण मास में यहां विशेष धार्मिक आयोजन होते हैं।

अगर स्टाफ बैठा है यहां तो, तरक्की की राह रोक सकती है ऑफिस की ये दिशा

हर ऑफिस में एक ऐसी जगह होती है, जो बिजनेस की तरक्की को आगे बढ़ाने की बजाय उसे धीमा कर देती है। ऐसी ही एक दिशा है नॉर्थ-ईस्ट यानी उत्तर-पूर्व। वास्तु और अनुभव दोनों बताते हैं कि इस दिशा में किसी कर्मचारी को बैठाना अच्छा नहीं माना जाता। अब सोचिए, अगर आपके ऑफिस में कोई स्टाफ नॉर्थ-ईस्ट में बैठता है, तो उसके सोचने का तरीका बदल सकता है। उसे लग सकता है कि यही व्यक्ति है जिसकी वजह से पूरा ऑफिस चल रहा है। यह सोच धीरे-धीरे उसके काम में दिखने लगेगी – वह न तो आपके निर्देश मानेगा, न ही टीम का हिस्सा महसूस करेगा।

टीमवर्क बिगड़ सकता है

ऑफिस चलाने के लिए टीमवर्क बहुत जरूरी होता है। लेकिन जब किसी को यह लगने लगे कि वह सबसे ऊपर है, तो टीम में तालमेल खत्म होने लगता है। नॉर्थ-ईस्ट दिशा में बैठने से व्यक्ति के अंदर "मैं ही सब कुछ हूं" जैसी भावना आने लगती है। यह भावना उस इंसान को अलग-थलग कर देती है। वह खुद को मालिक जैसा समझने लगता है और यह आपके पूरे सिस्टम को नुकसान पहुंचा सकता है।

बिजनेस को लग सकता है झटका

मान लीजिए आपने किसी को पूरी ट्रेनिंग देकर तैयार किया, काम सिखाया, क्लाइंट्स हैंडल करना सिखाया और वह धीरे-धीरे ऑफिस का भरोसेमंद इंसान बन गया। लेकिन अगर वो नॉर्थ-ईस्ट में बैठता है तो उसके सोचने का तरीका बदल सकता है। वह अपनी शर्तों पर काम करने लगेगा, आपको नजरअंदाज करेगा और ऑफिस के बाकी लोगों से भी ठीक से पेश नहीं आएगा।

कब बनती है ये दिशा खतरनाक?

जब कोई व्यक्ति नॉर्थ-ईस्ट में लंबे समय तक बैठता है, तो वह खुद को ही केंद्र मानने लगता है। उसे लगने लगता है कि अगर वो न हो, तो कुछ नहीं चलेगा। और जब उसे किसी काम में टोका जाए या दिशा दी जाए, तो उसे यह बात बर्दाश्त नहीं होती। ऐसे में या तो वह खुद ही ऑफिस छोड़ देगा या फिर आपको उसे हटाना पड़ेगा।

उपाय क्या है?

अगर आपके ऑफिस में नॉर्थ-ईस्ट में कोई सीट है, तो उसे खाली रखना बेहतर रहेगा। चाहें तो उस दिशा में मंदिर, पानी का पॉट या कोई शांत चीज रखें, लेकिन वहां किसी को नियमित रूप से बैठने न दें। यह दिशा सोचने-समझने और नई योजनाएं बनाने के लिए अच्छी मानी जाती है, लेकिन बैठकर रोज़ का काम करने के लिए नहीं।

योग स्वतंत्र क्रिया है, चलते फिरते भी इसे कर सकते हैं

गीता में श्रीकृष्ण जब-जब योग पर बात करते, तो उनकी दृष्टि अर्जुन के रथ की ध्वजा पर विराजे हनुमान जी पर जाती थी। हनुमान जी सच्चे योगी हैं। अगर कोई योग को जानना चाहे तो हनुमान जी को इस दृष्टि से देखे। तो योग की मूल बात वही है, लेकिन तरीका अलग है।

महिलाएं, बच्चे, युवा, बूढ़े अपने-अपने ढंग से योग को स्वीकार कर सकते हैं। अगर आप योगियों की तरह योग ना कर पाएं तो सामान्य गृहस्थ बनकर भी योग से जुड़ सकते हैं। रोना भी योग बन जाता है। भावनाएं और दबाव यदि बाहर निकाल दें, आंसुओं से, तो वह योग है। विनम्रता भी योग है।

हंसना तो योग है ही। खाना बनाने और भोजन करने में भी योग उतर आता है। यदि सेवा करने लग जाएं तो योग घट गया। मौन तो योग की प्रतिनिधि क्रिया है। दूसरों के लिए अच्छा सोचिए, मन ही मन योग घट गया। अपने काम अपने हाथ से करिए, घर में भी, बाहर भी, योग हो गया। तो योग के कई रूप हैं, केवल हाथ-पैर हिलाना, आंख बंद करके, सीधी कमर करके बैठना ही योग नहीं है।

ड्रग मामले में न्यायिक हिरासत में भेजा गया साउथ एक्टर श्रीकांत, कोकीन खरीदने का लगा आरोप

तमिल सिनेमा के अभिनेता श्रीकांत एक कानूनी पचड़े में फंस गए हैं। पुलिस ने अभिनेता को तकरीबन आठ घंटे की लंबी पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। जहां वो 7 जुलाई तक न्यायिक हिरासत में रहेंगे। श्रीकांत पर ये कार्रवाई ड्रग्स से जुड़े एक मामले में हुई है।

एक्टर के ड्रग्स लेने की हुई पुष्टि

पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि श्रीकांत के ब्लड सैंपल किलपौक मेडिकल कॉलेज अस्पताल में मेडिकल टेस्ट के लिए एकत्र किए गए थे। जिसके बाद जांच में अभिनेता के शरीर में नशीले पदार्थ की मौजूदगी की पुष्टि हुई। पुलिस ने बताया कि इसके बाद सोमवार रात को श्रीकांत को एग्मोर स्थित 14वें मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट के आवास पर ले जाया गया और रिमांड पर लिया गया। अब उन्हें 7 जुलाई तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

कल अभिनेता से हुई थी पूछताछ

पूर्व एआईएडीएमके पदाधिकारी टी प्रसाद को हिरासत में लिए जाने के बाद सोमवार को नुंगमबक्कम पुलिस थाने में अभिनेता से पूछताछ की गई। पुलिस को शक है कि प्रसाद ने 46 वर्षीय श्रीकांत और एक अन्य अभिनेता को कोकीन की आपूर्ति की है। इस पूरे मामले में जांच के बाद अब ये कदम उठाया गया है।

11 ग्राम नशीला पदार्थ जब्त होने की खबर

पिछले सप्ताह नुंगमबक्कम पुलिस ने सलेम के प्रदीप कुमार को गिरफ्तार किया था और उससे मिली जानकारी के आधार पर उन्होंने घाना के जॉन नामक व्यक्ति को राज्य के होसुर से गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि उनके पास से करीब 11 ग्राम नशीला पदार्थ जब्त किया गया।

कई तमिल फिल्मों में नजर आ चुके हैं श्रीकांत

श्रीकांत के करियर की बात करें तो वो पिछले 26 साल से फिल्म इंडस्ट्री में काम कर रहे हैं। उन्होंने साल 1999 में टीवी शो जन्नाल – मरबू कविथैगल से अपना करियर शुरू किया था। श्रीकांत ने काना कंडेन, ओरु नाल कनवु, बाम्बारा कन्नले, मनासेल्लम, वर्णजलम, मर्करी पूक्कल, ईस्ट कोस्ट रोड, पू, सथुरंगम और नानबन जैसी कई फिल्मों में काम किया है। वो आखिरी बार तमिल फिल्म 'कोनजम कधल कोनजम मोधल' और तेलुगु फिल्म 'एरराचेरा' में नजर आए थे।

पवन कल्याण ने बॉलीवुड पर कसा तंज

कहा– हिंदी सिनेमा परंपराओं–संस्कृति को भूलकर बस पैसा कमाने में लगे हैं

टॉलीवुड के सुपरस्टार और आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बने पवन कल्याण ने बॉलीवुड को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि हिंदी सिनेमा धीरे-धीरे भारतीय संस्कृति से दूर होता जा रहा है, जबकि साउथ की फिल्म इंडस्ट्री आज भी अपनी परंपराओं और सांस्कृतिक से जुड़ी हुई है।

बॉलीवुड पर पवन कल्याण की आलोचना

पवन कल्याण ने 'ऑर्गनाइजर वीकली' से बातचीत के दौरान देश में सिनेमा के बदलते स्वरूप पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि हिंदी फिल्मों पर ग्लोबलाइजेशन और सिर्फ मुनाफा कमाने की सोच का ज्यादा प्रभाव पड़ चुका है। कुछ फिल्मों में भारतीय संस्कृति से जुड़ी बातों को दिखाया तो जाता है। लेकिन उनका भी मजाक बना दिया जाता है।

साउथ सिनेमा की सराहना

साउथ इंडस्ट्री की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा, तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम सिनेमा अब भी अपनी जड़ों से जुड़ा हुआ है। इन फिल्मों में हमारी संस्कृति और परंपराएं झलकती हैं। वहीं दूसरी ओर, बॉलीवुड में अब सिर्फ मुनाफे की मानसिकता हावी होती जा रही है।

हिंदी सिनेमा ने खो दी अपनी पहचान

पवन कल्याण ने यहां तक कह दिया कि बॉलीवुड ने अपनी पहचान खो दी है। उन्होंने कहा कि कुछ ही फिल्में ऐसे बनी, जिसमें भारतीय संस्कृति और पारिवारिक मूल्यों को अच्छे से दिखाया गया था। जैसे ही आमिर खान की फिल्म दंगल। लेकिन अब ऐसे फिल्में बनना भी बंद हो चुकी हैं।

'हरि हर वीरा मल्लू' में दिखेंगे पवन कल्याण

पवन कल्याण जल्द ही फिल्म हरि हर वीरा मल्लू में नजर आएंगे। यह फिल्म 24 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। इसके अलावा वह अपने अपकमिंग फिल्मों की शूटिंग तेजी से पूरी कर रहे हैं।

तमन्ना भाटिया से ब्रेकअप के बाद फिर हुआ विजय वर्मा को प्यार! इस हसीना से डेटिंग की खबरें तेज

तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा ने ब्रेकअप की खबरें इसी साल आईं. दोनों ने अपने रास्ते अलग कर लिए और दोनों एक दूसरे को इवेंट में इग्नोर करते नजर आते हैं. लेकिन, अब ऐसी खबरें आ रही हैं कि विजय वर्मा तमन्ना से अलग होने के बाद किसी और हसीना को डेट करने लगे हैं. ये हसीना कौन हैं चलिए हम आपको बताते हैं.

कौन है ये नई हसीना?

खबरों की मानें तो तमन्ना से दिल अलग होने के बाद विजय वर्मा का दिल अब किसी और के लिए धड़कने लगा है. कहा जा रहा है कि एक्टर को बॉलीवुड की एक और हसीना के साथ चुपके-चुपके वक्त बिताते हुए कैफे में देखा गया. ये हसीना कोई और नहीं बल्कि दंगल गर्ल फातिमा सना शेख हैं. दरअसल, इन दोनों को जैसे ही कैफएश में स्पॉट किया गया तब से दोनों के अफेयर की खबरों ने जोर पकड़ लिया है. हालांकि विजय और फातिमा ने डेटिंग को खबरों को आधिकारिक तौर पर कंफर्म नहीं किया है.

फातिमा सना शेख

इसमें कर रहे एक साथ काम

इन दिनों विजय वर्मा और फातिमा एक साथ 'गुस्ताफ इश्क' में काम कर रहे है.इन दोंं की फिल्म का पोस्टर भी आउट हो गया है. जब फातिमा से विजय के बारे में पूछा गया तो एक्ट्रेस ने कहा था- 'एक अच्छा एक्टर वही होता है जो आखिरकार अपना रास्ता निकाल ही लेता है. आपको वहां पहुंचने में समय ज्यादा या फिर कम लग सकता है. लेकिन अग आप एक अच्छे एक्टर हैं तो सक्सेस आपको मिलती है. विजय एक शानदार एक्टर हैं. मुझे ये देखकर बहुत खुशी हो रही है कि उन्हें इंडस्ट्री में वो पहचान मिल रही है. जिसके वो हकदार हैं.'

टैग लगा आउटफिट पहने नजर आईं महवश, यूजर्स ने किया ट्रोल; बोले- यूजी भाई से बोलना था

क्रिकेटर युजवेंद्र चहल के साथ नाम जुड़ने के बाद से आरजे महवश लगातार किसी न किसी बहाने से चर्चाओं में बनी रहती हैं। महवश को अक्सर चहल के चलते ट्रोल भी किया जाता है। हालांकि, पिछले दिनों महवश ने ट्रोलर्स को काफी तगड़ा जवाब दिया था। लेकिन अब आरजे महवश एक वीडियो वायरल है, जिसके बाद वो एक बार फिर नेटिजंस के इशारे पर आ गई हैं।

टैग लगी हुई ड्रेस पहने निकलीं महवश

एक बार फिर कुछ ऐसा हुआ है कि नेटिजंस को आरजे महवश को ट्रोल करने का मौका मिल गया। दरअसल, आरजे महवश का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। इस वीडियो में महवश लाइट येलो कलर की एक समरी ड्रेस पहने नजर आ रही हैं। इस दौरान महवश

पैपराजी के कैमरे में कैद हुईं और उन्होंने पैप्स को पोज भी दिए। लेकिन इसी बीच नेटिजंस ने महवश के वीडियो में कुछ ऐसा नोटिस कर लिया, जिसके चलते वो नेटिजंस के इशारे आ गईं। दरअसल, महवश अपनी इस ड्रेस का टैग निकालना भूल गईं और टैग लगे-लगे ही वो ड्रेस पहनकर बाहर निकल गईं और पैप्स के सामने आ गईं। इसके बाद महवश को यूजर्स ने ट्रोल करना शुरू कर दिया।

यूजर्स को याद आए चहल

महवश का वीडियो सामने आते ही यूजर्स ने ड्रेस में लगा उनका टैग नोटिस कर लिया और उन्हें निशाने पर ले लिया। एक यूजर ने इसको लेकर वायरल वीडियो पर कमेंट करते हुए लिखा, 'युजी भाई को टैग निकालने के लिए बोलना था।' जबकि एक अन्य यूजर ने लिखा, 'टैग तो निकाल लेतीं बहन। क्या तुम बाहर निकलने से पहले शीशा नहीं देखती हो।'

चहल से जुड़ रहा महवश का नाम

आरजे महवश का नाम पिछले काफी वक्त से क्रिकेटर युजवेंद्र चहल के साथ जोड़ा जा रहा है। महवश को कई बार आईपीएल में चहल को सपोर्ट करते भी देखा गया। इस दौरान दोनों एकसाथ भी कई बार नजर आए। हालांकि, अभी तक दोनों में से किसी ने भी खुले तौर पर अपने रिलेशनशिप को स्वीकार नहीं किया है।

सोनाक्षी-जहीर की शादी की पहली एनीवरसरी पर जोरदार डांस करती दिखीं हुमा कुरैशी

सोनाक्षी सिन्हा और जहीर खान ने 23 जून को अपनी शादी के एक वर्ष पूरे होने पर इसे खूब धूमधाम से सेलिब्रेट किया। इस पार्टी में कई दिग्गज सितारे भी शामिल हुए। उसी वक्त का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें पति-पत्नी के साथ एक चर्चित अभिनेत्री भी डांस करती नजर आ रही हैं। देखें वीडियो।

जोरदार डांस करती दिखीं हुमा कुरैशी

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में अभिनेत्री हुमा कुरैशी अपने ही गाने 'दिल थाम के' पर नाचती दिख रही हैं, जिसमें उनका साथ दे रहे हैं जहीर खान। कुछ देर बाद इसमें सोनाक्षी सिन्हा भी शामिल हो जाती हैं और तीनों जोरदार डांस करते दिख रहे हैं। इस वीडियो में तीनों कलाकारों को सफेद आउटफिट में देखा जा सकता है। ये वीडियो सोनाक्षी-जहीर की वेडिंग एनिवर्सरी के दौरान का है।

नेटिजंस की आ रही शानदार प्रतिक्रियाएं

इस वीडियो के सोशल मीडिया पर वायरल होते ही नेटिजंस के भी कमेंट्स आ रहे हैं और लोग उनकी तारीफ कर हैं। एक यूजर ने कहा कि सबसे खूबसूरत कपल। एक और यूजर ने बोला कि क्या जोरदार डांस किया है।

कुछ लोग हुमा कुरैशी के डांस मूव्स की तारीफ करते दिख रहे हैं। इसके अलावा एक अन्य यूजर ने लिखा कि वाह आग लिया दिया। साथ ही आपको बताते चलें की लगभग आठ वर्षों तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद सोनाक्षी-जहीर ने 23 जून 2024 को शादी कर ली थी, जिसमें कई सितारे शामिल हुए थे।

सोनाक्षी सिन्हा का वर्कफ्रंट

सोनाक्षी सिन्हा के वर्कफ्रंट की बात करें, तो वह जल्द ही 'निकिता रॉय' में नजर आएंगी। यह एक अलौकिक थ्रिलर फिल्म है, जिसका निर्देशन कुश एस सिन्हा ने किया है। फिल्म में सोनाक्षी सिन्हा मुख्य भूमिका नजर आएंगी। वहीं, फिल्म में सोनाक्षी के अलावा परेश रावल, अर्जुन रामपाल और सुहैल नय्यर हैं। यह फिल्म 27 जून 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

भोजपुरी स्टार पवन सिंह के घर में चोरी

लाखों की ज्वैलरी, कैश और सामान उड़ा ले गए चोर

भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार पवन सिंह के आरा (बिहार) स्थित घर पर 15 लाख रुपयों की चोरी हो गई है। जानिए कैसे और कब हुई चोरी। घर से क्या-क्या कीमती सामान लेकर रफू चक्कर हुए चोर।

पवन सिंह के घर पर यह घटना रविवार, 23 जून की रात को हुई। चोर खिड़की तोड़कर घर में घुसे और करीब 15 लाख रुपये की ज्वेलरी, 30 राइफल की गोलियां और 15 हजार रुपये नकद लेकर फरार हो गए। यह चोरी एक्टर के आरा के मझौंवा वार्ड नंबर 5 में उनके दूसरे घर में हुई। उस समय घर में पवन सिंह के सास-ससुर (कलावती देवी और सुनील कुमार सिंह) मौजूद थे, जो दूसरे

कमरे में सो रहे थे। सुबह जब दरवाजा नहीं खुला, तो सुनील ने बाहर जाकर देखा कि खिड़की को पेचकस से तोड़ा गया था।

पवन सिंह के घर पर हुई इस 15 लाख रुपयों की चोरी की वारदात की एफआईआर पुलिस थाने में दर्ज कराई जा चुकी है। पुलिस में शिकायत पवन सिंह के भाई रानू सिंह ने कराई है। यह एफआईआर नगर थाना में दर्ज कराई गई। उन्होंने बताया कि चोर राइफल नहीं ले जा सके, जो गनीमत रही। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और फॉरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंच रही है।

चोरी में चोरों ने 15 लाख रुपये की ज्वेलरी चुराई, जिसमें दो कंगन, लक्ष्मी चैन, नवाबी चैन, मंगलसूत्र, दो सिकड़ी, दो अंगूठी और चार जोड़ी छागल शामिल हैं। घर में पवन सिंह का स्टूडियो भी है, लेकिन चोर वहां नहीं पहुंचे। पुलिस की कार्रवाई पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज देखे जा रहे हैं और जल्द ही चोरों को पकड़ने की उम्मीद है।

पत्नी प्रियंका संग फोटो शेयर कर निक जोनस ने खुद को बताया भाग्यशाली

निक जोनस अपनी पत्नी और एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा की तारीफ का कोई मौका नहीं छोड़ते हैं। वो अक्सर प्रियंका की तारीफ करते रहते हैं और उन्हें अपने लिए सबसे खास बताते रहते हैं। अब एक बार फिर निक जोनस ने पत्नी प्रियंका की तारीफ की है और खुद को लकी बताया है।

निक जोनस ने अपने इंस्टाग्राम पर एक फोटो शेयर की है। इस फोटो में निक और प्रियंका एक साथ नजर आ रहे हैं। फोटो में निक एक चेयर पर बैठे हुए हैं और प्रियंका उनकी गोद में बैठी हुई हैं। इस तस्वीर को शेयर करते हुए निक ने जो कैप्शन लिखा है, उसने सबका ध्यान अपनी ओर खींचा है। निक ने इस तस्वीर को शेयर करते हुए कैप्शन में सिर्फ 'लकी मी' लिखा है। साथ में उन्होंने एक रेड हार्ट भी बनाया है। अब तस्वीर के साथ-साथ निक के कैप्शन ने सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। निक की इस तस्वीर पर फैंस ने कपल पर प्यार लुटाया है। इस बीच निक की इस पोस्ट पर प्रियंका चोपड़ा ने भी कमेंट किया। जो वायरल हो गया। प्रियंका चोपड़ा ने पति की पोस्ट पर कमेंट करते हुए लिखा, 'नो, मी।' इसके साथ ही प्रियंका ने एक

इमोजी भी बनाया है। कपल के बीच इस लवली मूमेंट को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। वहीं निक की पोस्ट और प्रियंका का कमेंट दोनों ही अब वायरल हैं और लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच रहे हैं।

यह तस्वीर प्रियंका चोपड़ा के निक जोनस के प्ले 'द लास्ट फाइव इयर्स' के आखिरी शो में पहुंचने के बाद की है। अपनी आगामी एक्शन-कॉमेडी 'हेड्स ऑफ स्टेट' के प्रमोशन में व्यस्त होने के बावजूद प्रियंका अपने पति का समर्थन करने के लिए शो पर पहुंची थीं। शो की एक झलक भी उन्होंने सोशल मीडिया पर शेयर की थी।

काजोल ने रामोजी फिल्म सिटी को कहा था हांटेड

विवाद बढ़ने पर दी सफाई, कहा- यह शानदार और सुरक्षित जगह है

एक्ट्रेस काजोल को हैदराबाद की रामोजी फिल्म सिटी को 'हांटेड' कहने पर आलोचना का सामना करना पड़ा। जिसके बाद उन्होंने बयान को लेकर सफाई दी है। काजोल ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर लिखा, मैं अपनी फिल्म मां के प्रमोशन के दौरान दिए गए उस बयान को स्पष्ट करना चाहती हूं, जिसमें मैंने रामोजी फिल्म सिटी का जिक्र किया था। काजोल ने कहा, मैंने कई प्रोजेक्ट्स की शूटिंग रामोजी फिल्म सिटी में की है और वहां कई बार रुकी भी हूं। यह हमेशा एक बहुत प्रोफेशनल जगह रही है। मैंने वहां कई टूरिस्ट को एंजॉय करते हुए देखा है। यह एक शानदार डेस्टिनेशन है और बच्चों व परिवारों के लिए पूरी तरह सुरक्षित है।

काजोल ने क्या कहा था?

एक इंटरव्यू में जब काजोल से पूछा गया कि क्या उन्होंने कभी नेगेटिव एनर्जी महसूस की है, तो उन्होंने कहा था, इसे आप नेगेटिव एनर्जी कहें या वाइब्स, लेकिन कभी-कभी जब आप किसी जगह पर जाते हैं, तो महसूस होता है कि कुछ ठीक नहीं है। मैंने ऐसी जगहों पर शूट किया है जहां मुझे पूरी रात नींद नहीं आई और लगा कि बस यहां से निकल जाऊं। ऐसी बहुत सी जगहें हैं।

बातचीत में काजोल ने ये भी कहा था, एक प्रमुख उदाहरण है रामोजी राव स्टूडियो, जो दुनिया की सबसे हांटेड जगहों में गिना जाता है। हालांकि, मैं लकी रही हूं कि मुझे वहां कुछ भी ऐसा अनुभव नहीं हुआ।

काजोल के इस बयान पर सोशल मीडिया पर कुछ लोगों ने आपत्ति जताई थी। बता दें कि फिल्म 'मां' 27 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म को विशाल फुरिया ने डायरेक्ट और अजय देवगन, ज्योति देशपांडे और कुमार मंगत पाठक ने प्रोड्यूस किया है।

'मेरी बहन सब से कूल है', भाई इब्राहिम ने कहा 'मिस यू सिस्टर'

बॉलीवुड एक्ट्रेस सारा अली खान ने आज सोशल मीडिया पर अपनी कुछ खास तस्वीरें शेयर कीं। इस शानदार लुक के साथ सारा ने एक खास शायरी भी लिखी है। सारा की इस शायरी पर उनके भाई इब्राहिम ने एक प्यारा कमेंट शायरी स्टाइल में दिया है। सारा अली खान ने इंस्टाग्राम पर अपनी शानदार तस्वीरें शेयर कीं। इस नए लुक में सारा ऑफ शोल्डर लाल जंप सूट में नजर आ रही हैं। फैंस को सारा का यह लुक बेहद पसंद आ रहा है। फैंस ने उनके इस लुक पर फायर और लाल दिल वाले इमोजी बरसाए हैं।

सारा ने इन तस्वीरों के साथ कैप्शन में इस शानदार लुक के साथ एक शायरी लिखी। उन्होंने लिखा, 'लाल मेरे दिल का हाल है, आधा टाई आधा खुला मेरे बाल है, हाई हील्स में व्यस्त चाल है, लेकिन एल्बम लॉन्च के लिए तैयार रहना चाहिए क्योंकि वाह क्या सुर और ताल है।'

सारा ने कहा कमाल है

सारा ने आगे लिखा, 'जाओ हमारे गाने सुनो और कोरस में कहो- कमाल है, कमाल है, कमाल है।' सारा की इस पोस्ट पर उनके भाई और एक्टर इब्राहिम अली खान ने भी शायरी में जवाब देते हुए सारा की तारीफ की है और साथ ही कहा कि तुम्हारी याद आती है बहन।'

इब्राहिम का कमेंट

सारा की इस पोस्ट पर इब्राहिम अली खान ने कमेंट किया, 'तुम्हारी याद आती है बहन, तुम्हारे बिना लंदन कड़वा है, मैं यह सुनिश्चित करूंगा कि मैं तुम्हारे पास जल्दी वापस आऊं और फिर निश्चित रूप से हम अपनी कलह शुरू कर देंगे। शायरी लिखना शायद मेरे खून में है और क्या बोलूं मेरी बहन सब से अच्छी है।'

ब्रेकअप के बाद टूटे हुए दिल को ऐसे संभालें, इन टिप्स की लें मदद

जिसे हम दिल से सच्चा प्यार करते हैं, जिसके साथ जीवन बिताने का वादा करते हैं, वही एक दिन अचानक आपको किसी और के लिए धोखा देकर चला जाए तो एक पल के लिए ऐसा महसूस होता है जैसे पैरों तले जमीन खिसक गई हो. किसी से बेइंतहा प्यार करने के बाद धोखा मिले तो ये बहुत से लोगों के लिए सदमे जैसा होता है. खासकर, जो लोग किसी से सच्चा प्यार करते हैं, वे ये सोच बैठते हैं कि जैसे उनकी दुनिया ही खत्म हो गई है. धीरे-धीरे वे स्ट्रेस, एंजायटी और डिप्रेशन में चले जाते हैं. जाहिर सी बात है, प्यार में धोखा मिलने के दर्द को बर्दाश्त कर पाना आसान नहीं है. लेकिन, आप कब तक उस इंसान के लिए खुद को दुख, तकलीफ देंगे, जिसने आपकी सच्ची मोहब्बत के बारे में एक सेकेंड के लिए नहीं सोचा. याद रखें, एक व्यक्ति के चले जाने से दुनिया खत्म नहीं होती है. आपके घर-परिवार, दोस्त-यार भी तो अपने ही हैं, जो आपको बेहद प्यार करते हैं. डिप्रेशन में ना जाएं और कुछ ऐसा करें जो आपको खुशी दे. आइए जान लेते हैं कुछ ऐसे ही टिप्स जो ब्रेकअप के दर्द से बाहर निकलने में आपकी मदद करेंगे.

ब्रेकअप के दर्द से बाहर निकलने के लिए करें ये 5 काम

1. अपनी भावनाओं को अपने भीतर दबा कर ना रखें, बल्कि उसे बाहर आने दें. ब्रेकअप के बाद उदास ना रहें. अपने अंदर दबी उन सभी अच्छी-बुरी बातों, यादों, अहसासों, उदासी, दर्द को बाहर आने दें. ये जितना बाहर आएंगे, आप उतना ही हल्का महसूस करेंगे. जितना दर्द को महसूस करेंगे, उतनी ही जल्दी इससे उबर पाएंगे.

2. ब्रेकअप के बाद इमोशनल सपोर्ट की जरूरत हर किसी को महसूस होती है. इससे व्यक्ति डिप्रेशन में नहीं जाता है. आप चाहते हैं स्ट्रेस, डिप्रेशन से ग्रस्त ना हों तो परिवार, दोस्तों से इमोशनल सपोर्ट के लिए मिलें-जुलें. जितना आप उनके बीच रहेंगे/रहेंगी, आप ब्रेकअप के दर्द को उतनी ही जल्दी भूल पाएंगे/पाएंगी. कमरे में अकेले बैठे रहने की बजाय दोस्तों के साथ घूमने जाएं, कॉमेडी फिल्म देखें. परिवार के साथ बैठकर खाना खाएं.

3. खुद की तरफ ध्यान दें. अपनी देखभाल अच्छी तरह से करें. हेल्दी चीजें खाएं-पिएं. प्रतिदिन सुबह के समय एक्सरसाइज करें. डेली रात में 8 घंटे की भरपूर नींद लें. शारीरिक सेहत अच्छी रहेगी तो इसका पॉजिटिव असर मानसिक और इमोशनल वेल-बीइंग पर भी पड़ता है.

4. अकेले अपने कमरे में दिन-रात ना बैठे रहें. इससे आपके ख्यालों, मन-मस्तिष्क में वही सब बातें घूमती रहेंगी, जिससे आपको बाहर निकलना है. इसके लिए आप अपनी हॉबीज को अपनाएं. जो भी काम करना पसंद है, उसे करें. सोशल एक्टिविटी में शामिल हों, इससे आप ब्रेकअप के दर्द से जल्दी बाहर निकल सकेंगे. उस व्यक्ति से दोबारा ना मिलें, ना उससे कोई कॉन्टैक्ट रखें वरना आपको पुरानी बातें याद आएंगी और फिर तकलीफ होगा.

5. यदि आप इन तमाम टिप्स और बातों को अपनाने के बाद भी हार्टब्रेक के दर्द से उबर नहीं पा रहे हैं तो फिर बिल्कुल भी देर ना करें. ऐसी स्थिति में आप किसी प्रोफेशनल की मदद लें. थेरेपिस्ट या रिलेशनशिप कांउसलर से मिलें. ये आपको ब्रेकअप के दुख और डिप्रेशन से उबरने में मदद करेंगे, जिससे आप मेंटली और फिजिकली रिलैक्स, हेल्दी और हैप्पी महसूस कर सकते हैं.

प्यार और आकर्षण में कैसे करें अंतर, इन संकेतों से जानें प्यार है या कुछ और

कई बार लड़का या लड़की एक दूसरे को देखकर पसंद करने लगते हैं। जिन्हें वो पसंद करते हैं, उन्हें जानना, दोस्ती करना चाहते हैं। कुछ मामलों में तो दोस्त इतना अधिक एक दूसरे को पसन्द करते हैं कि अपनी भावना को वह प्यार समझने लगते हैं।

दोस्ती को प्यार समझने की गलतफहमी अक्सर ही लोगों को हो जाती है, वहीं कई बार तो प्यार को महज दोस्ती का नाम देकर लोग कदम आगे नहीं बढ़ा पाते। दोनों ही मामलों में रिश्ता बिगड़ सकता है । आकर्षण को प्यार समझने की गलती करके आप प्रेम प्रस्ताव तो दे देते हैं लेकिन बाद में जब आपको महसूस होता है कि ये महज आकर्षण था, तब तक आप एक रिश्ते में आ चुके होते हैं और इससे निकलना थोड़ा मुश्किल हो सकता है । वक्त के साथ आकर्षण और लगाव खत्म हो जाता है। फिर रिश्ते को तोड़ने की नौबत आ जाती है। रिश्ते में आने से पहले या पार्टनर से प्यार का इजहार करने से पहले अपनी सही भावना का पता लगा लें, कुछ संकेतों से जानिए दोस्त से प्यार

है या महज आकर्षण ।

पहली नजर में प्यार

कई बार लोग पहली बार किसी को देखते हैं और उसे पसंद करने लगते हैं। उन्हें लगता है कि यह पहली नजर का प्यार है। इसे लव एट फर्स्ट साइट कहते हैं। हालांकि अधिकतर मामलों में यह मिथ्या है। पहली नजर में प्यार नहीं सिर्फ आप सामने वाले के प्रति आकर्षित होते हैं। उनका आकर्षण उनके लुक्स तक सीमित होता है। भविष्य में उनके लुक्स में बदलाव होने पर प्यार खत्म हो जाता है। प्यार के लिए पार्टनर के व्यवहार, व्यक्तित्व के बारे में पता होना चाहिए।

प्यार में परवाह

जब आप किसी से आकर्षित होते हैं तो उन्हें अपनी भावनाएं बताना चाहते हैं। उनके सामने खुद को साबित करना चाहते हैं। आप पार्टनर की परवाह करते हैं, ये दिखाते या जताते हैं। लेकिन जब आपको किसी से प्यार होता है तो आप उसकी परवाह असल में करते हैं। आपको इस बात से फर्क नहीं पड़ता कि पार्टनर आपको आपकी परवाह दिखे।

प्यार में दूरी

पार्टनर से प्यार होने पर उनसे दूरी के बाद भी प्यार बरकरार रहता है। भले ही पार्टनर आपके साथ रहना चाहते हों या नहीं लेकिन आप उनके लिए वही महसूस करते हैं जो उनके साथ होने पर महसूस करते हैं। साथी के प्रति आकर्षित होने पर आप उनके आसपास रहना चाहते हैं। आकर्षण लंबे समय तक नहीं रहता, इसलिए जब तक आपके मन में उनके लिए लगाव होता है, तब तक आप साथ रहना चाहते हैं।

आप जो पनीर खा रहे हैं वह असली है या नकली?

वेजिटेरियन लोगों के लिए पनीर एक सुपरफूड है. इसे पूरे देश में बड़े ही चाव के साथ खाया जाता है. पनीर के कई डिशेज आसानी से घर पर बनाएं जा सकते हैं. कोई भी फेस्टिवल हो या पार्टी पनीर की रेसिपी तो रहती ही हैं. टेस्ट के साथ-साथ यह हेल्थ के लिए हिसाब से भी बेस्ट है. पनीर में भरपूर मात्रा में कैल्शियम और हेल्दी फैट्स पाए जाते हैं इसके अलावा इसमें आयरन भी पाया जाता है. पनीर खाने से मसल्स के विकास में मदद होती है और हड्डियां मजबूत बनती है. लेकिन सवाल यह उठता है कि जितने चाव से हम पनीर खा रहे हैं कहीं वो नकली तो नहीं क्योंकि आजकल बाजार में असली और नकली दोनों चीजें मिल रही है. तो कैसे पता करें कि जिस पनीर को हम पोषक तत्व से भरपूर समझकर खा रहे हैं वह असली है या नकली? आज हम आपको बताएंगे आसान सी ट्रिक्स जिसके जरिए आप आसानी से पता लगा सकते हैं असली और नकली पनीर में अंतर.

असली और नकली पनीर में ऐसे करें फर्क

आपको इसके लिए सबसे पहले मार्केट से पनीर लाकर इस खास ट्रिक्स से पता करना है.

पनीर खरीदने के ठीक बाद करें ये काम

मार्केट से पनीर लेते वक्त उसे हाथ से मसल कर देखें. अगर पनीर में किसी भी तरह का मिलावट होगा तो वह सत्तू की तरह टूट जाएगा. आमतौर पर दूध के पाउडर और स्किम्ड पाउडर से पनीर बनाया जाता है. इस तरह के पनीर आपके पेट के लिए काफी ज्यादा नुकसानदायक है.

सोयाबीन पाउडर के जरिए भी नकली पनीर की पहचान कर सकते हैं

इसके लिए सबसे पहले गर्म पानी में पनीर को उबाले उसमें सोयाबीन का पाउडर या आटा मिला दें. आटा मिलते ही पनीर का कलर चेंज हो जाएगा. नकली पनीर का कलर ही चेंज हो सकता है.

दोनों के सॉफ्टनेस देखकर लगा सकते हैं पता

हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक जब पनीर बनाते समय डिटर्जेंट या यूरिया बनाई जाती है तब भी पनीर को उबालते वक्त उसका रंग लाल हो जाता है. जोकि शरीर के लिए बेहद नुकसानदायक है.असली और नकली में एक खास अंतर यह भी है कि असली पनीर काफी ज्यादा सॉफ्ट होता है वहीं नकली पनीर टाइट होता है. टाइट पनीर रबर की तरह खींच जाता है.

रिश्ते को बचाने के लिए झूठ बोलें या कड़वा सच? दोनों का क्या होगा असर

किसी भी रिश्ते में आप यही चाहती हैं कि दूसरा खुश रहे और उसकी भावनाएं आहत न हों, फिर चाहे झूठ ही क्यों न बोलना पड़े। लेकिन क्या यह सही है? सच्चाई हर रिश्ते का महत्वपूर्ण आधार होती है और हर कोई चाहता है कि उनका पार्टनर उससे सच्चा रहे। लेकिन अध्ययन बताते हैं कि बहुत से लोग रिश्तों को ठीक रखने के लिए कभी-कभी झूठ बोलते हैं।

ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के एक अध्ययन के अनुसार, लोग अक्सर इसलिए झूठ बोलते हैं, क्योंकि वे चाहते हैं कि उनके साथी की भावनाओं को ठेस न पहुंचे। यह झूठ बोलने के पीछे एक प्रकार की सुरक्षा और संरक्षण की भावना होती है, जिसका मकसद होता है रिश्तों को मजबूत और खुशहाल बनाना। मनोवैज्ञानिक रॉबिन डनबर ने भी बताया है कि झूठ बोलने से भावनाओं को ठेस नहीं पहुंचती, जिससे रिश्तों को स्थिर और मधुर बनाए रखने में मदद मिलती है। लेकिन यह भी महत्वपूर्ण है कि झूठ नकारात्मक प्रभाव डालने वाला न हो और सच्चाई को हमेशा महत्वपूर्ण रखा जाए।

क्या होते हैं कारण

सफल और स्वस्थ रिश्ते के लिए सही संवाद महत्वपूर्ण है। जब लोग अपनी भावनाओं, खुशियों और चुनौतियों को साझा नहीं करते तो संघर्ष की संभावना बढ़ जाती है। परिणामतः लोग समस्याओं को हल करने के लिए सही समय पर काम नहीं करते, जो रिश्ते को जटिल बना सकता है। एक सफल रिश्ते में विश्वास होना बेहद महत्वपूर्ण है। जब किसी के मन में साथी पर संदेह होता है तो रिश्ते कमजोर होने लगते हैं। इससे व्यक्ति का आत्मविश्वास कम हो सकता है और वह साथी से चीजें छुपाने लगता है।

कई बार लोग सोचते हैं कि साथी को हमेशा खुश रखें, इसके लिए वे झूठ बोलते हैं, ताकि साथी की भावनाएं आहत न हों, लेकिन इससे सच्चाई और झूठ के बीच संतुलन बिगड़ सकता है। रिश्ते में संवाद कौशल के महत्व को भी नहीं छोड़ा जा सकता। यदि किसी के पास सही संवाद कौशल नहीं है तो वह भावनाओं और खुशियों को साझा करने का सही तरीका नहीं जानेगा, जो संघर्ष का कारण भी बन सकता है।

क्या पड़ता है असर

झूठ बोलने का कोई भी कारण, फिर चाहे वह साथी की खुशी के लिए ही क्यों न हो, रिश्ते पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। मसलन, झूठ बोलने से रिश्तों में विश्वास की कमी हो सकती है। जब साथी को पता चलता है कि आप उससे झूठ बोल रही हैं तो उसमें आपके प्रति अविश्वास की भावना बढ़ती है। जब आपसी विवादों की संख्या कई गुना बढ़ जाती है, तब साथी झूठ का सहारा लेते हैं, क्योंकि वे सोचते हैं कि इससे कई अन्य विवादों को रोका जा सकता है। लेकिन झूठ बोलने से विश्वास को पुनः प्राप्त करना कठिन हो सकता है। झूठ के बाद रिश्तों में अधिक तनाव और जलन हो सकती है, जो संघर्ष को बढ़ा सकती है।

सच तो हीरे जैसा होता है

फैमिली रिलेशनशिप काउंसलर शोभना कहती हैं, किसी भी संबंध में सत्य आपको पारदर्शी बनाता है। कोई भी संबंध सच के बिना चल नहीं सकता। लोक मानस में प्रचलित है कि सच कड़वा होता है। लेकिन यह जरूरी नहीं कि जो कड़वा हो वही सच है। सच तो एक हीरा है, जो तराशने पर और सुंदर हो जाता हैं। रिश्तों को ठीक ढंग से चलाने के लिए कुछ बातों का ख्याल रखना जरूरी हो जाता है जैसे, संवाद में खुलापन होना, खुल कर बातचीत करके एक-दूसरे को अपने दिल की बात बताना और इसके अलावा समय पर बातचीत करके समस्याओं को जल्दी समझ कर समस्याओं का समाधान ढूंढना चाहिए। इन सब में सबसे जरूरी है बात है कि आप एक-दूसरे के प्रति विश्वास और सहयोग बनाए रखें और अपने पार्टनर का हमेशा सहयोग करें।

बेटी से कहें ईव टीजिंग को सहना नहीं, डटकर सामना करें

स्कूल आने जाने पर या आस-पड़ोस में कभी-कभी लड़कियां छेड़खानी का शिकार हो जाती हैं। संकोच के चलते लड़कियां यह सब सहन करती हैं। लेकिन अपनी बेटी को सहन करना नहीं, बल्कि ईव टीजिंग का डटकर सामना करना सिखाना चाहिए।

आज हम कितने भी ओपन माइंडेड होने का दावा करें, लेकिन जहां बात लड़की की सुरक्षा की आती है, तो ना जाने कितनी मांए चिंतित रहती हैं। युवा लड़कियों को घर से बाहर निकलते ही ईव टीजिंग या छेड़खानी का सामना करना पड़ता है। ऐसे मामलों में अगर लड़की सवाल उठाए, तो उसकी आवाज को दबा दिया जाता है। कोई कहता है कि कपड़े ढंग के पहनो, तो कोई कहता है सड़क पर शालीनता से चलो। इसलिए माता-पिता को भी अपनी बेटी की आवाजाही पर रोक लगानी पड़ती है। खुद से पूछिए क्या यह सही है।

उनकी आजादी छीनने के बजाय क्यों हम लड़कों को संस्कार और लड़कियों का सम्मान करना नहीं सिखा सकते। पैरेंट होने के नाते आपकी जिम्मेदारी है कि अपनी बेटी को कुछ ऐसे तैयार करें, कि वह छेड़खानी जैसी घटनाओं के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद कर सके। इस आर्टिकल में हम आपको बता रहे हैं कि अपनी बेटी को ईव टीजिंग का सामना करना कैसे सिखाएं।

वर्तमान समय में हैरेसमेंट एक बहुत सामान्य बात है। चाहे घर हो या ऑफिस लड़की की तुलना में लड़कियों को पब्लिक प्लेस, ऑफिस, स्कूल, कॉलेज में आए दिन इसका सामना करना पड़ता है। ऐसे मामलों से निपटने के लिए बेटी को हर वक्त अलर्ट रहने की सीख दें। उसे इन स्थितियों में सतर्क और सहज कैसे रहना है, जरूर बताएं।

अपनी बेटी को सेक्सुअल हैरेसमेंट और ईव टीजिंग के प्रति अवेयर करें। जो माता-पिता अपनी बेटियों को बाहर जाने और उन्हें अपनी लाइफ एन्जॉय करने से रोकते हैं, उनका यह बर्ताव उनके आत्मविश्वास में कमी लाता है। इसके बजाय बेटी को खुद की रक्षा करने और इन स्थितियों का डटकर मुकाबला करना सिखाएंगे, तो अगली बार कोई भी उनकी तरफ आंख उठाकर देख नहीं पाएगा।

जब भी लड़कियां उत्पीड़न के लिए आवाज उठाना चाहती हैं, हम उन्हें इग्नोर करने के लिए कहते हैं। ताकि आने वाली मुसीबत से बचा जा सके। वैसे भी आजकल कोई इन झमेलों में पड़ना नहीं चाहता। इसलिए हर कोई चुप रहना पसं करता है। लेकिन यह सही नहीं है। क्योंकि आपके ऐसा करने से छेड़खानी करने वाले को ऐसा दोबारा करने की स्वतंत्रता मिल जाती है। अपनी बेटी को ऐसे लोगों को सबक सिखाने की हिम्मत दें, ताकि कोई भी लड़का किसी और के साथ ऐसा करने से पहले दो बार सोचे। पैरेंट्स को इन बातों को समझाने के लिए बेटी के बड़े होने का इंतजार नहीं करना चाहिए। अगर वह शारीरिक सीमाओं को समझती है, तो उसे यौन शोषण के बारे में बताएं। उसे समझाएं कि माता-पिता के अलावा और किसी को भी उन्हें बिना कपड़ो के देखने की इजाजत नहीं है। उन्हें यह भी बताएं कि कोई अजनबी उनकी सहमति के बिना उन्हें छू तक नहीं सकता।

आप उसे यकीन दिला सकते हैं कि आप हमेशा उसके पीछे खड़े हैं। उससे लगातार बातचीत करते रहें और दिनभर का हाल चाल पूछें। अगर बेटी निराशा महसूस करती है, तो पूछे कि क्या हुआ है। अगर आपको लगता है कि बात आगे बढ़ गई है, तो तुरंत एक्शन लेना जरूरी है। इसे एक मामूली घटना समझकर नजरअंदाज करने की भूल न करें। इससे समस्या और बढ़ सकती है।

कई लोग ऐसी हरकत के लिए अपनी बेटियों को ही दोषी मानने लगते हैं। कोई भी कदम उठाने के बजाय उसके पहनावे, हाव भाव और दिखावे को गलत बताते हैं। भले ही आपकी बेटी, जो भी पहनती है, जैसा भी व्यवहार करती है, अगर वह उत्पीड़न का शिकार है, तो उसे दोषी नहीं ठहराया जाना चाहिए। माता-पिता ही बच्चे का इमोशनल सपोर्ट होते हैं। उन्हें इससे वंचित न करें। हालांकि, छोटे बच्चे अपनी समस्या बोलकर ठीक से व्यक्त नहीं कर सकते। इसलिए पैरेंट्स को चाहिए कि उनके लिए एक कोड वर्ड तैयारी करें। जिसका उपयोग वे असुरक्षित महसूस होने पर कर सकते हैं।

हर बात में हां जी करना ठीक नहीं है। बेटी में गुड गर्ल सिंड्रोम की आदत ना डालें। उसे बताएं कि अगर वह किसी बात से सहमत है, तो उसे ना कहने की पूरी आजादी है। इससे वह उत्पीड़न के खिलाफ लड़ना सीख जाएगी। उसकी हिम्मत देखकर बाकी लड़कियों को भी हौसला मिलेगा।

हर बात मनवाना आपकी आदत है? पर्सनैलिटी के ये खतरनाक संकेत करते हैं रिश्ता बर्बाद

क्या आपको हर बार अपनी बात मनवाने की आदत है? क्या बहस में आप सामने वाले की बात सुने बिना ही फैसला सुना देते हैं?

अगर ऐसा है तो हो सकता है कि आप अनजाने में डोमिनेटिंग पर्सनैलिटी का हिस्सा बन चुके हों और ये रिश्तों में धीरे-धीरे दूरी ला सकता है। हर परिस्थिति में नेतृत्व लेना जरूरी हो सकता है लेकिन जब ये इगो और कंट्रोल में बदल जाए तब यह रिश्तों और आपकी खुद की पर्सनैलिटी को नुकसान पहुंचाता है। रिलेशनशिप में कंट्रोल नहीं, कनेक्शन जरूरी है। इसलिए अपने व्यक्तित्व को पहचानें। यहां कुछ आसान से टिप्स दिए गए हैं जिससे आप खुद में डोमिनेट करने की आदत है या नहीं, इसकी पहचान कर सकते हैं और समय रहते सुधार सकते हैं।

बीच में बात काटना

अगर आप बातचीत के बीच में बार-बार किसी की बात काटते हैं या हमेशा अपनी राय पहले रख देते हैं तो यह डोमिनेटिंग बिहेवियर है। इस तरह का बर्ताव दूसरे को पसंद नहीं आता है और वह आपसे बातचीत करने से बचते हैं। ऐसी स्थिति में दूसरों की बात पूरी होने दें और फिर उत्तर दें।

हर फैसला आप ही लेते हैं?

दोस्ती, रिश्ते या दफ्तर में आप ही हर बार क्या करना है तय करते हैं तो यह संकेत है कि आप सामने वाले की सोच को जगह नहीं दे रहे। दूसरों के लिए भी सारे आप ही लेते हैं तो इस आदत को आज ही सुधार लें। जिस बात में दूसरे भी शामिल हों, वहां फैसला लेने से पहले बाकियों से सुझाव जरूर पूछें।

बहस में हारना गवारा नहीं?

किसी वार्ता के दौरान आप

हमेशा बहस की स्थिति में जीतने की कोशिश करते हैं या वाद-विवाद में जीतने के बाद घुमा-फिराकर अपनी ही बात को आगे रखते हैं तो यह भी डोमिनेशन का संकेत है। ध्यान रखें कि तर्क में जीत नहीं, समझदारी जरूरी है। हर बार बहस जीतने की कोशिश न करें, दूसरों की बात को समझें भी।

आप चाहते हैं सब आपकी तरह सोचें?

जो लोग दूसरों को बदलने की कोशिश करते हैं या चाहते हैं कि उनकी राय को ही अंतिम माना जाए वो डोमिनेटिंग होते हैं। दूसरों को अपने मन के मुताबिक बदलने की बजाए उनके विचार, जीवनशैली और व्यवहार को अपनाएं। अगर इससे आपके बीच मतभेद होता है तो भी इसे स्वीकार करें, ना कि उन्हें बदलने के प्रयास में उनका व्यक्तित्व खत्म कर दें।

आप दूसरों के इमोशंस को नजरअंदाज करते हैं?

कभी आपने सोचा कि आपकी बातें सामने वाले को हर्ट कर सकती हैं? अगर नहीं, तो यही सबसे बड़ा अलार्म है। आपका व्यवहार, बातें या आदतें अगर किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाएं और इस बात को आप अनदेखा कर देते हैं तो ये आपके डोमिनेटिंग बर्ताव का संकेत है। दूसरों को सुनना, उनकी भावनाओं की कद्र करना सीखें।

वित्त मंत्री बोलीं- ईयू और अमेरिका के साथ एफटीए पर बातचीत तेज

2025 में भारत का निर्यात 825 अरब डॉलर हुआ

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)। अमेरिका और यूरोपीय संघ के साथ प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत तेज गति से आगे बढ़ रही है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि समझौता जल्द ही पूरा होने वाला है। भारत ने पहले ही संयुक्त अरब अमीरात, ऑस्ट्रेलिया और चार देशों के ईएफटीए (यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ) ब्लॉक के साथ एफटीए पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। इसके अलावा ब्रिटेन के साथ बातचीत पूरी हो चुकी है। इंडिया एक्जिम बैंक के व्यापार सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए उन्होंने एफटीए पर चर्चा की।

वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत का निर्यात रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया

वित्त मंत्री ने देश के निर्यात पर जोर देते हुए कहा कि वित्त वर्ष 2025 में वस्तुओं और सेवाओं का कुल निर्यात 825 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। यह पिछले वर्ष की तुलना में 6 प्रतिशत अधिक है। वित्त मंत्री ने आगे कहा कि जहां भारत वैश्विक निर्यात में केवल 4 प्रतिशत की वृद्धि हुई। वहीं भारत निर्यातक व्यापार मोर्चे पर वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद तेजी से आगे बढ़ने और 6.3 प्रतिशत की वृद्धि को पार करने में सफल रहे। 2030 तक 2 ट्रिलियन डॉलर के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए निर्यात को बढ़ावा देने के सभी प्रयास किए जा रहे हैं।

वित्त मंत्रालय की नीतियों ने निर्यात को सहारा दिया

इस अवसर पर वित्तीय सेवा सचिव एम नागराजू ने कहा कि भारत की विकास संभावनाएं उज्ज्वल बनी हुई हैं, जबकि वैश्विक अर्थव्यवस्था भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं से उत्पन्न चुनौतियों से परेशान है। उन्होंने कहा कि फार्मास्यूटिकल्स और रत्न एवं आभूषण क्षेत्रों से निर्यात में लचीलापन देखने को मिल रहा है। इस प्रयास में वित्त मंत्रालय नीति, योजनाओं और वित्तीय सहायता के माध्यम से समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध है।

दुनिया में सबसे ज्यादा प्रतिबंधों के बावजूद दौड़ रही रूस की इकॉनमी, भारत-चीन से मिल रही संजीवनी!

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)। रूस ने साल 2022 में यूक्रेन पर हमला किया था। उसके बाद पश्चिमी देशों ने रूस पर कई तरह के प्रतिबंध लगा दिए थे। दुनिया में सबसे ज्यादा प्रतिबंध रूस पर ही हैं। लेकिन इन प्रतिबंधों के बावजूद उसकी इकॉनमी काफी मजबूत बनी हुई है।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक 2024 में रूस की इकॉनमी 4.3% बढ़ी जो जी-7 में शामिल सभी देशों के मुकाबले कहीं ज्यादा है। जी7 में कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, यूके और अमेरिका शामिल हैं। पिछले साल ब्रिटेन की इकॉनमी में 1.1% और अमेरिका में 2.8% की बढ़ोतरी हुई। सवाल यह है कि रूस ने पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद रूस की इकॉनमी में तेजी कैसे आई? दरअसल रूस ने यूरोप को जाने वाली तेल की आपूर्ति को चीन और भारत की ओर मोड़ दिया। भारत और रूस बड़ी मात्रा में रूस से तेल का आयात कर रहे हैं। हाल के वर्षों में रूस भारत के सबसे बड़ा तेल सप्लायर बनकर उभरा है। साथ ही रूस की करेंसी रूबल इस साल दुनिया की सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाली करेंसी बन गई है। बैंक ऑफ अमेरिका के अनुसार इसमें 40% से अधिक की वृद्धि हुई है।

आगे की स्थिति

लेकिन बीबीसी की एक रिपोर्ट के मुताबिक रूस के लिए इस साल हालात अच्छे नहीं हैं। देश के अंदर महंगाई लगातार बढ़ रही है। रूस में महंगाई की दर 9.9 फीसदी है।

साथ ही ब्याज दरें बढ़कर 20% तक पहुंच गई हैं। कंपनियों को जरूरत के हिसाब से कर्मचारी नहीं मिल रहे हैं। रूस के वित्त मंत्री ने चेतावनी दी कि देश ओवरहीटिंग यानी अत्यधिक तेजी के बाद मंदी की कगार पर है। पश्चिमी प्रतिबंधों के कारण आयात की कीमतें बढ़ रही हैं लेकिन श्रमिकों की कमी के कारण मजदूरी भी बढ़ गई है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक 2024 के अंत में देश में लगभग 26 लाख श्रमिकों की कमी थी। इसकी वजह यह है कि बड़ी संख्या में लोग यूक्रेन के साथ युद्ध में चले गए हैं या इससे बचने के लिए विदेश भाग गए हैं। केंद्रीय बैंक ने बढ़ती कीमतों को नियंत्रित करने के लिए इस साल ब्याज दरों को रिकॉर्ड स्तर तक बढ़ा दिया है।

लेकिन इससे कंपनियों के लिए निवेश करने के लिए जरूरी पूंजी जुटाना और भी महंगा हो गया है। प्रतिबंधों और कमजोर कीमतों के कारण रूस के तेल और गैस रेवेन्यू में गिरावट आई है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार मई में यह पिछले साल के मुकाबले 35% कम हो गया।

उतार-चढ़ाव के बाद बढ़त के साथ बंद हुआ शेयर बाजार; सेंसेक्स 158 अंक चढ़ा, निफ्टी 25000 पार

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)। ईरान और इजरायल के बीच संघर्ष विराम उल्लंघन की खबरों के बीच निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाया। इसके बाद मंगलवार को सेंसेक्स और निफ्टी ने अपनी तेज बढ़त गंवा दी। सुबह के कारोबार में बाजारों में तेजी से उछाल आया, पश्चिम एशिया संघर्ष में संभावित कमी की उम्मीद के बीच कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट देखने को मिली। उतार-चढ़ाव के साथ भारतीय बाजार हरे निशान पर बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 158.32 अंक या 0.19 प्रतिशत उछलकर 82,055.11 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 1,121.37 अंक या 1.36 प्रतिशत की बढ़त के साथ 83,018.16 अंक पर आ गया। वहीं, एनएसई निफ्टी 72.45 अंक या 0.29 प्रतिशत बढ़कर 25,044.35 अंक पर बंद हुआ। बीएसई में 2,662 शेयरों में तेजी और 1,339 में गिरावट रही, जबकि 143 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ। सेंसेक्स में शामिल शेयरों में अडानी पोर्ट्स, टाटा स्टील, कोटक महिंद्रा बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फिनसर्व और टाइटन सर्वाधिक लाभ में रहे। इसके विपरीत, पावर ग्रिड, ट्रेंट, एनटीपीसी, मारुति, एचसीएल टेक और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स पिछड़ गए। ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतों में तीव्र सुधार के बाद कच्चे तेल के प्रति संवेदनशील क्षेत्रों की तेल विपणन कंपनियों, विमानन, पेंट्स और एडहेसिव्स के शेयरों में मंगलवार को उछाल आया। बीएसई पर हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के शेयर में 3.24 प्रतिशत, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन में 2.04 प्रतिशत तथा भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के शेयर में 1.92 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। इंटरग्लोब एविएशन के शेयरों में 2.55 प्रतिशत तथा स्पाइसजेट के शेयरों में 2.15 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। कंसाई नेरोलैक पेंट्स में 1.82 प्रतिशत, शालीमार पेंट्स में 1.80 प्रतिशत, एशियन पेंट्स में 0.48 प्रतिशत और इंडिगो पेंट्स में 0.38 प्रतिशत की बढ़त रही। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि युद्ध विराम की घोषणा और कच्चे तेल की कीमतों में तीव्र गिरावट के कारण घरेलू बाजार में हुई शुरुआती बढ़त अल्पकालिक रही। पश्चिम एशिया में नए भू-राजनीतिक तनाव के कारण निवेशकों की धारणा अस्थिर हो गई। हालांकि, बाजार ने आखिर में खुद को संभाल लिया। रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अजीत मिश्रा ने कहा कि ईरान की ओर से संभावित संघर्ष विराम उल्लंघन की रिपोर्ट के बाद बाजार में चिंताएं फिर उभर आईं।

एयर इंडिया प्लेन क्रैश होने से पहले सीईओ की बढ़ी सैलरी में 46% हुआ था इजाफा

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)। टाटा समूह की एयरलाइन कंपनी एयर इंडिया में अहमदाबाद से लंदन के गेटविक एयरपोर्ट जा रही फ्लाइट के भीषण हादसे से एक दिन पहले ही कंपनी के सीईओ कैंपबेल विल्सन की सैलरी बढ़ाई गई थी।

एयर इंडिया सीईओ की सैलरी में 46 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई थी। इस दुर्घटना में 270 से ज्यादा लोगों की जान चली गई थी। आइए जानते हैं एयर इंडिया के सीईओ कैंपबेल विल्सन को फिलहाल कितनी सैलरी मिलती है। रिपोर्ट के मुताबिक, कैंपबेल विल्सन की नई सैलरी 27.75 करोड़ रुपए तय की गई है, जो 2023-24 में मिली 18.98 करोड़ रुपए की सैलरी से करीब 46% ज्यादा है। उन्होंने जुलाई 2022 में एयर इंडिया के सीईओ का पद संभाला था और उस वक्त उन्हें 21.50 करोड़ रुपए का वेतन दिया गया था। मिंट की रिपोर्ट के अनुसार एयर इंडिया सीईओ का ये पैकेज 1 अप्रैल 2025 से लागू हुआ था, जिसमें 11.1 करोड़ रुपए की फिक्स सैलरी, 8.32 करोड़ रुपए का लॉन्ग टर्म स्टॉक इंसेंटिव और 8.32 करोड़ रुपए का परफॉर्मेंस के आधार पर बोनस शामिल था। आपको बता दें एयर इंडिया सीईओ कैंपबेल विल्सन की इस सैलरी को एयर इंडिया बोर्ड ने 27 मई 2025 को मंजूरी दी थी। कंपनी ने कहा, विल्सन का वेतन उन विदेशी अधिकारियों के बराबर है जो इसी स्तर की मल्टीनेशनल कंपनियों में सीईओ या एमडी हैं। उन्होंने कंपनी की जिम्मेदारियों को बखूबी निभाया है।

एयर इंडिया ने यह भी कहा कि विल्सन ने न केवल एयरलाइन को रूपांतरित करने का काम किया, बल्कि एयर इंडिया एक्सप्रेस और एआईएक्स कनेक्ट को मिलाकर एक कम-लागत वाली एयरलाइन बनाई और साथ ही विस्तारा को भी एयर इंडिया में मर्ज करने की दिशा में अहम भूमिका निभाई।

जीडीपी की वृद्धि दर 2026 में 6.5 प्रतिशत रहेगी

एस एंड पी रेटिंग्स ने भारत की जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाया

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)। एस एंड पी ग्लोबल रेटिंग्स ने मंगलवार को भारत की जीडीपी विकास दर का अनुमान बढ़ाकर 6.5 प्रतिशत कर दिया है। रेटिंग्स एजेंसी ने इसकी वजह सामान्य मानसून, कच्चे तेल की कम कीमतें आदि को बताया है। हालांकि एस एंड पी ने पश्चिम एशिया में जारी तनाव के चलते वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए खतरे की भी आशंका जताई है। एजेंसी ने कहा कि अगर पश्चिम एशिया में संघर्ष लंबा खिंचा तो इससे तेल की कीमतें बढ़ सकती हैं जिसका एशिया प्रशांत महासागर क्षेत्र के आर्थिक विकास पर असर होगा।

पिछले महीने एस एंड पी ने भारत की विकास दर को कम बताया था

एस एंड पी ने कहा कि मौजूदा समय में वैश्विक ऊर्जा बाजार पर लंबे समय तक असर पड़ने की आशंका कम ही है। भारत अपनी जरूरत का 85-90 प्रतिशत तेल आयात करता है और आधी प्राकृतिक गैस विदेशों से मंगवाता है। एस एंड पी ने बीते महीने वित्तीय वर्ष 2026 के लिए भारत की विकास दर में 20 पॉइंट की कमी कर इसे 6.3 प्रतिशत बताया था। एजेंसी ने इसकी वजह वैश्विक अनिश्चितता और अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ को बताया था।

टैरिफ से व्यापार, निवेश को होगा नुकसान

एस एंड पी का अनुमान भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा इस महीने जताए गए अनुमान से मेल खा रहा है। रिजर्व बैंक ने भी भारत की विकास दर वित्तीय वर्ष 2026 के लिए 6.5 प्रतिशत बताई थी। एस एंड पी ने अपनी रिपोर्ट में ये भी आशंका जताई है कि अमेरिका के टैरिफ प्लान से व्यापार, निवेश और वैश्विक विकास को नुकसान होगा।

'ऑपरेशन सिंदूर में अदाणी समूह की कंपनी के बनाए ड्रोन्स ने निभाई अहम भूमिका': गौतम अदाणी का दावा

मुंबई, 24 जून (एजेंसियां)। अदाणी समुह के प्रमुख गौतम अदाणी ने मंगलवार को दावा किया कि उनके समूह की ओर से बनाए गए ड्रोन और ड्रोन रोधी प्रणालियों ने ऑपरेशन सिंदूर में अग्रणी भूमिका निभाई थी। ऑपरेशन सिंदूर भारतीय सशस्त्र बलों की ओर से पहलगाम में हुए क्रूर आतंकवादी हमले जवाब में शुरू किया गया था।

यह एक सटीक आतंकवाद रोधी हमला था। अपने समूह की वार्षिक शेयरधारक बैठक में बोलते हुए अदाणीनी ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर ने आह्वान किया और हमने उसे पूरा किया। अदाणी डिफेंस की ओर से निर्मित हथियारों ने सटीक हमले किए, जबकि इसकी ड्रोन रोधी इकाइयों ने जवाबी खतरों से भारतीय संपत्तियों की रक्षा की। उन्होंने कहा, हमारे ड्रोन आसमान में नजर रखने वाली आंखें और हमले की तलवार बन गए हैं और हमारी ड्रोन रोधी प्रणालियों ने हमारे बलों और नागरिकों की सुरक्षा में मदद की है। अल्फा डिजाइन टेक्नोलॉजीज (अदाणी डिफेंस की 26 प्रतिशत स्वामित्व वाली) और इस्राईल की एल्बिट सिस्टम्स की साझेदारी में विकसित स्काईस्ट्राइकर लोइटरिंग म्यूनिशन या कामिकेज़ ड्रोन 5-10 किलोग्राम तक के हथियार ले जा सकते हैं, 100 किलोमीटर तक की कम ऊंचाई पर चुपचाप उड़ सकते हैं, और लक्ष्य पर सटीक हमला कर सकते हैं। अदाणी ने कहा, जैसा कि मैंने हमेशा माना है- हम सुरक्षित क्षेत्रों में काम नहीं करते हैं। हम वहां काम करते हैं जहां यह जरूरी है- जहां भारत को हमारी सबसे ज्यादा जरूरत है। अदाणी ने वार्षिक आम बैठक को संबोधित करते हुए सीमाओं की रक्षा करने वाले बहादुर सैनिकों को सलाम भी किया। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, हमारे बहादुर पुरुष और महिलाएं वर्दी में डटे रहे। प्रसिद्धि के लिए नहीं, पदकों के लिए नहीं- बल्कि कर्तव्य के लिए। उनके साहस ने हमें याद दिलाया कि: शांति कभी मुफ्त नहीं मिलती, इसे अर्जित किया जाता है। और सपने देखने, निर्माण करने और नेतृत्व करने की स्वतंत्रता- उन लोगों के कंधों पर मजबूती से टिकी है जो इसकी रक्षा करते हैं।

ईपीएफओ ग्राहकों के लिए खुशखबरी

अग्रिम दावों के लिए ऑटो सेटलमेंट की सीमा एक लाख से बढ़कर पांच लाख हुई

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)। ईपीएफओ ने अग्रिम दावों के लिए ऑटो-सेटलमेंट सीमा को 1 लाख रुपये से बढ़ाकर 5 लाख रुपये कर दिया है। इस फैसले से ईपीएफओ सदस्यों को अचानक जरूरत पड़ने पर तेजी से पैसे मिल सकेंगे।

विभाग की ओर से दी गई इस सुविधा का लाभ लाखों सदस्यों को मिलने की उम्मीद है।

केंद्रीय श्रम व रोजगार मंत्री मनसुख मंडाविया ने मंगलवार को यह बात कही।

उन्होंने कहा कि ईपीएफओ ने सदस्यों को त्वरित वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए कोविड-19 महामारी के दौरान पहली बार अग्रिम दावों के ऑटो-सेटलमेंट की शुरुआत की थी। दूसरी ओर, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के सदस्यों के लिए एक और अच्छी खबर खबर है। अब भुगतान की राशि का दावा करना पहले की तुलना में आसान हो गया हो गया है और इसके लिए चेक लीफ या पासबुक की जरूरत नहीं रह गई है। श्रम विभाग ने अपने एक्स हैंडल पर भी इससे जुड़ी जानकारी साझा की है।

विभाग ने लिखा है, सदस्यों के लिए बड़ी खुशखबरी! अब अपना दावा दाखिल करना हुआ आसान - अब चेक लीफ या बैंक पासबुक की तस्वीरें अपलोड करने की ज़रूरत नहीं।

नई सरलीकृत ऑनलाइन प्रक्रिया के साथ, अब आप बस कुछ ही क्लिक में अपने दावे प्रस्तुत कर सकते हैं। यह तेज, परेशानी मुक्त है, और आपका समय बचाने के लिए डिजाइन किया गया है।

अब महंगी होगी रेल यात्रा: 1 जुलाई से बढ़ सकता है ट्रेन का किराया

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)। भारतीय रेलवे ने कई सालों बाद ट्रेन टिकटों के दाम बढ़ाने का फैसला किया है. ये नई दरें 1 जुलाई 2025 से लागू होंगी. साथ ही, तत्काल टिकट बुकिंग के लिए भी नए नियम बनाए गए हैं, जिसमें आधार ऑथेंटिकेशन को अनिवार्य कर दिया गया है. रेल मंत्रालय का कहना है कि ये कदम आम यात्रियों को फायदा पहुंचाने के लिए उठाए गए हैं.

टिकट के दाम में कितनी बढ़ोतरी?

रेलवे ने ट्रेन टिकटों की कीमतों में हल्की बढ़ोतरी का ऐलान किया है. जानकारी के मुताबिक, नॉन-एसी मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों में अब किराया 1 पैसा प्रति किलोमीटर बढ़ेगा, जबकि एसी क्लास में यह बढ़ोतरी 2 पैसे प्रति किलोमीटर होगी. यह बढ़ोतरी भले ही छोटी लगे, लेकिन लंबी दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों की जेब पर थोड़ा असर डाल सकती है. उदाहरण के लिए, अगर कोई यात्री

मुंबई से दिल्ली (1400 किलोमीटर) नॉन-एसी ट्रेन से सफर करता है, तो उसे 14 रुपये ज्यादा देने होंगे, जबकि एसी क्लास में यह बढ़ोतरी 28 रुपये की होगी. रेलवे का कहना है कि यह बदलाव रेल सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए जरूरी है. रोजमर्रा या नजदीकी सफर करने वाले यात्रियों पर इसका असर नहीं पड़ेगा. 500 किलोमीटर तक की यात्रा करने वालों को किसी तरह की बढ़ोतरी नहीं झेलनी पड़ेगी. हालांकि, 500 किलोमीटर से ज्यादा यात्रा करने पर बढ़ा हुआ किराया लागू होगा. सेकेंड क्लास में यात्रा करने वाले यात्रियों को भी 500 किलोमीटर से अधिक दूरी पर आधा पैसा प्रति किलोमीटर अतिरिक्त देना होगा. रेलवे ने तत्काल टिकट बुकिंग के नियमों में भी बड़ा बदलाव किया है. 1 जुलाई 2025 से तत्काल टिकट बुक करने के लिए आधार ऑथेंटिकेशन जरूरी होगा. रेल मंत्रालय ने 10 जून 2025 को एक आदेश जारी कर सभी रेलवे जोन को इसकी जानकारी दी. मंत्रालय का कहना है कि ये नियम इसलिए लाया गया है ताकि तत्काल स्कीम का फायदा असली यात्रियों को मिले, न कि दलालों या अनधिकृत एजेंट्स को. अब तत्काल टिकट सिर्फ इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन की वेबसाइट या ऐप के जरिए ही बुक किए जा सकेंगे और इसके लिए आधार वेरिफिकेशन जरूरी होगा. इतना ही नहीं, 15 जुलाई 2025 से तत्काल टिकट बुकिंग के दौरान एक अतिरिक्त कदम जोड़ा जाएगा जिसमें आधार-बेस्ड ओटीपी वेरिफिकेशन करना होगा. यानी, अब आपको टिकट बुक करने से पहले अपने आधार नंबर के जरिए एक ओटीपी वेरिफाई करना होगा. रेल मंत्रालय ने तत्काल टिकट बुकिंग में अनधिकृत एजेंट्स की दखलअंदाजी रोकने के लिए भी सख्त कदम उठाए हैं. नए नियमों के तहत, रेलवे के अधिकृत बुकिंग एजेंट्स को पहले दिन तत्काल टिकट बुक करने की शुरुआती आधे घंटे की समय-सीमा में रोक लगा दी गई है. एसी क्लास बुकिंग: सुबह 10:00 बजे से 10:30 बजे तक एजेंट्स तत्काल टिकट बुक नहीं कर सकेंगे. नॉन-एसी क्लास बुकिंग: सुबह 11:00 बजे से 11:30 बजे तक एजेंट्स के लिए बुकिंग बंद रहेगी. रेल मंत्रालय का कहना है कि ये पाबंदी इसलिए लगाई गई है ताकि आम यात्री आसानी से तत्काल टिकट बुक कर सकें. इन नए नियमों को लागू करने के लिए रेल मंत्रालय ने सेंटर फॉर रेलवे इन्फॉर्मेशन सिस्टम्स (सीआरआईएस) और आईआरसीटीसी को जरूरी तकनीकी बदलाव करने के निर्देश दिए हैं. रेलवे ने सभी जोनल रेलवे डिवीजनों को भी इन बदलावों की जानकारी देने को कहा है.

सोना 2,060 गिरकर 97,288 पर आया

चांदी 1,165 फिसलकर 1.06 लाख किलो बिक रही, इजराइल-ईरान सीजफायर से गिरावट

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)। इजराइल-ईरान सीजफायर के बाद आज यानी 24 जून को सोने-चांदी के दाम में बड़ी गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के अनुसार 24 कैरेट सोने का दाम 2,060 गिरकर 97,288 प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। इससे पहले सोना 99,348 पर था। वहीं चांदी की कीमत 1,165 कम होकर 1,05,898 प्रति किलोग्राम हो गई है। इससे पहले ये 1,07,063 पर थी। वहीं 18 जून को चांदी ने 1,09,550 और सोने ने 99,454 का ऑल टाइम हाई बनाया था। हालांकि एक्सपर्ट्स के अनुसार आगे सोने-चांदी में तेजी जारी रहने की उम्मीद है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य उत्तरायणे, ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426874
सूर्योदय - 05-47
सूर्यास्त - 18-49
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मिथुन में	मिथुन...	05-04 बजे
चंद्र-	मिथुन में	कर्क...	07-17 बजे
मंगल	सिंह में	सिंह...	09-28 बजे
बुध-	कर्क में	कन्या...	11-35 बजे
गुरु-	मिथुन में	तुला...	13-42 बजे
शुक्र-	मेष में	वृश्चिक...	15-50 बजे
शनि-	मीन में	धनु...	18-04 बजे
राहु-	कुंभ में	मकर...	20-14 बजे
केतु-	सिंह में	कुंभ...	22-01 बजे
		मीन...	23-39 बजे
		मेष...	01-15 बजे
		वृष...	03-44 बजे

दिशाशूल - उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- अमावस्या 16-01 तक उपरान्त प्रतिपदा
मास - आषाढ़ कृष्ण, बुधवार 25 June
नक्षत्र - मृगशिरा 10-40 तक उपरान्त आर्द्रा
योग - गण्ड 05-59 तक उप वृद्धि
करण- नाग 16-01 तक उप किंस्तुघ्न
विशेष- व्रत-त्यौहार - देवपितृकार्ये अमावस्या

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है। सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 12:19 से 13:57 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05:47 - 07:24	शुभ	उत्पात	18:49 - 20:14	अशुभ
अमृत	07:24 - 09:02	शुभ	शुभ	20:14 - 21:36	शुभ
काल	09:02 - 10:40	अशुभ	अमृत	21:36 - 22:57	शुभ
शुभ	10:40 - 12:19	शुभ	चंचल	22:57 - 00:19	शुभ
रोग	12:19 - 13:57	अशुभ	रोग	00:19 - 01:41	अशुभ
उत्पात	13:57 - 15:36	अशुभ	काल	01:41 - 03:02	अशुभ
चंचल	15:36 - 17:14	शुभ	लाभ	03:02 - 04:24	शुभ
लाभ	17:14 - 18:49	शुभ	उत्पात	04:24 - 05:47	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,) — एक उत्कृष्ट अवसर आपके लंबित कार्यो को खत्म करने के लिए आपके रास्ते में आ सकता है। इस खाली समय का पूरा उपयोग करें, हालांकि आप जिस तरीके से अपने कार्य अभी तक करते थे, उन्हें आपको छोड़ना होगा ! यह अपनी पसंद के घर के स्वामित्व को पाने के लिए सही समय है।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,) — जो लोग विलासिता के सामान के व्यवसायों में शामिल हैं, वे लोग आज बहुत लाभ में रहेंगे और साथ ही साथ जो लोग स्वरोजगार में हैं, वे भी अपनी दरों में बढ़ोतरी कर सकते हैं और साथ ही साथ मन वांछित राशि की प्राप्ति कर सकते हैं। उन लोगों पर ध्यान न दें जो लोग आपकी सराहना करने में विफल रहते हैं।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,) — आप अपने कार्य क्षेत्र में कुछ भ्रमित है और काफी समय से कुछ प्रश्न आपकी परेशानिया बढ़ा रहे है। आज इसका हल आपको नजर आ सकता है। आप इस विचार पर अडिग रहे और समाधान निकलने की कोशिश करे चाहे वह कितना भी अटपटा या अजीब लगे। अगर आप कुछ जोखिम लेंगे तो आपको अत्यधिक लाभ होगा जो अपने सोचा भी न होगा।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,) — आज आपके सितारे आपके कार्यस्थल पर प्यार की और संकेत कर रहे है। अत्यंत सावधान रहें। एक गुप्त काम आपके और आपके साथी के बीच दरार पैदा कर सकता है। आप अपने साथी को गोपनीयता के कारणों को समझाने की कोशिश करे और वे आप का समर्थन करेंगे! आपका वित्त बढ़ेगा और उसमे संतुलन रहेगा।

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे,) — रोजगार और आय के नए अवसर आज आपको मिल सकते है। आपको आगे बढ़ने के काफी अवसर मिलेंगे जिसको लेकर आप समझ नहीं पाएंगे की कौन सा विकल्प आपके लिए अच्छा है, जिसे लेकर आप आगे बढ़ सकते है। आज परिवार और कार्य क्षेत्र में संतुलन बिठाना मुश्किल हो सकता है और आप अपने कार्य क्षेत्र को परिवार की तुलना में ज्यादा महत्व देंगे।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — हाल ही में सह कर्मी आपसे ईर्ष्या के कारण असहयोगी रहे है! लेकिन उनके सामने जोर से न चिल्लाये क्योकि ये अलग रूप में तोड़ मरोड़ कर आपके वरिष्ठ अधिकारियो तक बहुत चालाकी से पहुचाया जाएगा। बस कुछ समय के लिए ऐसे लोगों के साथ दूरी बनाए रखें। आपको आज कुछ अप्रत्याशित धन प्राप्त हो सकता है।

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते,) — आप एक आकर्षक आभा और मीठी वाणी के स्वामी है। इन अलंकारो की वजह से आप अपना रास्ता खुद बना सकते है। आपका बच्चों का सा रवैया हर जगह खुशी फैलाता है और सबके लिए बहुत आसान परिस्थितियों का निर्माण होता है, और आप अपने चुटकुलों और हास्य से सबके मनोविज्ञान को प्रभावित करते है।

वृश्चिक (तो, ना, नी, ने, नू, नो, या, यी, यू,) — आज आप अपनी नौकरी से संबंधित अच्छी खबर प्राप्त कर सकते है। यह एक पदोन्नति, वेतन वृद्धि, एक नई जिम्मेदारी, एक नया इच्छित स्थान, एक अलग कंपनी से नौकरी या प्रस्ताव का परिवर्तन हो सकता है। आप कम समय में अपने आप को तैयार रखे। यह टेलीफोन पर या सन्देश के माध्यम से भी किया जा सकता है।

धनु (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे) — आज के दिन आपकी प्रतिभा को आपके उच्च अधिकारी पहचानेगें और आपके कार्य क्षेत्र में आपकी काफी प्रशंसा होगी और साथ ही साथ आपको घर में उपहार भी मिल सकता है जो आपके दिन को प्रज्जवलित करेगा और आप इस के हक़दार भी है। आपने अपने करियर को उठाने के लिए बहुत प्रयास किए है।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी) — आज आप अपने करियर को नए सिरे से शुरू करेंगे। आप एक नियोक्ता से दूसरे की तरफ अपना रुख कर सकते है, क्योंकि ये नया अवसर आपको आगे बढ़ने के मौके दे सकता है, लेकिन धोखाधड़ी के प्रस्तावों से सावधान रहे क्यों की कोई आपकी क्षमता और चतुराई का अनुचित लाभ लेने के लिए लंबे समय से प्रयासरत है।

कुंभ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,) — आज आप एक दार्शनिक मुद्रा में रहेंगे और गहरी सोच वाली ऐसी किसी भी नौकरी में आज आप सफलता को छुएंगे। शिक्षकों, वकीलों, दार्शनिकों, प्रचारकों और राजनेताओ के लिए आज का दिन बहुत अच्छा रहेगा। लेकिन आपको सांसारिक एवं जीवन के गहरे सवालों के बीच ध्यान देने की जरूरत है।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची) — आज आपको अपने कार्यस्थल पर सावधानी बरतनी आवश्यक है। आप ये भूल रहे है, की आज के आधुनिक कार्यालयों में कुछ भी छुपा हुआ नहीं है, इसलिए आपको स्थितियों के मुताबिक खुद को ढालना पड़ सकता है। आज आपको विवेक की जरुरत है और अगर आप उसे अनदेखा करते है।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

पुरुषों से 'रेप' का आरोपी सूरज रेवन्ना बाहर क्यों

2 एफआईआर दर्ज, एक साल बीता, न जांच-न चार्जशीट, विक्टिम सीबीआई के पास नजरबंद

बेंगलुरु, 24 जून (एक्सक्लूसिव डेस्क)। 'सूरज रेवन्ना एक नेता की शक्ल में छिपा हुआ अपराधी है, उसने मुझे गन्निकाडा में अपने फार्महाउस पर बुलाया। मेरा हालचाल पूछा, फिर मुझे पैर दबाने के लिए कहा। मैं उसके पैर दबा रहा था तभी अचानक उसने मेरी कमर पर हाथ रखा, फिर गंदी हरकतें करने लगा। मैंने उसे रोका तो गुस्सा हो गया। जान से मारने की धमकी देने लगा। उस दिन सूरज ने मेरे साथ अननेचुरल सेक्स किया।'

एक साल पहले 23 जून को एमएलसी सूरज रेवन्ना को 27 साल के जेडी(एस) कार्यकर्ता के इस आरोप के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। फिर कर्नाटक पुलिस ने एक महीने की कस्टडी में भेज दिया। मामला राज्यसभा सांसद और पूर्व पीएम एचडी देवगौड़ा की फैमिली से जुड़ा था। लिहाजा इसकी आंच पहले कर्नाटक और फिर पूरे देश में फैल गई।

23 जुलाई को बेंगलुरु के एक कोर्ट ने सूरज को यौन शोषण मामले में जमानत दे दी। तब से सीआईडी इस मामले की जांच कर रही है। सीआईडी अब तक न तो चार्जशीट दाखिल कर पाई है न जांच रिपोर्ट। जिस कार्यकर्ता ने सूरज पर आरोप लगाए, वो इतना खौफजदा है कि एक साल से मीडिया के सामने आने की हिम्मत नहीं जुटा पाया है। वो एक साल से सीबीआई की निगरानी में है।

सूरज को कभी देवगौड़ा परिवार का सबसे कम चर्चित और सबसे पढ़ा-लिखा सदस्य माना जाता था। अब वो एक ऐसे मामले का चेहरा है, जिसने कर्नाटक की सबसे ताकतवर पॉलिटिकल फैमिली के सियासी रसूख और जवाबदेही पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। सूरज का छोटा भाई प्रज्वल रेवन्ना 31 मई 2024 को पहले ही एक सेक्स स्कैंडल में अरेस्ट हो चुका था।

उस पर दो एफआईआर दर्ज हुईं। पहली 22 जून 2024 को और दूसरी 25 जून 2024 को।

दोनों मामलों की जांच सीआईडी को सौंपी गई, लेकिन अब तक न कोई चार्जशीट, न कोई क्लीन चिट और न ही कोई अंतरिम रिपोर्ट दाखिल हुई है।

केस में चार्जशीट दाखिल न होने की वजह से अभी कोर्ट में मामले पर ट्रायल शुरू नहीं हुआ है।

सूरज पर अननेचुरल सेक्स का आरोप लगाने वाला जेडी(एस) कार्यकर्ता का घर हासन से 40 किलोमीटर दूर है। वो यहीं एक मंजिला मकान में माता-पिता के साथ रहता है। सूरज से उसकी पहली मुलाकात लोकसभा चुनाव के दौरान पार्टी के एक कार्यक्रम में हुई थी। तब सूरज ने उसके काम से प्रभावित होकर उसे अपना विजिटिंग कार्ड दिया। फिर गन्निकाडा फार्महाउस में उसे मिलने के लिए बुलाया।

सूरज रेवन्ना

कर्नाटक पुलिस को दिए बयान में विक्टिम वर्कर ने बताया, '16 जून 2024 की शाम करीब 6.15 बजे मैं सूरज के फॉर्म हाउस पहुंचा। गेट पर तैनात पुलिसवालों ने मेरा परिचय पूछा, फिर अंदर से परमिशन मिलने के बाद मुझे एंट्री मिली। फार्महाउस में सूरज पहले से मौजूद था। उसने मुझे पास बुलाया और घर-परिवार के बारे में पूछने लगा।'

कुछ देर बाद उसने मुझसे पैर दबाने के लिए कहा, फिर अपना हाथ मेरे कंधे पर रख दिया और मेरे कान छूने लगा। मुझे घबराता देख सूरज ने कहा कि चिंता मत करो, मैं तुम्हारे साथ रहूंगा। इसके बाद वो मेरे साथ गंदी हरकतें करने लगा, तभी मैंने उसे धकेल दिया। इस पर वो चिल्लाने लगा।

'उस दिन मैंने सूरज का बिल्कुल बदला रूप देखा। वो बहुत एग्रेसिव था। उस दिन उसने मेरे साथ अननेचुरल सेक्स किया। जब ये बात मैंने सूरज के करीबी शिवकुमार को बताई, तो उसने मुझे मुंह न खोलने के बदले 2 करोड़ रुपए की देने की पेशकश की। हालांकि मैंने पैसे लेने से इनकार कर दिया और 22 जून को सारे सबूतों के साथ पुलिस को पूरी बात बता दी।'

गिरफ्तारी के 2 दिन बाद दूसरे वर्कर ने लगाया अननेचुरल सेक्स का आरोप

जेडी(एस) वर्कर के आरोपों के बाद 23 जून को सूरज रेवन्ना को गिरफ्तार कर लिया गया। इसके बाद 25 जून को सूरज के करीबी माने जाने वाले पार्टी के एक और कार्यकर्ता ने होलेनरासीपुर थाने में उसके खिलाफ समलैंगिक संबंध का केस दर्ज करवा दिया।

दूसरी एफआईआर में 30 साल के पार्टी वर्कर ने आरोप लगाया कि सूरज ने लॉकडाउन के दौरान फार्म हाउस में उसके साथ जबरदस्ती की थी। उसने ये बात किसी को नहीं बताई क्योंकि सूरज और उसका परिवार बहुत रसूखदार है। विक्टिम को डर था कि मुंह खोलने पर सूरज कभी भी उसका मर्डर करवा देगा।

सूरज की गिरफ्तारी से ठीक एक महीने बाद यानी 23 जुलाई को बेंगलुरु कोर्ट ने उसे यौन शोषण मामले में जमानत दे दी। हालांकि कोर्ट ने कहा कि सूरज को जांच में सहयोग देना होगा।

सूरज के अलावा उसके पिता एचडी रेवन्ना को प्रज्वल रेवन्ना के मामले में विक्टिम का अपहरण करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। फिलहाल वे जमानत पर हैं। वहीं, सूरज की मां भवानी रेवन्ना भी इसी मामले में अग्रिम जमानत पर हैं।

सूरज रेवन्ना केस की जांच में शामिल बेंगलुरु पुलिस के सीनियर अफसर कहते हैं, 'मामले में कड़ी से कड़ी जोड़ने के लिए सीआईडी और बेंगलुरु पुलिस ने सभी डिजिटल, फोरेंसिक, मेडिकल तरीकों के अलावा पीड़ितों के बयानों का सहारा लिया। सूरज का डीएनए सैंपल लिया चुका है ताकि इसकी पुष्टि की जा सके कि घटनास्थल पर उसकी मौजूदगी थी या नहीं।'

'फार्महाउस से लिए गए कपड़े और बिस्तर की फोरेंसिक टेस्टिंग की गई। साथ ही पीड़ित और सूरज के बीच हुई बातचीत और मोबाइल लोकेशन की जांच की गई है। सभी सबूतों की पुष्टि होने के बाद चार्जशीट दाखिल की जाएगी। फिर इस मामले में ट्रायल शुरू होगा।'

केस से जुड़े बेंगलुरु कोर्ट के एक एडवोकेट ने नाम जाहिर न करने की गुजारिश पर बताया- 'कोर्ट फिलहाल सूरज और विक्टिम कार्यकर्ता के बयान दर्ज कर चुकी है। सूरज ने अपने खिलाफ पहली एफआईआर दर्ज कराने वाले शख्स पर ब्लैकमेल करने का आरोप लगाया है। उसने कहा कि झूठे आरोपों में फंसाने की धमकी देकर उससे पहले 5 करोड़ रुपए, फिर 3 करोड़ और बाद में ढाई करोड़ रुपए मांगे गए।'

बचाव पक्ष के वकीलों ने दलील रखी कि 16 जून को एफआईआर कराने वाला शख्स नौकरी मांगने के लिए फार्महाउस आया था। जब सूरज ने उसकी मदद करने से इनकार कर दिया तो उसने झूठे केस में फंसाने और परिवार को बदनाम करने की धमकी दी।

पीड़ित पक्ष के वकील क्या बोल रहे हैं? इस पर वो जवाब देते हैं, 'सूरज ने विक्टिम को पैसे और नौकरी देने का लालच देकर उसके साथ गलत काम किया। सबूत के तौर पर पीड़ित पक्ष ने कोर्ट के सामने सूरज के मैसेज दिखाए हैं, जो उसने 16 जून की घटना के बाद कार्यकर्ता को भेजे थे।'

इतने संगीन आरोपों के बावजूद सूरज का एमएलसी पद क्यों नहीं छिना? इस पर एडवोकेट कहते हैं कि सूरज अभी दोषी नहीं पाए गए हैं। न अभी कोई मुकदमा खत्म हुआ है और न ही उन पर कोई दोष तय हुआ है। इसलिए उनकी सदस्यता बरकरार रखी जा सकती है।

इस केस को शुरू से कवर कर रहे कर्नाटक के जर्नलिस्ट मलनाड महबूब का मानना है कि प्रज्वल और सूरज पर लगे यौन उत्पीड़न के आरोपों के बाद जेडी(एस) की सियासी छवि पर बड़ा डेंट लगा है। यही नहीं, पार्टी के सीनियर लीडर्स भी सूरज से किनारा करने लगे हैं।

मलनाड महबूब कहते हैं, 'बेल मिलने के बाद सूरज कई बार लोगों के बीच जा चुके हैं। उन्होंने प्रज्वल रेवन्ना के बचाव में हाल ही में बयान दिया कि जब मेरा भाई वापस आएगा तो हम दोनों मिलकर जेडी(एस) को और आगे ले जाएंगे।'

इस केस में एक साल बीतने के बाद भी नतीजा क्यों नहीं आया? मलनाड इसके पीछे दो बड़ी वजहें बताते हैं।

पहली: सीआईडी को अभी तक सूरज के खिलाफ पर्याप्त पुख्ता सबूत नहीं मिले हैं।

दूसरी: मौजूदा सीएम सिद्धारमैया और एचडी देवगौड़ा के बीच करीबी तालुकात हैं।

'सिद्धारमैया भले ही एचडी कुमारस्वामी को पसंद नहीं करते हों, लेकिन एचडी रेवन्ना के लिए हमेशा से उनका सॉफ्ट कॉर्नर रहा है। यही वजह है कि 2023 विधानसभा चुनाव में एचडी रेवन्ना की होलेनरसीपुर सीट पर सिद्धारमैया ने एक भी प्रचार रैली नहीं की थी।

लिहाजा प्रदेश के सीएम का सपोर्ट भी कहीं न कहीं इस केस की दिशा बदल सकता है।"

पायलट बोले- यहां सभी अश्वमेध के घोड़े

राहुल के लंगड़े घोड़े वाले बयान पर कही बात, कहा- संगठन में बदलाव करना चाहते हैं

रायपुर, 24 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ दौरे के दौरान कांग्रेस प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट ने कहा कि, हर संगठन में बेहतर करने की गुंजाइश रहती है। हम संगठन में मंडल से लेकर ऊपर तक चेंज भी चाहते हैं, प्रस्ताव भी इसे लेकर पास हुआ है, लेकिन इसपर अमल करना इतना आसान नहीं है, फिर भी हमलोग उस दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

वहीं राहुल गांधी के लंगड़े घोड़े बदले जाएंगे वाले बयान पर सचिन पायलट ने कहा कि, यहां सभी अश्वमेध के घोड़े हैं। पायलट ने भाजपा पर तंज कसते हुए कहा कि, प्रदेश में मंत्रिमंडल विस्तार तो छोड़िए, राष्ट्रीय अध्यक्ष तक के लिए फैसला नहीं ले पा रहे हैं, यहां चुनाव प्रक्रिया क्या है ये भी स्पष्ट नहीं। मंगलवार को पायलट ने ये बातें रायपुर के राजीव भवन में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कही हैं।

इससे पहले पायलट ने कहा कि, साय सरकार जनता का विश्वास खो चुकी है। ऐसा कोई क्षेत्र नहीं है, जहां सरकार अपनी कामयाबी बता सके। यही कारण है कि प्रधानमंत्री, गृहमंत्री को बार-बार बुलाकर अपनी पीठ थपथपानी पड़ रही है।

पायलट ने कहा कि पूरे प्रदेश में खाद की कमी है। किसानों को अपने हाल पर छोड़ दिया गया है। ये कहते हैं कि डबल इंजन की सरकार है। किसानों की स्थिति के लिए कौन जिम्मेदार है? पूरे प्रदेश में लूट-रेप, डकैती, फिरौती, फायरिंग की वारदात हो रही है।

हिंसा किसी को भी स्वीकार नहीं, शांति और विकास हम सभी चाहते हैं। भूपेश बघेल सरकार में हमने बहुत काम किए, पुलिस एक्शन के अलावा और भी काम नक्सल उन्मूलन के लिए होना चहिए। राजनीतिकरण नहीं होना चाहिए और पारदर्शी कार्रवाई होनी चाहिए। सचिन ने आगे कहा कि डेढ़ सालों में बघेल सरकार की 17 योजनाओं को भाजपा सरकार ने बंद कर दिया है, क्योंकि इसका श्रेय पिछली कांग्रेस सरकार को जाता।

5 लाख का इनामी उग्रवादी गिरफ्तार

हथियार और कारतूस भी बरामद आरोपी पहले भी जा चुका है जेल

गुमला, 24 जून (एजेंसियां)। गुमला पुलिस ने जेजेएमपी के 5 लाख रुपए के इनामी उग्रवादी फिरोज अंसारी को गिरफ्तार किया है। घाघरा के जंगल से पकड़े गए 35 वर्षीय अंसारी लोहरदगा जिले के रुबेद गांव का रहने वाला है।

एसडीपीओ सुरेश प्रसाद यादव के नेतृत्व में पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की। गुमला के पुलिस अधीक्षक हरीश बिन जमा ने मंगलवार को बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि जेजेएमपी के सुप्रीमो रबिन्द्र यादव अपने दस्ते के साथ घाघरा के जंगल में बड़ी आपराधिक घटना को अंजाम देने की योजना बना रहा था। पुलिस ने फिरोज के पास से एक .303 राइफल और 200 राउंड जिंदा कारतूस बरामद किया। इसके अलावा 7.62एमएम के 150 जिंदा कारतूस, तीन स्मार्टफोन, दो कीपैड मोबाइल, दो डायरी, एक मोबाइल चार्जर, एक जिओ राउटर और एक पिट्ठू बैग भी जब्त किया गया।

रिटायर्ड एएसआई के बेटे-बहू ने किया मर्डर

सूटकेस में भरी युवक की लाश, सीमेंट डालकर प्लास्टर, फिर पेटी में डाला, दिल्ली से गिरफ्तार

रायपुर, 24 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायपुर में सोमवार सुबह यूपी के मेरठ जैसी वारदात को अंजाम दिया गया। धारदार हथियार से एक युवक का गला काटा, फिर शव को सूटकेस के अंदर डाला और सीमेंट का मोटा प्लास्टर चढ़ा दिया। मामले में पुलिस ने रिटायर्ड एएसआई के बेटे अंकित उपाध्याय और उसकी पत्नी शिवानी शर्मा को दिल्ली से गिरफ्तार किया है।

मृतक युवक की पहचान किशोर पैंकरा के रूप में हुई है। अंकित वारदात का मास्टरमाइंड है। वो पेशे से वकील भी है। लाश फेंकने ले जाते वक्त पति और पत्नी सीसीटीवी कैमरे में कैद हुए थे। वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों रायपुर एयरपोर्ट से दिल्ली फरार हो गए थे।

मामला डीडी नगर थाना क्षेत्र के रायपुरा की इंद्रप्रस्थ कॉलोनी फेज-2 का है। सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा है कि आरोपी लाश को टीन की बड़ी पेटी के अंदर डालकर फेंकने ले जा रहे हैं। कार में 2 लोग सवार हैं। वहीं कार के आगे-पीछे स्कूटी सवार एक संदिग्ध युवती भी मंडरा रही थी।

बताया जा रहा है कि आरोपियों ने चालाकी से कार में फर्जी नंबर प्लेट लगाकर वारदात को अंजाम दिया। गाड़ी अल्टो है, लेकिन पुलिस को गुमराह करने के लिए नंबर प्लेट सेन्ट्रो का इस्तेमाल किया गया। सामने पूरा नम्बर प्लेट है, लेकिन पीछे से नंबर प्लेट को तोड़ा गया।

दरअसल, रायपुर के रायपुरा की इंद्रप्रस्थ कॉलोनी फेज-2 के पास पेटी में रखकर युवक की सड़ी हुई लाश फेंकी गई है। दोपहर बाद से पूरे इलाके में लाश की गंध इतनी फैल रही थी कि शाम होते-होते लोग झाड़ियों में देखने पहुंच गए। वहां ट्रंक देखकर उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने जब ट्रंक खुलवाया तो लाश सूटकेस में ठूंसी हुई मिली। सूटकेस में सीमेंट का प्लास्टर था। फोरेंसिक एक्सपर्ट के अनुसार सीमेंट का मोटा प्लास्टर करने से लाश सड़ने पर दुर्गंध नहीं उठती। हत्यारों ने इसी वजह से कत्ल के बाद युवक की लाश को ट्रंक में ठूंसा, फिर उसमें सीमेंट का प्लास्टर किया।

इसके बाद चेन लगाकर सूटकेस बंद किया, फिर भी जब दुर्गंध उठने लगी तो पकड़े जाने के डर से सूटकेस को पेटी में रखकर इंद्रप्रस्थ के सुनसान इलाके में फेंक दिया।

आरोपी ने प्लानिंग के तहत लाश को कार से लेकर गए। कार इंद्रप्रस्थ कॉलोनी से सुबह 9.50 बजे निकली। इसमें दो लोग सवार दिख रहे हैं। करीब ही एक ईवी सवार भी संदिग्ध है। जिस अल्टो कार में लाश ले जाई गई, वह सेंट्रो का नंबर है। यह नंबर विजय भूषण के नाम पर दर्ज है। रजिस्ट्रेशन 20 साल पुराना है। झाड़ियों में जहां लाश भरी पेटी फेंकी गई है, वहां से करीब 100 मीटर दूर बस्ती है। पुलिस को इंद्रप्रस्थ कॉलोनी का सीसीटीवी फुटेज मिला है।

सड़क हादसे में ससुर-दामाद की मौत

गिरिडीह, 24 जून (एजेंसियां)। गिरिडीह के सरिया थाना क्षेत्र में मंगलवार को सड़क हादसे में बाइक सवार ससुर-दामाद की मौत हो गई। दोनों बाइक से बगोदर जा रहे थे और रास्ते में उनकी बाइक खड़े ट्रक से टकरा गई। इससे दोनों की जान चली गई। मृतकों की पहचान बरकट्ठा थाना क्षेत्र के बेड़ो कला निवासी सहदेव मंडल बैठा (56) और सरिया थाना क्षेत्र के कलाली रोड के रहने वाले गौरव कुमार रजक उर्फ टिंकू (34) के रूप में की गई। इधर, घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस शव को पोस्टमॉर्टम कराने की प्रक्रिया में जुट गई है। गौरव अपने ससुर सहदेव मंडल के साथ बाइक से बगोदर स्थित अपने नए घर की तरफ जा रहा था। इसी बीच बगोदर-सरिया अनुमंडल कार्यालय के पास खड़े ट्रक से उनकी बाइक की जोरदार टक्कर हो गई। इससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को प्राथमिक इलाज के लिए बगोदर के ट्रामा सेंटर लाया गया, जहां डाक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

इधर, बगोदर थाना प्रभारी विनय कुमार यादव ने बताया कि पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

सीबीआई की बड़ी कार्रवाई, रामगढ़ में 12 ठिकानों पर छापेमारी

गिद्दी सी कोल प्रोजेक्ट में भ्रष्टाचार की जांच, अधिकारियों और कर्मचारियों से पूछताछ

रामगढ़, 24 जून (एजेंसियां)। सीबीआई ने रामगढ़ जिले में भ्रष्टाचार के मामले में बड़ी कार्रवाई की है। डीएसपी ज्योति मांझी के नेतृत्व में सीबीआई की 12 सदस्यीय टीम ने गिद्दी सी लोकल सेल में छापेमारी की।

टीम ने डाड़ी, डोकाबेड़ा, होसिर, अरगड्डा और सौंदा पोड़ागेट में कई स्थानों पर जांच की। इस दौरान लोकल सेल लिफ्टर से जुड़े लोगों के ठिकानों की तलाशी ली गई। साथ ही सीबीआई ने सीसीएल के कुछ कर्मचारियों के परिसरों की भी जांच की। टीम में डीएसपी कुलदीप, इंस्पेक्टर पचौरी और अजय ठाकुर समेत 24 से अधिक अधिकारी शामिल थे।

सूत्रों के अनुसार, कुछ लिफ्टर अपने घरों से फरार हैं। सीबीआई की टीम गिद्दी पुलिस फोर्स के साथ उनकी तलाश कर रही है। यह लोकल सेल भ्रष्टाचार को लेकर चौथी कार्रवाई है। इससे पहले सिरका कोलयरी में भी घूसखोरी को लेकर कार्रवाई हुई थी।

जांच टीम कोलयरी गिद्दी सी के पीओ कार्यालय अधिकारियों, रोड सेल सीडीएस कर्मचारियों से पूछताछ कर रही है।

साथ ही संबंधित दस्तावेजों की जांच भी की जा रही है। सीबीआई की इस कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कंप मचा हुआ है।

प्रिंस खान गैंग के 9 सदस्य गिरफ्तार

हथियार और मोटरसाइकिल बरामद रंगदारी वसूली में शामिल थे सभी आरोपी

धनबाद, 24 जून (एजेंसियां)। धनबाद पुलिस ने कुख्यात गैंगस्टर प्रिंस खान के 9 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने महुदा, बैंक मोड़ और बरवाअड्डा समेत कई इलाकों से इन्हें पकड़ा है।

आरोपियों से 5 देसी कट्टे, 27 जिंदा कारतूस, 4 मोटरसाइकिल और 6 मोबाइल फोन बरामद हुए हैं।

धनबाद एसएसपी प्रभात कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी। प्रिंस खान के गुर्गे जिले में इकट्ठा हो रहे थे। वे किसी आपराधिक घटना की योजना बना रहे थे। इसी सूचना पर छापेमारी कर इन्हें पकड़ा गया। ये सभी जिले में रंगदारी वसूली और व्यापारियों को धमकाने में शामिल थे। गैंग के अन्य सदस्य भी पुलिस के रडार पर हैं।

गिरफ्तार आरोपियों में पश्चिमी सिंहभूम के मो. हासिम और पीर मोहम्मद उर्फ गबरु शामिल हैं।

पूर्वी सिंहभूम से अजय कांडेयांग, सरायकेला-खरसांव से बबलू कांडेयांग और पिंटू लोहार पकड़े गए। धनबाद से मो. सरवर, तनवीर आलम और सैफ अली उर्फ मुन्ना खान को गिरफ्तार किया गया। सरायकेला-खरसांवा से मो. एहसान अंसारी को पकड़ा गया।

एसएसपी के निर्देश पर सभी आरोपियों को सदर अस्पताल से पैदल जेल ले जाया गया। दो आरोपी चलने में असमर्थ थे, उन्हें व्हीलचेयर से ले जाया गया।

इस कार्रवाई से 2024 में हुए शाहबुद्दीन हत्याकांड का भी खुलासा हुआ है।

छत्तीसगढ़ के स्थायी डीजीपी और नए सीएस की घोषणा जल्द

मुखिया बनने 4-4 सीनियर अफसर दावेदार, दावेदारी करने वाले आईएएस-आईपीएस की प्रोफाइल

रायपुर, 24 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव (सीएस) अमिताभ जैन 30 जून को रिटायर हो रहे हैं। इससे पहले ही साय सरकार ने उनके उत्तराधिकारी की खोज तेज कर दी है। साथ ही पुलिस विभाग को भी एक स्थायी डीजीपी मिलने वाला है, क्योंकि वर्तमान में यह जिम्मेदारी कार्यवाहक स्तर पर संभाली जा रही है।

इन दोनों मुखिया के पदों के लिए प्रशासनिक गलियारों में चर्चा तेज है और बैठकों का दौर जारी है। मुख्य सचिव और डीजीपी की कुर्सी पर कौन बैठेगा? इस सवाल का जवाब ढूंढने में अफसरशाही पूरी तरह एक्टिव हो गई है।

सीएस पद की रेस में चार आईएएस अफसर हैं, जिसमें रेणु गोनेला पिल्ले टॉप पर हैं। वहीं स्थायी डीजीपी की रेस में भी 4 आईपीएस हैं, जिसमें अरुण देव गौतम का नाम टॉप पर है। इस रिपोर्ट में कौन अफसर क्यों टॉप पर और चर्चे में?

वहीं आईपीएस अरुण देव गौतम वर्तमान में अस्थायी डीजीपी हैं। राजनेताओं और अधीनस्थ अफसरों की पसंद है। प्रशासनिक पकड़ मजबूत है। डीजीपी चार्ज संभालने के बाद अब तक कंट्रोवर्सी में नहीं फंसे हैं। वहीं प्रदेश में रिकॉर्ड रहा है, जो अस्थायी प्रभारी रहा है, उसे ही स्थायी पद मिला है। इन सब बातों को ध्यान में रखकर प्रबल दावेदार बताए जा रहे हैं। सरकार के सूत्रों के अनुसार रेणु गोनेला पिल्ले को एक कुशल और सख्त प्रशासक के रूप में जाना जाता है। वे दबाव में न झुकने वाली अधिकारी के रूप में पहचानी जाती हैं। जनवरी 2025 में जब मुख्य सचिव अमिताभ जैन एक सप्ताह की छुट्टी पर गए थे, तब उन्हें कार्यवाहक मुख्य सचिव बनाया गया था, जो सरकार के भरोसे का संकेत है।

पति ने चेहरा कुचलकर की पत्नी की हत्या

पलामू, 24 जून (एजेंसियां)। पलामू में पति ने अपनी पत्नी की हत्या कर शव को कमरे में बंद कर फरार हो गया। मंगलवार को पुलिस ने शव बरामद किया। महिला का चेहरा कुचला मिला है। घटना शहर थाना क्षेत्र के रेलवे लाइन के पास स्थित कुम्हारटोली की है। पुलिस शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा आरोपी की तलाश में जुट गई है।

मृतका की पहचान पूनम देवी (25) के रूप में की गई है। सदर थाना क्षेत्र के लहसुनिया की रहने वाली पूनम और चौरा बांसडीह निवासी अशोक यादव ने परिजनों के मर्जी के खिलाफ दो साल पहले प्रेम विवाह किया था। इसके बाद से दोनों के बीच आपस में विवाद होता रहता था।

दंपती कुम्हारटोली में कुमार अनूप सिंह के घर के एक कमरे में छह माह से किराए पर रह रहे थे। दोनों मजदूरी करते थे। सोमवार की रात पूनम की हत्याकर अशोक कमरे में बाहर से ताला लगाकर भाग निकला। पूनम के मर्डर की जानकारी मंगलवार को दोपहर दो बजे हुई। दरअसल, पूनम और अशोक के बीच सोमवार को भी विवाद हुआ था। मृतका की मां को पूनम के देवर ने मंगलवार को 10 बजे के करीब फोन कर दंपती के बीच झगड़े की जानकारी दी। इसके बाद पूनम की मां बेटी के घर पहुंची तो कमरा में ताला लगा देखा। मृतका की चचेरी बहन ने खिड़की पर धक्का मारा तो वो खुल गई और पूनम मृत हालत में फर्श पर पड़ी मिली। इसके बाद आस पास के लोग जमा हो गए और घटनास्थल से थोड़े दूर पर ही स्थित टीओपी टू में जाकर पुलिसकर्मियों को घटना की जानकारी दी।

मौके पर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर ज्योतिलाल रजवार पुलिस टीम के साथ पहुंचे। कमरे का ताला तोड़कर महिला का शव निकाला और पोस्टमॉर्टम के लिए एमएमसीएच भेजा। थाना प्रभारी ने कहा कि आरोपी पति की गिरफ्तारी के लिए तलाश की जा रही है।

राहगीर को कुल्हाड़ी से बेहोश होते तक मारा

सक्ती, 24 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में तीन युवकों ने मिलकर एक युवक को कुल्हाड़ी से मारा है। इसका वीडियो भी सामने आया है। घटना 23 जून की दोपहर की है। मामला मालखरौदा थाना क्षेत्र का है।बताया जा रहा है सकर्रा गांव में भूपेंद्र साहू दशगात्र का खाना खाने गया था। लौटते समय सड़क पर साइड मांगने को लेकर 3 युवकों के साथ कहासुनी हो गई और विवाद बढ़ गया। इसके बाद आरोपी दशगात्र वाले घर से कुल्हाड़ी और डंडा ले आए और खूब मारा। जिससे वह गंभीर हालत में बेहोश हो गया। घटना में घायल भूपेंद्र को राहगीरों ने पानी पिलाया। उसे सिर और पसली पर काफी गंभीर चोटें आईं है। स्थानीय लोगों ने परिजनों को सूचना दी जिसके बाद परिजन घटना स्थल पर पहुंचे। बेहोश अवस्था में मिले भूपेंद्र को पहले स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। बाद में उसे बिलासपुर रेफर कर दिया गया है। उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। भूपेन्द्र की मां श्यामबाई साहू ने मालखरौदा थाने में शिकायत दर्ज कराई। एसपी अंकिता शर्मा, एएसपी हरीश यादव और एसडीओपी मनीष कुंवर के निर्देशन में पुलिस ने कार्रवाई की।

ना खामेनेई हटे, ना परमाणु कार्यक्रम तबाह हुआ

आखिर ईरान में इजरायल-अमेरिका ने क्या हासिल किया, फेल हुआ मिशन?

तेहरान, 24 जून (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को अपनी एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि ईरान और इजरायल में युद्धविराम लागू हो गया है। कोई भी पक्ष इसका उल्लंघन ना करें। इससे कुछ घंटे पहले ट्रंप ने इजरायल और ईरान में युद्धविराम की घोषणा की थी लेकिन इस पर उपापोह की स्थिति बनी हुई थी। मंगलवार सुबह तक ईरान और इजरायल के एक दूसरे पर हमले जारी थी लेकिन अब चीजें शांति की ओर जा रही हैं। 12 दिनों तक चला युद्ध रुक गया है लेकिन कई सवाल बरकरार हैं। खासतौर से अमेरिका और इजरायल के सामने ये प्रश्न है कि उन्होंने इस युद्ध से क्या हासिल किया है।

इजरायल ने 13 जून को ईरान पर अचानक हमले शुरू किए थे। इन हमलों में ईरान के सैन्य नेतृत्व और परमाणु वैज्ञानिकों को निशाना बनाया गया। इजरायल ने ये हमले शुरू करने की वजह ईरान का परमाणु बम बनाने के करीब पहुंच जाना बताया। इजरायल ने कहा कि उसके हमले तक तक जारी रहेंगे, जब तक कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह से तबाह नहीं हो जाता है।

इजरायल के समर्थन में 22 जून को अमेरिका भी लड़ाई में कूद गया। अमेरिका ने अपने बेहद ताकतवर B-2 बमवर्षकों का इस्तेमाल करते हुए ईरान में बंकर बस्टर बम गिराए। इन हमलों के बाद इजरायल और अमेरिका ने कहा कि ईरान की परमाणु सुविधाएं तबाह हो गई हैं। अब तेहरान के लिए परमाणु कार्यक्रम आगे बढ़ना लगभग नामुमकिन होगा। हालांकि एक्सपर्ट और स्वतंत्र एजेंसियों की रिपोर्ट ये नहीं मानती कि ईरान की न्यूक्लियर फैसिलिटी तबाह हो गई हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम इस युद्ध की वजह से नहीं रुकेगा। अमेरिकी और इजरायली हमलों ने फोर्डो, नतांज और इस्फहान में परमाणु सुविधाओं को कितना नुकसान पहुंचाया है, यह स्पष्ट नहीं है। विशेषज्ञों का मानना है कि इन सुविधाओं को सिर्फ बाहरी नुकसान हुआ है क्योंकि कोई रेडिएशन हमलों के बाद नहीं हुआ। वहीं ये भी सामने आया है कि ईरान ने 60% तक समृद्ध यूरेनियम को इन हमलों से पहले ही ट्रांसफर कर दिया था।

खामेनेई सत्ता में बरकरार

इजरायल ने लड़ाई शुरू होने के एक दिन बाद ही अपने युद्ध के टारगेट में तेहरान में सत्ता परिवर्तन की बात जोड़ दी थी। इजरायली पीएम नेतन्याहू ने ईरानी लोगों से अपनी सरकार के खिलाफ सड़कों पर आने की बात कही तो डोनाल्ड ट्रंप ने भी ये संकेत दिए कि अमेरिका तेहरान से अली खामेनेई की सत्ता को उखाड़ना चाहता है। विदेशो में रह रहे खामेनेई विरोधियों के बयान भी आने लगे थे कि ईरान में सत्ता परिवर्तन जरूरी है।

तेहरान में जमीन पर इजरायल और अमेरिका की अपीलों के उलट दिखा। तेहरान में लोगों ने सड़कों पर उतरकर युद्ध के मुश्किल समय में अली खामेनेई के साथ अपनी एकजुटता दर्शाई। इस दौरान कई लोगों के हाथों मे खामेनेई और इजरायली हमलों में मारे गए सैन्य अफसरों की तस्वीरें देखी गईं।

साफ है कि तेहरान में इस युद्ध ने खामेनेई की पकड़ कमजोर के बजाय मजबूत ही की है।

ड्रग माफियाओं पर बड़ी कार्रवाई, 285 लोग गिरफ्तार

आधे टन से ज्यादा ड्रग्स बरामद

जकार्ता, 24 जून (एजेंसियां)। दक्षिण-पूर्व एशिया में ड्रग तस्करी का बड़ा केंद्र माने जाने वाले इंडोनेशिया में प्रशासन ने नशे के कारोबार पर बड़ी कार्रवाई की है। इंडोनेशियाई अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि बीते दो महीने में देश के 20 इलाको में चलाए गए विशेष अभियान के तहत कुल 285 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें 29 महिलाएं और सात विदेशी नागरिक शामिल हैं। इस दौरान अधिकारियों ने आधे टन से ज्यादा नशीले पदार्थ भी जब्त किए हैं।

इंडोनेशिया की राष्ट्रीय नारकोटिक एजेंसी के प्रमुख मार्थिनस हुकोम ने जानकारी दी कि गिरफ्तार किए गए 285 लोगों में 29 महिलाएं और अमेरिका, कजाकिस्तान, मलएशिया, भारत और ऑस्ट्रेलिया समेत सात विदेशी नागरिक शामिल हैं। हुकोम ने बताया कि गिरफ्तार की गई महिलाओं में से अधिकतर शादीशुदा हैं और उनके पास कोई स्थायी रोजगार नहीं है। उन्होंने इंडोनेशियाई महिलाओं से अपील की कि वे असली दुनिया के साथ-साथ इंटरनेट पर भी सतर्क रहें और गलत संगत से बचें।

कितनी मात्रा में नशीला पदार्थ जब्त

नारकोटिक एजेंसी के डिप्टी बुदी विबोवो ने बताया कि अधिकारियों ने 683,885 ग्राम (करीब 0.68 टन) क्रिस्टल मेथ, गांजा, एक्सटेसी, टीएचसी, हैशिश और एम्फेटामिन जब्त किए हैं। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी मात्रा में नशा जब्त होने से 13 लाख से ज्यादा लोगों तक यह जहर पहुंचने से बच गया। ड्रग्स तस्कर अलग-अलग रास्तों से नशीले पदार्थ देशभर में पहुंचाने की कोशिश करते थे, जिनमें सड़क मार्ग, समुद्री मार्ग और डाक सेवाएं शामिल हैं।

अधिकारियों ने बताया कि इस अभियान के दौरान दो बड़े ड्रग सिंडिकेट्स की मनी लॉन्ड्रिंग गतिविधियों का भी भंडाफोड़ किया गया। इन गिरोहों की कुल 26 अरब रुपये (करीब 1.5 मिलियन डॉलर) की संपत्ति जब्त की गई है। इस दौरान 36 संदिग्धों को मीडिया के सामने पेश किया गया, जिनमें 21 महिलाएं भी शामिल थीं।

एक अन्य अभियान के तहत मई में रियाउ आइलैंड प्रांत में समुद्री क्षेत्र से 2.7 टन क्रिस्टल मेथ और 1.2 टन केटामाइन जब्त किया गया। अधिकारियों के मुताबिक, इन इलाकों के रास्ते ड्रग्स की बड़े पैमाने पर तस्करी की जाती है।

इंडोनेशिया के सुरक्षा मामलों के मंत्रालय के अधिकारी मोहम्मद हसन ने बताया कि 2023 में 52,000 से ज्यादा ड्रग मामलों का खुलासा हुआ था। वहीं 2024 में यह संख्या बढ़कर 56,000 से अधिक हो गई है। इस साल अब तक 7.5 टन क्रिस्टल मेथ और 3.3 टन गांजा जब्त किया जा चुका है, जिसकी कीमत करीब 454.6 मिलियन डॉलर आंकी गई है। नवंबर 2024 तक कुल 27,357 लोगों को ड्रग तस्करी के मामलों में गिरफ्तार किया गया है।

इंडोनेशिया में नशे से जुड़े अपराधों के लिए सख्त कानून हैं। यहां ड्रग तस्करी में दोषी पाए जाने पर फांसी की सजा तक दी जाती है। वर्तमान में 530 लोग, जिनमें 96 विदेशी शामिल हैं, ड्रग्स मामलों में मौत की सजा का इंतजार कर रहे हैं।

अंतिम बार 2016 में चार लोगों को फायरिंग स्क्वाड के जरिए फांसी दी गई थी।

पाकिस्तान के मददगार तुर्की के खिलाफ 'ऑपरेशन' शुरू?

एथेंस, 24 जून (एजेंसियां)। क्या ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान की मदद करने वाले तुर्की के खिलाफ भारत का 'ऑपरेशन' शुरू हो गया है? ये सवाल इसलिए उठ रहे हैं क्योंकि भारतीय वायुसेना के प्रमुख अमर प्रीत सिंह ग्रीस के दौरे पर पहुंचे हैं। ग्रीस और तुर्की के बीच के रिश्ते काफी खराब रहे हैं और लंबे समय से मांग उठ रही थी कि तुर्की को काउंटर करने के लिए भारत को ग्रीस के साथ सैन्य सहयोग बढ़ाने चाहिए। ग्रीस पहुंचने पर भारतीय वायुसेना के प्रमुख एपी सिंह का स्वागत हेलेनिक एयर फोर्स (एचएएफ) के चीफ लेफ्टिनेंट जनरल दिमोस्थेनीस ग्रिगोरियादिस ने किया। दिखने में यह यात्रा एक सामान्य सैन्य सहयोग का हिस्सा लग सकती है, लेकिन इसके राजनीतिक और रणनीतिक मतलब कहीं ज्यादा हैं।

भारत और ग्रीस के बीच इनियोचोस 23 और "इनियोचोस 25" नाम के बहुपक्षीय युद्धाभ्यास होते हैं। हालांकि 'तरंग शक्ति' सैन्य अभ्यास के साथ दोनों देशों के बीच सैन्य संबंध पहले से ही रहे हैं, लेकिन वायुसेना प्रमुख एपी सिंह के इस दौरे के समय और उसके मतलब ने तुर्की को चिंतित कर दिया होगा। यह वही तुर्की है जो पाकिस्तान का रणनीतिक साझेदार बना हुआ है और हाल ही में भारत विरोधी आवाजों के लिए एक प्रमुख मंच बना हुआ है ग्रीस पहुंचने पर भारतीय वायुसेना प्रमुख को हेलेनिक वायुसेना (एचएएफ) के संगठन, मिशन और ऑपरेशनल गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई। इसके अलावा दोनों देशों के बीच ऑपरेशन और ट्रेनिंग जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की गई है। ग्रीस दौरे के दौरान भारतीय वायु सेना प्रमुख, एचएएफजीएस के प्रमुख के साथ, हेलेनिक वायु सेना के लड़ाकू विंग के साथ-साथ तातोई में डेकेलिया एयर बेस पर हेलेनिक वायु सेना एकेडमी का दौरा करने वाले हैं।

ईरान की छाती पर चढ़कर मूंग दलने वाले मोसाद की कहानी

कैसे तेहरान में घुसकर खामेनेई के न्यूक्लियर ड्रीम की खोद डाली कब्र?

तेहरान/तेल अवीव, 24 जून (एजेंसियां)। ईरान के पूर्व राष्ट्रपति महमूद अहमदीनेजाद ने साल 2021 में एक सनसनीखेज दावा किया था। उन्होंने खुलासा करते हुए बताया था कि कैसे इजरायल की खुफिया एजेंसी मोसाद, ईरान में चप्पे-चप्पे पर मौजूद है। उन्होंने कहा था कि ईरान में इजरायली खुफिया एजेंसी मोसाद के ऑपरेशंस को फेल करने के लिए काउंटर-मोसाद इकाई का गठन किया गया और कई महीनों के बाद पता चला, कि उस एजेंसी के प्रमुख समेत कई अधिकारी, असल में मोसाद के ही एजेंट थे। पिछले कई सालों से इजरायली खुफिया एजेंसियों ने ईरान में एक खतरनाक जासूसी नेटवर्क बना रखा है और इसी नेटवर्क ने 13 जून को ईरान में इजरायली हमले की बुनियाद रखी थी। मोसाद के बनाए प्लान के मुताबिक ही इजरायल ने अचानक ईरान के एयर डिफेंस सिस्टम को खत्म करना शुरू कर दिया,

मोसाद के इंटेलिजेंस के आधार पर ही इजरायल ने सटीक हमला करते हुए ईरान की सेना के टॉप अधिकारियों को खत्म कर दिया। खुलासा हुआ है कि ईरान के एंटी-एयरक्राफ्ट मिसाइलों को खत्म करने के लिए मोसाद ने पहले ही तस्करी के जरिए ईरान में इजरायली हथियार पहुंचा दिए थे और ईरान के अंदर से ही ईरानी मिसाइलों को खत्म कर दिया।

इजरायल ने जब 13 जून को ईरान पर हमले शुरू किए थे और शीर्ष जनरलों की हत्या की थी, उसका पूरा प्लान मोसाद ने ही तैयार किया था। इस पूरे ऑपरेशन की प्लानिंग मोसाद ने काफी पहले कर ली थी। रिपोर्ट के मुताबिक 13 जून को ईरान पर हुए विनाशकारी हमले से पहले मोसाद ने करीब 3 सालों की तैयारी की थी। इस दौरान ईरान के अंदर छोटे आकार के ड्रोन और विशेष हथियार खुफिया एजेंटों ने तस्करी कर पहुंचाए थे। हथियारों के अलग अलग पार्ट्स को अलग अलग रास्तों से पहुंचाए गये थे। मोसाद ने ऑपरेशनल बेस भी ईरान के भीतर ही तैयार किया था जहां से ये ड्रोन सीधे मिसाइल लॉन्चर और एयर डिफेंस सिस्टमों को निशाना बना सकते थे। यही वजह है कि ईरान, मोसाद की मदद करने वालों को पकड़ने के लिए खतरनाक अभियान चला रहा है और दर्जनों लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

मोसाद के पूर्व रिसर्च डायरेक्टर सिमा शाइन ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि यह हमला ईरान के परमाणु कार्यक्रम को निशाना बनाने के लिए मोसाद की तरफ से किए गये सालों की कोशिश का परिणाम है।

इजरायली अधिकारियों के मुकाबिक मोसाद के एजेंट्स ने ईरान के अंदर एक लॉन्च बेस बनाया था और ईरान के मिसाइल लॉन्चरों पर हमला करने के लिए विस्फोटक ड्रोन का एक नेटवर्क तैयार किया था। मोसाद ने ईरान की राजधानी तेहरान के पास एक गुप्त बेस बनाया था और यहीं से ईरानी सतह से सतह पर मार करने वाले मिसाइल लॉन्चरों पर हमला किया गया। द इकोनॉमिस्ट की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस गुप्त ऑपरेशन में इजरायल ने कई मिलियन डॉलर खर्च किए।

ईरान का 400 किलो यूरेनियम कहां गायब हुआ

बनाए जा सकते हैं 10 परमाणु बम खौफ में अमेरिका और इजरायल

तेहरान, 24 जून (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इजरायल और ईरान के बीच सीजफायर होने का ऐलान किया है। इस सीजफायर की इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू और ईरान दोनों ने पुष्टि की है। इस बीच इजरायल ने कहा है कि ईरान ने एक बार फिर से मिसाइलें दागी हैं। इजरायल ने करारा जवाब देने का ऐलान भी कर दिया है। वहीं 12 दिन की लड़ाई के बाद भी इजरायल और अमेरिका ईरान के परमाणु ठिकाने को पूरी तरह से तबाह नहीं कर पाए। यही नहीं ईरान ने 60 फीसदी तक संवर्द्धित 400 किलो ईरानी यूरेनियम कहां गायब हो गया है, इसको लेकर इजरायल और अमेरिका टेंशन में हैं। इस 400 किलो के यूरेनियम से 10 परमाणु बम बनाया जा सकता है।

न्यूयॉर्क टाइम्स ने इजरायली अधिकारियों के हवाले से बताया कि अमेरिका के बंकर बस्टर बम से हमले से पहले ईरान ने 400 किलो यूरेनियम को फोर्डो न्यूक्लियर संयंत्र से हटा लिया था। इस यूरेनियम को किसी सीक्रेट जगह पर पहुंचा दिया गया है। अमेरिका ने 6 बंकर बस्टर बम को ईरान के 3 परमाणु संयंत्रों पर गिराया था। यह गायब हुआ यूरेनियम अब ईरान के लिए फायदेमंद हो सकता है। ईरान इसकी मदद से मोलभाव कर सकता है। यह यूरेनियम अगर 90 फीसदी तक संवर्द्धित कर लिया जाता है तो उससे परमाणु बम बनाया जा सकता है। ईरान अब अगली परमाणु डील बातचीत के दौरान इस यूरेनियम के लिए बड़ा मोलभाव कर सकता है। सैटलाइट की तस्वीरों से पता चलता है कि ईरान 16 ट्रकों की मदद से फोर्डो प्लांट से सामान निकाल रहा है।

अपाचे बाइक खरीदकर लौट रहे दो दोस्त जिंदा जले

खंभे से टकराए, आधे घंटे जलते रहे

मथुरा, 24 जून (एजेंसियां)। मथुरा में नई अपाचे बाइक खरीदकर लौट रहे दो दोस्त जिंदा जल गए। बाइक की स्पीड चेक करते समय दोनों खंभे से टकरा गए। इसके बाद बाइक में भीषण आग लग गई। दोनों दोस्त करीब 30 मिनट तक जलते रहे। चीखें सुनकर राहगीर दौड़कर मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी।

इसके बाद पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। आग बुझाकर दोनों दोस्तों को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसा मांट-वृंदावन मार्ग पर हाथी बाबा आश्रम के पास रविवार रात 1 बजे हुआ।

मांट थाना प्रभारी निरीक्षक जसबीर सिंह ने बताया कि दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

12वीं के स्टूडेंट ने मां की हत्या की

लाश बेड में भरी, मां ने बर्तन माजने को कहा तो दुपट्टे से गला घोटा

कानपुर, 24 जून (एजेंसियां)। कानपुर में मंगलवार को बड़े बेटे ने मां की गला कसकर हत्या कर दी। गला दुपट्टे से कसकर बेड के अंदर भर दिया। छोटा बेटा जब स्कूल से आया, तो पूछा कि मां कहां है। बड़ा भाई कुछ नहीं बोला। जब मां के कमरे में गया, तो वो बेड के अंदर बेहोश पड़ी थीं। छोटे बेटे ने मामा और पुलिस को जानकारी दी। पुलिस पहुंचीं, तो मां की सांसें चल रही थीं। अस्पताल लेकर गई। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

रावतपुर निवासी सुभाष सचान मार्केटिंग का काम करते हैं। वो अक्सर काम के सिलसिले में घर से बाहर रहते हैं। परिवार में पत्नी (मृतका) उर्मिला सचान, दो बेटे हैं। बड़े बेटे का नाम सत्यम सचान है जो 12वीं का छात्र है। जबकि छोटे बेटे का अमन सचान है, जो 11वीं का छात्र का है। दोनों आर्मापुर के केंद्रीय विद्यालय-2 में पढ़ते हैं। सुभाष इन दिनों बरेली में हैं।

छोटे बेटे अमन ने बताया-मैं आज सुबह स्कूल गया था। बड़े भइया सत्यम सचान नहीं गए थे। वो घर पर ही थे। मेरी ड्यूटी सुबह बर्तन माजने की थी, जबकि भइया का का झाड़ू लगाना था। मैं लेट हो रहा था, इसलिए बिना बर्तन माजे घर से चल गया। इस पर मां ने बड़े भइया से कहा कि वो बर्तन माज दे। इस पर भाई का मां से विवाद हो गया। उन्होंने मां का दुपट्टे से गला कस दिया। इसके बाद बेड में भर दिया। मैं मां को बेड से बाहर निकाला। मामा नंद किशोर कटियार को सूचना दी। फिर पुलिस को बुलाया।

फ्रांस म्यूजिक फेस्टिवल के दौरान लोगों पर सुई से हमला

पेरिस, 24 जून (एजेंसियां)। फ्रांस में 21 जून को एनुअल स्ट्रीट म्यूजिक फेस्टिवल 'फेते डे ला म्यूजिक' के दौरान कुछ संदिग्धों ने फेस्टिवल में आए लोगों को भीड़ का फायदा उठाते हुए इन्जेक्शन लगा दिए। सिरिंज हमले अक्सर अचानक और छिपकर किए जाते हैं।

द गार्डियन के मुताबिक ये स्पष्ट नहीं है कि इन्जेक्शन में डेट-रेप ड्रग्स जैसे रोहिप्नोल या जीएचबी दिए गए या नहीं। ये ड्रग्स लोगों को बेहोश नशे में लाने के लिए इस्तेमाल होते हैं। कुछ पीड़ितों को टॉक्सिकोलॉजी टेस्ट के लिए अस्पताल ले जाया गया।

घटना के बाद मौके पर अफरातफरी का माहौल हो गया। कई संदिग्धों ने मौके पर तोड़फोड़ भी की। घटना का विडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

इन्जेक्शन देने की शिकायत के बाद पुलिस ने 12 संदिग्धों को हिरासत में लिया। इससे पहले एक फेमिनिस्ट इन्फ्लुएंसर ने पहले चेतावनी दी थी कि सोशल मीडिया पर महिलाओं को सिरिंज से निशाना बनाने की बातें हो रही थीं। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि ये पोस्ट कहां या किसने किए।

फ्रांस के गृह मंत्रालय ने बताया कि देशभर में 145 लोगों ने सिरिंज से चुभने की शिकायत की, जिनमें पेरिस में 13 मामले शामिल हैं। पेरिस में तीन लोगों, जिनमें एक 15 साल की लड़की और 18 साल का लड़का शामिल है, ने सिरिंज से चुभने की शिकायत की।

इससे पहले 2022 में भी क्लब, बार और संगीत आयोजनों में सिरिंज हमलों की शिकायतें आई थीं। सरकार ने तब लोगों को

म्यांमार के 'खजाने' पर चीन की नजर

गृहयुद्ध से जूझते देश के सहारे चीन कैसे बना रहा है दुनिया में दबदबा

नेपीडा, 24 जून (एजेंसियां)। म्यांमार में 2021 में हुए सैन्य तख्तापलट के बाद से लगातार अराजकता फैली हुई है। म्यांमार में जुंटा सेना और विद्रोही समूहों के बीच लगातार सैन्य झड़पें हो रही हैं। म्यांमार के गृहयुद्ध के बीच चीन उसके दुर्लभ खनिज तत्वों की खदानों (रेयर अर्थ माइन) पर प्रभाव बढ़ाने की कोशिश में लगा है। म्यांमार के जुंटा शासन और विद्रोही गुटों में संतुलन साधते हुए चीन खनिज तत्वों के वैश्विक बाजार पर दबदबा बना रहा है। हालांकि म्यांमार की अस्थिरता ने दुर्लभ पृथ्वी तत्वों की आपूर्ति में चीन के लिए जोखिम बढ़ाया है।

म्यांमार दुर्लभ पृथ्वी उत्पादन के दुनिया के सबसे बड़े आपूर्तिकर्ताओं में से एक है। विशेषज्ञों का कहना है कि इनमें से अधिकांश धातुएं चीन को भेजी जाती हैं। चीन इससे दुर्लभ पृथ्वी निर्यात पर नियंत्रण बढ़ा रहा है, जिससे वैश्विक स्तर पर कमी हो रही है और उद्योगों की चीनी आपूर्ति श्रृंखला पर निर्भरता बढ़ रही है। चीन दुनिया का शीर्ष दुर्लभ पृथ्वी उत्पादक है लेकिन फिर भी वह इन धातुओं वाले कच्चे माल का आयात करता है।

सेंटर फॉर स्ट्रैटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज (सीएसआईएस) की ग्रैसलिन बास्करन ने सीएनबीसी को बताया कि 2024 में चीन के कुल दुर्लभ पृथ्वी आयात में म्यांमार की हिस्सेदारी 57% थी। चीनी सीमा शुल्क डेटा के अनुसार, म्यांमार से चीन को दुर्लभ पृथ्वी निर्यात 2018 में काफी बढ़ गया और 2023 तक 42,000 मीट्रिक टन के शिखर पर पहुंच गया।

बास्करन ने कहा कि म्यांमार से आयात में भारी दुर्लभ पृथ्वी तत्व सामग्री विशेष रूप से अधिक है, जो आम तौर पर पृथ्वी की परत में कम मात्रा में होती है। इससे इनकी कीमत बढ़ जाती है।

म्यांमार के उत्पादन ने चीन की प्रमुख स्थिति को काफी मजबूत किया है, जिससे बीजिंग को वैश्विक भारी दुर्लभ पृथ्वी आपूर्ति श्रृंखला पर वास्तविक एकाधिकार मिल गया है। वुड मैकेंजी के दुर्लभ पृथ्वी तत्व के एक वरिष्ठ सलाहकार यू वांग ने सीएनबीसी को बताया कि म्यांमार में आईएसी खनिकों से निकाले गए दुर्लभ पृथ्वी को आगे प्रसंस्करण और शोधन के लिए ज्यादातर दुर्लभ पृथ्वी ऑक्साइड के रूप में चीन भेजा जाता है। चीन ने प्रभावी रूप से अपने अधिकांश दुर्लभ पृथ्वी निष्कर्षण को म्यांमार को आउटसोर्स किया है। चीन की दुर्लभ पृथ्वी के लिए म्यांमार पर निर्भरता ने इसे आपूर्ति श्रृंखला जोखिमों के लिए खोल दिया है।

एनएसए डोभाल की चीनी विदेश मंत्री से मुलाकात

बोले-आतंकवाद का मुकाबला करना जरूरी, राजनाथ भी एससीओ की मीटिंग में हिस्सा लेने चीन जाएंगे

बीजिंग, 24 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने सोमवार को बीजिंग में चीन के स्टेट काउंसलर और विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात की। यह बैठक शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सुरक्षा सलाहकारों की 20वीं बैठक के मौके पर हुई।

इस दौरान डोभाल ने साफ तौर पर कहा कि क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए आतंकवाद के हर रूप का मिलकर मुकाबला करना जरूरी है। भारत के विदेश मंत्रालय ने बताया कि बैठक में दोनों देशों ने आपसी रिश्तों की हालिया प्रगति की समीक्षा की और दोनों देशों के नागरिकों के बीच संबंध बढ़ाने पर जोर दिया। इससे पहले दिसंबर 2024 में भी डोभाल और वांग ने बीजिंग में बैठक की थी, जहां कैलाश मानसरोवर यात्रा, ट्रांस-बॉर्डर नदी सहयोग और नाथुला ट्रेड जैसे मुद्दों पर 6 सहमतियों पर फैसला हुआ था। बैठक में यह तय हुआ कि अजीत डोभाल और वांग यी भारत में स्पेशल रिप्रजेंटेटिव (एसआर) स्तर की 24वीं वार्ता में जल्द मुलाकात करेंगे। एनएसए डोभाल ने यह भी कहा कि सीमा पर शांति बनाए रखना और आतंकवाद से कठोरता से निपटना जरूरी है। यह बैठक ऐसे समय में हुई है जब भारत और पाकिस्तान के बीच 7 से 10 मई तक सैन्य झड़प हुई थी, जिसकी शुरुआत 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद हुई थी। चीन ने उस आतंकी हमले की निंदा तो की थी, लेकिन साथ ही यह भी सामने आया था कि उसने पाकिस्तान को जंग के दौरान हथियारों दिए हैं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी 25 से 27 जून तक चीन के किंगदाओ शहर में होने वाली शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की रक्षा मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेंगे। इस बैठक में पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ भी शामिल होंगे। यह किसी भी भारतीय मंत्री का 7 साल बाद चीन का दौरा होगा। इससे पहले अप्रैल 2018 में उस समय की विदेश मंत्री सुषमा स्वराज गई थीं।

होर्मुज स्ट्रेट क्या है, जिसे रोक सकता है ईरान

इसी रूट से अरब देशों की कमाई, चीन की 90% तेल सप्लाई

तेहरान, 24 जून (एजेंसियां)। रोजाना दुनिया में तेल ट्रांसपोर्ट करने वाला हर 5वां शिप, एक संकरे से जलमार्ग से होकर गुजरता है। नाम है- होर्मुज स्ट्रेट। ईरान ने अपने तीन परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी बमबारी के जवाब में 'होर्मुज स्ट्रेट' बंद करने की धमकी दी है। अगर ऐसा हुआ, तो अमेरिका के पावर प्लांट से भारत के पेट्रोल पंप तक थम सकते हैं। सबसे बड़ी मुश्किल में चीन फंसेगा, क्योंकि उसका 90% तेल इसी रास्ते से जाता है।

होर्मुज स्ट्रेट एक संकरा जलमार्ग है, जो फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी से और आगे अरब सागर से जोड़ता है। इसके उत्तर में ईरान सटा है। दक्षिण में ओमान और संयुक्त अरब अमीरात यानी यूएई है। इसके आसपास सभी तेल उत्पादक देश हैं। इसलिए इस जलीय रास्ते से दुनियाभर में तेल की सप्लाई होती है। होर्मुज स्ट्रेट करीब 167 किमी लंबा है। इसके दोनों मुहाने करीब 50 किमी चौड़े हैं, जबकि सबसे संकरा हिस्सा करीब 33 किमी चौड़ा है। इसमें आने-जाने वाले समुद्री ट्रैफिक के लिए 3 किमी चौड़ी शिपिंग लेन तय है। अमेरिका के एनर्जी इंफॉर्मेशन एडमिनिस्ट्रेशन यानी ईआईए के मुताबिक, दुनिया के कुल पेट्रोलियम में से करीब 20% होर्मुज स्ट्रेट से होकर गुजरता है। हर दिन लगभग 1.78 करोड़ बैरल से 2.08 करोड़ बैरल कच्चा तेल और ईंधन इस रूट से जाता है।

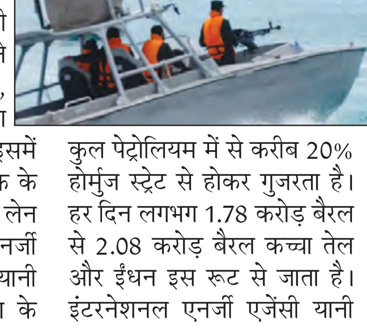

इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी यानी आईईए के मुताबिक, ईरान खुद रोजाना 17 लाख बैरल पेट्रोलियम इस रूट से निर्यात करता है। इस रास्ते से गुजरने वाली कमर्शियल शिप की सुरक्षा अमेरिकी नेवी की एक टुकड़ी करती है।

ईरान के अलावा दूसरे गल्फ देश जैसे ईराक, कुवैत, सऊदी अरब और यूएई भी इसे रास्ते से अपना ज्यादातर तेल निर्यात करते हैं। इसमें से ज्यादातर निर्यात एशियाई देशों को होता है।

2022 में होर्मुज से गुजरने वाले कुल तेल का 82% एशियाई देशों में गया था।

यमुना जल बंटवारे पर बनी सहमति
करोड़ों लोगों को होगा फायदा
सीएम भजनलाल की हरियाणा सीएम से हुई बात

जयपुर, 24 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी के बीच फोन पर हुई वार्ता में भिवाड़ी की जल निकासी और यमुना जल बंटवारे जैसे लंबित मुद्दों पर अहम सहमति बनी। दोनों राज्यों ने आपसी समन्वय से इन समस्याओं के स्थायी समाधान की दिशा में कदम बढ़ाने का फैसला किया है।

दरअसल, यह सहमति न केवल औद्योगिक और रिहायशी क्षेत्रों में जलभराव की समस्या को हल करेगी, बल्कि यमुना जल बंटवारे के ऐतिहासिक समझौते को भी गति देगी।

दोनों ने स्थायी समाधान पर जोर दिया

बताते चलें कि भिवाड़ी का भौगोलिक स्वरूप ऐसा है कि वहां का बारिश का पानी स्वाभाविक रूप से हरियाणा की ओर बहता है। मानसून के दौरान जल निकासी में बाधा उत्पन्न होने से भिवाड़ी के उद्योगों और रिहायशी इलाकों में जलभराव की गंभीर समस्या पैदा हो जाती है।

बातचीत के दौरान इस मुद्दे को हल करने के लिए दोनों मुख्यमंत्रियों ने तकनीकी और प्रशासनिक स्तर पर स्थायी समाधान के लिए सहयोग पर जोर दिया। राजस्थान सरकार ने भिवाड़ी के औद्योगिक जल को पूर्ण रूप से शोधित करने की व्यवस्था कर ली है। अब केवल शोधित जल की निकासी सुनिश्चित की जाएगी, जिसकी सख्त निगरानी भी होगी।

दोनों नेताओं ने सकारात्मक चर्चा की

यमुना जल बंटवारे के मुद्दे पर भी दोनों नेताओं ने सकारात्मक चर्चा की। इस ऐतिहासिक समझौते को लागू करने के लिए दोनों राज्य संयुक्त रूप से विस्तृत प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करेंगे। साथ ही, इस माह के अंत तक पाइपलाइन के लिए जमीनी अलाइनमेंट सर्वे शुरू किया जाएगा। यह परियोजना दोनों राज्यों के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ा कदम साबित होगी।

मुख्यमंत्री कार्यालय के अनुसार, यह सहमति दोनों राज्यों के बीच वर्षों से चली आ रही जल संबंधी समस्याओं को निर्विवाद रूप से हल करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति है।

गौरतलब है कि भिवाड़ी में जल निकासी की समस्या लंबे समय से उद्योगों और स्थानीय निवासियों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई थी। राजस्थान सरकार ने इस दिशा में पहले ही कई कदम उठाए हैं, जिसमें औद्योगिक जल को शुद्ध करने की व्यवस्था शामिल है। हरियाणा के सहयोग से इस समस्या का स्थायी समाधान निकाला जाएगा।

डोटासरा की एसपी को खुली चुनौती
बोले- हिम्मत है तो प्रमोद भाया की तरफ आंख उठाकर देखना

बारां, 24 जून (एजेंसियां)। बारां में आयोजित संविधान बचाओ रैली में कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविंदसिंह डोटासरा ने एक बार फिर केंद्र और राज्य सरकार पर तीखे हमले किए। रैली के दौरान डोटासरा ने मंच से बारां जिले के पुलिस अधीक्षक को खुली चुनौती देते हुए कहा कि अगर भजनलाल सरकार और उनके अधिकारी में हिम्मत है तो प्रमोद जैन भाया की तरफ आंख उठाकर दिखाएं। पूरी कांग्रेस पार्टी उनके साथ खड़ी है।

डोटासरा ने पुलिस की मौजूदगी में एसपी को सीधे निशाने पर लेते हुए कहा कि झूठे मुकदमे दर्ज कराना एसपी की आदत बन गई है। वह सिर्फ झूठे केस दर्ज कर सकता है, लेकिन गिरफ्तार नहीं कर सकता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार पर भी तीखे आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर देश को कमजोर किया जा रहा है। मोदी सरकार बेरोजगारी, महंगाई, किसानों की आय दोगुनी करने, विदेश नीति सुधारने और एक के बदले दस सिर जैसे वादों पर पूरी तरह विफल रही है। उन्होंने आगे कहा कि पहली बार सरकार बनने पर भूमि अधिग्रहण कानून को बदलकर अडाणी-अंबानी को जमीन देने की साजिश की गई और दूसरी बार सत्ता में आने पर काले कृषि कानून लागू किए, जिससे किसानों को सड़कों पर उतरना पड़ा।

राजस्थान की मौजूदा भाजपा सरकार को भी डोटासरा ने आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि सरकार बने डेढ़ साल हो गए हैं लेकिन प्रदेश में कानून-व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं बची है। आए दिन फायरिंग की घटनाएं हो रही हैं, अवैध बजरी माफिया अधिकारियों की हत्या तक कर रहे हैं। सरकार कांग्रेस नेताओं को निशाना बनाने में लगी है। अगर कोई अधिकारी भाजपा का पिट्ठू बनकर काम करेगा, तो हम उसे कांग्रेस की ताकत दिखा देंगे।

उल्लेखनीय है कि कांग्रेस की ओर से पूरे प्रदेश में संविधान बचाओ रैली निकाली जा रही है। कोटा के बाद अब यह रैली बारां जिले में आयोजित हुई, जिसमें नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, प्रदेशाध्यक्ष गोविंदसिंह डोटासरा, पूर्व मंत्री प्रमोद जैन भाया, अशोक चांदना, प्रह्लाद गुंजल और कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता व कार्यकर्ता शामिल हुए।

भारी बारिश से बाढ़ जैसे हालात : भूस्खलन से हाइवे पर गिरी चट्टानें, बह गई पुलिया, 1 की मौत, 37 को किया रेस्क्यू

बारां, 24 जून (एजेंसियां)। लगातार हो रही बारिश से कई नदी-नाले उफान पर आ गए। इससे कई गांवों का संपर्क आपस में कट गया। पिछले 24 घंटों में सर्वाधिक बरसात शाहाबाद उपखंड में 193 मिमी दर्ज की गई। बारिश से मांगरोल में 70 साल पुरानी दीवार ढ़हने से एक बच्चे की मौत हो गई और एक घायल हो गया। देवरी में पलको नदी का पानी आने से बस्तियों में जलप्लावन हो गया। छत्रगंज-जलवाड़ा की रपट भी टूट गई। नाहरगढ़ में बांदीपुरा तालाब में रिसाव हो गया। कस्बाथाना में पलको नदी में पुल निर्माण के दौरान काम आने वाले उपकरण आदि बह गए। साथ ही नदी में एक ट्रक फंस गया। अटरू के पास पार्वती-किशनपुरा बांध पर 12 फीट की चादर चल रही है। यहां पर हाइलेवल ब्रिज के पिलर बहाव में 25 फीट तक डूब गए।

चरवाहों और मवेशियों को निकाला

सूचना मिली कि ग्राम पंचायत यावदा की सीमा पर स्थित ग्राम पीतामपुरा व रामपुरा के मध्य चारागाह भूमि पर रुके हुए पाली, ब्यावर, अजमेर, भीलवाड़ा व प्रतापगढ़ जिलों से आए भेड़पालक पार्वती नदी के बढ़ते जलस्तर के कारण नदी के टापू में फंस गए हैं। तत्काल एसडीआरएफ टीम को मौके पर भेजा गया। अतिरिक्त जिला कलक्टर शाहाबाद, तहसील प्रशासन और जिला अधिकारी बारां से मौके पर पहुंचे। दैगनी पुलिया के रास्ते से प्रशासनिक टीम वहां पहुंची, जहां 21 पुरुष, 8 महिलाएं और बच्चे, कुल 29 लोग, 2450 भेड़, 31 ऊंट, 1 खच्चर, 9 कुत्ते फंसे हुए थे।

एसडीआरएफ और स्थानीय लोगों की मदद से सभी को सुरक्षित बाहर निकाला गया और ग्राम रामपुरा सुंडा के प्राथमिक विद्यालय में शिफ्ट किया गया। ग्राम पंचायत की ओर से भोजन व पानी की व्यवस्था भी करवाई गई। इधर, थाना नाहरगढ अन्तर्गत पार्वती नदी के टापू पर फंसे 5 ग्रामीणों का एसडीआरएफ ने रेस्क्यू किया।

बारां में तैनात रेस्क्यू टीमों बी-3 और बी-4 के प्रभारी हैड कॉन्स्टेबल रामनिवास, करण सिंह को सूचना मिलने पर के लिए रवाना किया गया। दोनों रेस्क्यू टीम प्रभारी 20 जवानों की टीम तथा आपदा राहत उपकरणों के साथ घटनास्थल पहुंचे।

मोटर बोट की सहायता से रेस्क्यू ऑपरेशन को अंजाम दिया गया। टीम कमाण्डर के निर्देश पर रेस्क्यू टीम मोटर बोट से पारकर टापू पर फंसे ग्रामीणों के पास पहुंचे। रेस्क्यू टीम ने टापू पर फंसे 5 ग्रामीणों को लाइफ जैकेट पहनाकर नदी पार करवाई। बचाए गए ग्रामीणों के नाम भीमराज सुमन, रघुराज सुमन, भागचन्द सुमन, प्रदीप सुमन, नरेन्द्र माली सभी ग्राम सुण्डारामपुरा निवासी हैं।

बरनी नदी की पुलिया बही

भंवरगढ़. क्षेत्र में हो रही मूसलाधार बरसात के चलते भंवरगढ़-नाहरगढ़ मार्ग स्थित बरनी नदी की पुलिया तेज बहाव में बह गई। इसके कारण मार्ग पर आवागमन बाधित हो गया। साथ ही विद्युत विभाग की आपूर्ति लाइन भी बह गई। इसके कारण कस्बे सहित क्षेत्र के सभी गांवों की आपूर्ति भी ठप हो गई। ग्रामीणों ने बताया कि मध्यप्रदेश में तेज बरसात के कारण बरनी नदी की पुलिया के ऊपर पानी आ गया। दबाव अधिक होने के कारण तेज बहाव में पुलिया, 123केवी बिजली लाइन बह गई। तभी से इस मार्ग पर आवागमन बंद है।

घायल पैंथर के गले में पट्टा डालकर सेल्फी लेते रहे संवेदनहीन लोग
वन विभाग ने रेस्क्यू कर बचाई जान

बूँदी, 24 जून (एजेंसियां)। जिले के रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व के बफर जोन में एक घायल एवं बीमार मादा पैंथर आबादी के निकट पहुंच गई। पैंथर की हरकतों को देखकर आसपास तमाशबीनों की भीड़ जुट गई और लोग बेबस एवं लाचार पैंथर को पालतू कुत्ते की तरह बांधकर वीडियो बनाने लगे। दोपहर को सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने पर किसी ने वन विभाग को सूचना दी। सूचना पर दलेलपुरा नाका प्रभारी बुद्धराज सिंह हाड़ा मौके पर पंहुचे तथा लोगों को बड़ी मशक्कत से पैंथर से दूर किया। वे होमगार्ड जवान विक्रम गुर्जर व ग्रामीणों के सहयोग से हिम्मत दिखाते हुए पैंथर को बिना ट्रेंकुलाइज किए सिर पर कपड़ा डालकर बाइक से ही लेकर नाके तक आए। बाद में रेंज ऑफिस के केम्पर में पिंजरा रखकर पैंथर को तत्काल कोटा चिड़ियाघर ले जाया गया।

घटनाक्रम में रेस्क्यू टीम प्रभारी बुद्धराज सिंह हाड़ा के साहस एवं तत्परता से पैंथर की जान बच गई तथा समय पर उपचार शुरू हो सका। पैंथर का इलाज करने वाले चिकित्सक विलासराव गुल्हाने के अनुसार पैंथर के सिर व आंखों पर करंट लगने की आशंका है। पैंथर को दिखाई देना बंद होने के कारण उसके इधर-उधर टकराने, कांटों और गड्ढे आदि में गिरने से उसे कई जगह चोट आई है।

पैंथर काफी कमजोर भी हो गया है। चिकित्सकों ने उपचार शुरू कर उसे बचाने के प्रयास तेज कर दिए है। पूर्व मानद वन्यजीव वार्डन पृथ्वी सिंह राजावत ने कहा कि जिले में टाइगर रिजर्व बनने के बाद वन्यजीवों की संख्या बढ़ी है। ऐसे में ग्रामीणों व आमजन को वन्यजीवों के प्रति संवेदनशील होना चाहिए। मूक प्राणियों के संकट में होने की सूचना तुरंत वन विभाग या प्रशासन को देना हर नागरिक का कानूनन दायित्व है।

गांव की महिला से था अवैध संबंध
नशे में धुत होकर रात में गया मिलने पति ने पेड़ से बांधकर दी मौत

बीकानेर, 24 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के बीकानेर जिले में अवैध प्रेम-प्रसंग के चलते एक व्यक्ति को खेत में पेड़ से बांधकर पीटने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि व्यक्ति अपनी प्रेमिका से मिलने रात के अंधेरे में उसके घर गया था। प्रेमिका के पति और अन्य लोगों ने उसे पकड़ा और पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दिया। व्यक्ति की मौत से घबराए आरोपी मौके से फरार हो गए। लेकिन पुलिस ने उनमें से तीन को राउंडअप कर लिया है। फिलहाल, पुलिस पूरे मामले की जांच-पड़ताल कर रही है। मृतक व्यक्ति राजूराम मेघवाल के गांव की एक महिला से अवैध प्रेम-प्रसंग था। नशे में धुत होकर महिला से मिलने गया था। जैसे ही वह घर में घुसा, महिला का पति और अन्य लोगों ने उसे पकड़ लिया। रात में करीब दो बजे खेत में ले जाकर पेड़ से बांध दिए और जमकर पिटाई की। महिला का पति और अन्य लोगों ने राजूराम की इतनी पिटाई किया कि वह पहले बेहोश हो गया। फिर उसके मुंह में पानी डालकर होश में लाने के प्रयास किए। लेकिन वह होश में नहीं आया। कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई।

तेज रफ्तार कार की टक्कर से बाइक सवार दंपती की मौत, मंदिर से लौटते वक्त हुआ हादसा

अलवर, 24 जून (एजेंसियां)। शहर के शिवाजी पार्क मोड़ पर दर्दनाक सड़क हादसे में एक दंपती की मौत हो गई। हादसा उस वक्त हुआ जब दंपती त्रिपोलिया महादेव मंदिर से दर्शन कर अपने घर लौट रहा था और घर महज 100 मीटर दूर था, लेकिन तेज रफ्तार और नशे में धुत कार चालक ने उनकी जिंदगी छीन ली।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार रात करीब 10 बजे एक युवक तेज रफ्तार कार से शिवाजी पार्क मोड़ पर पहुंचा और पहले एक स्कूटी को टक्कर मारी। इसके बाद सामने से आ रहे बाइक सवार दंपती को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दंपती गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत उन्हें अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

हादसे में मृतकों की पहचान शिवाजी पार्क निवासी सतीश विजय और उनकी पत्नी पिंकी विजय के रूप में हुई है। हादसे के वक्त दोनों मंदिर से लौटकर घर आ रहे थे।

कार की टक्कर से उनकी बाइक उछलकर गिर गई और कार भी आगे जाकर पोल से टकराकर रुक गई।

राजसमंद के प्रतापपुरा ब्रिज पर दिनदहाड़े युवक की हत्या से सनसनी

राजसमंद, 24 जून (एजेंसियां)। राजसमंद से इस वक्त बड़ी खबर आ रही है। यहां मंगलवार दोपहर एक युवक की हत्या से सनसनी मच गई। सूचना मिलने पर मौके पर पुलिस पहुंच चुकी है। घटना कांकरोली थाना क्षेत्र की है। माना जा रहा है कि युवक की धारदार हथियारों के जरिए हत्या की गई थी। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी ने बताया कि प्रतापपुरा ब्रिज के ऊपर युवक की हत्या की जानकारी मिली थी।

इसके बाद पुलिस बल तुरंत मौके पर पहुंचा। उन्होंने बताया कि मोटरसाइकिल के नंबरों के जरिए मृतक की पहचान शेर सिंह पुत्र धापु सिंह, निवासी खाखरमाला आमेट के रूप में हुई है। उन्होंने कहा कि एफएसएल की टीम मौके पर पहुंच चुकी है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। पुलिस ने परिजनों को सूचित कर युवक के शव को मोर्चरी में रखवा दिया है। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले ही देवगढ़ थाना क्षेत्र में मंडावर पंचायत के डूंगातो की गुआर में 70 साल की वृद्ध महिला की हत्या कर शव जला दिया गया था। इस मामले में पुलिस ने दो नाबालिग बहनों को निरुद्ध किया था। शुरुआती पूछताछ में उन्होंने बताया था कि वृद्धा ने खाट पर बैठने से मना कर दिया था।

दुश्मन देश के समर्थन में नारे लगाने वाले आरोपियों को कोर्ट ने बरी किया, आठ साल बाद आया फैसला

नागौर, 24 जून (एजेंसियां)। डीडवाना शहर स्थित नागौरी गेट क्षेत्र में आठ साल पहले दुश्मन देश के लिए जिंदाबाद के नारे लगाने के मामले में आरोपित 12 लोगों को कोर्ट ने दोषमुक्त कर दिया है। अपर न्यायिक मजिस्ट्रेट ने भारतीय दंड संहिता की धारा 153 (क), 153 (ख) और 120 (बी) के तहत सभी आरोपियों को आरोपमुक्त कर दिया। अभियोजन पक्ष की ओर से अदालत में 27 गवाहों और 69 दस्तावेजों को पेश किया गया था लेकिन न्यायालय ने इन साक्ष्यों को अपर्याप्त मानते हुए सभी आरोपियों को बरी कर दिया।

मामला 2 जून 2017 का है, जब डीडवाना कस्बे के नागौरी गेट स्थित लोहारों की मस्जिद के पास एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें कथित रूप से 12 लोग पाकिस्तान के समर्थन में नारे लगाते हुए दिखाई दे रहे थे। वीडियो वायरल होने के एक सप्ताह बाद 9 जून 2017 को पुलिस ने मोहम्मद इकबाल, अजहरुद्दीन, फिरोज खान, चिराग हसन, शहजाद कुरैशी, मोहसिन, समीर, तस्लीम, शहजाद रंगरेज, अजहरुद्दीन (द्वितीय) और नौशाद सहित कुल 12 लोगों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया था।

मामले की सुनवाई पिछले आठ वर्षों से अपर न्यायालय में चल रही थी लेकिन कोर्ट ने पर्याप्त साक्ष्य के अभाव में सभी आरोपियों को आरोपों से मुक्त कर दिया। कोर्ट के इस निर्णय के बाद मामला एक बार फिर चर्चा में आ गया है, वहीं स्थानीय स्तर पर फैसले को लेकर मिश्रित प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं।

सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग की ट्रेनिंग ले रहे युवक ने की आत्महत्या, कमरे में फंदे से लटका मिला शव

अलवर, 24 जून (एजेंसियां)। अलवर के कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित संजय नगर कॉलोनी में एक सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग की ट्रेनिंग ले रहे युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान 20 वर्षीय सुनील कुमार प्रजापत के रूप में हुई है, जो मालाखेड़ा थाना क्षेत्र के नेथला गांव का निवासी था।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, सुनील पिछले एक महीने से स्टेशन रोड स्थित एक सॉफ्टवेयर कोचिंग संस्थान से प्रशिक्षण ले रहा था और सुंदर अगर कॉलोनी में अपने रूममेट सत्येंद्र कुमार के साथ किराए पर रह रहा था। साथ ही वह 'सेफ शॉप' नामक एक मार्केटिंग कंपनी से भी जुड़ा हुआ था। रूममेट सत्येंद्र गांव से लौटकर कमरे पर पहुंचा तो दरवाजा अंदर से बंद मिला। खिड़की से झांकने पर सुनील का शव फंदे से लटका हुआ दिखाई दिया।

क्राइम ब्रांच का नकली अधिकारी बनकर उड़ा रहा था मौज, असली पुलिस ने हिरासत में लिया

बीकानेर, 24 जून (एजेंसियां)। शहर के कोटगेट थाना क्षेत्र में एक युवक द्वारा खुद को क्राइम ब्रांच का अधिकारी बताकर लोगों को झांसा देने का मामला सामने आया है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आरोपी युवक को हिरासत में ले लिया है। पकड़ा गया युवक हनुमानगढ़ जिले के रावतसर का रहने वाला पवन कुमावत है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सौरभ तिवारी ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि शहर के मोटी भवन में ठहरा एक व्यक्ति खुद को क्राइम ब्रांच का अधिकारी बताकर लोगों पर रौब झाड़ रहा है। सूचना मिलने पर कोटगेट थाना पुलिस ने मौके पर दबिश दी और युवक से पूछताछ की। पुलिस द्वारा जब उससे पहचान पत्र मांगा गया तो वह कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका।

इसके बाद पुलिस ने उसे थाने लाकर गहन पूछताछ की, जिसमें खुलासा हुआ कि पवन कुमावत बीते चार दिनों से एक किराए की गाड़ी में भारत सरकार ऑन ड्यूटी का फर्जी टोकन लगाकर घूम रहा था। वह व्यापारिक प्रतिष्ठानों से सामान और होटलों से भोजन बिना भुगतान किए ही लेता रहा। युवक ने क्राइम ब्रांच अधिकारी बनकर लोगों पर धौंस दिखाते हुए ये सुविधाएं हासिल की थीं। प्राथमिक पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी ने न केवल वाहन का किराया नहीं चुकाया, बल्कि शहर के विभिन्न प्रतिष्ठानों से धोखे से वस्तुएं भी प्राप्त कीं। पुलिस ने उसके खिलाफ प्रतिरूपण, धोखाधड़ी और फर्जी सरकारी पहचान दर्शाने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया है। साथ ही उसके पूर्व आपराधिक रिकॉर्ड की भी जांच की जा रही है।

प्रेम विवाह करने की कीमत युवक ने जान देकर चुकाई
बेरहमी से पत्थर से कुचलकर हत्या

जयपुर, 24 जून (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर के जयसिंहपुरा खोर इलाके में एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है, जिसने समाज में रिश्तों की सच्चाई और इंसानियत की हालत पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यहां 27 वर्षीय गोविंद प्रजापत की बेरहमी से पत्थर से सिर कुचलकर हत्या कर दी गई। प्रारंभिक जांच में हत्या का शक उसके ससुराल वालों पर जताया गया है, जिनसे पुलिस हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। गोविंद ने करीब एक साल पहले पायल नाम की युवती से प्रेम विवाह किया था। यह शादी सामाजिक मर्यादाओं के खिलाफ मानी जा रही थी, जिसके चलते पायल के परिजन शुरुआत से ही इस रिश्ते के खिलाफ थे। गोविंद और पायल ने समाज की बंदिशों को दरकिनार कर एक-दूसरे से शादी की थी और उनका एक बच्चा भी है। दोनों का जीवन सामान्य रूप से चल रहा था, लेकिन यह खुशी ज्यादा दिन टिक नहीं सकी।

फ्यूचर सिटी में निवेश के अवसरों का पता लगाएं : श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सूचना प्रौद्योगिकी और उद्योग मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू ने इंडो-फ्रेंच चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (आईएफसीसीआई) और इसकी सदस्य कंपनियों से तेलंगाना की प्रतिष्ठित फ्यूचर सिटी परियोजना में निवेश के अवसरों को सक्रिय रूप से तलाशने का आग्रह किया है, जो सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत विकसित किया जा रहा एक आगामी 30,000 एकड़ का वैश्विक नवाचार केंद्र है। उन्होंने मंगलवार को यहां सचिवालय में आईएफसीसीआई द्वारा आयोजित एक उच्च स्तरीय गोलमेज सम्मेलन के दौरान भारत-फ्रांस सहयोग को गहरा करने के महत्व पर जोर दिया। गोलमेज सम्मेलन में तेलंगाना सरकार के वरिष्ठ अधिकारी और फ्रांस के प्रमुख व्यापार प्रतिनिधियों का एक प्रतिनिधिमंडल इंजीनियरिंग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), स्वच्छ ऊर्जा और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में निवेश के अवसरों पर चर्चा करने के लिए एक साथ आया। इस अवसर पर बोलते हुए, श्रीधर बाबू ने इस बात पर प्रकाश डाला कि यह परियोजना मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के दृष्टिकोण के अनुरूप है, जो तेलंगाना को नवाचार, स्थिरता और उन्नत बुनियादी ढाँचे में विश्व नेता के रूप में स्थापित करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, "तेलंगाना एक पसंदीदा निवेश गंतव्य के रूप में उभरा है, जिसने पिछले 18 महीनों में 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश आकर्षित किया है। पिछले साल ही, हैदराबाद में 70 नए वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी) का स्वागत किया गया, जो राज्य की व्यवसाय समर्थक नीतियों और शासन मॉडल का प्रतिबिंब है।" मंत्री ने आगे कहा कि तेलंगाना मंजूरी में पारदर्शिता और गति बढ़ाने के लिए अपने टीजी-आईपास औद्योगिक अनुमोदन प्रणाली में कृत्रिम बुद्धिमत्ता को एकीकृत कर रहा है। सैनोफी, मोनिन, सफ्रान, कैपजेमिनी, डसॉल्ट, टेलीपरफॉर्मेंस और ओपेला हेल्थकेयर समेत कई प्रमुख फ्रांसीसी कंपनियों ने पहले ही एयरोस्पेस, आईटी, फार्मास्यूटिकल्स और खाद्य प्रसंस्करण जैसे क्षेत्रों में तेलंगाना में अपनी मजबूत उपस्थिति स्थापित कर ली है। मंत्री श्रीधर बाबू ने फ्रांसीसी व्यवसायों को स्वच्छ ऊर्जा और हरित गतिशीलता, स्मार्ट स्वास्थ्य सेवा और डिजिटल शासन, भविष्य के लिए तैयार शिक्षा, टिकाऊ विनिर्माण, कृषि-नवाचार और उभरती प्रौद्योगिकियों जैसे उभरते क्षेत्रों का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित किया। फ्रांसीसी उद्यमों के साथ हमारा सहयोग निवेश से परे है। यह एक टिकाऊ और प्रौद्योगिकी-संचालित भविष्य का सह-निर्माण करने के बारे में है।, फ्रांसीसी प्रतिनिधिमंडल में मोनिन इंडिया, ओपेला हेल्थकेयर, सफ्रान एयरक्राफ्ट इंजन सर्विसेज इंडिया, सैनोफी इंडिया, टेलीपरफॉर्मेंस, ज़िग्लर एयरोस्पेस और वार इलेक्ट्रोकेम प्राइवेट लिमिटेड के वरिष्ठ प्रतिनिधि शामिल थे। मंत्री ने भारत-फ्रांस आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने और निर्बाध निवेश की सुविधा प्रदान करने के लिए राज्य सरकार की पूर्ण प्रतिबद्धता दोहराई।

किशोरी और उसके साथी ने की मां की हत्या

एस अंजलि (39)

हैदराबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जीडीमेटला स्थित अपने घर में मंगलवार तड़के एक महिला की उसकी किशोर बेटी और उसके प्रेमी ने कथित तौर पर हत्या कर दी। जानकारी के अनुसार, एस अंजलि (39) अपनी बेटी के साथ जीडीमेटला के एनएलबी नगर में रह रही थीं। लड़की ने अपने प्रेमी पी शिवा (19) और उसके छोटे भाई (18) के साथ मिलकर घर में अंजलि की गला दबाकर और पीट-पीटकर हत्या कर दी थी। सूचना मिलने पर जीडीमेटला पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

महिला पंचायत अधिकारी हरीश राव को नागरिक मुद्दे बताने पर मिला ज्ञापन

मेदक, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मेदक के चिप्पलतुर्थी गांव की एक महिला पंचायत सचिव सरकार की जांच के दायरे में आ गई है, क्योंकि उसने सोमवार को बीआरएस नेता और पूर्व मंत्री टी हरीश राव के साथ अपने दौरे के दौरान खुले तौर पर नागरिक मुद्दों को साझा किया था।

बातचीत के कुछ ही समय बाद, मेदक जिला कलेक्टर राहुल राज ने कथित तौर पर जिला पंचायत सचिव को श्रुतिजा नामक अधिकारी को एक ज्ञापन देने का निर्देश दिया। इस कदम से ग्रामीणों, बीआरएस नेताओं और खुद अधिकारी के बीच आश्चर्य और आक्रोश फैल गया है। अपने दौरे के दौरान हरीश राव ने पंचायत कार्यालय परिसर में एक कूड़ा उठाने वाला ट्रैक्टर खड़ा देखा और पूछा कि कूड़ा उठाना क्यों बंद कर दिया गया है। श्रुतिजा ने बताया कि पंचायत के पास डीजल खरीदने के लिए भी पैसे नहीं हैं और उन्होंने खुद ही कार्यालय के खर्चों को पूरा करने के लिए करीब 80,000 रुपये खर्च कर दिए हैं।

पंचायत कर्मचारियों ने हरीश राव को यह भी बताया कि उन्हें पिछले तीन महीनों से वेतन नहीं मिला है। गांव का निरीक्षण करने के बाद पूर्व मंत्री ने खराब स्ट्रीट लाइट और अन्य नागरिक मुद्दों पर टिप्पणी की। कलेक्टर के निर्देश के बाद जिला पंचायत अधिकारी (डीपीओ) ने श्रुतिजा को एक ज्ञापन जारी कर उनके बयानों पर मीडिया रिपोर्टों के संबंध में जवाब प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

रवींद्र भारती में नृत्य नाटिका 26 को

हैदराबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता)। रागा सप्त स्वरम्, तेलंगाना सरकार के भाषा और संस्कृति विभाग के तत्वावधान में, गुरुवार, 26 जून को रवींद्र भारती, हैदराबाद में एक नृत्य नाटिका का मंचन करने जा रहा है। श्रीकाकोलानु चिन्नधि नामक यह नृत्य नाटिका, दिवंगत वेटूरी सुंदरराममूर्ति द्वारा परिकल्पित और लिखित एक उत्कृष्ट कृति है।

कला तपस्वी के. विश्वनाथ के आशीर्वाद से, डॉ. स्मिता माधव और उनके दल द्वारा यह नृत्य नाटिका प्रस्तुत की जा रही है, जो संगीत की सुंदरता, एक देवदासी की भावनात्मक और नैतिक जटिलता के सार को समाहित करती है। यह एक देवदासी की आशा की कहानी है और दर्शाती है कि विरोधाभासों से भरा समाज भी चिंतन, मुक्ति और न्याय की ओर बढ़ने में सक्षम हो सकता है। 1973 के ऑल इंडिया रेडियो के इस नाटक को नर्तकी और संगीतकार डॉ. स्मिता माधव अपनी असाधारण प्रतिभा से जीवंत कर रही हैं। इस कार्यक्रम में श्रीमती वेटूरी सीता महालक्ष्मी, डॉ. मामिदी हरिकृष्णा, हरीश सीपी यारलागड्डा और डॉ. सीएच. प्रीति रेड्डी, जेके भारवी और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति नृत्य और कला प्रेमी उपस्थित रहेंगे।

मोंड़ा मार्केट पुलिस ने 2 आपराधिक गिरोहों को पकड़ा

43.21 लाख रुपये नकद बरामद

हैदराबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता)। नकली सोने का सौदा करने वाले एक आपराधिक गिरोह और वाहन रिकवरी एजेंट बनकर उसे रोककर लूटने वाले एक अन्य आपराधिक गिरोह को मोंडा मार्केट पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने दोनों गिरोहों के 18 लोगों को गिरफ्तार करने के अलावा 43.21 लाख रुपये नकद, करीब 59 ग्राम सोना, वाहन और 23 मोबाइल फोन बरामद किए। ये गिरफ़्तारियां बोइनपल्ली निवासी हरिराम की शिकायत के बाद की गईं, जिसे पहले गिरोह ने 5 प्रतिशत छूट पर 1 किलो सोना खरीदने के बहाने ठगा था। मुख्य संदिग्ध राधेश्याम ने हरिराम को रामबाबू सहित कुछ लोगों से मिलवाया और बाद में अपने साथियों को हरिराम के दफ़्तर में नकदी होने की पुष्टि की।

सरकार के विकास और कल्याण कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने की अपार संभावनाएं : रामकृष्ण राव

मुख्य सचिव ने जिला कलेक्टरों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की

हैदराबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव के रामकृष्ण राव ने आज जिला कलेक्टरों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कर वन महोत्सव, इंदिराम्मा आवास योजना, उर्वरकों की उपलब्धता, ऑयल पाम विस्तार, भू-भारती, मौसमी बीमारी, टीबी मुक्त भारत और मेडिकल कॉलेजों की आवश्यकताओं आदि की प्रगति की समीक्षा की। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में राजस्व, आवास, स्वास्थ्य, कृषि और वन विभाग के अधिकारी शामिल हुए।

मुख्य सचिव ने कलेक्टरों से लोगों के जीवन में स्थायी प्रभाव डालने के लिए अभिनव तरीके से सोचने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कलेक्टरों के लिए अपने जिलों में सरकार के विकास और कल्याण कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने की अपार संभावनाएं हैं, जो गरीबों और वंचितों के उत्थान में एक लंबा रास्ता तय करेंगे। उन्होंने बताया कि इसके बाद हर मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की जाएगी।

मुख्य सचिव ने कलेक्टरों से इंदिराम्मा घरों की प्रगति की समीक्षा करने और मंजूरी की कार्यवाही जारी करने को कहा। उन्हें यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि सभी स्वीकृत घरों को तुरंत जमीन पर उतारा जाए। वन महोत्सव पर कलेक्टरों को जिला निगरानी परामर्शदात्री समिति की बैठक आयोजित करने तथा संबंधित विभागों के साथ जिले में प्रभावी समीक्षा करने को कहा गया। उन्होंने फलदार प्रजातियों के रोपण पर विशेष ध्यान देते हुए अच्छी गुणवत्ता वाले पौधे तैयार रखने की आवश्यकता पर बल दिया। कलेक्टरों को पौधों के जीवित रहने का भी जायजा लेने को कहा गया। पर्यावरण एवं वन मंत्री कोंडा सुरेखा ने सभी विभागों को शामिल कर पौधरोपण करने के लिए लक्षित दृष्टिकोण अपनाने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि जिलों में खाली पड़ी जमीनों की पहचान कर बड़े पैमाने पर पौधरोपण किया जाना चाहिए। कृषि सचिव रघुनंदन राव ने जिला कलेक्टरों से कहा कि उर्वरक का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है, इसलिए कलेक्टरों को यह सुनिश्चित करना होगा कि राज्य में कहीं भी अफरा-तफरी में खरीददारी या जमाखोरी न हो।

उन्होंने कहा कि विशेष अधिकारी अपने-अपने जिलों में उर्वरक डीलरों के पास जाएं और स्थिति का जायजा लें। ऑयल पाम के संबंध में उन्होंने कलेक्टरों से कहा कि वे अपने जिलों में ऑयल पाम के रोपण के लिए बड़े क्षेत्रों की पहचान करें। मुख्य सचिव ने बताया कि राज्य भर में आयोजित राजस्व बैठकों के दौरान 8 लाख से अधिक आवेदन प्राप्त हुए। उन्होंने कलेक्टरों से व्यक्तिगत रूप से आवेदनों की निगरानी करने और मानवीय दृष्टिकोण के साथ उनका निपटान करने के लिए कदम उठाने को कहा। मुख्य सचिव ने कलेक्टरों से मानसून के मौसम की शुरूआत के कारण संक्रामक बीमारियों और वेक्टर जनित रोगों के प्रसार पर सतर्क रहने को कहा। टीबी मुक्त भारत अभियान पर, उन्होंने जिला कलेक्टरों को कार्य योजना तैयार करने और डीएमएचओ, अस्पताल अधीक्षकों, रेड क्रॉस और भारतीय चिकित्सा संघ को शामिल करते हुए अभिसरण बैठक आयोजित करने को कहा। मुख्य सचिव ने जिला कलेक्टरों को विशेष रूप से मानव संसाधन के दृष्टिकोण से मेडिकल कॉलेजों की आवश्यकताओं का जायजा लेने और उचित कदम उठाने को कहा। प्रमुख सचिव ईएफएसएंडटी नदीम अहमद, सचिव एचएंडएफडब्ल्यू क्रिस्टीना जेड चोंगथु, सचिव राजस्व लोकेश कुमार, पीसीसीएफ और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

फ्रांसीसी जनरल के ऐतिहासिक मकबरे पर सुरक्षा की कमी

हैदराबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मालकपेट स्थित मॉन्सीयूर रेमंड ओबिलिस्क को उचित इलेक्ट्रॉनिक निगरानी प्रणाली का इंतजार है, क्योंकि अपर्याप्त उपकरणों वाले सुरक्षा गार्ड शाम के बाद वहां जमा होने वाले असामाजिक तत्वों से जूझते रहते हैं। ऐतिहासिक महत्व के इस स्थान का प्रबंधन करने वाला तेलंगाना का धरोहर विभाग समय के साथ तालमेल बनाए रखने और परिसर की सुरक्षा के लिए क्लोज सर्किट कैमरे लगाने में विफल रहा है। परिणामस्वरूप, असामाजिक तत्व उस विशाल 10 एकड़ के मैदान में प्रवेश कर रहे हैं, जहां निजाम अली खान, आसफ जाह द्वितीय की सेना में एक फ्रांसीसी जनरल, मॉन्सियर माइकल जोआचिम मैरी रेमंड दफन हैं।

रेमंड का मकबरा मूसारामबाग की पहाड़ी की चोटी पर स्थित है, जो मलकपेट- दिलसुखनगर रोड पर स्थित है। सरकार ने कुछ साल पहले आगंतुकों को आकर्षित करने के लिए इस जगह पर सौंदर्यीकरण कार्य शुरू किया था और गेट बदल दिए गए थे, लोहे की जाली की बाड़ लगाई गई थी और अतिक्रमण को रोकने और स्थानीय निवासियों को सुबह की सैर के लिए जगह प्रदान करने के लिए पैदल मार्ग बनाए गए थे। हालांकि, स्थानीय लोगों का कहना है कि रात होने के बाद यह जगह असामाजिक तत्वों का अड्डा बन जाती है। स्थानीय निवासी अरविंद गौड़ ने शिकायत की कि दिन के समय गेट बंद कर दिए जाते हैं और आगंतुक के आने-जाने के बाद ही गेट खोले जाते हैं।

गुरु-पूर्णिमा महोत्सव 29 को

हैदराबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता)। विश्व जागृति मिशन हैदराबाद मंडल के सत्संग व मिडिया प्रभारी राजकुमार दायमा नें बताया कि सद्गुरुदेव सुधांशु महाराज द्वारा संस्थापित अमृतधाम आश्रम, मंचिरेउला ग्राम, गंडीपेट रोड नारसिंगी हैदराबाद में गुरु-पूर्णिमा महोत्सव 29 जून को सुबह 10:31 बजे से दोपहर 2 बजे तक मनाया जायेगा। बता दें कि इस वर्ष गुरु-पूर्णिमा 10 जुलाई को है।

इस अवसर पर शिष्यों को गुरुदेव से आशीर्वाद प्राप्त करने का अवसर प्राप्त होता है। इस पावन पवित्र शुभ अवसर पर महाराज श्री एवं ध्यान गुरु डॉ. अर्चिका दीदी के पावन सान्निध्य में मुख्य कार्यक्रम नई दिल्ली में शक्ति टेंट गोल्डन डेकोर निकट जापानी पार्क रोहीणी सेक्टर 12 में ऑनलाइन और ऑफलाइन होगा। 7 जुलाई को सायंकाल विशेष सत्संग रहेगा और 8 और 9 जुलाई को गुरु मंत्र सिध्दि साधना और 9 जुलाई को दिव्य शक्तिपात क्रिया कराई जायेगी। 10 जुलाई को मुख्य गुरु-पूर्णिमा-महोत्सव का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। हैदराबाद मंडल परीवार 29 जून रविवार को मंचिरेउला ग्राम नारसिंगी स्थित अमृतधाम आश्रम में गुरु पूजन और चरण पादुका पूजन के साथ गुरु चरण पादुका स्तोत्रं का पठन होगा।

स्थानीय निकाय चुनाव से पहले नगर आयुक्तों का तबादला

हैदराबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हाल ही में कई आईएएस अधिकारियों के फेरबदल के बाद, नगर प्रशासन विभाग ने कई नगर आयुक्तों का तबादला कर दिया, साथ ही कुछ उपायुक्तों को पदोन्नत कर नई नगर पालिकाओं में तैनात किया गया। नगर प्रशासन विभाग की सचिव टीके श्रीदेवी द्वारा जारी यह स्थानांतरण आदेश स्थानीय निकाय चुनावों के आसन्न आयोजन के बारे में बढ़ती अटकलों के बीच आया है। ग्रेटर वारंगल नगर निगम (जीडब्ल्यूएमसी) के डिप्टी कमिश्नर टी राजेश्वर को महबूबाबाद नगर पालिका का नगर आयुक्त नियुक्त किया गया है। अमरचिंता के नगर आयुक्त एम रवि बाबू को निजामाबाद नगर निगम का डिप्टी कमिश्नर बनाया गया है। नागर कर्नूल नगर पालिका के नगर आयुक्त बी नरेश बाबू को अब देवरकद्रा नगर पालिका का नगर आयुक्त नियुक्त किया गया है। टी प्रवीण (जो पदस्थापना की प्रतीक्षा कर रहे थे) को महबूबनगर नगर पालिका का नगर आयुक्त नियुक्त किया गया है।

नियुक्ति की प्रतीक्षा कर रहे बी सत्यनारायण को अब इब्राहिमपटनम नगर पालिका का नगर आयुक्त नियुक्त किया गया है, जबकि एन वेंकट रेड्डी को दम्मईगुडा नगर पालिका का नगर आयुक्त नियुक्त किया गया है। मेडचल नगर पालिका के नगर आयुक्त नागी रेड्डी को नागर कर्नूल नगर पालिका का नगर आयुक्त बनाया गया है। जीएचएमसी के संयुक्त आयुक्त जी श्रीनिवास को अब मिर्यालगुडा नगर पालिका का नगर आयुक्त बनाया गया है। जीएचएमसी के डिप्टी कमिश्नर डी. सुभाष राव को जहीराबाद नगर पालिका का नगर आयुक्त बनाया गया है। हुस्नाबाद नगर पालिका के प्रबंधक सी. बालकृष्ण को गजवेल नगर पालिका का नगर आयुक्त बनाया गया है। भूपलपल्ली नगर पालिका के प्रबंधक टी रमेश को बेल्लमपल्ली नगर पालिका का नगर आयुक्त नियुक्त किया गया है। इसके अलावा, उपायुक्त, अनुभाग अधिकारी और सहायक नगर आयुक्त के रूप में कार्यरत कई अन्य लोगों को पदोन्नत किया गया है और नई नियुक्तियां दी गई हैं।

पीने के पानी के लिए हताश होकर पुलिसकर्मियों के पैरों में गिर पड़े आदिवासी

आदिलाबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हताशा का एक मार्मिक प्रदर्शन करते हुए, कुमराम भीम आसिफाबाद जिले के केरामेरी मंडल के कई गांवों के आदिवासी लोगों ने पुलिसकर्मियों के पैर छूकर मिशन भागीरथ योजना के तहत निर्बाध पेयजल आपूर्ति की गुहार लगाई। मंगलवार को आदिवासियों ने खाली बर्तन और बर्तन लेकर आसिफाबाद-उटनूर रोड पर धरना दिया, जिससे कुछ समय के लिए यातायात बाधित रहा। उन्होंने मानसून की शुरूआत के बावजूद पिछले 11 दिनों से अपने गांवों में पीने के पानी की कमी पर दुख व्यक्त किया। सूचना मिलने पर पुलिस के जवान मौके पर पहुंचे और सड़क जाम करने वाले प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने की कोशिश की। हालांकि, आदिवासियों ने उनसे हस्तक्षेप न करने की विनती करते हुए कहा कि उनका विरोध पुलिस के खिलाफ नहीं, बल्कि पानी की उनकी बुनियादी जरूरत के प्रति सरकार की उदासीनता के खिलाफ है। स्थिति से व्यथित होकर, वहां मौजूद लोगों ने देखा कि प्रदर्शनकारी पुलिसकर्मियों के पैरों पर गिर पड़े और उनसे संकट को हल करने में मदद करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि वे नदियों और कुओं से पानी लाने के लिए लंबी दूरी तय कर रहे हैं क्योंकि जल आपूर्ति लाइनें उनके गांवों में पीने का न्यूनतम पानी भी नहीं पहुंचा पा रही हैं।

पूर्व सरपंच ने की आत्महत्या

जगतियाल, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता)। गोलापल्ली मंडल के बिबिराजपल्ली गांव में पूर्व सरपंच दसारी शंकरैया ने कथित तौर पर गांव के विकास कार्यों के लिए बढ़ते कर्ज से निपटने में असमर्थ होकर आत्महत्या कर ली। परिवार के सदस्यों ने बताया कि शंकरैया ने सोमवार को आम के बगीचे में कीटनाशक खा लिया। शंकरैया ने पिछले दो सालों में करीब 10 लाख रुपये उधार लेकर गांव में कई विकास कार्य करवाए थे। हालांकि, दो साल बाद भी काम के बिल का भुगतान नहीं किया गया, जिससे साहूकारों का उन पर बहुत दबाव बढ़ गया। रिश्तेदारों ने बताया कि आर्थिक तंगी से जूझने में असमर्थ होकर उसने अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली।

जीएचएमसी मुख्यालय में लगी 3 मूर्तियां हटाई गईं

हैदराबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता)। लगभग 15 वर्षों तक अनावरण के बाद, जीएचएमसी मुख्यालय में पूर्व आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस राजशेखर रेड्डी, डॉ. बीआर अंबेडकर और महात्मा गांधी की तीन मूर्तियों को मंगलवार को उनके आधार से हटा दिया गया। भविष्य में उचित तरीके से मूर्तियों की स्थापना सुनिश्चित करने के लिए शहर के अधिकारियों ने मूर्तियों को हटाने का निर्णय लिया। 22 मई को मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी की अध्यक्षता में जीएचएमसी की स्थायी समिति ने इन मूर्तियों को स्थानांतरित करने और वहां एक जल फव्वारा बनाने का प्रस्ताव पारित किया। ये तीनों मूर्तियां लगभग 15 वर्षों तक जीएचएमसी मुख्यालय, टैंक बंड के पूर्वी हिस्से में सफेद कपड़े में लिपटी रहीं।

बीआरएस ने कांग्रेस सरकार के 'रैतु पंडुगा' का उड़ाया उपहास

> किसानों को धोखा देने के लिए की माफी की मांग

हैदराबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस ने किसानों से चुनावी वादे पूरे किए बिना 'रैतु पंडुगा' समारोह आयोजित करने के लिए कांग्रेस सरकार की खिल्ली उड़ाई। वरिष्ठ नेता टी हरीश राव और एस निरंजन रेड्डी ने मांग की कि स्थानीय निकाय चुनावों से पहले नाटक करने के बजाय कांग्रेस सरकार किसानों से विश्वासघात करने के लिए उनसे माफ़ी मांगे। बीआरएस के वरिष्ठ विधायक और पूर्व मंत्री टी हरीश राव ने कहा कि कांग्रेस पिछले 19 महीनों से किसानों की अनदेखी करते हुए रैतु पंडुगा उत्सव के नाम पर एक और चुनावी नाटक कर रही है। उन्हें लगता है कि उत्सव मनाने के बजाय सरकार को अपनी विफलताओं पर शर्म आनी चाहिए। उन्होंने कांग्रेस द्वारा किसानों से किए गए कई अधूरे वादों को गिनाते हुए पूछा, रेवंत रेड्डी, आप किस बात का जश्न मना रहे हैं?

उन्होंने याद दिलाया कि कांग्रेस ने न केवल रैतु भरोसा राशि को वादे के अनुसार 15,000 रुपये प्रति एकड़ से घटाकर 12,000 रुपये प्रति एकड़ कर दिया, बल्कि अपने चुनावी वादे के बावजूद काश्तकारों को इससे पूरी तरह वंचित कर दिया। पूर्व मंत्री ने कहा कि सरकार अच्छी किस्म के धान के लिए वादा किए गए बोनस का भुगतान करने में भी विफल रही, वारंगल किसान घोषणापत्र को लागू नहीं किया, किसानों को फसल बीमा और ऋतु बीमा जीवन बीमा से वंचित कर दिया, जिससे वे फिर से कर्ज के जाल में फंस गए। उन्होंने आरोप लगाया, आपने एक भी चेक डैम या टैंक नहीं बनाया और एक एकड़ के लिए भी ताजा सिंचाई की व्यवस्था नहीं की।

हरीश राव ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी पर प्रदर्शनकारी किसानों को गिरफ्तार करने और उन्हें मामूली राहत देकर अपमानित करने का भी आरोप लगाया, जबकि कांग्रेस के शासन में 511 किसानों ने आत्महत्या की थी। बीआरएस शासन के विपरीत, उन्होंने बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने बुवाई के मौसम की शुरूआत में किसानों को रैतु बंधु वित्तीय सहायता जारी की, जबकि कांग्रेस केवल चुनावों के दौरान ही रैतु भरोसा प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा, यह जश्न मनाने का समय नहीं है, बल्कि कांग्रेस को माफी मांगने और अपने वादों पर काम करने का समय है।

पूर्व कृषि मंत्री एस निरंजन रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने पिछले 19 महीनों में लगातार चार किस्तों में किसानों को रैतु भरोसा वित्तीय सहायता का पूरा वितरण नहीं किया। उन्होंने कहा कि सरकार पर 1.5 करोड़ एकड़ से अधिक के लिए प्रति एकड़ 30,000 रुपये का बकाया है। उन्होंने सवाल किया कि क्या रैतु पंडुगा उत्सव का उद्देश्य सरकार द्वारा अपने चुनावी वादों को पूरा करने में विफलता का जश्न मनाना है। उन्होंने कहा, कांग्रेस किसानों से किए गए अपने किसी भी चुनावी वादे को पूरा करने में असमर्थ रही है। मात्र 18 महीनों में सरकार ने पिछली बीआरएस सरकार द्वारा किए गए अच्छे कामों को खत्म कर दिया है और अब कृषि को फिर से संकट में धकेल दिया है, जिससे किसानों की जान जोखिम में पड़ गई है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

पंत दोनों पारियों में शतक जमाने वाले पहले भारतीय विकेटकीपर

गावस्कर ने ऋषभ को गुलाटी लगाने वाला कहा, रूट के 210 कैच पूरे

किसी देश में टेस्ट की दोनों पारियों में शतक लगाने वाले पहले भारतीय

देश में	खिलाड़ी	साल
ऑस्ट्रेलिया	विजय हजारे	1948
वेस्टइंडीज	सुनील गावस्कर	1971
पाकिस्तान	सुनील गावस्कर	1978
भारत	सुनील गावस्कर	1978
न्यूजीलैंड	राहुल द्रविड़	1999
इंग्लैंड	ऋषभ पंत	2025

लीड्स, 24 जून (एजेंसियां)। टेस्ट क्रिकेट में इंग्लैंड में एक मैच में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में अब ऋषभ पंत का नाम भी शामिल हो गया है। यह रिकॉर्ड उन्होंने एंड्रयू फ्लिंटॉफ (ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ, एजबेस्टन, 2005) और बेन स्टोक्स (ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ, लॉर्ड्स, 2023) के साथ साझा किया है। इन सभी ने इंग्लैंड में एक टेस्ट मैच में 9-9 छक्के लगाए हैं।

इस टेस्ट मैच में भारत की ओर से 5 अलग-अलग बल्लेबाजों ने शतक लगाए, जो भारतीय टेस्ट इतिहास में पहली बार हुआ है। यह टेस्ट क्रिकेट में छठी बार है, जब किसी टीम के पांच बल्लेबाजों ने एक ही टेस्ट में शतक लगाए हों। इसके साथ ही भारत दूसरी टीम बन गई है जिसने बाहर (विदेश में) खेलते हुए ऐसा कारनामा किया है। इससे पहले ऐसा केवल 1955 में ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज के खिलाफ किंग्स्टन में किया था।

केएल राहुल ने करियर का 9वां शतक लगाया। उन्होंने इंग्लैंड में अपनी तीसरी सेंचुरी लगाई। वे 137 रन बनाकर आउट हुए।

ऋषभ पंत पहले भारतीय बल्लेबाज हैं, जिन्होंने इंग्लैंड में टेस्ट की दोनों पारियों में शतक लगाया। वे ओवरऑल सातवें भारतीय हैं जिन्होंने ये कारनामा किया।

पंत टेस्ट की दोनों पारियों में शतक बनाने वाले पहले भारतीय विकेटकीपर ऋषभ पंत ने इंग्लैंड के खिलाफ हेडिंग्ले टेस्ट में भारत की दूसरी पारी में भी शतक लगाया। वे एक टेस्ट मैच की दोनों पारियों में शतक जमाने वाले पहले भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज बने। दुनिया में उनसे पहले यह कारनामा सिर्फ जिम्बाब्वे के एंडी फ्लावर ने किया है। फ्लावर ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ साल 2001 में हरारे टेस्ट की दोनों पारियों में शतक जमाया था। पंत ने पहली पारी में 134 रन और दूसरी पारी में 118 रन बनाए।

टेस्ट मैच में किसी भारतीय विकेटकीपर द्वारा सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड अब ऋषभ पंत के नाम है। उन्होंने लीड्स टेस्ट में 134 और 118 रन की पारियां खेलकर कुल 252 रन बनाए। इस सूची में दूसरे नंबर पर बुधी कुंदरन हैं, जिन्होंने चेन्नई टेस्ट में 192 और 38 रन बनाकर कुल 230 रन बनाए थे। तीसरे नंबर पर हैं महेंद्र सिंह धोनी, जिन्होंने चेन्नई में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक ही पारी में 224 रन बनाए।

टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा कैच

प्लेयर	कैच	मैच
जो रूट	210	154
राहुल द्रविड़	210	164
महेला जयवर्धने	205	149
स्टीव स्मिथ	200	117
जैक्स कैलिस	200	166

जो रूट ने राहुल द्रविड़ की बराबरी की टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा आउटफील्ड कैच लेने के रिकॉर्ड में जो रूट ने राहुल द्रविड़ की बराबरी कर ली है। दोनों ने अब तक 210 कैच लिए हैं, हालांकि रूट ने यह उपलब्धि 154 टेस्ट में और द्रविड़ ने 164 टेस्ट में हासिल की थी। उनके बाद महेला जयवर्धने का नाम आता है, जिन्होंने 149 टेस्ट में 205 कैच लिए। चौथे स्थान पर स्टीव स्मिथ हैं, जिन्होंने सिर्फ 117 टेस्ट में 200 कैच पूरे कर लिए है।

कपिल देव ने की ऐसे क्रिकेटरों की बेइज्जती?

कहा- वो जानते हैं 30 कैमरे लगे हैं

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)। भारत को पहली बार वर्ल्ड चैंपियन बनने का स्वाद चखाने वाले कप्तान कपिल देव ने आज के क्रिकेटरों की जमकर बेइज्जती की है. उन्होंने एक सवाल के जवाब में उनकी जमकर आलोचना की. हालांकि, सवाल कपिल देव से आज के दौर में उनके खेल के तरीके से जुड़ा था. मगर उन्होंने जो कहा वो आज के दौर के क्रिकेटरों के लिए बेइज्जती से कम नहीं रहा. कपिल देव ने क्या कुछ कहा आज के क्रिकेटरों को लेकर आइए जानते हैं.

दरअसल, एक प्रोग्राम के दौरान कपिल देव से पूछा गया कि वो अगर आज के समय में क्रिकेट खेल रहे होते, तो क्या फर्क होता. उनका तरीका क्या होता? इस पर कपिल देव ने कहा कि तब के और आज के क्रिकेट जेनरेशन में वो एक ही फर्क देखते हैं और वो ये कि आज के क्रिकेट कमाल के एक्टर हैं. कपिल देव ने अपने इस बयान को उदाहरण देकर समझाया भी.

कपिल देव के मुताबिक आज के क्रिकेट गजब के एक्टर हैं. वो जानते हैं कि मैदान पर लगे 30 कैमरों का फोकस सीधा उन पर है. ऐसे में वो जो भी करेंगे वो रिकॉर्ड होगा. कपिल ने इसके पीछे का एक उदाहरण भी दिया. उन्होंने कहा कि हमने सीखा था कि आउट होने के बाद अपना हेड डाउन कर ड्रेसिंग रूम में बैठ जाओ. लेकिन आज के क्रिकेटर जब आउट होते हैं तो अपने बल्ले को जमीन पर पटकते दिखते हैं. सवाल है क्यों? जब पता है कि आउट हो चुके हैं तो फिर बल्ला पटकने से क्या होगा?कपिल देव ने कहा कि आप आउट हुए क्योंकि आपने स्टुपिड शॉट खेला. अब उस पर वैसे रिएक्ट क्यों करना?

कपिल देव की कप्तानी में भारत ने साल 1983 में वेस्टइंडीज के वर्चस्व को खत्म करते हुए वनडे का अपना पहला वर्ल्ड कप जीता था.

आईसीसी ने पंत को फटकार लगाई

हेडिंग्ले में बॉल नहीं बदलने पर अंपायर पर भड़के थे

नियम के उल्लंघन पर दिया एक डिमेरिट पॉइंट

लीड्स, 24 जून (एजेंसियां)। टीम इंडिया के उप कप्तान ऋषभ पंत को इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने फटकार लगाई है। साथ ही एक डिमेरिट पॉइंट भी दिया है। भारतीय टीम इंग्लैंड दौरे पर है। वे हेडिंग्ले टेस्ट में तीसरे दिन बॉल बदलने के लिए फील्ड अंपायर से भिड़ गए थे।

काउंसिल के मुताबिक पंत ने आईसीसी कोड ऑफ कंडक्ट के लेवल-1 का उल्लंघन किया है और इसके लिए उन्हें एक डिमेरिट पॉइंट दिया गया है। पेनल्टी के तहत कोई आर्थिक जुर्माना नहीं लगाया गया है। पंत लिए यह 24 महीने की अवधि में पहला अपराध था।

24 महीने के भीतर 4 डिमेरिट पॉइंट मिलने पर खिलाड़ी पर एक मैच का सस्पेंशन लग जाता है।

पंत ने अपनी गलती मान ली है और आईसीसी एलीट पैनल ऑफ मैच के रेफरी रिची रिचर्डसन द्वारा उन पर लगाई गई सजा को भी स्वीकार कर लिया है।

इंग्लिश पारी के 61वां ओवर मोहम्मद सिराज डालने आए। ओवर की तीसरी बॉल की बाद बुमराह ने बॉल को लेकर अंपायर से शिकायत की। अंपायर से गेंद को बॉल चेकर (गेज) में डालकर जांचने को कहा।

हालांकि, गेंद पास हो गई। इसके बाद ओवर की पांचवीं बॉल पर हैरी ब्रूक ने आगे निकलकर चौका लगा दिया। इसके बाद पंत ने भी गेंद को लेकर दूसरे अंपायर से शिकायत की। गेंद एक बार फिर गेज टेस्ट में पास हो गई, लेकिन पंत इससे नाराज दिखे। उन्होंने गुस्से में गेंद को दूर फेंक दिया। गेज टेस्ट में बॉल की साइज नापी जाती है।

क्या कहता है कोड ऑफ कंडक्ट का नियम

आईसीसी कोड ऑफ कंडक्ट के मुताबिक, लेवल-1 और लेवल-2 के उल्लंघन पर 1 से 2 डिमेरिट पॉइंट्स के साथ शून्य से 50 फीसदी मैच फीस लगती है। लेवल-3 के उल्लंघन करने पर 6 टेस्ट और 12 वनडे का सस्पेंशन मिलता है। पंत पर 1 डिमेरिट पॉइंट का जुर्माना लगाया गया है।

वहीं अगर कोई खिलाड़ी 24 महीने में चार या ज्यादा डिमेरिट पॉइंट जमा करता है, तो वे सस्पेंशन पॉइंट में बदल जाते हैं, जिसके बाद खिलाड़ी पर एक टेस्ट या दो वनडे या दो टी-20 मैचों का बैन लग सकता है। डिमेरिट पॉइंट 24 महीने तक रिकॉर्ड में रहते हैं, इसके बाद वे हटा दिए जाते हैं।

भारतीय टीम मैनेजमेंट पर भड़के दिनेश कार्तिक

शार्दुल का उपयोग सही से नहीं किया

खेल डेस्क, 24 जून (एजेंसियां)। भारत और इंग्लैंड के बीच खेला जा रहा पहला टेस्ट अब रोमांचक मोड़ पर पहुंच गया है। मुकाबले के आखिरी दिन इंग्लैंड को जीत के लिए 350 रन चाहिए तो वहीं टीम इंडिया को 10 विकेट की जरूरत है। भारतीय टीम ने गेंदबाजी के दौरान एक बहुत बड़ी गलती कर दी। जिसके कारण मुकाबला इंग्लैंड के पक्ष में नजर आ रहा है। टीम इंडिया की इस गलती से पूर्व भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक बिल्कुल भी खुश नहीं हैं। कार्तिक ने भारतीय टीम मैनेजमेंट के एक फैसले पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। टीम इंडिया ने हेडिंग्ले टेस्ट मैच में शार्दुल ठाकुर को चौथे गेंदबाजी विकल्प के रूप में चुना। हालांकि पहली पारी में 100.4 ओवर में डालने वाली टीम इंडिया ने शार्दुल को उपयोग सही से नहीं किया। शार्दुल ने पहली पारी में सिर्फ 6 ओवर ही गेंदबाजी की थी। जिससे नाराज होकर दिनेश कार्तिक ने क्रिकबज पर कहा, 'शार्दुल ठाकुर के फैसले पर टीम इंडिया के मैनेजमेंट को ध्यान देने की जरूरत है। अगर वे उनकी गेंदबाजी पर भरोसा नहीं करने वाले हैं, तो वे उन्हें क्यों खिला रहे हैं? यह निश्चित रूप से एक मुद्दा है। अगर आप किसी गेंदबाज पर भरोसा नहीं करने वाले हैं, तो आपने उसे क्यों खिलाया है? मैं समझता हूं कि जब आप चार तेज गेंदबाजों को खिलाते हैं, तो आप शार्दुल को समान अवसर नहीं देने वाले हैं।' पूर्व भारतीय खिलाड़ी दिनेश कार्तिक से जब शार्दुल को कम गेंदबाजी कराने का कारण पूछा गया तो उन्होंने इसके जवाब में कहा, 'जब उन्होंने गेंदबाजी की, तो उन्होंने बहुत अच्छी गेंदबाजी नहीं की, लेकिन जब आपने इतनी गेंदबाजी की हो, तो छह ओवर देना अच्छी बात नहीं है। मुझे शार्दुल के लिए बुरा लग रहा है, लेकिन मैं समझ सकता हूं कि शुभमन क्या सोच रहे हैं। जब दूसरे गेंदबाज गेंदबाजी कर रहे होते हैं, तो वह इंग्लैंड पर अधिक दबाव बनाने में सक्षम होते हैं।'

सांसद प्रिया और क्रिकेटर रिंकू की शादी टली

लड़की के पिता ने कन्फर्म किया

बोले- वे 2-3 महीने क्रिकेट में बिजी हैं

वाराणसी, 24 जून (एजेंसियां)। सपा सांसद प्रिया सरोज और क्रिकेटर रिंकू सिंह की वेडिंग को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। खबर है कि दोनों की शादी टल गई है। अब यह शादी 18 नवंबर को नहीं होगी। यानि यह विवाह अगले साल फरवरी महीने में होगा। लेकिन क्या डेट होगी यह फिक्स नहीं हुई है।

क्यों क्रिकेटर रिंकू सिंह और प्रिया सरोज की टली शादी?

प्रिया सरोज के पिता और समाजवादी पार्टी विधायक तूफानी सरोज ने खुद बेटी की शादी की यह खबर कंर्फम किया है। उन्होंने बताया कि उनके दामाद और क्रिकेट रिंकू सिंह इस पूरे साल अपने क्रिकेट मैच में बिजी हैं। उनका पूरा शेड्यूल व्यस्थ है, इसलिए शादी की तारीख आगे बढ़ाई गई है। अगले साल फरवरी में दोनों का विवाह संपन्न होगा।

लखनऊ के फाइव स्टार होटल 'द सेंट्रम' में हुई थी सगाई

बता दें कि इसी महीने आठ जून को क्रिकेटर रिंकू सिंह और प्रिया सरोज ने की सगाई हुई थी। रिंग सेरेमनी का यह प्रोग्राम राजधानी लखनऊ के फाइव स्टार होटल 'द सेंट्रम' में हुआ था। जिसमें राजनीति से दिग्गजों से लेकर अभिनेता और खेल जगह की कई नामचीन हस्तियां शामिल हुई थीं। खास तौर पर वीआईपी गेस्ट अखिलेश यादव, डिंपल यादव, जया बच्चन, शिवपाल यादव, इकरा हसन समेत 300 मेहमान इस सगाई के गबाह बने थे। बता दें कि दोनों की रिंग भी बेहद खास थी, प्रिया ने रिंकू के लिए कोलकाता के डिजाइनर से स्पेशल ऑर्डर पर यह रिंग मगंवाई थी। वहीं रिंकू ने प्रिया के लिए मुंबई से खरीदी दी थी। दोनों रिंग की कीमत 2 से 3 लाख के बीच की बताई गई थी।

कौन हैं सपा सांसद प्रिया सरोज?

क्रिकेटर रिंकू सिंह की दुल्हन बनने जा रहीं प्रिया सरोज मूल रूप से उत्तर प्रदेश के वाराणसी जनपद के पिंडरा तहसील के करखियांव की रहने वाली हैं। वह यूपी के दिग्गज सपा नेता और विधायक तूफानी सरोज की बेटी हैं। 23 नवंबर 1998 को जन्मीं प्रिया ने कॉलेज की पढ़ाई के दौरान ही राजनीति में एंट्री कर ली थी। वह 18 साल होने के बाद ही उन्होंने सपा की सदस्यता ले ली थी। वर्तमान में वह यूपी के मछलीशहर लोकसभा सीट से सांसद हैं।

मोरक्को राइजिंग स्टार्स माराकेच में दूसरे स्थान पर रहे गोल्फर करणदीप

खेल डेस्क, 24 जून (एजेंसियां)। भारतीय गोल्फर करणदीप कोचर ने अंतिम दौर में बोगी मुक्त सात अंडर 65 का स्कोर बनाया, लेकिन वह फिलिपीन के एड्रिक चान से एक स्ट्रोक पीछे रह गए और इस तरह से उन्हें मोरक्को राइजिंग स्टार्स माराकेच में दूसरे स्थान पर रहकर संतोष करना पड़ा। पेशेवर खिलाड़ी के रूप में भारत से बाहर अपनी पहली जीत की तलाश में लगे कोचर ने समानाह गोल्फ क्लब में 70-67-69-65 राउंड के साथ 17 अंडर का स्कोर बनाया, जबकि चान ने अंतिम राउंड में सात अंडर 65 का कार्ड खेला और आखिर में उनका कुल स्कोर 18 अंडर रहा। भारत के अन्य खिलाड़ियों में अजीतेश संधू संयुक्त 13वें, खलिन जोशी संयुक्त 34वें, राहिल गंगजी संयुक्त 43वें, अर्जुन शर्मा संयुक्त 45वें और अमन राज संयुक्त 51वें स्थान पर रहे। कोचर ने पहले, चौथे, नौवें, 10वें, 12वें, 16वें और 17वें होल पर सात बर्डी बनाईं।

एथलीट तेजस्विन और अनिमेष टॉप्स डेवलपमेंटल ग्रुप में शामिल

जिमनास्ट प्रणति टारगेट एशियन गेम्स ग्रुप में

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)। एशियाई चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता डेकाथलॉन एथलीट तेजस्विन शंकर, धावक अनिमेष कुजूर और महिलाओं की चार गुणा 100 मीटर रिले टीम को टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) के डेवलपमेंटल ग्रुप में शामिल किया, जबकि खेल मंत्रालय ने जिमनास्ट प्रणति नायक को टारगेट एशियन गेम्स ग्रुप (टीएजीजी) में शामिल किया है।

ज्यादातर अमेरिका में रहने वाले 26 वर्षीय तेजस्विन पिछले महीने एशियाई चैंपियनशिप में दो डेकाथलॉन पदक जीतने वाले पहले भारतीय बन गए थे। उन्होंने पिछले चरण में कांस्य पदक और पिछले महीने रजत पदक जीता था। वहीं 22 वर्षीय कुजूर ने पुरुषों की 200 मीटर स्पर्धा में 20.32 सेकेंड के राष्ट्रीय रिकॉर्ड समय के साथ कांस्य पदक जीता। यह किसी अंतरराष्ट्रीय स्पर्धा में उनका पहला पदक था।

टॉप्स के डेवलपमेंटल ग्रुप में शामिल खिलाड़ियों को 25,000 रुपये का मासिक भत्ता मिलता है और उन्हें दीर्घकाल में पदक का दावेदार माना जाता है। इस सूची में चार गुणा 100 मीटर की चौकड़ी अबिनया राजराजन, स्नेहा शानुवल्ली, नित्या गंधे और श्रवानी नंदा भी शामिल हैं। उन्होंने एशियाई प्रतियोगिता में इस स्पर्धा में रजत पदक जीता था। मंत्रालय की मिशन ओलंपिक इकाई (एमओसी) की हाल ही में हुई बैठक के बाद एशियाई स्पर्धा से ऊंची कूद की एथलीट पूजा, सर्विन सेबेस्टियन (पैदल चाल), विथ्या रामराज (बाधा दौड़), सचिन यादव (भाला फेंक), यूनुस शाह (मध्यम दूरी के धावक) को इस ग्रुप में शामिल किया गया।

धिनिधी देसिंघू का एक्वाटिक चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन

नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया

भुवनेश्वर, 24 जून (एजेंसियां)। धिनिधी देसिंघू ने 78वीं सीनियर राष्ट्रीय एक्वाटिक चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन किया है। धिनिधी ने चैंपियनशिप के दूसरे दिन 200 मीटर फ्रीस्टाइल में दो मिनट 2.97 सेकेंड के समय से नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया जबकि शोअन गांगुली ने 200 मीटर व्यक्तिगत मेडले का प्रतियोगिता रिकॉर्ड अपने नाम किया।

शोअन गांगुली ने दो मिनट 4.34 सेकेंड के समय से कलिंगा स्टेडियम के इंडोर एक्वाटिक सेंटर में नया प्रतियोगिता रिकॉर्ड बनाया।

दिल्ली के कुशाग्र रावत ने 15 मिनट 32.95 सेकेंड के समय से 1500 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता और सिंगापुर में अगले महीने होने वाली विश्व चैंपियनशिप का बी क्वालिफिकेशन स्तर हासिल किया।

कमल चावला एशियाई 6 रेड स्नूकर चैंपियनशिप के प्री क्वार्टर फाइनल में

शेफ़ील्ड, 24 जून (एजेंसियां)। गत आईबीएसएफ चैंपियन कमल चावला ने अपने सभी ग्रुप मुकाबले जीतकर एशियाई 6 रेड स्नूकर चैंपियनशिप के प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। अपने तीसरे और अंतिम ग्रुप सी मैच में भारत के दिग्गज खिलाड़ी चावला ने हांगकांग के मिंग वा मैन को 4-0 से हराया। चावला ने रविवार देर रात श्रीलंका के त्यागराजा थंजीवन को भी इसी अंतर से हराया था। बाद में राष्ट्रीय चैंपियन पारस गुप्ता ने भी अंतिम 16 में जगह बनाई। ग्रुप डी के करो या मरो के मुकाबले में गुप्ता ने कतर के मोहाना अल ओबैदली को 4-3 से शिकस्त दी। टूर्नामेंट में हिस्सा ले रहे तीसरे भारतीय पुष्पेंद्र सिंह नॉकआउट में जगह बनाने में नाकाम रहे।

डब्ल्यूडब्ल्यूई का मौजूदा चैंपियन घायल, बड़ा मैच हुआ रद्द, सऊदी अरब के लिए 2 मुकाबलों का ऐलान

रियाद (सऊदी अरब), 24 जून (एजेंसियां)। नयट आफ चैम्पियंस को अब ज्यादा समय नहीं बचा है. आगामी 28 जून को सऊदी अरब में धमाकेदार प्रीमियम लाइव इवेंट देखने को मिलेगा. कंपनी ने इसके लिए कुछ मैचों का ऐलान कर दिया है. खैर इससे पहले रॉ का एपिसोड भी धमाकेदार हुआ. एक बुरी खबर डॉमिनिक मिस्टीरियो को लेकर सामने आई. वह इंजर्ड हो गए हैं और उनका बड़ा मैच भी रद्द कर दिया गया है.

डॉमिनिक मिस्टीरियो ने हील के रूप में अभी तक जबरदस्त काम किया है. जजमेंट डे ज्वाइन करने के बाद से उनकी किस्मत बदल गई. लिव मॉर्गन के साथ उनकी ऑन-स्क्रीन जोड़ी को काफी पसंद किया जाता है. रेसलमेनिया 41 में मिस्टीरियो ने फैटल 4वे मैच जीतकर इंटरकॉन्टिनेंटल चैंपियनशिप हासिल की थी. तब से उनका रन बढ़िया चल रहा है.

रॉ में बैकस्टेज एडम पीयर्स ने एजे स्टाइल्स से बात की. उन्होंने कहा कि स्टाइल्स का नयट आफ चैम्पियंस में डॉमिनिक मिस्टीरियो के खिलाफ इंटरकॉन्टिनेंटल चैंपियनशिप मैच नहीं होने वाला है. पीयर्स ने कहा कि मिस्टीरियो इंजरी से जूझ रहे हैं, जिसका मतलब है कि स्टाइल्स के टाइटल शॉट को कुछ समय के लिए रोकना होगा. एडम पीयर्स ने साफ कर दिया कि नयट आफ चैम्पियंस में एजे और मिस्टीरियो के बीच मैच नहीं होगा. इस खबर के बाद जरूर फैंस भी निराश हुए होंगे.

नयट आफ चैम्पियंस 2025 में तगड़े मुकाबले होने वाले हैं. जॉन सीना, सीएम पंक, रैंडी ऑर्टन और कोडी रोड्स जैसे बड़े स्टार्स के ऊपर सभी की नजरें हैं. WWE ने मैच कार्ड में दो और मुकाबले जोड़ दिए हैं. राकेल रॉड्रिगेज इस बात से नाराज हैं कि रिया रिप्ली ने उन्हें क्वीन ऑफ द रिंग टूर्नामेंट से बाहर किया. राकेल ने उन्हें दोषी ठहराया. Raw में राकेल रिप्ली को टेबल पर पटका. इसके बाद कंपनी ने दोनों के बीच सऊदी अरब के लिए मैच बुक कर दिया. रिया और राकेल के बीच स्ट्रीट फाइट मैच होगा.

सीएम रेवंत ने केसीआर, हरीश राव को बनकाचर्ला परियोजना पर बहस की चुनौती दी

हैदराबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने बीआरएस के अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव और पार्टी विधायक हरीश राव को बनकाचर्ला परियोजना के संबंध में बहस में भाग लेने की चुनौती दी है। सचिवालय में मंगलवार को रैतु भरोसा विजयोत्सव सभा में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर केसीआर वास्तव में बनकाचर्ला परियोजना के बारे में चर्चा करना चाहते हैं तो उन्हें विधानसभा अध्यक्ष को एक पत्र भेजना चाहिए।

विधायी मामलों के मंत्री श्रीधर बाबू केसीआर द्वारा निर्दिष्ट तिथि पर एक विशेष विधानसभा सत्र आयोजित करने का कार्यभार संभालेंगे। हमें इस बारे में बातचीत करनी चाहिए कि गोदावरी जल मुद्दे के संबंध में तेलंगाना के साथ किसने गलत किया है। मैं विधानसभा में सभी प्रासंगिक विवरण प्रस्तुत करूंगा। केसीआर को भी इस बहस में भाग लेना चाहिए, रेवंत रेड्डी ने घोषणा की। उन्होंने बीआरएस नेताओं के उन आरोपों की भी निंदा की, जिसमें दावा किया गया था कि रेवंत रेड्डी ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री नारा चंद्रबाबू नायुडू के साथ तेलंगाना के हितों से समझौता किया है।

अगर मुझे चंद्रबाबू नायुडू के साथ जुड़ना होता, तो मैं टीडीपी के साथ रहता। मैं राजीव गांधी का आशीर्वाद लेने के लिए यहां क्यों आता? केसीआर और उनके परिवार ने सिंचाई परियोजनाओं के माध्यम से भारी मात्रा में धन का गबन किया है और फार्महाउस के नाम पर हजारों एकड़ जमीन पर कब्जा कर लिया है। अब, वे बनाकाचर्ला परियोजना के बारे में मेरे खिलाफ हानिकारक प्रचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं इस मंच से सीधे बीआरएस नेताओं से पूछ रहा हूं। तेलंगाना की स्थापना से पहले आपकी वित्तीय स्थिति क्या थी? हरीश राव ने मोइनाबाद में एक फार्महाउस कैसे हासिल किया और केटीआर ने जनवाड़ा में संपत्ति कैसे हासिल की, जबकि केसीआर के पास गजवेल में एक संपत्ति है? उन्होंने अपार संपत्ति अर्जित की, फिर भी तेलंगाना राज्य 8 लाख करोड़ रुपये के कर्ज में डूबा हुआ है। पिछले एक दशक में, केसीआर का परिवार निज़ामों से भी अधिक अमीर हो गया है, जबकि एक समय समृद्ध तेलंगाना राज्य अब दिवालियापन का सामना कर रहा है।

खराब हेरिटेज दूध के मामले में रत्नदीप के खिलाफ केस

हैदराबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कुकटपल्ली में एक व्यक्ति ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है कि उसने पास के सुपर मार्केट से जो दूध खरीदा था वह खराब हो गया। शिकायतकर्ता ने सोमवार को अपनी शिकायत में कहा कि उसने रविवार को मरीना स्काईज समुदाय में स्थित रत्नदीप सुपर मार्केट से हेरिटेज टोंड मिल्क के दो पैकेट खरीदे। एक पैकेट उसी दिन खोला गया तो वह अच्छी हालत में पाया गया, लेकिन सोमवार को जब उन्होंने चाय बनाने के लिए दूसरा पैकेट खोला तो उसमें से दुर्गंध आई। इसके बाद उन्होंने दूध को दो छोटे कटोरे में डाला और उबाला, लेकिन दोनों ही मामलों में दूध खराब पाया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि यह सुपरमार्केट या वितरण के दौरान लापरवाही का मामला लगता है।

मी-सेवा ने ऑनलाइन सेवाओं में रेत बुकिंग को जोड़ा

> सुविधा और पारदर्शिता लाना उद्देश्य है

हैदराबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के प्रमुख ई-गवर्नेंस प्लेटफॉर्म मी-सेवा ने ऑनलाइन रेत बुकिंग सेवाएं शुरू की हैं, जो नागरिकों को पारंपरिक बुकिंग प्रणाली के लिए एक तेज़, पारदर्शी और परेशानी मुक्त विकल्प प्रदान करती हैं। आईटीई मंत्री श्रीधर बाबू के नेतृत्व में शुरू की गई नई सेवा नागरिकों को अपने घरों या कार्यालयों में आराम से रेत बुक करने में सक्षम बनाती है, जिससे व्यक्तिगत उपयोगकर्ताओं और निर्माण क्षेत्र के लिए आपूर्ति श्रृंखला को सुव्यवस्थित किया जा सकता है। मी-सेवा ने हाल ही में 20 करोड़ सफल लेनदेन को पार कर लिया है, जो नागरिक सेवा वितरण में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। नई प्रणाली के माध्यम से, रेत बुकिंग पूरी तरह से डिजिटल हो गई है, जिससे अनियमितताओं और देरी की गुंजाइश कम हो गई है। यह सेवा नागरिकों को वाहन का प्रकार, मात्रा, स्टॉकयार्ड (रेत की पहुंच), उपयोग का उद्देश्य और पसंदीदा डिलीवरी तिथि चुनने की अनुमति देती है।

भुगतान ऑनलाइन किया जा सकता है, जिसमें दिए गए पते पर रेत की डिलीवरी निर्धारित है। नागरिकों को अपने निकटतम मी-सेवा केंद्र पर जाना होगा, जहां ग्राम स्तरीय उद्यमी आधिकारिक पोर्टल पर अपना मोबाइल नंबर पंजीकृत करेंगे। नागरिक फिर पता, लैंडमार्क, जिला, मंडल, गांव या निकटतम कॉलोनी और पिन कोड सहित डिलीवरी विवरण प्रदान करेंगे। वाहन का प्रकार, रेत की मात्रा, स्टॉकयार्ड, उद्देश्य और डिलीवरी की तारीख निर्दिष्ट करने के बाद, नागरिक ऑनलाइन भुगतान के साथ बुकिंग पूरी कर सकते हैं। मी-सेवा, जो सरकारी और उपयोगिता सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला की पेशकश करने के लिए जानी जाती है, आवश्यक वस्तुओं और सेवाओं तक सार्वजनिक पहुंच को सरल बनाने के लिए अपनी पेशकशों का विस्तार करना जारी रखती है। रेत बुकिंग को शामिल करने से निर्माण गतिविधियों में लगे ग्रामीण और शहरी नागरिकों को विशेष रूप से लाभ होने की उम्मीद है।

पासपोर्ट आवेदन वेरीफिकेशन में तेलंगाना पुलिस का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

> डीजी इंटेलिजेंस, तेलंगाना बी. शिवधर रेड्डी को मिला प्रमाण पत्र

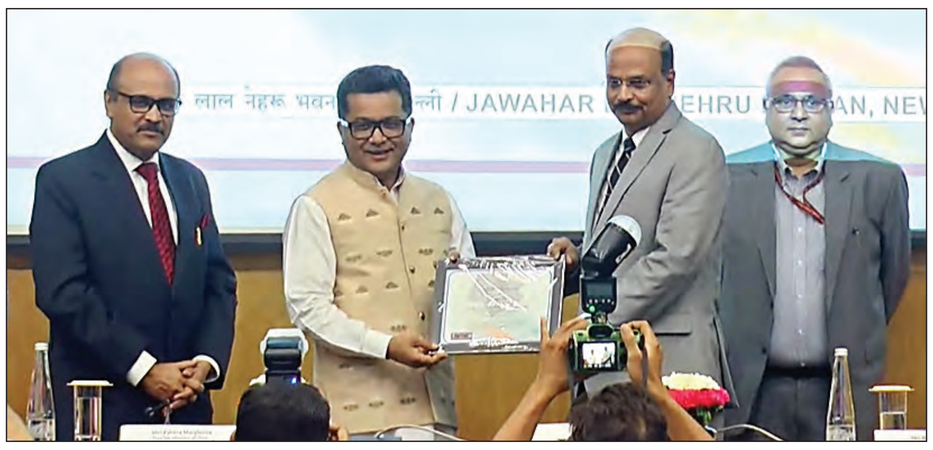

नई दिल्ली/हैदराबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता)। वित्तीय वर्ष 2024-2025 के लिए पासपोर्ट आवेदन सत्यापन डेटा को मंजूरी देने के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली पुलिस में से एक के रूप में चुने जाने के लिए तेलंगाना पुलिस को 'मान्यता प्रमाण पत्र' मिला है। मंगलवार को नई दिल्ली में पासपोर्ट सेवा दिवस कार्यक्रम के दौरान डीजी इंटेलिजेंस, तेलंगाना बी. शिवधर रेड्डी को तेलंगाना पुलिस का प्रतिनिधित्व करने का प्रमाण पत्र मिला है। विदेश राज्य मंत्री पाबित्रा मार्गेरिटा ने कहा कि नई दिल्ली में पासपोर्ट सेवा दिवस और पासपोर्ट अधिकारियों के सम्मेलन के दौरान विदेश मंत्रालय द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-2025 के लिए पासपोर्ट आवेदन सत्यापन डेटा के आधार पर तेलंगाना पुलिस को भारत में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली पुलिस में से एक और 'मान्यता प्रमाण पत्र' का हकदार माना गया है। तेलंगाना पुलिस को वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 8,06,684 पासपोर्ट आवेदन प्राप्त हुए और 15 दिनों से कम के निर्धारित समय के भीतर उनका सत्यापन सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया। यह उल्लेख करना उचित है कि तेलंगाना में पासपोर्ट सत्यापन के लिए औसत समय 15 दिनों के निर्धारित समय के मुकाबले (7) दिनों से कम है।

तेलंगाना पुलिस ने 'सत्यापन' और 'वेरीफास्ट' नाम से कस्टमाइज्ड सॉफ्टवेयर विकसित किए हैं, जो पासपोर्ट आवेदक की आपराधिक पृष्ठभूमि, पुराने पासपोर्ट आवेदकों और डुप्लीकेट पासपोर्ट चाहने वालों की पहचान करने के लिए फेस रिकग्निशन और डेटा मैचिंग तकनीक का उपयोग करके पासपोर्ट सत्यापन की प्रक्रिया को स्वचालित करता है। इसके लिए सीसीटीएनएस, पासपोर्ट आवेदन रिकॉर्ड और अन्य डेटाबेस से डेटा का मिलान किया जाता है। पासपोर्ट सत्यापन को तेजी से पूरा करने के लिए तेलंगाना पुलिस को 2014 से छह बार सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्यों में से एक चुना गया है।

विदेश मंत्रालय द्वारा यह मान्यता सार्वजनिक सेवा में उत्कृष्टता के लिए विभाग की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। तेलंगाना राज्य ने यह सुनिश्चित करने के लिए अपनी स्वयं की सत्यापन प्रणाली विकसित की है कि पासपोर्ट सेवाएं जनता को प्रदान की जाएंगी। इनमें फुल-प्रूफ सत्यापन, आवेदनों का समय पर निपटान और बिना किसी भ्रष्टाचार के शामिल है। डॉ. जितेन्द्र, डीजीपी, तेलंगाना ने पासपोर्ट आवेदन सत्यापन को तेजी से पूरा करने और तेलंगाना पुलिस को प्रशंसा दिलाने के लिए इस उपलब्धि के लिए सामान्य रूप से सभी यूनिट अधिकारियों और विशेष रूप से प्रत्येक यूनिट के विशेष शाखा अधिकारियों और कर्मचारियों की सराहना की।

जीएचएमसी में खेल प्रतियोगिताएं आज से

हैदराबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता)। खेल विभाग के अतिरिक्त आयुक्त यादागिरी राव ने एक बयान में कहा कि 25 जून से 30 जून तक जीएचएमसी बीट पत्रकारों, पार्षदों और जीएचएमसी कर्मचारियों के लिए खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि खेल प्रतियोगिताओं का उद्घाटन शहर की मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी और जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन करेंगे। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता के समापन पर विजेताओं को पुरस्कार दिए जाएंगे।

महापौर, उप-महापौर और जीएचएमसी आयुक्त चदरघाट के विजय खेल मैदान में सुबह 8 बजे कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे। कबड्डी और वॉलीबॉल खेल सुबह 8:30 बजे शुरू होंगे। सुबह 8:30 से 9 बजे अतक नाश्ता परोसा जाएगा और क्रिकेट सुबह 10 बजे नागोल के फतुल्लागुडा में डीआरएफ प्रशिक्षण केंद्र में शुरू होगा। शटल बैडमिंटन सुबह 10 बजे उप्पल खेल मैदान में शुरू होगा। शतरंज, कैरम और टेनिस कोर्ट के खेल सुबह 11 बजे विजय खेल मैदान में शुरू होंगे। दोपहर 1 बजे से 2 बजे तक दोपहर का भोजन परोसा जाएगा। अतिरिक्त आयुक्त यदागिरी राव ने कहा कि दोपहर 2 बजे से विजय खेल मैदान में एथलेटिक्स दौड़ होगी, और दोपहर 3 बजे विजय खेल मैदान में म्यूजिकल चेयर और लेमन स्पून गेम होंगे।

5 वर्षीय बालक की डूबकर मौत

हैदराबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के बाहरी इलाके मैलारदेवपल्ली में मंगलवार दोपहर एक पांच वर्षीय बच्चे की कुएं में डूबने से मौत हो गई। बिहार के मूल निवासी प्रिंस नामक बच्चे की मौत मैलारदेवपल्ली के लक्ष्मीगुडा स्थित राजीव गृहकल्प बिल्डिंग में अपने माता-पिता के साथ रहने के दौरान हुई। मंगलवार को खेलने के लिए निकला बच्चा घर से लापता हो गया था। बाद में उसका शव लक्ष्मीगुडा के एक कुएं में मिला। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और विशेषज्ञ तैराकों की मदद से शव को बाहर निकाला गया।

पर्यावरण संरक्षण सभी छात्रों की मौलिक जिम्मेदारी है : कोंडा सुरेखा

मंत्री ने पर्यावरण संरक्षण के लिए 50 दिवसीय छात्र अभियान शुरू किया

हैदराबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना वन, पर्यावरण एवं धर्मस्व मंत्री कोंडा सुरेखा ने आज मंगलवार को हैदराबाद के जुबली हिल्स स्थित अपने आवास पर 50 दिवसीय पर्यावरण जागरूकता अभियान की शुरूआत करते हुए राष्ट्रीय छात्र पर्यावरण प्रतियोगिता के लिए पोस्टर जारी किया। मंत्री सुरेखा ने छात्रों को पर्यावरण के अनुकूल आदतें अपनाने और पर्यावरण की रक्षा में सक्रिय भूमिका निभाने की आवश्यकता पर जोर दिया। प्रतियोगिता के हिस्से के रूप में, छात्र वृक्षारोपण से शुरूआत करेंगे। प्रत्येक बच्चा एक पेड़ लगाएगा और उसकी देखभाल करेगा, वृक्ष संरक्षण प्रतिज्ञा लेगा और वृक्ष रक्षाबंधन के तहत पेड़ों को राखी भी बांधेगा।

बुजुर्गों या स्वतंत्रता सेनानियों की याद में पेड़ लगाए जा सकते हैं। छात्र घर और स्कूल में गीले, सूखे, प्लास्टिक और ई-कचरे को अलग करके कचरे को अलग-अलग करना भी सीखेंगे। कक्षाओं में जीरो वेस्ट लंच, कम्पोस्ट पिट और स्वच्छता कॉर्नर जैसी गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाएगा। बच्चों को प्लास्टिक का उपयोग कम करने, पुरानी वस्तुओं को रीसायकल करने और रीसायकल स्टोर और स्वैप शॉप में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

पानी बचाने के लिए, छात्र जल प्रतिज्ञा लेंगे, लीक को ठीक करना सीखेंगे, ड्रिप सिंचाई का अभ्यास करेंगे, पानी का पुनः उपयोग करेंगे और वर्षा जल संचयन गड्ढों का रखरखाव करेंगे। प्रत्येक छात्र एक पानी के नल की निगरानी करेगा। मंत्री कोंडा सुरेखा ने सभी छात्रों से सक्रिय रूप से भाग लेने और पेड़ों, कचरे और जल प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करके राज्य को पर्यावरण शिक्षा में अग्रणी बनाने का आग्रह किया।

बाइक स्टंट करते पकड़े गए आठ युवक

हैदराबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के उपनगर राजेंद्रनगर के गगन पहाड़ में मुख्य सड़क पर एक ही बाइक पर खतरनाक स्टंट करने के आरोप में नाबालिगों सहित आठ युवकों को पकड़ा गया। सोशल मीडिया पर इस हरकत का वीडियो वायरल होने के बाद लोगों ने पुलिस से इसकी शिकायत की। राजेंद्रनगर ट्रैफिक पुलिस अधिकारियों ने इस गिरोह का पता लगाया। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि इसमें शामिल कुछ सवार नाबालिग थे।

काटेदान स्पोर्ट्स कॉमप्लेक्स का काम तेजी से पूरा किया जाए : कमिश्नर

हैदराबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन ने अधिकारियों को काटेदान स्पोर्ट्स कॉमप्लेक्स के अधूरे काम को जल्द से जल्द पूरा करने और खिलाड़ियों को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। मंगलवार को आयुक्त ने चारमीनार क्षेत्र में विभिन्न विकास परियोजनाओं का निरीक्षण किया।

इस अवसर पर आयुक्त ने काटेदान खेल परिसर में स्विमिंग पूल में पानी के कनेक्शन के लिए जल बोर्ड के अधिकारियों को बुलाया। उन्होंने पानी के कनेक्शन और शटल बैडमिंटन कोर्ट का काम पूरा करके खिलाड़ियों को

उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि काम पूरा होने के तुरंत बाद खेल अनुभाग को सौंप दिया जाए। कमिश्नर के साथ जोनल कमिश्नर वेंकन्ना, एसी स्पोर्ट्स यदागिरी राव, जोनल एससी महेश्वर रेड्डी, सीई रत्नाकर, प्रोजेक्ट ईईई केएल श्रीनिवास और अन्य ने भाग लिया।

पीएसी ने तेलंगाना में कांग्रेस के शासन को स्वर्णिम काल बताया : भट्टी

हैदराबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि कांग्रेस पार्टी की राजनीतिक मामलों की समिति (पीएसी) ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में इंदिराम्मा के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार द्वारा पिछले एक साल में लिए गए परिवर्तनकारी निर्णयों पर संतोष व्यक्त किया है।

पीएसी की बैठक में भाग लेने के बाद मंगलवार को यहां गांधी भवन में मीडिया से बात करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि पीएसी ने तेलंगाना में कांग्रेस के शासन को स्वर्णिम काल बताया और देश में अभूतपूर्व किसान-हितैषी और कल्याणकारी योजनाओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि पीएसी ने प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) के माध्यम से एक कार्य योजना तैयार करके बूथ स्तर से लेकर मंडल और जिला स्तर तक पार्टी को मजबूत करने का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा, पीएसी ने सरकार द्वारा शुरू की गई कल्याणकारी योजनाओं को हर घर और जमीनी स्तर तक ले जाने के लिए एक मजबूत तंत्र स्थापित करने का भी फैसला किया है। भट्टी विक्रमार्क ने आरोप लगाया कि बीआरएस शासन के दौरान किसानों की उपेक्षा की गई और उन्हें नियमित रूप से रैतु बंधु नहीं मिला। भट्टी विक्रमार्क ने कहा, जिन लोगों ने एक दशक तक शासन किया और किसी भी बीसी से संबंधित सर्वेक्षण में भाग नहीं लिया, वे अब कांग्रेस सरकार द्वारा की गई बीसी जाति जनगणना पर सवाल उठा रहे हैं। यह "शैतानों द्वारा शास्त्रों को उद्धृत करने" जैसा है। तार्किक निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए, हमारी सरकार ने पहले बीसी जाति जनगणना पर एक कैबिनेट प्रस्ताव पारित किया, उसके बाद एक विधानसभा प्रस्ताव, जिसे सर्वसम्मति से मंजूरी दी गई और फिर राज्यपाल को भेजा गया- यह इस मुद्दे के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उन्होंने बताया, इस खरीफ सीजन में बुवाई शुरू होने से ठीक पहले, मात्र 9 दिनों में सरकार ने रैतु भरोसा के तहत 9,000 करोड़ रुपये वितरित किए। अब तक 67.01 लाख किसानों के खातों में 8,675 करोड़ रुपये जमा किए जा चुके हैं। रैतु भरोसा के माध्यम से 69.70 लाख किसानों के खातों में कुल 9,000 करोड़ रुपये जमा किए गए हैं, जिसमें 1.49 करोड़ एकड़ कृषि योग्य भूमि शामिल है। यह वितरण भारतीय इतिहास में एक रिकॉर्ड है।

संघर्ष क्षेत्रों से तेलंगाना के नागरिकों का आगमन जारी

> अब तक कुल संख्या 23 तक पहुंच गई

नई दिल्ली, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी द्वारा शुरू किए गए निरंतर निगरानी प्रयासों के अनुरूप, तेलंगाना सरकार संघर्ष प्रभावित मध्य पूर्व क्षेत्र से अपने नागरिकों की सुरक्षित वापसी के लिए बारीकी से समन्वय कर रही है। तेलंगाना भवन, नई दिल्ली में समर्पित हेल्पडेस्क और सहायता टीम सभी आने वाले यात्रियों को प्राप्त करने और उनकी सहायता करने में सक्रिय रूप से लगी हुई है। 23 जून को दोपहर 1:00 बजे तक कुल 17 नए आगमन दर्ज किए गए हैं। इनमें मशाद, ईरान 5, जॉर्डन (ईरान के रास्ते) 1, इज़राइल 7, इज़राइल 4 शामिल रहे हैं। कल पहुंचे 6 छात्रों (ईरान से 4 और इज़राइल से 2) के अलावा, अब तक कुल 23 तेलंगाना नागरिक सुरक्षित रूप से वापस आ चुके हैं। सभी वापस आने वालों ने अपने खर्च पर हैदराबाद के लिए अपनी आगे की यात्रा की व्यवस्था की है। तेलंगाना भवन के कर्मचारी हवाई अड्डे पर स्वागत, जलपान और यात्रियों के घरेलू उड़ानों में सवार होने तक समन्वय सहित आवश्यक सहायता प्रदान कर रहे हैं। आज और लोगों के आने की उम्मीद है। तेलंगाना सरकार अतिरिक्त निकासी की सुविधा के लिए विदेश मंत्रालय और भारतीय दूतावासों के साथ घनिष्ठ समन्वय बनाए हुए है, विशेष रूप से इज़राइल से जहां अस्थायी हवाई क्षेत्र बंद होने के कारण आउटबाउंड उड़ानें बाधित हैं। तेलंगाना सरकार प्रत्येक नागरिक की भलाई और सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराती है। तेलंगाना भवन में स्थापित हेल्पलाइन वास्तविक समय की सहायता और सूचना के लिए चालू है।

तेलंगाना टीजी लॉसीईटी के नतीजे आज होंगे घोषित

हैदराबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना लॉ कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (टीजी लॉसीईटी) और पीजीएलसीईटी 2025 के परिणाम बुधवार को घोषित किए जाएंगे। परिणाम छात्रों को वेबसाइट पर शाम 4 बजे उपलब्ध करा दिए जाएंगे। तीन और पांच वर्षीय विधि डिग्री कार्यक्रमों तथा एलएलएम पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए 6 जून को आयोजित प्रवेश परीक्षा में कुल 57715 अभ्यर्थी पंजीकृत हुए तथा 45609 अभ्यर्थी उपस्थित हुए।

लड्डू के त्वरित भुगतान के लिए यूपीआई-सक्षम कियोस्क शुरू

तिरुपति, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने लड्डू भुगतान प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए लड्डू काउंटरों पर स्वयं सेवा कियोस्क शुरू किए हैं, मंदिर सूत्रों ने यह जानकारी दी। टीटीडी की एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि तीर्थयात्री अब इन मशीनों पर यूपीआई के माध्यम से अतिरिक्त लड्डुओं के लिए आसानी से भुगतान कर सकते हैं, जो तिरुमाला में विभिन्न लड्डू काउंटरों पर स्थापित हैं। विज्ञप्ति में कहा गया है, सफल भुगतान के बाद, तीर्थयात्रियों को एक रसीद मिलती है जिसका उपयोग लंबी कतारों में इंतजार किए बिना काउंटर पर अतिरिक्त लड्डू लेने के लिए किया जा सकता है।

टीटीडी भीड़ के प्रवाह को बेहतर बनाने और पहाड़ी मंदिर में बड़ी संख्या में आने वाले तीर्थयात्रियों को कुशल, परेशानी मुक्त सेवाएं प्रदान करने के लिए कई डिजिटल पहलों को लागू कर रहा है। यह नई कियोस्क सुविधा टीटीडी के व्यापक प्रयास का हिस्सा है, जो प्रौद्योगिकी को अपनाने और तिरुमाला यात्रा के हर स्पर्श बिंदु पर भक्तों की संतुष्टि को बढ़ाने के लिए है।

टीटीडी अधिकारियों ने कहा कि प्रतिक्रिया का मूल्यांकन करने के बाद चरणबद्ध तरीके से और अधिक कियोस्क लगाए जाएंगे, और वरिष्ठ नागरिकों और पहली बार आने वाले लोगों की सहायता के लिए कर्मचारियों को तैनात किया गया है। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मंदिर निकाय आने वाले महीनों में आवास और प्रसादम काउंटरों सहित अन्य सेवा बिंदुओं पर भी इसी तरह की डिजिटल सुविधाओं का विस्तार करने पर विचार कर रहा है।

फर्जी पासपोर्ट के साथ बांग्लादेशी गिरफ्तार

हैदराबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को आरजीआई हवाई अड्डे पर फर्जी भारतीय पासपोर्ट के साथ इटली की यात्रा करने की कोशिश कर रहे एक बांग्लादेशी नागरिक को आव्रजन अधिकारियों ने गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार, बांग्लादेशी नागरिक दास अवैध रूप से देश की सीमा पार कर ओडिशा के भुवनेश्वर में घुस आया था। वह वहां कुछ समय तक रहा और फर्जी पहचान पत्र बनवाकर अरफान राय के नाम से भारतीय पासपोर्ट हासिल कर लिया। उसने फर्जी पासपोर्ट के साथ गल्फ एयरलाइंस की जीएफ-275 फ्लाइट से इटली के लिए टिकट बुक किया और फ्लाइट में सवार होने के लिए एयरपोर्ट पहुंचा। चेकिंग के दौरान दास के व्यवहार और दस्तावेजों पर इमिग्रेशन अधिकारियों को शक हुआ और उन्होंने उसे हिरासत में ले लिया। पासपोर्ट और दस्तावेजों की गहन जांच के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। आरजीआईए पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.